

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं**०** 40] पूर्ण नई विस्सी, शनिवार, अक्तूबर 2, 1982 (आश्विन 10, 1904)

No. 40] NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 2, 1982 (ASVINA 10, 1904)

इस भाग में भिन्त पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग Ш—खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

आयालयों, नियन्त्रक और महालेखावरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

tions issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union all Subordinate Offices of the Government of India?

गृह मन्त्रालय

का० एवं० प्र० सू० वि**भाग**

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 8 सितम्बर 1982

भू19021/11/78-प्रभासन-5—प्रत्यावर्तन हो भी० ए० रेड्डी, भारतीय पुलिस सेवा (1968-भी० ए० रेड्डी, भारतीय पुलिस सेवा (1968-भूदर्भी), पुलिस श्रधीक्षक, केन्द्रीय श्रन्थेपण ब्यूगो, विशेष भ स्थापना, विशाखापत्तनम णाखा की सेवाएं दिनांक 25 8-1982 के पूर्वाह्न से ग्रांध्रुप्रदेश सरकार को सौंपी जाती है।

मं० ए०-19021/6/82-प्रणा०-5—-निवर्तन की श्रायु प्राप्त कर लेने पर, श्री पी० डी० श्रजमेरा, पुलिस श्रधीक्षक-II, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विणेष एकक, नई दिल्ली ने दिनांक 31 अगस्त, 1982 के अपराह्म में पुलिस श्रधीक्षक/ केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो/विणेष पुलिस स्थापना के पद का भार त्याग दिया ।

सं० ए०-20023/8/82-प्रशासन-5---निदेशक, केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस सहानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्था- पना, एतद्द्वारा, श्री एस० कल्याणसुन्दरम को दिनांक 1 सित-म्बर, 1982 (पूर्वाह्न) से ग्रगले श्रादेश तक के लिए ग्रस्थाई रूप से लोक ग्रभियोजक/केन्द्रीय ग्रन्वेपण ब्यूरो के रूप में नियुक्त भरते हैं।

> श्चार० एम० नागपाल, प्रणासनिक श्वधिकारी (स्था०), केन्द्रीय श्रन्थेपण ब्यूरो

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नई दिल्ली-11022 दिनांक 6 सितम्बर 1982

संख्या एफ० 2/22/76-स्थापना (के० रि० पु० बल)— निम्निलिखत सुबेदारों को जो इस समय आई० टी० बी० पी० में हैं, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में प्रत्येक के सामने दी गई तारीख में उप-पुलिस अधीक्षक के पद पर प्राफार्मा प्रमोशन दिया गया है ।

श्री हनुमान सिंह

31-10-75

(ग्रपराह्म)

2. श्रीसी० त्राक्

3-11-75

(श्रपराह्न)

(13617)

दिनांक 7 सितम्बर 1982

सं० श्री०दो० 1609/81-स्थापना--महानिदेणक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर (श्रीमित) जी० चेल्लाकन्नु को 25 श्रगस्त, 1982 के पूर्वाह्म में केवल तीन माह के लिए श्रथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ट चिकित्सा श्रिधकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

ए० के० सूरी, सहायक निदेशक (स्थापना)

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 13 सितम्बर 1982

सं० 10/19/82-प्रशासन-I—राष्ट्रपति, हिमाचल पदेश, शिमला में जनगणना कार्य निदेशालय के प्रन्वेपक श्री देश-राज खन्ना को उसी कार्यालय में तारीख 18 जून, 1982 के अपराह्न से एक वर्ष में श्रनधिक श्रवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी श्रविध पहले हो, प्रतिनियुक्ति पर पूर्णतः श्रस्थाई रूप से तदर्थ आधार पर श्रनुसंधान श्रिकारी के पद पर गहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री खन्ना का मुख्यालय शिमला में होगा।

दिनाँक 14 सितम्बर 1982

सं० 11/34/79-प्रशा०-1—इस कार्यालय की तारीख 14-4-1981 की समसंख्यांक ग्रिधमूचना के ग्रमुकम में राष्ट्र-पति, निम्निखित कार्यालय ग्रिधीक्षकों की, उनके नामों के सामने दिशित कार्यालय में उनके सामने दिशित ग्रिथित कार्यालय निदेशक जनगणना कार्य के पद पर तदर्थ नियुक्ति को, महर्ष बहाते हैं —

ऋम सं० अधिकारी का	जनगणना कार्य	वह ग्रवीध जहां
नाम	निदेशक का कार्या-	तक तदर्थ नियुक्ति
	लय	विस्तारित की
		गर्द

1	. 2	3	4	
₹	ार्वश्री			
1.	एम० आर० डाहरी	मध्य प्रदेश	1-9-81	से
			7-6-82	
2.	ए० एस० असगर	जम्मू ग्रौर	1-9-81	सं
		कश्मीर	7-6-82	
3.	पी० डी० प्रधान	महाराष्ट्र	1-9-81	4
			7-6-82	
4	- ग्रार० सी० चन्द-		1-9-81	म
	नानी	राजस्थान	7-6-82	
5	. एस० बी० वीरभद्र			
	राव	ग्ररूणाचल प्रदेश	1-9-81	सं
			30-9-82	
				

2. सर्वश्री डाहरी, असगर, प्रधान, चन्दनानी ख्रीर राव के मुख्यालय अमश: भोपाल, श्रीनगर, बम्बई, जयपूर श्रीर शिलांग में होंगे।

मं० 10/19/91-प्रणा०-1—-इस कार्यालय की तारीख 19 ग्रंगस्त, 1981 की समसंख्यक ग्रंधिसूचना के ग्रंतुक्रम में राष्ट्र-पित, डा० एच० मजुमदार को इस कार्यालय में तारीख 20 जुलाई, 1982 में 6 महीने की ग्रीर श्रवधि के लिए या जब तक पद नियमित ग्राधार पर भरा जाए, जो भी ग्रवधि पहले हो, पूर्णत: ग्रस्थाई रूप से तदर्थ ग्राधार पर संयुक्त निदेणक के पद पर महर्ष नियुक्त करते हैं।

2 डा० मज्मदार का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

सं० 10/19/82-प्रशा०-ा---राष्ट्रपति, संघ राज्यक्षेत्र, वण्डीगढ में जनगणना कार्य निदेशालय में इम सगय विष्टि पर्यवेक्षक के पद पर कार्यरत और जनगणना कार्यालय, हिर्याणा के अन्वेषक श्री पी० एन० मोदिगल को हिर्याणा, चण्डीगढ़ में नारीख 23 अगस्त, 1982 के पूर्वाह्न में एक वर्ष में अनिधिक अविधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अविधि पहले हो, पूर्णनः अम्थाई और नदर्थ आधार पर प्रतनियिक्षित पर अनुसंधान अधिकारी के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री मोदगिल का मुख्यालय चण्डीगढ़ में होगा।

सं० 11/5/82-प्रणा०-1—राष्ट्रपति, पश्चिम बंगाल, कलकत्ता में जनगणना कार्य निदेशालय के सहायक जनगणना कार्य (तकनीकी) श्री एन० सी० मरकार को उसी कार्याल में तारीख 15 ज्न, 1982 के पूर्वीह्न से एक वर्ष में अनिधिक अर्वाध के लिए या जब तक पद नियमित आभार पर भरा जाए, जो भी श्रविध पहले हो, प्रतिनियुक्ति पर पूर्णतः अस्थाई रूप से तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक (आंकड़ें संमाधन) के पद पर महर्ष नियुक्त करते हैं।

2 श्री एन० सी० सरकार का मुख्यालय कलकत्ता में होगा ।

> पी० पद्मनाभ भारत के महापंजीकार

वित्त मंत्राक्षय (ग्राधिक कार्य विभाग) कागज प्रतिभूति कारखाना

होशंगाबाद, दिनॉक 🐪 सितम्बर 1982

सं० 7(59)/5369—श्री राजकुमार, फोरमैन (उत्पान को रूपये 840-40-1000-द० श्रव०-40-1200 के वेतनमान में दिनांक 16-8-82 (पूर्वाह्म) से प्रारभ में छः माह की श्रवधि के लिए श्रथवा पद के नियमिन श्राधार पर भरे जाने तक इनमें से जो भी पहले हो, पूर्णतः नदर्थ श्राधार पर महायक मुख्य रसायनक के पद पर नियुक्त किया जाता है।

श० रा० पाटक महा प्रबन्धक

भारत प्रतिभूति मुद्रणालय नासिक रोड, दिनाक 10 सितम्बर 1982

सं० 1575/क--दिनाक 18-9-1980 के क्रम में श्रा एच० के० शर्मा लेखा अधिकारी, की नदर्थ श्राधार पर नियुक्ति को उन्हीं शर्नी श्रौर नियमों पर 31-10-1982 तक या उक्त पद नियमित श्राधार पर भरे जाने तक, इनमें जो भी पहले हो, बढ़ाया जाता है।

> पी० एस० शिवराम महाप्रबंधक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग भारत के नियत्नक महालेखापरीक्षक का कार्यालय

नई दिल्ली-110002 दिनाक 7 मितम्बर 1982

मं० 22/वा० छे० प० 1/82-78— सदस्य छेखा परीक्षा बोर्ड एव पदेन निदेशक वाणिज्यक छेखापरीक्षक कलकत्ता कार्यालय में कार्यरत श्री पी० के० कार, छेखा परीक्षा श्रीध-कारी (वाणिज्यिक) श्रपनी श्रिधविषता श्रायु प्राप्त करने पर दिनांक 31-5-1982 (ग्रपराह्न) में मरकारी मेवा में सेवा निवत्त हो गये।

> एम० ए० सोमेण्वर राव संयुक्त निवेशक (वाणिज्यिक)

महालेखाकार का कार्यालय-I, ग्रांध्र प्रदेश हैदराबाद-500476 दिनांक 28 ग्रगस्त 1982

मं० प्रणा० 1/8-132/82-83/185—महालेखाकार, भ्रांध्र प्रदेश, हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के निम्न लिखित सदस्यों को महालेखाकार, भ्रान्ध्र प्रदेश, हैदराबाद द्वारा वेतनमान ६० 840-40-1000-६० बी०-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर उनके नाम के श्रागे बताई गई तारीख से जब तक श्रागे भ्रादेश न दिए जाएं नियुक्त किये जाते हैं।

कम संख्या नाम			भारग्रहण त	ारीख
1 2			3	
सर्वेश्री		————·	-	
1. एम० वीरास्वामि			23-8-82	ग्र॰
2. एम० सुदर्शनम			23-8-82	श्र०
3. बी० श्रीकृष्ण मृर्ति			25-8-82	पूर
4. के०ए० कुशाल राव			26-8-82	पूर
 के० गोभनाद्राचार्युलु 			23-8-82	ग्र
6. वी० ए० एकांबरम			23-8-82	श्र०
7 के०ए०विण्वनाथन		•	24-8-82	पूर
 एम० भ्राविनारायणा 		•	23-8-82	श्र०

यह पदोन्नित उनस वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकृत प्रभाव डालने वाली नहीं है तथा आन्ध्र प्रदेश उच्च न्या-यानय/ उच्चतम न्यायालय मं प्रतिणीत पड़े याचिकाओं के स्रधीन है ।

> बी० मेसन, वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन),

कार्यालय, निदेशक लेखा परीक्षा, रक्षा मेवाएं,

नई दिल्ली-110001, दिनाक 10 मितम्बर 1982

म० 2943/ए-प्रशासन-130/82—निदेशक लेखापरीक्षा, रक्षा सेवाए, निम्नलिखित स्थायी अनुभाग श्रिधकारियों को, उनके सामने श्रीकत तिथि से, लेखा परीक्षा अधिकारी के स्था-नापन्न रूप मे, आगामी आदेण तक, सहर्ष नियुक्त करते हैं ।

क्रम संब	• नाम	कार्यालय जहां नियुक्ति की की गई है।	नियुक्ति की कीर्तिथि
1	2	3	4
सर्वर्श्व 1. ए.		यर संयुक्त निदेशक लेखा परीक्षा रक्षा सेवाए, पश्चिमी कमान, मेरठ कैन्ट	30-7-82
2. जे	'०एन० नैय	र संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा रक्षा सेवाऐं, मध्य कमान, मेरठ कैन्ट ।	30-8-82
3 ຖ	स० एस०गू	ली लेखापरीक्षा अधिकारी, रक्षा सेवाऐं, जालन्धर कैन्ट ।	26-8-82
4 ਤੰ	ा० स्वर्ण	संयुक्त निर्देशक लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाऐं, पूर्वी कमान, पटना ।	30-8-82

सं० 2948/ए-प्रशासन/130/82—-वार्धक्य निवृति श्रायु प्राप्त करने पर श्री एन० श्रार० रामाचन्द्रन सहायक निदेशक लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाऐं विनाक 3-8-82 (श्रपराह्म) को सेवा निवृत हुए ।

सं० 2949/ए-प्रणामन/130/82—नार्धक्य निवृति श्रायु प्राप्त करने पर श्री डी० मी० महदेव, स्थायी लेखापरीक्षा ग्रिधकारी, दिनाक 31-8-1982 (श्रपराह्म) को, लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाऐ विभाग में, सेवा निवृत हुए।

> राधे क्याम गुप्त, संयुक्त निदेशक लेखा परीक्षा, 'रक्षा सेवाऐं,

रक्षा लेखा विभाग

रक्षा लेखा नियंत्रक (श्रफसर) का कार्यालय फार्म—- 1

केन्द्रीय सिविल सेवा (ग्रस्थायी सेवा) नियमावली 1965 का नियम 5(1) के ग्रनुसार सेवा नियुक्ति की समाप्ति का नोटिस जारी।

पूर्ण-1 दिनांक 6 सितम्बर 1982 केन्द्रीय सिविल मेवा (ग्रस्थायी सेवा) नियमावली 1965 का नियम 5(1) के भ्रनुसार में, सी० डी० ए० (भ्रो०) में नोकरी करने वाले श्री तानाजी हरीभाऊ सूर्यवंशी, भ्रस्थायी लेखापरीक्षक, लेखा संख्या 83223775 को यह नोटिस देता हू कि उनकी सेवा नियुक्ति की समाप्ति की तारीख यह नोटिस प्रकाशित करने की तारीख से एक महीने के बाद की तारीख समझी जायेगी या उस तारीख से जैसी उसे जारी की गयी है.

प्रेम कुमार सभ्यलोक, रक्षा लेखा नियंत्रक (श्रफसर),

रक्षा मन्नालय
महानिदेशालय, श्रार्डनेन्स फैक्टरियां
श्रार्डनेन्स फैक्टरी बोर्ड
कलकत्ता, दिनांक 6 सितम्बर 1982

सं० 737/ई० बी०/जी० एन०/क्यू० प्रार०/ए०/डब्ल्यू०— पिल्लिक प्रेमिसेज (एिक्क्यिन ग्रॉफ ग्रनाथोराइएड फ्रॉकुपेन्ट्स) एक्ट, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 के ग्रन्तर्गत प्रदत्त मिक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत के राष्ट्रपति महोदय नीचे दी गई सारणी के कालम 2 में उल्लिखित ग्रधिकारी को, प्रत्येक के सामने कालम 4 में उल्लिखित ग्राईनेन्स फैक्टरी का ग्रधिकारी होने के नाते, उक्त ग्रधिनियम के उद्देश्य से संपदा ग्रधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं जो प्रत्येक ग्रधिकारी के सामने कालम 4 में उल्लिखित फैक्टरी की सार्वजनिक प्रेमिसेज के संबंध में उक्त सारणी के कॉलम 5 में निर्दिष्ट ग्रुपने ग्रधिकार क्षेत्र की स्थानीय सीमाधों में उक्त ग्रधिनियम हारा या के ग्रन्तर्गत संपदा ग्रधिकारियों को प्रदत्त गक्तियों क प्रयोग करेगा एवं कर्त्तव्यों का पालन करेगा। यह तारीख 27-11-81 ग्रीर 29-4-81 की सममंख्यक गजट ग्रधिसूचना की परक है।

ऋ० सं०	श्रधिकारी का नाम तथा पद	नियुक्ति तिथि	फैक्टरी का नाम	सार्वजिनिक परिसर की श्रेणियां तथा क्षेत्रीयधिकार की स्थानीय सीमाएं
1	2	3	4	5
1. 8	न्नी एन० सुन्दरापांडियन, उप प्रबन्धक/प्रशा०	11-1-82	भ्रॉर्डनेन्स फैक्टरी तिरुचिरापल्ली	संबंधित क्षेत्राधिकार की स्थानीय सीमाश्रों में स्थित रक्षा मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के श्रंतर्गत परिसर
(2)	(क) श्रीजी० कृष्णमूर्ति,	22-2-82 से 6-3-82 नक	ब्रॉर्डनेन्स फैक्टरी, चान्दा	—वही —
	प्रबन्धक/प्रशा० (ख) श्री के० सेधुराम, सहायक प्रवन्धक	23-6-82	—–वही —–	वही
(3)	श्री एस० डी० ढिवेदी. उप-प्रबन्धक/प्रशासन	8-3-82	श्रॉर्डनेन्स उपस्कर फैक्टरी, कानपुर	—-यही— <u>-</u>
(4)	(क) श्री एस० एलांगो, सहायक प्रबन्धक	3 0- 3-82 से 3-5-82 तक	कॉडाईट फैक्टरी, ग्रुरुवॉकाडू	वही-
	(ख) श्री एस० बी० थाम्ब् स्वामी, सहायक प्रबन्धक	4-5-82	वही	वही <i>-</i>

1	2	3	4	5
(5) (क	5) श्री द्यार० ग्रग्नवाल, सहायक प्रबन्धक/प्रशासन	26-5-82	तोष एव गोला फैक्टरी, काशीपुर	सबधित, क्षेत्रीयाधिकार की स्थानीय सीमाघ्रों में स्थित रक्षा मंत्रालय के प्रणासनिक नियत्नण के घ्रांतर्गत परिसर
€)	r) श्री एच० मी० हरागटे, वर्क्स मैनेजर/प्रणासन	23-8-82	—-वही <i>-</i>	 वही
	जी० मल्लिक, प्रबन्धक/प्रशासन	15-6-82	वस्त्र फैक्टरी शाहजहाँपुर	—-बही

ग्रल्वीन प्रभू सयुक्त निदेशक/ए० डब्ल्यू० **इ.से** महानिदेशक, ग्राडैनेन्स फैक्टरियां

इस्पात श्रीर खान मंत्रालय

खान विभाग

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर दिनांक 6 सितम्बर 1982

स०: ए०-19012(93)/77-स्था० ए०--भारत गाल्ड माईन्स लि० में भू-मांख्यिको के पद पर प्रतिनियुक्त होने पर श्री के० राजारामन, महायक खनन भूबिज्ञानी, भारतीय खान ब्यूरों ने दिनाक 2 ग्राप्रैल 1982 के श्रपराह्म में अपना पद-भार छोड़ दिया है।

(व० च० मिश्र) कार्यालय प्रध्यक्ष भारतीय खान ब्यूरो

सूचना और प्रसारण भंतालय

नई दिल्ली, दिनांक 4 सितम्बर 1982

सं० ए०31013/1/81-प्रदर्शनी/क/---राष्ट्रपति विज्ञापन श्रोर दृश्य प्रचार निदेशालय के स्थानापन्न प्रदर्शनी निरीक्षक श्रो बी० एन० चारी को 13-6-1979 में स्थायी तौर पर नियुक्त करते हैं।

ग्रधिसूचना संख्या ए० 31013/1/81---प्रदर्शनी/क/विनाक 2-7-1981 को स्थिगित किया जाता है।

> उमिला गुप्ता उप सम्बिव,

स्वास्थ्य भवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनाक 7 अगस्त 1982

सं० ए० 31013/9/80-(ए० एल० एल० पो० एच०) प्रणासन-१---राष्ट्रपति न कुमारी वी० सुभद्रा को अखिल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान एवं जन स्वास्थ्य संस्थान, कलकत्ता में 13 श्रगस्त 1978 से जन स्वास्थ्य नींभग के महायक प्रोफेसर के पद पर स्थायी आधार पर नियुक्त कर दिया है।

> टा० सी० जैन उपनिदेशक प्रशासन (ग्रो० एण्ड एम)

नई दिल्ली, दिनाक 7 सितम्बर 1982

सं० ए० 12025/13/80-(एन० टी० आई०)/प्रशासन/ टी० बी०—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक श्री एम० वेनकट्टा रेड्डी का 19 श्रगस्त, 1982 श्रपराह्न से राष्ट्रीय क्षयरोग मंस्थान बंगलौर से कनिष्ठ जिवाणु विज्ञानी के पद सं इस्तीफा मंजूर कर विया है।

> शामलाल कुठियाला उपनिवेशक प्रशासन

भारतीय डाक नार विभाग

प्रधान प्रबंधक, दूरवाणी का कार्यालय,

बेंगलूर, दिनाक 17 मई 1982

विषय सेवा समाप्ती—सी० सी० एस (टी० एस) केन्द्रीय अमैनिक सेवा (सेवा समाप्ता) नियम 5 (1) 1965।

सं० पी० एफ० 4743/13—केन्द्रीय असैनिक सेवा नियम 5 धारा 1 (ग्रस्थायी सेवाऐं) 1965 के ग्रन्तर्गत मैं श्री के० ग्रार० मुग्रमण्यम, महायक प्रधान प्रबंधक बेगलूर टेलिफोन्म बेंगलूर यह सूचना देता हूं कि श्रीमती गीता सेटलूर, कार्यालय महायक (श्रो० ए०) की सेवाएं, इस सूचना के पावतों के एक महीने की ग्रवधी के पण्चात् समाप्त की जाती है।

> के० ग्रार० सुग्रमण्यम सहायक प्रधान प्रबंधक (णासन)

परमाणु ऊर्जा विभाग

नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना

बुलन्दणहर, दिनांक 11 सितम्बर 1982

सं० न० प० वि० प०/प्रणासन/26/82-एस/11018--मुख्य परियोजना ग्रभियन्त्रा, नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना,
स्थायो श्रधीक्षक एवं स्थानापन्न सहायक कार्मिक श्रधिकारी
श्री प्रेम प्रकाण को तदर्थ श्राधार पर ६० 840-40-1000दा० रो०-40-1200/- के वेतनमान में नरौरा परमाणु विद्युत
परियोजना में दिनांक 31-8-92 के पूर्वाह्म से श्रप्रिम श्रादेशों
तक के लिए स्थानापन्न प्रशासन श्रधिकारी के रूप में नियुक्त
करते हैं।

क० न० प० वि० प०/प्रणासन/26 (1)/82-एस/11019—
मुख्य परियोजना अभियन्ता, नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना
स्थाया उच्च श्रेणो लिपिक एवं स्थानापन्न चयन श्रेणी लिपिक
श्रो ग्राम प्रकाश को श्रा प्रेम प्रकाश महायक कार्मिक अधिकारी
जिन्हे नदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न प्रणासन ग्रिधिकारी-11
नियुक्त किया गया है, के स्थान पर दिनांक 31-8-1982
के पूर्वाह्म से ग्राप्रिम ग्रादेशों तक नरौरा परमाणु विद्युत
परियोजना में, 650-30-740-35-880-दा० रो०-40-960/
रू० के वेसनमान में तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न महायक कार्मिक
ग्राधकारो के पद पर नियुक्त करते हैं।

एम० एस० राव मुख्य प्रशासन ग्राधिकारी

कय और भंडार निदेशालय

बम्बई-400001 दिनांक 6 मितम्बर 1982

सं० क्रम नि/2/12/80-स्थापना०/ 19567--परमाणु कर्जा विभाग के क्रम ग्राँर भंडार निदेशालय के निदेशक ने सहायक भंडार ग्रांधकारा श्री परत राव की छुटा मंजूर किये जाने पर स्थायो कनिष्ट भंडारी ग्रीर स्थानापन्न भंडारा श्री वादुक्ट श्राधरन को नदर्थ ग्राधार पर रुपये 650-30-740-35-810 दरो० 35-880-40-1000 दरो-40-1200 के वेनन मान में 30 जून, 1982 (पूर्वाह्न) मे 31 जुलाई, 1982 (ग्रांज्य में स्थानापन्न रूप से महायक भंडार ग्रांधकारी नियुक्त किया है।

बी० जो० कुलकर्णी, सहायक कार्मिक श्रधिकारी

परमाण खनिज प्रभाग

हेदराबाद 500 016, दिनांक 9 सितम्बर 1982

मं० प० ख० प्र० 1/4/82-भर्ती—परमाणु कर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेणक एतद्द्वारा श्री बिजय कुमार सामन्तरों को परमाणु खनिज प्रभाग में 25 प्रगस्त, 1982 के पूर्वाह्म से ग्रगले प्रावेण होने तक ग्रम्थायी रूप से वैज्ञानिक ग्रधिकारो/ग्रभियन्ता ग्रेड 'एस बो' नियुक्त करते हैं।

दिनाक 10 मित्रध्वर 1982

म० ए० ख्र० प्र-16/2/82-भर्सी---परमाणु ऊर्जा विभाग, परभाणु खर्निज प्रभाग के निदेशक एतद्द्वारा रियक्टर प्रनुसंधान केन्द्र, कलपाककम के स्थायी वरिष्ठ ग्राशुलिपिक श्री जी० वेंकटरामन्ना को परमाणु खर्निज प्रभाग में 26 जलाई, 1982 के पूर्विह्न से क्रगले श्रादेश होने तक स्थानापन्न रूप में सहायक कार्मिक स्थिकारी नियुक्त करने हैं।

टी० डी० घाडगे, वरिष्ठ प्रशासन के लेखा ग्रधिकारी

प्रन्तरिक्ष विभाग

इसरो उपग्रह केन्द्र

बेंगलौर-560 058, दिनांक 18 श्रगस्त 1982

मं० 020/3 (061)/82 — इसरी उपग्रह केन्द्र के निदेशक कुमारी बीठ एमठ शैलांग को अन्तरिक्ष विभाग के इसरी उपग्रह केन्द्र में दिनाक 28 अगस्त 1982 (पूर्वाह्न) से वैज्ञानिक/अभियन्ता एसठ बीठ के पद पर पूर्णतः ग्रस्थायी एवं अनिताम अधार पर श्रन्य आदेण प्राप्त होने तक महर्ष नियुक्त करते हैं।

एस० सु**त्रमण्यम्** प्रशासन ग्रधिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनाक 25 श्रगस्त 1982

मं० ए० 38013/1/82 ई० ए० — विमान क्षेत्र श्रिधिकारी प्रारंगावाद के कार्यालय के श्रा कुन्दन लाल, वरिष्ठ विमान क्षेत्र श्रिधिकारी निवर्तन श्रायु प्राप्त कर छेने के फलस्वरूप दिनांक 31-7-82 को मरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

सं० ए० 38013/1/82-ई० ए०--क्षेत्रीय निदेशक मद्रास के कार्यालय के श्री एम० गोताल, विमानक्षेत्र स्रधिकारो निवर्तन स्रायु प्राप्त कर छेने के फलस्वरूप दिनांक 31--7--82 को सर-कारो सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

> एस० गुष्ता उपनिवेशक प्रणासन

नई दिल्ली, दिनांक 7 सितम्बर 1982

स० ए-32014/2/82-ई० सी०--महानिदेशक नागर विमानन ने नागर विमानन विभाग के निम्नलिखित संचार सहायकों को प्रत्येक के नाम के मामने दी गई तारीख से क० 650→1200 के वेतनमान में सहायक संचार श्रधिकारी के ग्रेड में तदर्थ श्राधार पर नियुक्त किया है श्रांक उन्हें उन के नाम के सामन दिए गए स्टेशन पर नैनात किया है —

कृम नाम स०	वर्तमान तैनातः स्टेशन	नया तैन।ती स्टेशन	कार्यभाष- ग्रहण करने का नार्यक्ष
सर्वश्रु 1 ना ४। एव० ध्रदश्मल	जम्म <u>ू</u>	ग्रौरंगाबाद	21-6-82 (पूर्वाह्न)
2 ए०एन० विष्वास	व्लक्ती	कलकत्ता	30-4-82 (पूर्वाह्न)
3 पी०के० मजूमदार	कलकत्ता	कलकभा	4-8-82 (पूर्वाह्न)
4. मी० प्रार० गुहा	लं।लावाडी	पानाग क	1 1 -5 -82 (पूर्वाह्न)
5 एन० बर्मन	पोर्टक्लेयर	हैदगत्राद	1 4-8-82 (पूर्वाह्न)
6. पी० एम० जार्ज	त्रिवेन्द्रम	त्निवेन्द्रम	30-4-82 (पूर्वाह्स)

प्रेमचन्द महायक निदेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनाक 13 मित्तम्बर 1982

सं० 1/118/82-स्था०--मद्रास भाखा के प्रभासन ग्रधि-कारों, श्री व्हो० व्हा० बेनेगल निवर्तन की श्रायु के हो जाने पर 31 जुलाई 1982 के श्रपराह्म से सेवानिवृत्त हो गए।

सं० 1/514/82-स्था०--विदेश संचार सेव. के महा-निदेशक एनद्द्वारा नई दिल्ली शाखा के तकनीकी सहायक. श्री ए० कें ० मधीक को स्थानीय व्यवस्था के रूप में तदर्थ श्रीधार पर श्रह्मकालिक रिक्त स्थान पर 31-5-82 से 9-7-82 (दोनों दिन समेत) तक की श्रवधि के लिए उस। शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक श्रीभयत। नियुक्त करते हैं।

मं० 1/525/82-म्था०--विदेश सचार सेवा के महा-निदेशक एतद्द्रारा कलकत्ता शाखा के पर्यवेक्षक, श्री पा० जा हालदार की 12 अगस्त, 1982 के पूर्वाह्न में आगामी श्रादेशों तक पूना शाखा में स्थानापन्न म्प से सहायक प्रशासन श्रिश्वकारी नियुक्त करते हैं।

> एच० एल० मलहोत्रा उप निदेशक (प्रभा०), इस्ते महानिदेशक ।

ानरीक्षण व लेखा परं।क्षा निदेणालय मीमा व केन्द्रीय उत्पादन णुलक नई दिल्ला, दिनाक सिनम्बर 1982

म० 16/82 — श्रा एम० एन० खन्ना ने, जो पहले दिल्ली समाहर्तालय में, केन्द्राय उत्पादन शुल्क ग्रधीक्षक युप "दी" के पद पर कार्यरत थे, मीमाशुल्क, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा स्वर्ण नियवण श्रपील श्रीधदारण की दिल्ला स्थित न्यायापीठ में वित्त मन्तालय, राजस्व विभाग, के दिनाक 28-10-81 श्रादेण म० क० 22012/55/81-प्रणा-2 द्वारा स्थानान्तरित होने पर दिनाक 16-8-82 (पूर्वाल्व) से निरीक्षण एव लेखा परीक्षा निदेशालय, मीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के ग्रन्तर्गत कनिष्ठ विभागीय प्रतिनिधि (ग्रुप "बो") के पद क कार्यभार प्रहण कर लिया।

के० जे० रामन निरीक्षण निवेशक।

विधि, स्थाय तथा कम्पनी कार्य मंद्रालय (कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्दार का कार्यालय

कस्पर्ता श्रिधिनियम 1956 एवं मैसर्स मनोज मुब्तीज प्राईवेट लिभिटेड के विषय में ।

बम्बई, दिनाक 3 सितम्बर 1982

सं० 632/16975/560 (5)—कस्पनी प्रधिनियम, 956की धारा 1560 क उपधारा (5) के प्रनुसारण से एतद्हारा सूचना दी जाती है कि मैसर्स मनोज मुब्तीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम भ्राज रजिस्टर से काट दिया गया है भ्रीर उक्त कम्पनी विघटिन हो गई है।

र्श्वा० श्रो० पी० जैन कम्पनीयों का श्रतिरिक्त प्रजिस्ट्रार, महाराष्ट्र, बम्बई ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 एव विजय प्रिटर्स एण्ड पिक्निशर्स के विषय मे:

बगलौर, दिनांक 7 सितम्बर 1982

मं० 1266/560/82-83--कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्बारा सूचना दी जाती है कि विजय प्रिटर्म एण्ड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेट का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है धौर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं प्रमोद णूगर इंडस्ट्रीज के विषय में ।

बगलौर, दिनांक 7 सितम्बर 1982

स० 1556/560/82-83-- कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि प्रमोद भूगर इडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर में काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है ।

कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 एवं केम्पसन्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

बंगलौर, दिनांक 7 सितम्बर 1982

मं० 1806/560/82-83—कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि केम्पसन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर में काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है ।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 एवं पटेल इंज० कैंम०

प्राइवेट लिमिटेड के विषय में । बंगलौर, दिनांक 7 सितम्बर 1982

सं० 2077/560/82-83--कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5 के श्रनुसरण में एतदद्वारा सूचना दी जाती है कि पटेल इंजी० कैंम० कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर में काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटिन हो गई है।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 एवं सालनरी प्राइवेट लिमिटेंड के विषय में

बंगलौर, दिनांक 7 सितम्बर 1982

सं० 2324/560/82-83—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एसद्द्वारा

सूचना दी जाती है कि सालनरी प्राइवेट लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर से काट दिया गया है भीर उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 एवं साविद्री बाणिज्य प्राइवेट लिमिटेड के विषय में। बंगलौर दिनांक 7 सितम्बर 1982

मं० 3301/560/82-83—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा मूचना दी जाती है कि सावित्री वाणिज्या प्राक्ष्वेट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर में काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधित हो गई है।

स० सस्यनारायण कम्पनियों के रजिस्ट्रार कर्नाटक, बंगलीर

प्रायकर विभाग

श्रायकर श्रायुक्त का कार्यालय तिश्वनन्तपुरम, दिनाक 5 जुलाई 1982

ग्रायकर

म्रादेश सं० 1/82-83-म्राकर म्रिधिनियम, 1961 (म्रिधिनियम 1961 का 43) की धारा को उपधारा (1) के म्रनुसार मुझे प्रदत्त म्रिधिकारो का प्रयोग करते हुए, म्रायकर भ्रायुक्त, तिश्वनन्त-पुरम, एतद्वारा 'म्रायकर कार्यालय, सर्वे सिकल-II, एरणाकुलम' नामक एक नया कार्यालय का सृजन करता हूं। इस कार्यालय मे नियुक्त भ्रायकर म्रिधकारी को ''म्रायकर म्रिधकारी, सर्वे सिकल-II, एरणाकुलम'' नाम से माना जाएगा। इस कार्यालय का पता निम्नलिखित हैं:—

ग्रायकर कार्यालय सर्वे सर्किल-II, वारियम रोड, एरणाकुलम, कोचिन-682016।

 यह श्रादेश दूसरी नारीख, श्रगस्त 1982 के पूर्वाह्म में प्रवृत होगा।

श्राविश मर 1(ए)/82-83--श्रायक्य श्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की 124वीं धारा की उपधारा (1) के अनुसार मुझे प्रदत्त श्रधिकारों का प्रयोग करते हुए एवं उक्त धारा 124 के अनुसार इस कार्यालय के समय-समय पर स्थित पुराना सूचनाश्रों का श्रधिक्रमण करते हुए, ग्रायकर श्रायुक्त, तिरुवनन्तपुरम, मैं निवेश करना हूं कि संलग्न श्रनुस्ची के कालम (3) में बताए हुए भायकर श्रधिकारीं 2 श्रगस्त, 1982 के पूर्वाह्न से कालम (4) में बताए हुए कार्य का निविद्य करेंगे। उनके कार्य क्षेत्र, व्यक्तियों की श्रेणी श्रादि कालम (4) में दी गई है :---

		अनुस्य।					
 ऋम सं०	मण्डलकः। नाम	श्रायकः श्रधिकारो की पदसंज्ञा	क्षेत्राधिक।प				
1	2	3	4				
1.	सर्वे सकिल-II, एरणाकुलम	म्रायक्प मधिकारो , सर्वे सिकल-II , एरणाकुलम ।	(i) कोट्टयम, श्रौर ग्रान्लप्पी के श्रायकर मण्डलों के प्रादेशिक क्षेत्राधि- कार के श्रन्तर्गत सभी मामलों का निर्धारण श्रायकर के सर्वे सर्किल, एरणाकुलम करेगा ।				

1	2	3	4
			(ii) कोट्ट्रयम, श्रीर अल्लेप्पी के श्रब्लेप्पी मण्डलों के श्रादेशिक क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत सर्वेक्षण के फलस्वरूप आविष्यत सभी नई निर्धारिती।
			(ⁱⁱⁱ) सर्भा निर्धारिनी—-जिनके मामले 1961 के श्रायकः अधिनियम की धारा 127(1) के श्रनुमार प्रधिकारो को हस्तान्तरित किए जाने हैं।

धन-कर

आदेण संव 1 (ए)/82-83-9नकर अधितियम, 1957 (1957 का 27) का 8-ए धारा की उपधारा (1) के अनुसार मुझे प्रान्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए एवं इस कार्यालय के समय-समय पर सूचित पुरानी सूचनाओं का अधिकमण करते हुए धनकर आयुक्त तिक्वनन्तपुरम, मैं निदेण करता है कि संलग्न अनुसूचा का कालम (3) में बताए हुए धनकर अधिकार। 2 अगस्त, 1982 के पूर्वाह्न से कालम (4) में बताए हुए कार्य का निर्वाह करेंगे । उनके कार्यक्षेत्र, व्यक्ति, व्यक्तियों की श्रेण। आदि कालम (4) में दी गई है :—

अनुसूर्च

ऋम मं०	मण्डल का नीम	धनकर स्रधिकारो की पदमंजा	क्षेत्राधिकार
1	2	3	4
l	सर्वे मिक्ल-II, एरणाकुलम ।	धनकर ग्रधिकारी मर्वे सिक्तन-II, एरणाकुलम ।	 (i) कोट्टयम श्रौप श्रल्लेप्पी के धनकप्रमण्डलों के प्रावेशिक क्षेत्रा- धिकार के श्रन्तर्गत सभी मामलों का निर्धारण धनकर के सर्वे सिकल, एरणाकुलम करेगा ।
			(ii) निर्धारितियों की सूची में जो ब्रोट्टयम और ब्रल्लेप्पी के धनकर मण्डलों के प्रादेशिक क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत ब्राएगा उन सभी मामलों का निर्धारित धनकर के मर्वे सिकल-II, एरणाकुलम करेगा ।
			(iii) सभी निर्धारिती जिनके मामले 1957 के धनकर प्रधिनियम की धारा 8-की के प्रनुमार धनकर प्रधिकारी को हस्तान्तरित किए जाने हैं।

उपहार कर

्थ्रादेश मं ० 1 (ए)/82-83-- उपहारकर ग्राधिनियम 1958 (1958 का 18) की 7-ए घारा की उपधारा (1) के अनुसार मुझे प्रवस ग्राधिकारों का प्रयोग करते हुए एवं इन कार्यालय के समय समय पर मूचित पुरानी मूचनाओं का प्रधिकमण करते हुए उपहारकर आयुक्त, तिक्वनन्तपुरम, मैं निवेश करता हूं कि मंलग्न श्रनुसूची की कोलम (3) में बताए हुए उपहारकर प्रधिकारी 2 अगस्त, 1982 के पूर्वीह में कालम (4) में बताए हुए कार्य का निर्वीह करेंगे । उनके कार्यक्षेत्र, व्यक्ति, व्यक्तियों का श्रेणी आदि कालम (4) में दे। गई हैं .--

श्रनुसूचे(

ऋम सं०	मण्डल का नाम	 उपहारकर श्रधिकारी की पदसंज्ञा	क्षेत्राधिकार
1	2	3	4
1.	सर्वे सिकल-II, एरणाकुलम ।	उपहारकर ग्रधिकारो, सर्वे मिकिल-II, एरणाकुलस ।	 (i) कोट्टयम ग्रीप ग्रत्लेप्पी के उपहारकर मण्डलों के प्रादेणिक क्षेत्राधिकार के ग्रन्तर्गत सभी मामलों का निर्धारण उपहारकर के मर्वे मिकल, एरणाकुलम करेगा।

13626		भारत का राजपन्न,	अक्तूबर 2, 198	32 (म्राध्विन 10, 1904)	[भागा] — खण्ड 1
1	2		3	4	
			, ,	कोट्टयम श्रीर अल्लप्पी के उपहारव क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत सभा निर्धा अभा तक आयकर याधनकर के वि सभो निर्धारिती जिनके मामले 1958 का धारा 7-वा के श्रनुसार उपहारकर किए जाते हैं।	रित जिनके कर-निर्धारण षय मे नही किया है । 8 के उपहारकर अधिनियम

कं रसाव थोमस

भ्रायक**र श्रायुक्त,** तिरुवनन्तपुरम

प्ररूप बार्ब . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 23 श्रगस्त 1982

निदेश मं० ग्राई० ए० मी०/ग्रर्जन/भोपाल/29904----भ्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर धिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उनत धिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रदीन मध्यन धिधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- ६० से पित्रिक है

ग्रीर जिसकी संख्या म्यू॰ पा॰ नम्बर 25/1 पैकी तल मंजिल का एक भाग है, तथा जो यशवन्त निवास रोड इन्दौर में स्थित है ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण के रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, इंदौर मे, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 29 जनवरी 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दूरसमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके दूरमान प्रतिक्त में, ऐसे दूरसमान प्रतिक्तल का पन्द्रह् प्रतिशान में पश्चिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितिसो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तस पासा गया प्रतिक्त निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निधिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है: --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उका पांध-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा र लिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य बास्तियाँ करे, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण मा, मी उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री सम्पत कुमार चन्द्रप्रकाण पिता श्री निवास-दासजी अग्रवाल निवासी 5 ऋसेरा वाजार, इंदौर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मधुसूदन पिता श्री पुरुषोत्तम दास ग्रग्नवाल निवासी कसेरा बाजार, मकान नम्बर 58 इंदौर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी साक्षय .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्योक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवीं कत स्थावितयों में से किसी स्थावित द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क मा परिभाषित हो, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

म्यु० पा० नम्बर 25/1 पैकी तल मंजिल का एक भाग यभवंत निवास रोड़ इंदौर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी, निरीजी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त, श्रर्जन रेंज, भोपाल

नारीख: 23-8-1982

माहर:

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, भाषाल

भाषाल, दिनाक 23 श्रगस्त 1982

निदेश म० ग्रार्ड० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/2905—अत मुझे, देवप्रिय पन्त,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूख्य 25,000/-कुल ने श्रधिक है

स्रोंग जिसकी संख्या म्यु० पा० नम्बर 25/1 पैकी तल मंजिल का एक भाग है तथा जो यणवत निवास रोड इदौर में स्थित है (यौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में प्यौर पूर्ण के म्य स विणित है), रिजस्ट्रीकर्ना प्रधिकारी के कार्यालय, इंदौर में, रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन 29 जनवरी 1982

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वाय करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियो) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्त्वित रूप से कथित नहीं किया गया है :—~

- (क) ग्रन्तरण से हुई निसी ग्राय की वाबत, धक्त ग्रीझिनयम क ग्रम्धीन कर देने के श्रन्तरक क दायिस्व में कमी करने या उससे बचा में मुवित्र। व लिए. श्रीप/मा
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसो धन या भ्रन्थ भास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर श्रीधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रिधिनियम, या भ्रनकर प्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने म सुविधा ने लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, टक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अधीत् —-

-) श्री सम्पत कुमार चन्द्रप्रकाश पिता श्री निवास-दासजी ग्रग्नवाल निवासी 5 कसेरा बाजार, ३दौर । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री रामिकणन पिता पुरुषोत्तम दास श्रग्नवाल निवासी कसेरा बाजार इन्दौर ।

(ग्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूबीकत सम्पक्ति के धर्जर वि लिए कार्यवाहियां गुरू करता हू।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी अ्यक्तियों पर सूचना की नामील में 30 दिन की अविधि, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त यिवयों में में किसी अ्यकित द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थाधितरण:--इसमें प्रपृक्त शब्दों और पर्दो का, जो स्वत अधितियम के मध्याय-20क में परिभाषित है, बही प्रवंहोगा जो सम अध्याय में दिया बया है।

अनुसूची

तल मजिल का एक भाग मकान नम्बर 25/1 यशवत रोड, इंदौर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी, (निरोक्षी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त), ग्रार्जन रेज, भोषाल,

तारीख 23-8-1982 माहर प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 23 ग्रगस्त 1982

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भाषाल/2906---भ्रतः मुझे, देवप्रिय पन्तः,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. में अधिक है

ग्रीर जिसकी मंख्या म्यु० पा० मकान नम्बर 25/1 (तल मजिल का एक भाग) है, तथा जो यणवन्त निवास रोड. इन्होंर में स्थित है (ग्रीर इने उपावद्ध ग्रनुमूची में ग्रीर पूर्ण के रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 29 जनवरी 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति को उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतोरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त जिभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण मा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निशिषित व्यक्तियों, अर्थात् --- (1) श्री सम्पतकुमार व चन्द्रप्रकाण पिता श्रीतिवास-दास ग्रग्रवाल निवामी 5 कमेरा बाजार, इंदौर (म० प्र०) ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमनी सीनावाई पनि श्री पुरूषोत्तमदास जी ग्रग्रवाल, निवासी 58 कसेरा बाजार, इंदौर (म० प्र०)

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यत्राहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अथाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्नीकरण. – इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया **ह**ै।

अनुसु खो

तल मंजिल का एक भाग मकान नम्बर 25/1 यशवंत निवास रोड इंधीर में स्थित है ।

देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी, निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, ग्रर्जन रेंज, भोपाल,

तारीख : 23-8-1982

मोहर 👍

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 23 श्रगस्त 1982

निर्देश मं० भ्राई० ए० मी०/श्रर्जन/भोपाल/2907----श्रतः मुझे देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या यु० पा० मकान नम्बर 25/1 (तल मंजिल का एक भाग) है, तथा जो यशवंत निवास रोड इंदौर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण के रूप में विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, इंदौर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 29 जनवरी 1982

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के वासित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तिया, अर्थात् :--

(1) श्री सम्पतकुमार व चन्द्रप्रकाश पिता श्री निवास दास अग्रवाल निवासी 5 कसेरा बाजार, इंदीर (म॰ प्र॰) ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमित इन्दिराबाई पित श्री निवासदासजी, निवासी 5 कसेरा बाजार, इंदौर (म० प्र०)। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पृशांकत सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के भर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्सित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 - क मे परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तल मंजिल का एक भाग मकान नम्बर 25/1 यशवन्त रोड, इन्दौर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी, निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, ग्रर्जन रेंज, भोपाल,

नारीख - 23-8-1982 मोहर प्रकाष आई ही एउ एक ------

अस्कर ग्रंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार। 269-घ (1) के ग्रंधीन स्चनः

भारत सरकार

कार्यालय, सहाय्क आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेज, भोपाल

भाषाल, दिनांक 30 श्रगस्त 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रार्जन/भोपाल/2908-ग्रतः मुझे, देविश्रिय पन्त, ग्रामकर अधिनियम 1981 (1981 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्वात् 'उन्त ग्राधितारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- र॰ से बाधिक है ग्रीर जिसकी संख्या प्लाट नम्बर 46 का ग्राधार भाग है, तथा जो जाबरा कम्पाउन्ड, उन्दौर में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद ग्रानुची में ग्रीर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय, उन्दौर में,रजिस्ट्रीकरण ग्राधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, 29 जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कप के दृष्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुझे यह बिज्वास करने भा कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रातफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशात से ग्रायिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उदेश्य स उक्त अन्तरण जिल्दित में वास्तविक रूप संक्यित नहीं किया गया है:—

- (क) स्रप्तरण संदुई किसी आयं को बाबत उक्त ग्राधि-नियम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के दायिस्थ में कमा हरने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
 - (ख) ऐसी किमा श्राय या किसी धन या भन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर श्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीधिनियम, या धन-कर श्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) क श्रयोजनार्थ शन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपात में मुविधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नितिषत व्यवितयों, अर्थात :---

(1) 1. श्रीर्मात भारतीलाल स्कबदास एँन, (2) श्रीमित कमला पत्नी भान्ति लाल जैन, (3) प्रकाण चन्द पुछ श्री भान्तिलाल जैन (4) ग्ररविन्द पुत्र गान्ति लाल जैन, निवासी 1/1 साउथ नुकोगंज, इन्दौर (म० प्र०) ।

(भ्रन्तरक)

(2) (1) कमला दबी पन्ती प्रहलाद राय, (2) श्रनिल कुमार पुत्र प्रहलाद राय महेश, (3) सुनील कुमार प्रहलाद राय महेश, निवासी 70, जानकी नगर इक्षीर (म० प्र०) ।

(अन्सरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति क अर्जन क सम्बन्ध म काई भी आक्षंप .--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी त्यक्ति द्वारा
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस जध्याय में दिया गया है।

अनसची

्लाट नम्बर 46 का श्राधार भाग जाया कम्पाउन्ड, इंदौर ।

> देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक भ्रायकर श्रायक्त, अर्जन रेज, भोषाल,

नारीख : 30-8-1982

मोहर .

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०----

म्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 की 43) की बारा 261-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक म्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल दिनांक 30 श्रगस्त 1982

निर्देश स० प्राष्टि० ए० मी०/ग्रर्जन/भोपाल/2909---ग्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्षात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 ∕-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या मकान नम्बर 19 का भाग, स्ट्रीट नं०-1. है तथा जो रेस कोर्स रोड, इंदौर में स्थित हैं (ग्रौर इसमें उपाबद्ध ग्रानुसूची में ग्रौर पूर्ण के रूप में वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, इंदौर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 27, जनवरी 1982.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से नम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से विशत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ अन्तरिती दारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मिक्सा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:--- (1) श्री डा. गोविन्द सदाणिव वागले. 19/1, ^{प्रे}म कोर्म रोड. इन्दौर-3 ।

(भ्रन्तरक)

(2) गजरा गियमें प्रा० लि०, ईन नेम्बर्स, फोर्ट बम्बई ।

(श्रन्ति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवन व्यवितयों में में किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रवाणन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उवत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध विसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण:--इसमें प्रपृक्त शब्दों श्रीर पदों का, जा उसत धृष्टि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रष्ट होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अन्सुची

मकान नम्बर 19 का भाग, स्ट्रीट, नम्बर 1 रेसकोर्स रोड इंदौर ।

> देवप्रिय पन्त. सक्षम प्राधिकारी. निरीक्षी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त. श्रर्जन रेंज, भोपाल

नारीख: 30-8-1982

प्रकृप आहें.टी.एन.एस.-----

आयवार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 श्रगस्त 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोपाल-2910---श्रतः मुझे देवप्रिय पन्त

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रा से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या सम्पत्ति का भाग स्थित है, तथा जो 19/1, रेसकोर्स रोड, इंदौर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन 1 जनवरी 1982 की गूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिक्तों) और अन्तरित (अन्तरित्तां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया

प्रतिफल निम्नलिश्वित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिश्वित में

बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, क्षिपाने में स्विधा मिला,

अतः अब, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिमित व्यक्तियों, अधितः :---

- (1) श्री डा० गोविन्द सदाशिव वागले, 19/1, रेस कोर्म रोड, नया नम्बर 13/1, इन्दौर (म० प्र०) (श्रन्तरक)
- (2) श्री रमेश भीष्म गजरा, 32, रेस कोर्स रोड, इन्दौर (म० प्र०) ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिलित में किए जा सकरेंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति का भाग स्थित, 19/1, रेस कोर्स रोड, इन्दौर (म \circ प्र \circ) ।

देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी, निरीक्षी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, ग्रर्जन रेंज, भोपाल,

तारीख : 30-8-1982

पम्प शार्ड टी एक एस

माप्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 ग्रगस्त 1982

निर्देश सं० म्राई ए० सी०/म्प्रजेन/भोपाल/2911—म्प्रतः मुझे देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या मकान नम्बर 112, दो मजिला है, तथा जो गोपाल बाग कालोनी इन्दौर में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण के रूप में वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, इंदौर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रश्रीन 14 जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य संकम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रहू प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्र मा कमी करने रा उसस बचन मा शिवधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनरूर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कं अन्सरण माँ भौ उक्त अधिनियम की धारा 269-य की प्रधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखत व्यक्तियों, अर्थातः —— (1) श्री भगवान दास पिता लोकमलजी, ग्रागोक कुमार पिता लोकमलजी, निवासो 55, सोतलागाताबाजार इदौर (म० प्र०) ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमित राजकमलवाई पित श्री फूलचढजी जैन, श्री फूलचन्द जी जैन पिता चांदमलजी जन, निवासी 21, छोटा सराफा इंदौर (म० प्र०)। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना धारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **स से**45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा सकोंगे।

स्पर्वाच्याच्याः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

मकान नम्बर 112, दो मंजिला, गोपाल बाग कालोनी, इंदौर मे स्थित है।

> देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी, निरीक्ष सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त , श्रर्जन रेज, भोपाल,

नारीख: 30-8-1982

प्रक्रम आहे. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

-

भोपाल, दिनांक 30 श्रगस्त 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल-2912--श्रतः मुझे देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावरः सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्नौर जिसकी संख्या प्लाट नं० 71, है, तथा जो श्रीनगर एक्स-टेंगन, इंदौर में स्थित है (ग्नौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्नौर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, इंदौर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 12 जनवरी, 1982

को पूर्वों क्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तिवक रूप में किथत नहीं किया गया है:-

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उन्त अभिनियम के जभीन कर बेने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिका के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुभरण में, में. उक्त अधिनियम की धार 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास--

- (1) श्री मुकुन्य वामन सुले यू० एस० ए० चन्द्रकार कालोनी, इन्दौर (म० प्र०)। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमित सुनीत मिश्रा, वाय० एफ०/29 विज्ञान नगर कोटा ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप: --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सामें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमा प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान प्लाट नम्बर 71, श्रीनगर एक्सर्टेशन इन्दौर में स्थित है ।

देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी, निरीक्षी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त , भ्रजैन रेंज, भोपाल,

तारीख: 30-8-1982।

मोह्य :

प्रस्य माई०टी०एन०एस०--

ग्रायकर धोधनियम, 1961 (1961 का 43) की धार। 269-ष(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 श्रगस्त 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/2913— ग्रतः मुझे देवप्रिय पन्त ग्रायकर श्रीव्रनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके गण्वात् 'उक्त श्रीव्रनियम' कहा गया है), की वारा 269-ख के ग्रावीन सद्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वातर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- दे० से श्रीव्रक है

ग्रीर जिसकी मंख्या सर्वे० नं० 1317/3 है तथा जो इंदौर ग्राम खजराना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्या-लय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 19 जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसक दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य मे उका अन्तरण लिखिन में वास्तविक क्य मे कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी थाय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या घन कर ग्रीधनियम, या घन कर ग्रीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, िष्ठपाने में स्विधा के लिए;

कतः श्रन, उक्त अधिनियम को बारा 269-ग के ब्रमुसरण में, में, सकत अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) श्रधीन नि,म्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री गणेशराम कालूराम पुराणिक, 687, एम० जी० रोड इन्दौर (म० प्र०) ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विजय किशोर तापड़िया, नीलम तापड़िया 40-ए एम० ग्राई० जी० कालोनी, इन्दौर (म० प्र०)।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करक पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन क लिएकार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के श्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण !—-इसमें प्रयुक्त जरूदों मौर पत्नों का, जो खक्त मिषितयम के ग्राच्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रार्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे नम्बर 2317/3 इन्दौर 1 (ग्राम खाजराना)।

देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी, निरीक्षी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त ग्रर्जन रेंज, भोपाल,

तारीख: 30-8-1982। मोहर:

प्रकप प्राई• टी० एन• एस•----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

म्रमृतसर, दिनांक 4 सितम्बर 1982

निदेश सं० एएस ग्रार/82-83/248---ग्रतः मुझे ग्रानंद सिंह ग्राई० ग्रार० एस०

श्रीयंकर अधिनियन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस के पश्चात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्ब 25,000/- रुपये से बर्धिक है

श्रीर जिसकी सं एक प्लाट है तथा जो बसंत एवेन्यू श्रमृत-सर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रथिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जनवरी 1982

को पूर्वों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (प्रन्तरितियों) के शीच ऐसे अन्तरण के लिए, तयपाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबतः, उक्त ग्रिश्चित्तियम के ग्रिशीन कर देने के श्रन्तरक के दाशित्व में करने या उससे वजने में सुविद्या के लिए श्रीर/पा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में एविधा के लिए;

अतः, जब, उक्त अधिनियम, की बारा की 269-गके प्रनुसरण में, मैं, जक्त श्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रवांधः :---

- (1) श्री बलदेव सिंह पुत्र फकीर सिंह वासी 9 मकबूल रोड श्रमृतसर। (श्रन्तरक)
- (2) श्री गजिद्र सिंह पुत्र रामू सिंह वासी बी-8 ग्रीन एवेन्यू श्रमृतसर । (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो । (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सन्पत्ति है)।
- (4) और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूबना वारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्वन के लिए कार्यवादियां करता हूं।

उक्त मध्यत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजाल में प्रकाशन की लारी ख से 45 दिन की अविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पाम विखित में किए जा मकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो सकत अधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

एक भूमि का प्लाट 225 वर्गण जो बसन्त एवेन्यू अमृतसर में है जैसा मेल डीड नंग् 18359/13-1-82 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

> ग्रानन्द सिंह ग्राई० ग्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोंज श्रमृतसर

नारी**ख** : 4-9-1982

प्ररूप आहू . टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, श्रमृहस्यर

श्रमृतसर, दिनाक 4 सितम्बर 1982

निदेश मं० एएस० आग०/82-83/249--अत. मुझे आई० आनन्द सिंह, आई० आर० एस० आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहः से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एक प्लाट है तथा जो बसन्त एवेन्यू श्रमृत-सर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूच। में श्रीर पूण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृत-सर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908का 16) के श्रधीन अनवरी 1982

को पूर्वों क्त सम्पत्ति के उवित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उवित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितिबत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए, और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन्-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:— (1) श्री बलदेव सिंह पुत्र फकीर सिंह वासी 9 मकबूल रोड ग्रमृतसर ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री गजिद्र सिंह पुत्र रामू सिंह वासी बी-8 ग्रीन एवेन्यू श्रमृतसर ।

(अन्तरितो)

- (3) जैसा ऊपर न० 2 में कोई किरायेदार है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिक्षभोग में सम्पत्ति है)
- (4) श्रीर कोई । (बह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनसद्ध हैं)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन के कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृबंकत
 स्यवितयों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र ये प्रकाशन की तारी ह में 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी की पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट 225 वर् गर् जो बसंत एवेन्यू श्रमृतसर में है जैसा सेल डीड नंर 18357/13-1-82 में रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

> ग्रानन्द सिंह ग्राई० ग्रार० एस०, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रोंज, ग्रमृतसर

तारीख : 4-9-1982 मोहर:

प्रकृप आहूर. टी. एन. एन ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आय्क्न (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, श्रम्तसर

ग्रम् तसर, दिनाक 6 सितम्बर 1982

निदेश मं० ए०एस० ग्रार०/82-83/250~-श्रत मुझे श्रानद सिंह श्राई० श्रार० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुँ), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हुँ कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह से अधिक हुँ

स्रौर जिसकी सं० एक भूमि की प्लाट है तथा जो राधा स्वार्म। रोड स्रमृतमर में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्रमृत्सर में प्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारों के वार्यालय स्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण स्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनाक जनवरी 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ए से दृश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक कृष से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाटन उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय पा किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती देवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिए। के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुरूरण में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) श्रोमित यध चावला पूर्वा हीरा लाल वासी बबड द्वारा ए० आर० तागा पुत्र इ०ए० बोंगा वासी हाउड मारकीट अमुनसर श्रटारनी

(भ्रन्तर्क)

(2) श्री करनैल सिंह धीर मुस्द्रि जीत कौर पत्नी करनैल सिंह वासी मकान नं० 4851/ए गली न० 7 सरवरगुरा अभृतसर।

(प्रन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर मं० 2 में कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- (4) श्रौर कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट जो राधा स्वामी रोष्ट श्रमृतसर में स्थित है जैसा सेल डी. कं नं 0.18970/25-1-1982 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

श्रानन्द सिंह ग्राई० ग्रार० एस०, सक्षम श्रधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्शन रेंज, श्रमुतसर

नारीख: 6--9-1982

प्ररूप भाई० टी० एन० एस●---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण) श्रार्जन रेंज,, श्रमतसर

ममृतसर, दिनांक 6 सितम्बर 1882

निदेश सं० ए० एस० श्रार० | 82-83 | 251—श्रतः मुझे श्रानंद सिंह श्राई० श्रार० एस० आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण

है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-

रू. से अधिक हैं।

श्रीर जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो राधा स्वामी रोड अमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है),रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जनवरी 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्सक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल जिम्मिलिसित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया भया है...

- (क) प्रन्तरण में हुई किशी ग्राय की बाबत, उक्त श्रिष्ठिनियम के श्रिष्ठीन कर देने के भ्रस्तरक के टायिस्त्र में कमी करने या **उस**से बचने में सुविधा के लिए; और√या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अस्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 {1922 का 11} या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाण अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

म्रत: ग्रब, उक्त म्रिधिनियम की भारा 269-च के अनुसरण में, में, उक्त भ्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत् :-- (1) श्रीमती राधू वावला पुत्रो हीरा लाल वासी बवड़ द्वारा श्रार० ए० बोंगा पुत्र ई० ए० बोंगा वासी हाइड मारकीट श्रमृतगर, श्रटारनी ।

(यन्तपः)

- (2) श्री करनेल सिंह श्रीर सुरिन्द्र जीत कौर वास। मकान नं 4851-ए गली नं 7 सरवरपुरः श्रमृतसर (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कपर सं० 2 में कोई किरायेदार है। (बह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) भ्रौर कोई (वह व्यक्ति, जिनके बार्रे मे भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षंप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी वावित दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहरताक्षरी के पास लिसित में किए या सकेंगे।

स्पछीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट 178.33 वर्ष मी० (215 वर्षा०) (जो राधा स्वामी रोड अमृतसर में है जैसा सेल डीड नंर 19136/28-1-1982 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

> स्रातन्द सिंह भ्राई० ग्रार० एस०, यक्षम श्रीधकारी, महायक पायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रोज 3, श्रमृतसर

नारीख : 6-9-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, श्रमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 अगस्त 1982

निदेश म० एए सम्रार/82-83/232--- भ्रतः मुझे म्रानन्द सिंह म्राई० म्रार० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एक भूमिका प्लाट है तथा जो न्यू गाण्डन कालोनी ग्रमृतसर में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनु-स्चें में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय ग्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन जनवरी 1982

को पूर्वो कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापवा कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधार (1) के अधीत:——
4---266GI/82

(1) श्रा वेद प्रकाश पुत्र पूरन चन्द कटड़ा स्राह्लूवालिया स्रमृतसर ।

(श्रन्तरक)

- (2) श्रामित बोना खन्ना पत्नि नरिद्र कुमार खन्ना वासो 10 गाण्डन कालोनी ग्रमृतसर । (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा ऊपर मं० 2 में कोई करायेदार हो। (वह व्यक्ति जिसके फ्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. ग्रौर कोई

(वह व्यक्ति जिनके वारे में स्रधोहस्ताक्षरी जानना है है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों क्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मंबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदाें का, भी उन्हा अधिनियम, के अध्याय 20 - कमें यथा परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

एक भूमि का प्लाट 250.6 व० ग० 1/2 भाग 501.2 व० ग० जो न्यू गारडन कालोनी श्रमृतसर में है जैसा कि सेल डीड नं० 18676/20.1 82 रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी श्रमृतसर में दर्ज है ।

श्रानन्द सिंह आई० आर० एस० सक्षम ग्रिधकारी, सहायक श्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज 3, चन्द्र श्रमृतसर

तारीख: 30-8-1982 ।

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज, भ्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनाक 30 श्रगस्त 1982

निदेश सं० एएसभ्रार-82-83/233--भ्रतः मुझे श्रानंद सिंह भ्राई० श्रार० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू. में अधिक है

ग्राँर जिसकी प्लाट जो न्यू गारंडन कालोनी श्रमृतसर में म्थित है (ग्राँग इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्राँग पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण स हुई किमी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में सविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण म, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों. अर्थास ——

- (1) श्री वेद प्रकाश पुत्र पूरन चन्द वासी कटडा श्राहलवालिया श्रमृतसर भ्राप व मुखतारश्चाम (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीमति शशी चोपडा पत्ति ग्ररुन चोपडा, कमला रानी पत्ति सत पाल चोपडा वासी दयानद नगर श्रमृतसर। (श्रन्तारिती)
- (3) जैसा ऊपर स० 2 मे कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग मे सम्पत्ति है)।
- (4) और कोई

(वह व्यक्ति जिनके बारे में ग्रधोहस्तक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू।

उक्त सपरित के वर्जन सबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध . किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकरें।

स्पस्टीकरण. --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया ही।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट 253 वर्गण जो न्यू गारङन कालोनी अमृतसर मे हैं जैसा सेल डीप्ड नंग 18590/19-8-82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज हैं।

श्रानन्द सिंह श्राई० श्रार० एस०, सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज-3, चन्द्रपुरी श्रमृतसर

दिनाक : 30 घ्रगस्त 1982

मोहर.

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

भ्रमृतसर, दिनांक 30 श्रगस्त 1982

निवेश सं०ए एस श्रार/82~83/234—श्रत: मुझे श्रानन्द सिंह श्राई० श्रार० एस०

प्राय हर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त पश्चितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीत असम पाधि हारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए० मे प्राधिक है

भौर जिसकी संख्या प्लाट है जो न्यू गारखन कालोनी अमृतसर में है तथा जो अमृतसर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जनवरी 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्तिकित उद्श्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिश्व में कभी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या श्रन्थ श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिश्तियम, वा श्रन-कर श्रिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत :---

- (1) श्री वेद प्रकाश पुत्र पूरन चन्द वासी कटड़ा ग्राह-लुवालिया अमृतसर श्राप व मुखतार ग्राम (ग्रन्तरक)
- (2) श्री रजिन्द्र सिंह पुत्र गुरमीत सिंह 107 लारेंस रोड भ्रमृतसर ।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर मं० 2 में कोई किरायेवार हो . (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) ग्रौर कोई

. (यह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारो करके पूर्वीक्त सभ्यत्ति के स्रर्जन के लिए कार्यवाहियां मुक्त करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप - -

- (क) इप युवना के राजाव में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन को भ्रविच या त सम्बन्धी क्यक्तिया पर सूचना को तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोच्छ। व्यक्तियों में से किसो क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राज्यत्र में प्रकाणन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पड्टीकरण :-इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया दें।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट 501.25 व० ग० जो न्यू गार अन कालोनी श्रमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 18362/13 1-82 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है ।

> आनन्द सिंह आई० भ्रार० एस०, सक्षम भ्रधिकारी, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज श्रमृतसर

तारीखा: 30-8-82

प्ररूप आई.टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 289-ष (1) के घणीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेंज, ग्रमुतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 30 श्रगस्त 1982

निदेश सं० ए एस आर/82-83/235—अतः मुझे फ्रानन्द सिंह श्राई० श्रार० एस० ध्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्चात् 'उयत अधिनियम' कहा गया है, की घारा 269-ख के श्रधीन स्थाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका छित्त बाजार मृत्य 25,000/ रु० मे अधिक है

और जिसकी सं. एक भूमि का प्लाट जो नयु गारडन कालोनी अमृतसर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्पृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीतिबत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक लप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त आधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वाविस्व में कमी करने या उबसे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसा किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिल्हें भारतीय भाय-कर भिष्ठिनयस, 1922 (1922 का 11) या धन्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनाय भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा क लिए;

अतः उदत विधिनियम की धारा 269-भ के अनुसरण भो, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) को मुधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री वेद प्रकाश पुत्र पूरन चन्द वासी कटड़ा श्राहलूवालिया आप श्रौर मुखातारश्चाम श्रमृतसर (श्रन्सरक)
- (2) श्री केवल कृष्ण रखा राम टंडन वासी कटड़ा श्राहलूबालिया कूचा कलयान दास श्रमृतसर (श्रन्तरिती)
- (2) जैसा ऊपर सं० 2 में यदि कोई किरायेदार हो। (बह यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) श्रौर कोई

(वह यक्ति, जिनकेबारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति को वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पक्तीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट 500 व० ग० जो न्यू गारङन कलोनी अमृतसर जैसा सेल डीड 18115/8-1-82 रजिस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

> श्रानन्द सिंह भ्राइ० श्रार० एस०, सक्षम भ्रधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज भ्रमृतसर

तारीख : 30-8-82

प्ररूप आई• टी• एन• एस०-

ग्रायकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 30 श्रगस्त 1982

निदेश सं० एस श्रार $\sigma/82-83/236$ —श्रतः भुक्ते, श्रानन्द सिंह श्राइ० श्रार० एस०

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन स्थाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो न्यू गारङन कालोनी श्रमृतसर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख जनवरी 1982

को प्रोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिख्त उच्च रेय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अधीत्:---

- (1) श्री वेद प्रकाश पुत्र पुरन चन्द वासी कटड़ा घाह-लूबालिया ग्राप ग्रौर मुखतारग्राम ग्रमृतसर (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमित सुमन जोशी पुत्नी कांता विशष्ट वासी दयाबन्द नगर लारेंस रोड अमृतसर (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति जिसके म्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) ग्रौर कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए एत्व्यूवारा कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजाब में प्रकाशन की नारीख से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी कानिनमों पर सूचना की तासीस से 30 दिन की भविध, को भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन हो तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए हा सकेंगे।

स्वब्दोक्तरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'सकत अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननुसूची

एक भूमि का प्लाट 400 व० ग० जो न्यू गारडन कालोनी श्रमृतसर में है जैसा सेल डोड नं० 18361/13-1-82 रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी अमृतसर में दर्ज है ।

> स्रानन्द सिंह (स्राई ० भ्रार० एस०), सक्षम भ्रधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-3 चन्द्रपूरी श्रमृतसर

दिनांक : 30-8 18 2

प्ररूप धाई० टी• एन•एस•~---

भायकर श्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269प(1) कि स्रदीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र वायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 30 श्रगस्त 1982

निवेश सं० एएस श्रार/82-83/237--श्रतः मुझे श्रानन्द सिंह श्राइ० श्रार० एस०

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो न्यू गारखन कालोन ध्रमृतसर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रुप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख जनवरी 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के खश्मान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का क्लाइ प्रतिशत से प्रधिक है और ग्रन्तरक (अन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उदेश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण मे हुई किसी आय को बाबन, उक्त सिंध-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, भीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, खिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्थात् :--

- (1) श्री वेद प्रकाश पुत्र पूरन चन्द वासी कटड़ा स्नाह-लूवालिया भ्राप स्नौर खमुखतारस्राम श्रमृतसर (श्रन्तरक)
- (2) श्री श्ररून कुमार पुत्र सतपाल वासी 31-दयानन्द नगर श्रमृतसर

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो । (यह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति हैं)।
- (4) भौरकोई

(वह क्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह युवना नारी करक पुत्रीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उका सम्यति के अर्जन के सम्बन्ध मे कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की प्रविध या तत्मन्दन्त्री व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जी भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (ख) इप त्वता के राजाव में प्रकाशन को तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधीतस्तकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त प्रधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जी उस अध्याय में दिया गया है

असम्ब

एक भूमि का प्लाट 253 व० ग० जो न्यू गारङन कालोनी ग्रमृतसर में जैसा सेल डीड नं० 18213/11-1-82 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी ग्रमृतसर में दर्ज है ।

> भ्रानन्द सिंह (भ्राई० भ्रार० एस०), सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, श्रमतसर

तारीख: 30-8-82

प्रस्प आई. टी. एन. एस.-------

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन स्**च**ना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयक र आयक्क (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 अगस्त 1982

निदेश सं० ए० एस० भार०/82-83/238--- प्रतः मुझे श्रानन्द सिंह श्राई० श्रार ० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी भूमि का प्लाट है तथा जो न्यू गारडन कालोनी श्रमृतसर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जनवरी, 1982

की पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/जा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किथा गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत: अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री वेद प्रकाश पुत्र पूरन चन्द वासी कटड़ा भाह-लूबालिया अमृतसर भ्राप भ्रीर मुखतारश्राम

(श्रन्तरिती)

(2) श्रीमति संत कौर पत्नी सोहन सिंह बासी गर्ली नं० 4 मोहन नगर भ्रमृतसर ।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) श्रौर कोई

(वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **से** 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामिल से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पर्वक्षिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उसे अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट 485 व० ग० है जो न्यू गारङन कालोनी श्रमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 18400/14-1-82 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

भ्रानन्द सिंह भ्राई० भ्रार० एस०, सक्षम प्राधिकारी (सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भ्रमृतसर

दिनांक : 30-8-82

मोहर 🗓

प्ररूप आर्द. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 30 श्रगस्त 1982

निदेश सं० ए० एस आर/82-83/239--- प्रतः मुझे भ्रानन्द सिंह श्राई० श्रार० एस०

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुवात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० एक प्लाट है तथा जो न्यू गारडन कालोनी श्रमृतसर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार स कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोच्य संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे रूप्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक ल्प से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उसत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपानी में सर्विधा के लिए;

अतः अब, अकत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, अक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः---

- (1) श्री वेद प्रकाश पुत्र पूरन चन्द वासी कटड़ा म्राह-लूबालिया म्रमृतसर ।
 - (अन्तरक)
- (2) श्री सोहन सिंह पुत्र विशन सिंह वासी बोप राए जिला श्रमृतसर ।

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर नं० 2 से कोई किराएदार हो।
 - (वह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) श्रौर कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति च्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वमसूची

एक भूमि का प्लाट जो न्यू गारडन कालोनी श्रमृतसर 458 व० ग० है जैसा सेड डीड नं० 18402/14-1-82 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है ।

आनन्द सिन्ह श्राई०ग्रार० एस०, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-३ चन्द्रपुरी श्रमृतसर

तारीख: 30-8-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 30 ग्रगस्त **1982**

निदेश मं० ए० एस म्रार/82-83/240--म्रतः मुझे भ्रानन्द सिंह म्राई० म्रार० एस०

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उयत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो न्यू गारडन कालोनी श्रमृतसर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, ग्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उधित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उधित बाजार मूल्य, उमके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रति-शत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छियाने में स्थिता है लिए।

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निम्निलियत व्यक्तियों, अर्थात् :--- 5--266GI/82

- (1) श्री वेद प्रकाण पुत्र पूरन चन्द वासी कटड़ा श्राह्-लूबालिया श्रमृतसर श्राप व सुखतार श्राम, श्रमृतसर । (श्रन्तरिती)
- (2) श्रीमित वीना खन्ना पत्नि नरिंद्र खन्ना वासी श्रमृत-सर

(श्रन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो । (वह ध्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) भौर कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

का यह सूचना जारी करके पृथा कित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्कीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित स्वाइ^क्ष

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट 250 वं० ग० जो न्यू गारडन कालोनी श्रमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 18436/15-1-82 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रमृतसर में दर्ज है।

> श्रानन्द सिंह् आई० ग्रार० एम०, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, चन्द्रपुरी अमृतसर,

दिनांक 30-8-82 । मोहर ब प्ररूप आहर्. टी. एन. एम

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा े6ल व ⁽1) ह अभीत गलना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 श्रगस्त 1982

निदेश सं० ए एस भ्रार/82-83/241--श्रतः मुझे श्रानन्द सिंह (श्राई० श्रार० एस०)

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्कत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों की, यह विश्वाम करने का कारण हैं कि म्थायण अपात्र करने के किन्य करने के किन्य अधीन सक्षम प्राधिकारों की सक्षम अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो राधा स्वामी रोड श्रमृतसर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनु-सूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर मे रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जनवरी 1982

को पूरों कत संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफ ल के लिए अन्तरित की गई है और मृश्ते यह विश्याम करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एमे दृश्यमान प्रतिफल का प्रंदृष्ट प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से अधिक नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अरि/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिणने में सर्विधा के लिए;

श्रतः मन, अन्त आधिनियम, को भारा 269-घ के यनुमरण मो, भी, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) भी सोनिका पुती हीरा लाल बासी बस्वई द्वारा ग्रार० ए० बागा पुत्र ए० ६० बोगा वासी हाइड मारकीट अमृतसर मृखतार

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जगदीण सिंह पृत्व जोगिद्र सिंह वासी इसट मोहन नगर अमृतगर ।

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर स० 2 में कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)।

(3) श्रौर कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति क अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्स प्रक्रियां मा कि दिन की व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा मकाँगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अभ्याय १०-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

एक भिम का प्लाट 321 वं गं जो राधा स्वामी रोड श्रमृतसर में है जैसा मेल डीड नं 18580/18969/ जनवरी 1982 रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

ग्रानन्द सिंह (ग्राई० ग्रार० एस०) सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारी**ख** : 3**0-8**82

माहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, ग्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 30 श्रगस्त 1982

निदेश सं० ए एस श्रार/82-83/242--श्रतः मुझे श्रानन्द सिंह श्राई० श्रार एस०

श्रायकर अजिनियम, 1961 (196. पर 13) (किन इसमें इनके प्रकात् 'उक्त ज्ञाबिनियम कहा गया है), तो धारा 269-ख के स्वीत स्थान प्राचित्रियों, पर विश्वास करा है हारण 2 कि स्थावर सालि, जिसका उतित जाजार मूल्य 25,000- कर से साधिक है

भ्रौर जिसकी सं० एक प्लाट है तथा जो इसट मोहन नगर श्रमृतसर सें स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जनवरी 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजा मन्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे पर विश्वास करने का कारा है कि यथापूर्वोच्य संपत्ति का उचित्र बाजार मृत्य, उन दृश्यमान प्रतिफत है पिस दृश्यमान प्रतिफत का पद्धि प्रतिशत श्रीक्षक है और प्रस्तरिक (अन्तरकों) पीर श्रन्तरिक (पन्तरितयों) के बीच ऐसे श्रन्तरिण के लिए, तय पाया प्रतिफल निम्तलिखित उद्देश्य में उक्षत श्रन्तरण लिखित में वास्तविक का ने किया नहीं िया गया है :--

- (क) अन्तरण मं हुई किसी धाय को बाबत उक्त प्रीध-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमः करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या ग्रस्थ प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिशिनियम, 1922 । 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1) 7 क' 27) के प्रयोजनाथ प्रस्तौरनीय । वे प्रकृत नहीं किया । या भा या किया जाना चाहिए था, फिपान में सुबिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ब्रथित्:—

(1) श्री किंदार नाथ पुत्र काहन चंद वासी कांगड़ा धर्म-शाला रोड अब कटड़ा दुलो कूचा (सेवा सयाल अमृतसर ।

(भ्रन्तरक)

(2) मै॰ प्रभात भायुर्वेदिक फारमेसी कटड़ा णेर सिंह द्वारा राज कुमार

(म्रन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर स॰ 2 में कोई किरायेवार हो। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधमोग में सम्पत्ति है)

(4) भीर कोई

(यह व्यक्ति, जिनके बारे में <mark>अधोहस्ताक्षरी</mark> जानता है कि वह सम्पत्ति में हितब**ब** है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उन पृथ्वति के अर्जन क सम्बन्ध में को है भी आक्षेप :---

- (क) इन सूजना के करना में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन को प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना को नामील ने 30 दिन को श्रविद, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति डारा:
- (ख) इस नूचा के राजा र वें प्रकाशन को तारीज से 45 दिन के भोतर उका स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी सन्य व्यक्ति दारा, अधीहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्यक्नीहरण:--इनमें प्रपृक्त पत्रवीं घीर पदों का, जो उन्त प्रक्षितियम के पत्र्याय 20-क में प्ररिकाणित तै, वहीं धर्ष तथा, जी उस प्रक्षाय में प्रियासका है।

ननुसूची

1/4 भाग प्लाट नं० 273 सी \$175 व० ग० जो अमृतसर से कीम इंपूबमेंट टरसट इसट मोहन नगर अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 17788/1-1-82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

भ्रानन्द सिंह (भ्राई० भार० एस०), सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज 3 भमतसर

तारीख: 30-8-82

म**ह**र :

प्ररूप काइं.टी.एन.एस.,-----

आयकर पश्चितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीत सूचता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, श्रमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 30 भ्रगस्त 1982

निर्वेश सं० ए० एस० आर० /81-83/243—यतः मुझे श्रानन्द सिंह आई० श्रार एस० आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है श्रीर जिसकी नंख्या एक प्लाट राधास्वामी रोड, अमृतसर में

स्थित है (ग्रीर इससे छपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के

कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1982 को पूर्वीक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से आधक है भीर प्रस्तरक (अन्तरकों) भीर प्रस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रम्तरण के लिए

तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त प्रस्तरण

लिखित में वास्तविक लिंप से कियत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त प्रधिनियम के भ्रष्टीन कर देने के भ्रम्तरक के दायिस्त में कमी करने या उससे दक्ते में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी हिसी श्राय या किसी धन या श्रम्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1923 हा 11) या उदन अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए।

ग्रत: धव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की बारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रयाद :--

(1) रेनुका पुत्री हीरा लाल नारंग वासी बबई द्वारा रुसतम प्ररदेशर बोगा वासी हाइड मारकीट प्रमतसर प्रटारनी

(ग्रन्तरक)

(2) श्री परमजीत सिंह पुत्र जोगिन्द्र सिंह वासी इसट मोहन नगर प्रमृतसर

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) श्रौर कोई (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोस्स्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारीकरक पृत्रॉक्न सम्पत्ति के अर्जन क सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रार्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अस्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा महेंगे।

स्वड्डोक्सरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'खक्त श्रधि-नियम', के अध्याय 20-क में परिभावित हैं; बही ग्रथं,होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

जन्स्ची

एक भूमि का प्लाट 218.75 व० ग जो राधा स्वामी रोड ग्रमृतसर में है जैसा कि डीड नं० 18578 व 18968 जनवरी 1982 रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी ग्रमृतसर में दर्ज है।

> श्रानन्द सिंह श्राई० श्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3 चन्द्रपुरी श्रमृतसर

दिनांफ : 30-8-1982

प्ररूप बार्ड. टी., एन., एख.,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त, निरीक्षण भ्रजन रेंज, भ्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 30 श्रगस्त 1982

निर्देश सं० ए० एस० ग्रार०/82-83/244--- ग्रतः मुझे श्रानन्द सिंह ग्राई० ग्रार० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रहे. से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० एक प्लाट राधा स्वामी रोड ध्रमृतसर में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध ध्रमुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा ग्रधिकारी के कार्यालय ध्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जनवरी 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त किस निम्नलिखित उद्वरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे क्वने में सूबिभा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्षिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मोनका पृक्षी हीरा लालनारंग वासी बम्बई द्वारा रुसतम श्ररदेशर बोगा वावी हाइड मारकीट ग्रमृतसर श्रटारनी

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जसबीर सिह पुत्र जोगिन्द्र सिंह वासी इसट मोहन नगर श्रमृतसर

(भ्रन्तरिती)

(2) जैसा ऊपर मं० 2 में कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पति है)

(4) श्रौर कोई (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्कीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अभिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया ग्या हैं।

नगुत्रुची

एक भूमि का प्लाट 218.75 व० गज जो राधा स्वामी रोड श्रमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 18579 18967/ जनवरी 1982 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

> श्रानन्द सिंह ग्राई० श्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3 जंद्रपुरी श्रमृतमर

नारी**य** : 30-8-1982

महिर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आसकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज समृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 30 श्रगस्त 1982

निर्देश सं० ए० एस० श्रार०/82-83/24दू—यतः मुझे स्रानन्द सिंह आई० श्रार० एस०,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित आजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० एक प्लाट जो राधा सवामी रोड भ्रमृतसर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद श्रनूसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ला भ्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख जनवरी 1982

को पृषा नित संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यभापूर्वों कत संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निक्निलिसत उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की यागत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे यचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर आधिनियम, या धनकर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्तिधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री जिया लाल सीरथ राम पुत्त तीरथ राम वासी बम्बई द्वारा देस राज तलबार पुत्त राम नाथ तलबार वासी गली पीथे वाली श्रमृतसर मुखतार ग्राम ।

(अन्तरक)

(2) श्री इंदर भाग पुत्र सुदंर लाल वासी कटरा सफेद ग्रमुतसर।

(अन्सरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके स्रधिभोग में सम्पति है

(4) भ्रौर कोई

(वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वा क्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में सभाप्त हाती हो, के भीतर पृविध्वत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मिश्त में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्ठीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों आहेर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नगर ची

एक भूमि का लाट नं० 5 जो $283 \ 1/4$ व० ग० हैं जो टी० पी० सकीम नं० 33 राधा सवामी रोड रघुनाथपुरा) श्रमृतसर में है जैसा सेल डीड न० 17900/5-1-82 3 चंद्रपुरी श्रमृतसर रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

ग्रानन्द सिंह आई०आर०एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 3 चंन्द्रपरी ग्रम्ससर

तारीख 30-8-1982 मोहर: प्ररूप आहूरं.टी.एन.एस.------

अधिकर प्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण(1) के प्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज श्रमृतसर

श्रभृतसर, दिनांक 30 श्रगस्त 1982

निर्देश सं० हर्जन/82-83/246--यतः मुझे, स्रानन्द सिंह, स्राई० आर० एस०,

पान वर प्रशितियय, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख ह अगाः उत्तर पर्णिकारा का, यह विश्वाम करते का कारण है कि नावर उप्पति जिनक, उचित बाजार मूल्य 25.000/- क्षण संभित्त है

ग्रौर जिसकी सं० एक प्लाट जो राधा सवामी रोड ग्रमृतमर में स्थित है ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनूसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय ग्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख जनवरी 1982

ा पूर्वीक्त सम्पास के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के जिए मन्तरित की पई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूला उत्तर देवान पिफल पे, ऐसे पृथ्यमान प्रतिफल की पट्ट प्रतिणा से जिलके हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पात्रा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण निश्चित में जाव्या कि का से अधिक ने जाव्या की प्राप्त की किया गया हैं

- (६) प्रस्तरण सं दुई किसी किय को बावत, उक्त प्राधितयम ६ खनीन कर देने के धरतरच क दायित्व में कभी करन या उससे बचने में सुधिबा क तिए और/या;
- (स) ऐसी किसी साम या किसी धन या अन्य स्नास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर स्निधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्ते सिधितियम, या धन-कर सिधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सन्तरिती अरा प्रकट नहीं किया या या किया जाना चाहिए था, ष्ठिपाने में मुविधा के लिए;

श्रतः अब, उक्त ग्रांधान मा भाषा 259-ग के ग्रन्सरण में, मैं अकृत श्रांधानियम का भाषा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन निस्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—— (1) श्री जीया लाल नीरथ राम पुत्र तीरथ राम वासी वम्बई द्वारा देस राज तलवार पुत्र राम नाथ तलवार वासी गली पोथे वाली श्रमृतसर मुखतारश्राम

(अन्तरक)

(2) श्री श्ररविंद सेठ पुत्र श्री बालकरीशन वासी 1025 कान खटीका श्रमृतसर।

(भ्रन्सरिती)

(3) जैमा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पति है)

(4) ग्रौर कोई (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)

को यह सूचना नारी हरह पूर्वीक्त सम्मत्ति के प्रारंत के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी पाक्षेप :-

- (क) इस भूचना के राजपव में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों । पर
 गूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत
 स्पितयों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्न में प्रकातन की तारीच से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबद्ध
 किसी भन्य क्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताकारी के पास
 निश्चित में किएजा सकोंगे।

स्पद्धीकरतः — इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिजित्यम के अध्याय 20 क में परिवाधित है, वही अर्थ होगा जो उस श्राध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

एक भूमि का प्लाट न 5 जो 283 1/4 व० ग० है जो ठी० पी० सकीम नं० 33 राक्षा सवामी रोड (रघुना थपुरा) अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 17891/5-1-82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द सिंह ग्राई० ग्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, 3 चंद्रपुरी ग्रमृतसर

तारीख 30-8-1982 मोहर: प्ररूप बाइं. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

ारत गरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 30 ग्रगस्त 1982

निर्देश सं० ए० एस० आर० /82-83/247—यतः मुझे, श्रानन्द सिह आई० श्रार० एस०,

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की छारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह यिश्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी स॰ दुकान चील मंडी श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनूसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वाजत है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यांलय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम,

1908 (1908 का 16) अधीन, तारीख जनवरी 1982 को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उद्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृदयमान प्रतिफल से, एसे दृदयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तिक रूप से किंगत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्नारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में सृविधा के लिए;

अत: अझ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलितित व्यक्तियों, अचित्:-- (1) श्रीमती रवीन्द्र कोर विध्वा कपूर मिंह, गुरबचन कोर विध्वा दलजीत सिंह वासी 491 रनजीत एवन्यू श्रमृतसर द्वारा बूटा सिंह जनरल श्रटारनी

(भ्रन्तरक)

(2) श्री गियाणी त्रलोचन सिंह वासी मकान न० 2949/1 चील मंडी श्रमृतसर

(भ्रन्तरिती)

(3) जैंसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो बीर सिंह 70/- महीना।

> (वह व्यक्ति, जिसके ऋधिभोग मे सम्पत्ति है)

(4) और कोई

(बह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह मम्पति में हितबद्ध है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीलर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की धारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दुकान जो चील मंडी ग्रमृतसर में है जैसा सेल-डीड नं० 18085/8-1-82 रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

> न्नानन्द सिंह ग्राई० ग्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी (सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, चंद्रपुरी ग्रमृतसर

नागिख: 30-8-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयुकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, नागपुर नागपुर, दिनांक 9 जून 1982 निर्देश संबद्घाई० एव मीव /एक्बी/181/82-83---यत: मुझे, एमव व्हीव श्चारव प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 114 है, जो पी० एच0 44 सोमलवाडा नागपुर में स्थित है (श्रीर उसके उपाबद्ध श्रन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय नागपुर (डाकुमेंट सं० 431/82 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 27 जनवरी 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नालिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के **दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सृ**विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आयः या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 6—266 GI/82

- (1) श्रीमती काणीबाई गणपतराव तेलरांधे
- (2) श्री चंद्रकांत गणपतराव तेलरांधे
- (3) श्रीमती वनमाला मनोहरराव कापडी सोमलबाडा नागपुर

(ग्रंतरक)

(2) पंचतारा सहकारी गृह निर्माण संस्था सचिव भ्ररविद ना० तारेकर सोमलवाडा नागपुर (श्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा प्रघोहस्ताक्षरी के नास लिखित में किए जा सकेंगे।

म्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शक्दों भीर पदों का, जो उक्त स्रिध-नियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिमाणित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

ममुस्ची

सं० नं० 114 पी० एच० 44सोमलवाडा नागपुर क्षेत्रफल 8.03 एकड्

> एम० व्ही झार० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक झामकर झायुक्त (निरीक्षण), धर्जन रेंज, नागपुर

तारीख : 9-6-1982

मोहरः

प्रक्य बार्ड .दी . एम् . एस . ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

भारत बर्गाल

कार्याचय, सहायक नायकर वायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर. दिनांक 21 जुलाई 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० मी०/एक्बी/182/82—यतः मुझे, एम० व्ही० श्रार० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें स्थले पश्चात् 'उसत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, डिचसुका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 465/82 है, जो ख० 101/1 मौजा सीताबर्डी नागपुर में स्थित है (श्रीर उसके उपाबद्ध श्रनूसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय नागपुर डाकुमेंन्ट सं० 465/82 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 28-1-1982

को पूर्विक्स संपरित का उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वों क्त सम्पर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के किए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तिविक क्ष्य में कथित नहीं किया गया है---

- (क) जन्तरम् वं हुवं हिंकासी जान की बावतः, उक्त जिल्हिनका के अधीन कर बोने के जन्तरक को दासित्व में काजी कारने वा उससे वचने में स्विधा के लिए; बॉट/वा
- (व) ऐसी किसी नाय या किसी धृत वा नत्य नास्तिनी की, जिन्हें भारतीय भाय-कर निधित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धृतकर अधिनियम, या धृतकर अधिनियम, विश्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृत्वा के किया के किया

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुमरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलि**चित व्यक्तियों अर्थातः**—

- 1. (1) श्री रुस्तम डी० दोरगजी
 - (2) श्री होशंग डुगाजी
 - (3) श्रीमती ते० भोभीशाव
 - (4) श्रीमती खोरशेंद मोवडावाला
 - (5) कु० घोटी डूगाजी
 - (6) श्रीमती खोरशेद मोवडावाला
 - (7) श्री होरमसजी डूगाजी
 - (8) श्री रुस्तम होरमसजी
 - (9) कु० नरमिस होरमसजी
 - (10) कु० पी० एच० इगाजी

(भंतरक)

य मै० गिरिण को० ग्रॉघ हाऊसिंग सोमायटी सेंट्रल श्रव्हेन्यू नागपुर श्री जसबीर सिंह ग्रान्नन्य चेयरमैन) (श्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के नर्पन के सम्बन्ध में कांध्र भी नाक्षेप:---

- (क) इस स्थान के राज्यम् में प्रकारन की सारीय से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वर्षीय बाद में समाप्त होती हो, खे भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा?
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति वृद्यारा वश्रोहस्ताकरों के पांचे विकित में किए का सकीन।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

र्खं० क्र० 101/1 कूबर विला 51456 चौ० फूट कामठी रोड नागपुर

्म० वी न्नार० प्रमाव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर न्नायुक्त (निरीक्षण) न्नर्जन रॅज, नां**य**्रर

तारीख: 21-7-82

प्रकृप पाई । हो । एन । एस । ----

ग्रायकर पश्चितियम, 1961 (1961 का 43) की घार। 269-ल (1) के प्रशीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर., दिनांक 28 जुलाई 1982

निर्वेश सं० ग्राई० ए० सी/एक्बी०/183/82-83—यतः मुझे, एम० व्ही० ग्रार० प्रसाद,

मायकर बिश्विनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्क अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावद सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- व॰ में अधिक है

मौर जिसकी सं० 107/2 है जो लेंट्रा पार्क ले म्रास्ट रामदास पेठ नागपुर में हिथत है (म्रौर उसके उपाबद्ध, म्रनुसूची में म्रौर पूर्ण ख्ल्म से विणत है) । रजिस्ट्रीकर्त्ता म्रधिकारी के कार्यालय नागपुर (डाकुमेंट सं० 466/82 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण म्रधिनियम, 1908 (1908 का 16') के म्रधीन 28-1-1982

को पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एोसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तयिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की याबत, उक्त श्रवि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के मिए;
- (स) ऐसी किसी प्राय या तिसी खन या घरण घारितकों की जिस्हें भारतीय धायकर प्रक्रितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अखिनियम, या धन-कर घिषिनियम, 1957 (1957 का 27) के ब्रयोजनार्व धरतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बका या विका जाना चाहिए या, कियाने में सुविधा के जिए;

श्रतः सन, उन्त पश्चिनियम की बारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त प्रकिनियम को बारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. (1) श्री हस्तम दाराणा इ्गाजी
 - (2) डां० श्रीमती दमयंती रुस्तम गाजी फोर्ट ब्रंम्बई-23 (ग्रन्तरक)
- 2. (1) श्री रामिकशन रामगोपाल काबरा
 - (2) श्रीमती तीला रा० काबरा रामदासपेठ नागपुर (ग्रन्तरिती)

को यह पूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उनस नमानि के अधेन क सम्बन्ध में कार्ड मा प्राक्षेय:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंध 45 दिन की अविधिया हत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पच्छोकरणः --- इसमं प्रयुक्त शब्दां और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

प्लाट नं० 107/2 लों हा ले ग्राउत रामदासपेठ नागपुर क्षेत्र 7688 चौ० फुट ग्रीर भवन

> एम० व्ही भ्रार० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर भ्रायुक्त (निराक्षण) भ्रजन रेज, नागपुर

तारीखा: 28-7-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

बाय्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 6 सितम्बर 1982

निर्वेश सं० डी० 5/एस० ग्रार० नासिक/ग्राणे-82/750/ 82-83---यतः मुझे, [शशिकान्त कुलकर्णी,

प्रायकर प्रिष्ठितमा, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रिष्ठितमा' कहा नया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- र • में अधिक है

भौर जिसकी संख्या नं० 422 बी-4 एफ प्लाट न० 255 एम० एच० नं० 3721 बी० है तथा जो आग्रा पथ, बारा हैरेलके सामने, नासिक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय वुस्यम निबंधक नासिक में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित् बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिक कल निम्नलिखित उद्वेष्य से उसत अन्तरण लिखित में वास्तिवक कृप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) भ्रात्र च हुई किसी आयु की वावत, बक्त अधि-जियम के सबीन क्षार देने के सन्तरक के दायित्व में क्षमी करने या उससे अचने में सुविधा के जिए। कौर/वा
- (च) एसी किसी आय् या किसी भन् या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर अधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयो- जनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अन्सरण मं, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) के नुधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, नर्थात् :--- श्री तेजकौर सनमुख सिंह ग्रौर ग्रन्य दो युनियन पार्क पाली हिल बांबा, मुबई।

(भ्रन्तरक)

- 2. श्री जसबीर सिंह ग्रामरिक सिंह भ्रानंव
- (2) श्रीराम नारायणदास मंद्रि नासिक रोड ।

(भ्रन्तरिती)

हो। यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भाजन के लिए कार्मवाहिमां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्राजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षीप 🗝

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मैं से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचन। क राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सपित में हित- बद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्राहश्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्लीकरण: --इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं उही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया

अनुसूची

प्रापर्टी जो सं० नं० 422 बीं० 4 एफ० प्लाट नं० 255, एम० एच० नं० 3721 बीं०, श्राग्रा पथ, द्वारका हाटेल के सामने नासिक में स्थित है।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख कर 319 जो जनवरी 1982 में दुम्ययम निबंधक नासिक के दफ्तर में लिखा है।)

> भंशिकान्त कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

तारीख : 6-9-1982

मोहरू 🗧

प्ररूप आहु¹.टी.एन.एस.-----

म्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 व⁽1) के यक्षीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, पटना

पटना, दिनाक 30 श्रगस्त 1982

निवेण स० 579/अर्जन 82-83--अर्जत मुझे ह्र्दय नाराथण,

आयकर श्रिष्टिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/-इ• मे अधिक है

ग्रौर जिसकी स० तौजी स० 418, 377, खाला स० 67, 61, 6, प्लाट्ट स० 298, 299 300, 302, 296, वार्ड स० 37, स० सिंकल स० 026 है तथा, जो होल्डीग स० 116 मौजा याग्पुर थाना गर्दनीबाग जिला पटना में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध अन्मूची में ग्रौर ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रीधकारी के कार्यालय पटना में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधनियम 1908 (1608 का 16) के अधीन में तारीख 8-1-82 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल किए प्रम्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यदापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमाम प्रतिकल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का प्रमह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीज ऐसे अंतर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिबित उद्देश्य स उक्त प्रस्तरण निचित में वास्तविक रूप से क्यित नहीं। किया गया है:----

- (क अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत धक्त अधिनयम क प्रशीन कर देने के जन्तरक के दायिस्व में कमो करन या उससे बचने में सुविधा के स्निए; आंर/या
- (क) ऐना किसी आप या किसा झन या अन्य आस्तियो को, जिन्हें भारतीय झायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अन्त अधिनियम, या झन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

बतः अर्ब, उक्त जिधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1 (1) श्रीमती अजन्ता चौधरी जीजे श्री बृन्दावन चौधरी साकिन यारपुर, थाना गर्दनीवाग, जिला पटना
 - (2) (ए०) श्री कन्हाई लाल चीधरी (ब) श्री निभाई लाल चीधरी (स) श्री देवी प्रसाद चौधरी (द) कृष्ण गोपाल चौधरी (ई) श्री विमल कुमार चौधरी बलदान श्री हरीसाधन चौधरी ग्राम एजन

(भ्रन्तरक)

2 श्रीमती इन्दु देवी पुत्री राम प्रवेश सिंह सिंकन गोनीया छपरा, पोस्ट रानीगज, थाना बेरीया जिला बलीया (उत्तर प्रदेश)।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्ति सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्त मे प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 विन का श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा,
- (ख) इस सूचना क राजपत में प्रकाशन की नारी ख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिन बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा ध्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं भयं होगा जो उस ग्रध्याय में विधा गया है।

वन्स्ची

जमीन मय पुराना मकान जिसका रकवा 6 कटटा 10 धुर मौजा यारपुर थाना गर्दनीवाग जिला पटना में स्थित है तथा जो पूर्णरूप से वसिका सख्या 183 दिनाक 8-1-82 में वर्णित है तथा जिसका निबन्धन जिला अवर निवन्धक पदाधिकारी पटना द्वारा संम्पन्न हुन्ना है।

> हृदय नारायण ग्रज्ञम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख : 30-8-82

मोहर .

प्रकल नाइ. टी. एन्. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

स्रर्जन परिक्षेत्र बिहार, पटना पटना, दिनांक 30 स्रगस्त 1982

निर्देश सं० 575/ग्रर्जन 82-83--ग्रतः मुझे, हृदय नारायण,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० तौजी सं० 418, 377 खाता सं० 67, 61, 6 प्लाट सं० 298, 299, 300, 302, 296 वार्ड सं० 37 है तथा, जो सिकल सं० 262, होल्डींग सं० 113 मौजा यारपुर, थाना गर्दनीकाग जिला पटना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय पटना में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 1 जनवरी 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे धश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (बंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाम ग्रमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक कर्ण से किथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियां का, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन- कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अअ, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ए के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री विमल कुमार बांधरी बल्द श्री हरीसाधन चौधरी निवासी यारपुर थाना गर्वजीबाग जिला पटना।
 - 2. (ए) निभाई लाल चौधरी (ब) श्री कम्हाई लाल चौधरी (स) श्री कृष्ण गोपाल चौधरी (द) देवी प्रसाद चौधरी सभी बल्द श्री हरीसाधन चौधरी एवं श्रीमती ग्रंजता चौधरी जौजे श्री वृदावन चौधरी ग्राम ऐजन ।

(मन्तरक)

(2) श्री राज नारायण सिंह वल्द श्री चन्की प्रसाद सिंह ग्राम गोनीया छपरा, थाना बैरीया पौस्ट रानीगंज, जिला बलीया (उत्तर प्रदेश)।

(ब्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वेषित संपरित के अर्जन को जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र:---

- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनधि बाद में अअम्त होती हो, के भीतर वृत्रोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिल-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के शस लिकित में किए.जा सकोंचे।

स्पष्टोकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों शीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस वध्याय में विवर गवा है।

ननसर्ची

जमीन मय पुराना मकान जिसका रक्षा 6 कटठा मौजा यारपुर, थाना गर्दनीबाग जिला पटना में स्थित है एवं पूर्णरूप से वसिका सं० 35 दिनांक 1-1-82 में वर्णित है तथा जिसका निबन्धन जिला श्रवर निबन्धक पदाधिकारी पटना द्वारा सम्पन्न हुआ है।

हृदय नारायण सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख: 30-8-82

प्रकार बाई व दी व एन व एम ----

अध्यक्र भविनियम, 1961 (1961 का 43) की श्रारा 289-व (1) के भविन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनांक 30 ग्रगस्त 1982

निर्देश मं० 576/ग्रर्जन 82-83-—ग्रतः मुझे, हृदय नारायण,

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उक्त प्रवित्तियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्कम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर मंपित जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- कर से अधिक है

भौर जिसकी मं० तौजी सं० 418, 377, खाता सं० 67, 61, 6, प्लाट सं० 298, 299, 300, 302, 296 बाई सं० 37, सिंकल है तथा जो सं० 262, होल्डींग सं० 112 ए मौजा यारपुर, थाना गर्दनीबाग जिला पटना में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे विणित है) रिजस्ट्रीकर्सा ग्रधिकारी के कार्यालय पटना में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 5-1-82 की

को पूर्वीक्स संपत्ति के उचित बाजार म्लय से कम के दृश्यमान श्रीतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंछाह प्रतिक्रत से प्रक्रिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के श्रीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्मलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निखात में वास्त्रविक स्य से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) ध्रम्तरण से हुई किसी आप की बाबत उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कर्म करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। धीर/या
- (क) ऐनी किसो भाष या किसा धन या अस्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाषकर भश्चितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधितियम, या धन कर भश्चितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाता चाहिए था, छिपाने में मुख्या के लिए;

भू धत: शव, उक्त श्रविनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के श्रवीन, तिक्निजित व्यक्तियों, अर्थात :--- 1. (1) श्री कृष्ण गोपाल चौधरी वल्द श्री हरीसाधन चौधरी निवासी यारपुर, थाना गर्दनीबाग जिला पटना।

(2) (ए) श्री कन्हाई लाल चौधरी (ब) श्री निभाई लाल चौधरी (स) श्री देवी प्रमाद चौधरी (द) श्री विमल कुमार चौधरी सभी बन्दान हरीसाधन चौधरी एवं श्रीमती श्रजन्ता चौधरी प्रनी श्री वृत्दावन चौधरी ग्राम ऐजन ।

(श्रन्तरक

2. (2) श्री विक्रम सिंह बल्द श्री चन्द्री प्रसाद सिंह साकिम गोनीया छपरा, थाना वैरीया पोस्ट रानीगंज जिला वलीया (उत्तर प्रदेश)

(ग्रंतरिती)

को यह भूतना जारा करक पूर्वोक्त मध्याल क सर्जन ज निए कार्यवाहियां करना हं।

उता मस्यत्ति के प्रार्वन के मध्यन्य में कोई भी ब्राक्षेप :---

- (क) इप स्वना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध लाउ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपक्ति में हिन-बद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रिधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

हनब्दोक्तरण ---इसमं प्रयुक्त ग्रब्दो प्रीर पदी **का**, जो उक्त ग्रिवित्यम के ग्रध्याय 20-क में प**रिभाषित है.** वहीं भ्रम्य होगा जी उस ग्रध्याय ये दिया

अनुसूची

जमीन मय पुराना मकान जिसका रकवा 6 कटठा मौजा यारपुर, थाना गर्दनीाग जिला पटना में स्थित है एवं पूर्णरूप में विमिका संख्या 85 दिनांक 5-1-82 में वर्णित है तथा निबन्धन जिला प्रवर निबन्धक पदाधिकारी, पटना द्वारा सम्पन्न हुआ है ।

हृदय नारायण सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख: 30-8-82

प्रकप नार्दं, टी. एन. एस.-----

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा १५९-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनाक 30 श्रगस्त 1982

निदेश म० III 578/ग्रर्जन/82-83--ग्रतः मुझे, हृदय नारायण

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें परवात् 'उज्जा अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- खं के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 रु. से अधिक है

धौर जिसकी स० तौजी स० 418. 377, खाता सं० 67, 61, 6 म्लीट स० 298, 299, 300, 302 290, होल्डीग स० 117, वार्ड स० 37 है तथा जो सिकल सं० 262 मौजा यारपुर, थाना गर्दनीबाग, जिला पटना में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची मे धौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ध्रधिकारी के कार्यालय पटना मे रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 7 जनवरी 1982

को पूर्वो कत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति फल निम्नलिखित उद्देश्य में उकत अन्तरण लिखिन में वास्तिवक कप में कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए. अर्थ हा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हा भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में,, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीस् ---

- 1 (1) श्री निभाई लाल चौधरी बल्दश्री हरीसदन चौधरी निवासी यारपुर ; थाना गर्दनीयाग जिला पटना ।
 - (2) (ए) श्री कन्हाई लाल चौधरों (व) श्री देवी, प्रमाद चौधरी (स) कृष्ण गोपाल चौधरी (द) श्री विमल कुमार चौधरी सभी बल्द श्री हरीसाधन चौधरी एव श्रीमती ग्रजन्ता चौधरी पतनी श्री बृदाबन चौधरी ग्राम एजन।

(भ्रन्तरक)

2. श्री राजीव रजन सिह (2) किरण कुमारी नाबालिग श्रिभभावक सुरजदब सिह निवासी महल्ला गोनीया छपरा, धाना बैरीबा पोस्ट म रानीगंज जिला बलीया (उत्तर प्रदेण)। (श्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पृषाँक्त सम्मित्त को अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप '---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविध, जा भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा,
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधाहिस्ताक्षरी के अम लिख्त भें किए का सक्या.

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

जमीन मय पुराना मकान जिसका रक्षा 6 कटठा मौंजा यारपुर थाना गर्दनीयाग जिला पटना में स्थित है तथा पूर्ण-रूप से वसिका सं० 150 दिनांक 7-1-82 में वर्णित है एवं निबन्धन जिला अवर नियन्धक पदाधिकारी, पटना द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> हृदय नारायण मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायक्षर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन परिक्षेत्र, विहार, पटना

तारीखः * 30-8-82 मोहरः * प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन परिक्षेत्र, ब्रिहार, पटना पटना, दिनांक 30 अगस्त 1982

निर्देश मं० 577/ग्रर्जन/82-83—-धन: मुझे हृदय नारायण,

आयकर अधिनियम, 1961 1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रठ. में अधिक है

और जिसकी सं० तौती मं० 418, 377 खाता सं० 67, 61, 6 प्लाट मं० 298, 299, 300, 302, 296 वार्ड मं० 37, सर्किल मं० 262 है तथा जो होल्डींग सं० 114 मौजा यारपुर थाना गर्दनीबाग जिला पटना में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूची और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रिजस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख़ 6 जनवरी 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम दृष्यमान प्रति-फल के रिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से दरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (धन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितमों) के बीच एंग अन्तरण के लिए तय पासा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप में कियत नहीं किया गया है

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व के कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में सुविधा के लिए;

अनः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अग्रू-रण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थीत् :--7--266GI/82

- (1) श्री देवी प्रसाद चौधरी बन्द श्री हरीसाधन चौधरी निवासी यारप्र, शाना गर्दनीबाग जिला पटना ।
 - (2) (ए) श्री कन्हाई लाल चौधरी (ब) श्री निभाई लाल चौधरी (स) श्री कृष्ण गोपाल चौधरी (द) श्री विमल कुमार चौधरी बल्दान हरीसाधन चौधरी एवं श्रजन्ता चौधरी पहती श्री बन्दावन चौधरी ग्राम एजन

(भ्रन्तरक)

श्रीमती कुम्ती देवी जौजे श्री मुरजदेव सिंह निवासी ग्राम गोनीया छपरा पोस्ट रानीगंज थाना वैरोगा जिला बलीया (उत्तर प्रदेश)।

(भ्रंतरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकत सम्पस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी कत व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पृथा का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन मय पुराना मक्षान जिसका रकबा 6 कटठा मौजा यारपुर याना गर्दनीबाग जिला पटना में स्थित है एवं पूर्णरूप मे विसका संख्या 142 दिनाक 6-1-82 में विणित है तथा जिसका निवन्धन जिला श्रवर निबन्धक पदाधिकारी, पटना ढारा सम्पन्न हुश्रा है।

> हृदय नारायण सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

नारीख: 30-8-82

प्ररूप आई टी एन एस.-----

_ *== == ===*-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनाक 15 जुलाई 1982

निर्वेर्ड म० जी० श्रार्ड० श्रार० संख्या श्रार०/72/श्रर्जन—-श्रनः मझ, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम-इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, दह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- स्ट से अधिक है

ग्रौर जिसकी मख्या एक बिल्डिंग है तथा जो साहदाना पुरानी माचिस फैक्टरी बरेली में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रमुस्पी में ग्रौर पूर्ण रूप में बणित हैं), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय बरेली में र्राजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, (1908 (1908 का 16) के ग्रधीन नारीख 16 जनवरी 1982

का प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सपतित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐस दृश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य सं उक्त अन्तरण लिखित म वास्तिक रूप में किया गया है —

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व म कमी करने या उससे बचने में सविभा के लिए, और/या
- (स) एेमी किमी आय या किसी धन या अन्य श्राम्नियों को, जिने भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में सविधा के लिए,

अत अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात — (1) श्री जगदीश सरन श्री शतीस चन्द्र

(अन्तरक)

(2) श्री सुधीर कुमार श्रीमती राजेक्ष्वरी देवी श्रीमन मोहन

(ग्रन्सरिती)

(3) उपराक्त अन्तरिती (वह व्यक्ति जिसके ग्रधोभाग में सम्पत्ति है)

कां यह सूचना जारी करकें पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सपिति को अर्जन सबंध मो काई भी आक्षप .---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हा, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति ब्वारा,
- (स) इस सचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपत्ति म हितबस्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिमित में किए का सकरें।

स्पस्टीकरण — इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गक किता मकान व्यापारिक जिसकी माप 837 4/9 स्क्यार यार्ड है जोिक मोहल्ला माहदाना पुराना माजिस फैक्टरी के पास स्थित है जिसका सम्पूर्ण विवरण 37-जी फार्म नै० 7285 तथा सेलटीड मे वर्णित है। जिसका रिजस्ट्रेशन सब रजिस्ट्रार कार्यालय वरेली में दिनाक 16-1-1982 को किया जा वका है।

ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) ग्रंप्रीय क्षेत्र, लखनऊ

तारीख 15-7-1982 मोहर : प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. -----

काथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

यर्जन क्षेत्र, तखनऊ¦

लखनऊ, दिनांक 18 श्रगस्त 1982

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रहः से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या भूमि है तथा जो नवल किशोर रोड लखनऊ में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), राजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में राजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16 के श्रधीन दिनांक 31-10-1981

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उमके दश्यमान प्रतिफल से एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुर्द्द किसी आय की बाबत, उक्त बीधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मा सुविधा के लिए; और/एउ
- (ख) एंसी किसी आय या किरी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने एँ सुचिधा के थिए.

अत. अब, जकत अधिनियम की भारा 269-ग **के अन्सरण** ∔ं, मैं उत्तत अधिनियम की धारा 269-घ की अभारा (1) के अधीन. निम्निलिमीत व्यक्तियों, अर्थात :~--- (1) हरीश वाली आन्नद

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रमेश प्रधनानी

(ग्रंनरिती)

(3) श्री एन० एस० माथुर श्री हरीम बाली श्रीमती भारदा दस } किरायेदार श्रीमती शोभा दत्त }

> वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है।

को यह सूचना जारी करके पूर्विकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वार;
- (स्त) इस्स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क मा परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

भूमि पैयमाईशी 2552 स्क्यारफिट वाके नवल किशोर रोड लखनऊ में स्थित है जिसका सम्पूर्ण विवरण मेलडीड एवं फार्म 37-जी संख्या 7228/81 में विणित है जिसका पंजी-कारण सब रिजिस्ट्रार लखनऊ के कार्याता में दिनांक 31 अक्तूबर 1981 को किया जा चुका है* (37 जो फार्म के अनुसार)

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ

नारीख 18-8-1982 मोहर:

प्ररूप साई• टी० एन• एस०---------

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के प्रधीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) स्रजैन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनाक 16 श्रप्रैन 1982

प्रायकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिने इसमें इसके पश्चात् 'छक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्थास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ठपमें से प्रधिक है और जिसकी मख्या 148 है तथा जो सिविल लाइन बरेली में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप स बणित है), रजिस्ट्रीकर्ना ग्रिधिकारी के कार्यालय 15 जनवरी 1982

को पूर्वांक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एस दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अतिरती (अतिरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (कः) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिय, और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुनिशा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अन्सरण मा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अभीग, निम्नलिखित व्याक्तयो, अधित—-- (1) श्रीमती त्मलना सिह

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती सावित्री चौहात

(श्रन्तरित)

(3) सावित्री चौहान

(वह व्यक्ति जिसके ग्रिधभोग में सम्पति है।)

को यह भूगना गरा करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए कार्यगाहियां करता हु।

उरत सम्पत्ति क अर्जन के सम्बन्ध में काई भी बाक्षेप:---

- (क) इ.न सूचना के राजपन में प्रकाशन को तारीख सं 45 दिन की धविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की धविध, जा भी धविध बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति द्वारा.
- (ख) इस सुचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, घधोड्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्राब्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त अब्दों भीर पदों का, को उक्त मिश्रितियम के भव्याय 20-क में परिभाविक है, बहा अर्थ हागा, जो उस अध्याय में विया गता है।

भनुसूची

श्राराजी 156 2/3 वर्ग जग बाके 148, सिविल लाइस बरेली तथा वह सम्पूर्ण सम्पति जो सेलडीड एव फार्म 37-जो सख्या 7267 में विणित है जिनका पजीकरण सब रिज-स्ट्रार बरेली के कार्यालय में दिनाक 15-1-1982 की किया जा चुका है।

> बिनोद कुमार सक्षम प्राधिकारी स**हायक आयकर** आयुक्त (निरीक्षण) स्रजन क्षेत्र, लखनऊ

नारीख 16-1-1982 मोहर: प्ररूप आईं.टो.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मृ**ष**ना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयवार आयुक्त (निर्राक्षण) सर्ज क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनाक 29 मई 1982

निर्देई म० जी० ग्राई० ग्रार० मख्या जे० 58/ग्रर्जन---श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन स्थाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या बी-54 है तथा जो ई-रोड, महानगर एक्शटेंशन लखनऊ में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), र्राजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय लखनऊ मे रिजस्ट्रीकरण श्रीधित्तयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाक 30 जनवरी 1982

कां पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित का उचित बाजार म्ल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का उच्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तर पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिरियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिरियम, या धन-कर अधिरियम, या धन-कर अधिरियम, या धन-कर अधिरियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-र की अनमरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-र की उपश्वारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) डा० ब्रह्मानन्द श्रागनहोत्ती
- (2) श्रीमती राम कुमारी श्रगिनहात्री
- (3) श्री गीशावती पनि अग्निहोत्री

(भ्रन्तरक)

- (1) श्री जसवन्त सिह
- (2) श्रीमती श्राणा सिह

(अन्तरिती)

- (1) जसवन्त सिंह
- (2) श्रीमती ग्राणा सिह

(वह व्यक्ति जिसके ग्रिधभोग म सम्पति हे।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप '--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) ५स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर संपत्ति में हितबब्ध
 किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

भूखण्ड संख्या बी०-54 पैयमाइशी 9 बिसवा 7 विसंत्रान्सी 9 कचवानसी श्रथित 12550 वर्ग फिट या 1184.50 वर्ग मीटर स्थित महानगर एक्स्टेशन लखनऊ तथा वह सप्पूर्ण सम्पति जो मेलडीड एवं फार्म 37-जी संख्या 431 में वर्णित है जिसका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 30-1-1982 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण).

श्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ

नारीख · 29-5-1982

प्ररूप बार्ड . टी . एन . एस . ------

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 16 श्रगस्त 1982

निर्देश सं० जी० श्राई० श्रार० एस० 236/श्रर्जन—ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उषित बाजार मृल्य 25,000/ रह. में अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या 6बी/35 है तथा जो सिविल लाइन बरेली में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), र्राजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय बरेली में राजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 15-12-1981

को पृथांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यभान प्रतिफल सो, एसे दश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविभा के सिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, में, अस्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्ति व्यक्तियों, अर्थात्ः (1) श्री गोविन्द स्वरूप जोहरी पुत्र श्री राम स्वरूप जोहरी

(ग्रन्तरक)

- (2) श्री सत्यबीर सिंह पुत्र श्री रूप चन्द्र सिंह (ग्रन्नरिनी)
- (3) विकेता

वह व्यक्ति जिसके प्रविभोग में सम्पत्ति है।

कां यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्म 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निमित्र में किए जा सकर्या।

स्पष्टोकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्नाराजी पैमाईसी 210 वर्गगज नं० 6-बी/35 सिविल लाइन रामपुरबाग बरेली में स्थित है जिसका सम्पूर्ण विवरण फार्म 37 जी संख्या 8298/81 में विणित है जिसका रिजस्ट्रेशन सब रिजस्ट्रार कार्यालय बरेली में दिनांक 15-12-81 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन क्षेत्र, लखनऊ

नारीख : 16-8-1982 मोहर: प्ररूप आईं.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन क्षत्र, लखनऊ लखनऊ, दिनांक 5 ग्रगस्त 1982

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या प्लाट नं० 56 ए है तथा जो कृष्णानगर कानपुर रोड लखनऊ में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौरपूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण श्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 18 जनवरी 1982

का पृत्यों कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गर्इ है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिश्व सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाम्निक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वायत, उपत अभिनियम के अधीन कर दोने के चलतरथ के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए, भेर या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 । 1922 का 11) या उन्न अधिनियम, या भन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशंजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण माँ, मौँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (†) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) श्रीमित अख्णा केंद्र
- (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती नीरा गुप्ता

(भ्रन्तरिती)

(3) श्रीमती नौरा गुप्ता

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा.
- (स) इस सूचना के राज्पत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

प्लाट नं० 56 ए (11700 स्कयारिफट) जोकि यूणा नगर कानपुर रोष्ठ लखनऊ में स्थित है जिसका सम्पूर्ण त्रिवरण मेलडीड व फार्म 37 जी संख्या 914/82 में विश्वास है जिसका रिजस्ट्रेशन सब रिजस्ट्रार कार्यालय लखनऊ में दिनांक 18-1-1982 को किया जा चुका है (37 जी फार्म के श्रनुसार)

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख: 5-8-1982

प्ररूप बार्च . टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ लखनऊ, दिनांक 7 श्रगस्त 1982

निर्देश सं० जी० ग्राई० ग्रार० संख्या एस० 237/ग्रर्जन~-श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

ब्रायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/ रत. में अधिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या श्राराजी है तथा जो मोजा परगदवा कस्बा हबेली सदर जिला गोरखपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रन्युची में ग्रौर पुर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रधि-कारी के कार्यालय गोरखपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, दिनांक 2 जनवरी

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दश्यमान प्रतिफोल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिमित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिमित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (सः) अन्तरण में हर्डिकिसी आप की ब्राबन, उक्त अधिनियम का अधीन कर दाने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा को लिए. और/या
- (ल) एमी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्टियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मविधा के लिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में. मैं, जयत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, वर्धात् :---

(।) बैकार पुत्र श्री वालकिशन रामान्द गोबिन्द प्त्नश्री रधुनन्दन विश्वनाथ वजनाथ द्धनाथ पुवगण मनराज

(ग्रन्तरक)

(2) शंकरजी मदन जी पुत्रगण ग्रम्बिका प्रसाद मोहन जी मोहन जी

(ग्रन्तरिती)

(3) स्वयम के

वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पति है।

क्यो यह मुचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीस मे 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

न्नाराजी कुल करवा 1-89 हो एकएकत्न नवासी **डिस्मिल** खुसुरा नं० 108, 109, 110 जो कि मोग्रा बरगदवा तप्ण कस्वा परगना हवेली तहसील सदर जिला गोरखपुर में स्थित है जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37 जो संख्या 66/82 में वर्णित है जिसका पंजीकरण सब र्राजस्टार गोरखपुर के कार्यालय में दिनांक 2-1-1982 को किया जा चका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण), ऋर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारी**ख** : **7-8-198**2 मोहर:

प्ररूप० भाई० टी० एत० एस०----

ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) फ ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 5 श्रगस्त 1982

निर्देश सं० जी० श्राई० श्रार० संख्या के०-111/श्रर्जन----श्रतः मुक्ते ए. प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या एम/29 है तथा जो श्रलीगंज स्टीट व सिटी इक्सपेशन स्कीम लखनऊ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्रा अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 22-1-1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रग्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छित्र बाजार मूल्य से कम के पृथ्वमान प्रतिफल के लिए श्रग्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छित्र बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान श्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से श्रधिक है भीर अग्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निक्नलिखित उद्देश्य से उनत श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त जिथ-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों भी, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्ति रती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :—— ९—266GI/82 (1) श्री मती उषा अग्रवाल

(भ्रन्तरक)

(2) श्री के० एन० सिंह

(ग्रन्तरिती)

(3) उपरोक्त अन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके मधिभोग में सम्पत्ति है)

की यह सूचना आरी करके पूर्वीका सम्पत्ति के अर्जन क लिए कार्यवाहियां गर करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के भ्रजन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्यख्यीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्सूची

मकान नं० एम० जी०/29 एरिया 1800 स्क्वायर फिट (लोज होल्ड) जोकि म्रलीगंज स्टीट लखनऊ में स्थित है (जिला विस्तार योजना लखनऊ जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडींड एवं फार्म 37 जी संख्या 1069/82 में वर्णित है जिसका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 22-1-82 को किया जा खुका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रंजैन क्षेत्र, लखन≆

तारीख: 5-8-1982

प्ररूप आहें, टी.एन एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आय्क्ल (निरीक्षण)

श्चर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनक दिनांक 25 ग्रगस्त 1982

निर्देश सं० जी० भ्राई० ग्रार० मंख्या बी-57/भ्रर्जन भ्रत: मुझे ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पति, जिसका उत्तित बाजार मूल्य 25,000/-र से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या आराजी भूमि है तथा जो धनीरा रामपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी के कार्यालय रामपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 22 जनवरी 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्मिलिखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तिबक कप में अधिन नहीं किया गया है ...

- (क) अन्तरण से हाई किसी आय की नाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिन्य में कभी करने या उससे बावने म मृविधा के लिए; और/या
- (क) एकी कियो आय या किसी धन या अन्य अस्तियो का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भया थाया विद्या जाना चाहिए था छिपाने मा सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण भें मैं, उत्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधात् .-- (1) श्री निर्तिन शंकर पुत श्री रवीशंकर मु० माम बबली पुत्र जे० सी० राम गरन वास

(ग्रन्तरक)

- (2) श्री विकम प्रसाद पुत्र श्री महाबीर प्रसाद (भ्रन्नरिती)
- (3) अन्तरिती

(वह ज्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितजब्ध किसी जन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्योकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अनुसूची

ग्राराजी भूमि धरी जोिक गाँव धनोरा तहसील बिलासपुर जिला रामपुर में स्थित है जिसका सम्पूर्ण विवरण फार्म 37-जीं संख्या 1050/82 व मेलडीड में विणित है जिसका पंजीकरण सब रिजस्ट्रार रामपुर के कार्यालय में दिनांक 22-1-1982 को किया जा चुका है (37-जी फार्म के ग्रान्सर)

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजेन क्षेत्र, लखनऊ

नारीख: 25-8-1982

प्ररूप बाई॰ टी॰ एन॰ एस॰---श्रायकर प्रधिवियम, 1981 (1981 का 43) की

भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन क्षेत्र लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 25 श्रगस्त 1982

निर्देश सं० जी० श्राई० श्रार० संख्या बी-56/ग्रर्जन--**ग्रतः भुमे, ए० प्रसाद**,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख क भधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने **का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजा**र मुख्य 25,000/- ब्यमे से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या भूमिधरी है तथा जो ग्राराजी भूमि धनोरा बिलासपुर जिला रामपुर (रामपुर) में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय रामपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 22-1-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पृहय, उसके दुश्यमान प्रतिफल सं, ऐस दुश्यमान प्रतिफल का परद्रह प्रतिशत से प्रधिक है और पन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (मन्तरिवियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कवित नहीं किया गया है :--

- (क) खम्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत उन्तः श्रिक्षिनियम के श्रष्टीन कर देन के ग्रन्तरक के वायित्व म कमी करन या उससे बजने में सुविका के सिए; धोर/या
- (ख) ऐसी किसी आग या किसी वन या प्राप्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय वायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 कर 27) प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए,

प्रत: अब, बक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त प्रधिनियम की धारा 269-च की उपचारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात :--

(1) श्री नितिन शंकर पृत्न श्री रवीशंकर मु० ग्राय निकेता सुपन्नी जे० सी० रामसरनदास (भ्रन्तरक)

13675

- (2) श्री विनीत प्रसाद पुत्र श्री महाबीर प्रसाद
- (भ्रन्तरिती) (3) खरीदार

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) को यह सूचना बारा करक पूर्वाक्त सम्पत्ति क फ्रार्जन के लिए कार्पवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी पार्श्वेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारी वा स 45 दिन की श्रवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की सविध, जो भी धबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त भव्दा और पर्दो का, त्रा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया 🔧 ।

अनुसूची

माराजी भूमिधरी 16 बीघा 15 विस्वासी 5 विसवा जोकि गांव धनोरा जिला व तहसील बिलासपुर रामपुर में स्थित है जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37-जी संख्या 1040/82 में वर्णित है जिसका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार रामपुर के कार्यालय में विनांक 22-1-1982 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख 25-8-1982 मोहर:

प्ररूप आई० टी• एम• एस•---

आयकर अधिनियम., 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र लखनऊ

लखनऊ , दिनांक 13 ग्रगस्त 1982

निर्देश सं० जी० ग्राई० ग्रार० संख्या जी-54/ग्रर्जन— प्रतः मुझे ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य, 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संख्या प्लाट नं० 41 है तथा जो मो० धिसयारी मंन्डी, लखनऊ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रन्सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908

का 16) के प्रधीन विनांक 21-1-1982।
को पूर्विक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके रहयमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह्
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारें) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित
में धास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुईं किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूतिभा के लिए;

अतः, अबः, उक्त अधिनियम्, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्चित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) (1) श्री सुरेश प्रकाश सिंह द्वारा मुख्तारे श्रीमती ईरा रुपारेल
- (2) श्रीमती ईरा रूपारेल
- (3) रानी हेमराज कौर दवारा मुचतरौ श्ररमश्री विमय प्रकाससिंह
- (4) श्रजय प्रकाश
- (5) श्री ग्रभय प्रकाश सिंह द्वारा मुख्तारे झाम श्री विनय प्रकाणसिंह
- (6) श्री उदय प्रकाश सिंह द्वारा मुख्तारे ग्राम श्री विनय प्रकाश सिंह
- (7) श्री विनय प्रकाश सिंह

- (8) श्रीमती ममता गुप्ता द्वारा मुख्तारे श्राम विनय प्रकाश सिंह
- (9) श्रीमती गायती सिंह द्वारा मुख्तारे श्राम विनय प्रकाश सिंह
- (10) श्री दिगयविजयसिंह द्वारा मु० श्राम मु० श्राम विनय प्रकाश सिंह
- (11) श्री जय सिंह द्वारा विनय प्रकाश सिंह (मुख्तारेग्राम) (श्रन्तरक)
- (2) (1) श्री गुलाम निजामुद्वीन
- (2) श्री गुलाम नसरुदीद
- (3) श्री नुरुद्दीन
- (4) श्री एहनिशामुदीन
- (5) श्री भ्रनवर वहाव (माइनर) द्वारा संरक्षक गुलाम नसरूद्दीन
- (6) मो॰ इमरान (माइनर) द्वारा पिता संरक्षक
- (7) श्री इकवाल ग्रसकरफ गुलाममोहि उद्दीन माइनर द्वारा श्रीमती सहिदावानी

(श्रन्तरिती)

किरायेदार

- (1) श्री छेवी प्रसाद
- (2) श्री किशोरी लाल
- (3) श्री साबिर खान
- (4) महावीर
- (5) श्री छिददू धोबी
- (6) श्रीभोद्
- (7) चुन्नीलाल
- (8) कल्यान मल ग्रग्रवाल
- (9) सुक्खा
- (10) तिगु
- (11) प्यारे
- (12) हरिजन सेवा समाज कल्यान कार्यालय

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्यव्हीकरण्:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

लीज होल्ड प्लाट नं० 41 पैमाईशी 35000 स्कयार्रफट जो जीर्णक्षोण श्रवस्थामे ढाचा के रूप में है जोकि मोहल्ला धिसयारो मंन्डी लखनऊ में स्थित है जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37 जी संख्या 428/82 में विणित है जिसका पंजीकरण सब रजिस्टार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 21-1-1982 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद सक्षम ग्रधिकारी/निरीक्षी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (ग्रर्जन क्षेत्र) लखनऊ

तारी**ख**: 13-8-1982

मोहर :

प्ररूप श्राई० टी॰ एन॰ एस॰---

म्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज बंगलीर

्हुबर्ला-580021, दिनांक 16 मार्च, 1982 निर्देश सं० 415/81-82---यतः, मुझे श्रीमती मंजु

माधवन श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के के श्रधान मधान प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर नमाति, जिनका उचिन बाजार मूल्य 25,000/- ६०

ग्रीर जिसकी स० सि० टी० एस० नम्बर 2837 /बि० है, जो टेमिनकेरा गिल्ल बेंजगम में स्थित हैं(ग्रीर इससे उपाबड अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी के कार्यालय बेलगम ग्रंडर डाक्युमेंट नम्बर 1941 तारीख 27-1-1982 में भारतीय रिजस्ट्रांकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 19

को पूर्शिक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के वृश्यमान प्रतिफान के लिए अन्तरित की नई है और मुझे यह विश्वास करने का का रण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके वृश्यमान प्रतिफान से ऐसे दृश्यमान प्रतिफान का पण्डह प्रतिशत ग्रिधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के जिए तय पाया गया प्रतिफान. निम्नलिजित छदेश्य में उच्त अन्तरण लिखित में बास्तविक इप में कथित नहीं किया गया है -

- (क) अक्तरण में हुई किसा आय को बाबत, उक्त अधिनियम क अधीन कर देने के अक्तरक के दायित्व म कभी करने मा उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसो आय या किसी धन या अग्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय श्रायकर मिनियम, 1923 (1922 का 11) या उक्त मिनियम, या मन-कर मिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारत प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुनिधा के सिए;

श्रता अन्, तरह सार्यनियम को घारा 269-ग के प्रमुखरण में, में, उन्त अञ्चितियम की घारा 269-घ की चंदधारा (1) के अभीत, निम्निलिखित व्यक्तियों श्रयति :---

(1) श्रो सय्यद नजीर पाषा सय्यद कादिरपाषा साहेब इनामदार, मारिहाल

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सय्यद **श**कर पाषा बाबासाहेब इनामदार, बम्बई।

(ग्रन्तरिती)

(3) श्री अञ्चुल इद्रस उर्फ देशाई जागीरवार की पत्नी श्रीमती वेनिकुका उर्फ शहानवाज बेगम, इसके प्रतिनिधि श्री अञ्चुल इद्रम मुर्शीदपीर जागोरवार, वयाय, बेंगलोर

(श्रन्तरक)

(2) (1) श्री युनुसखान श्रब्युल रेहमानखान (2) श्रीमती खातूबो कासिमसाब गवाम हिन्दुस्तान प्रिटिंग प्रेस, 3208 भाई बाजार, बेलगम

(ग्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्थन के लिए कार्यबाहियां करता हूं।

अक्त सम्पत्ति के अर्जन के लंबंध में कोई भो आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी व व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दान;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

साब्दोकरण चन्द्रसर्वे नपूका जन्तं तोर पत्रों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क म परिभाषित है,वही धर्म होगा, जो उस वाण्याय में दिया गया है।

वनुसूची

टेंगिनकेश गल्लो, बेलगम में स्थित बिल्डिंग (जगह सहित) जिसका सो॰ टो॰ एस॰ नम्बर है 2837/बो॰

> श्रोमती मंजु माधवन मक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगसोर ।

तारीख: 16-3-1982

मोहरु 🗧

प्ररूप आर्द. टी. एन. एस.-----

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रोज, बेंगलोर बेंगलोर, दिनांक 5 जून, 1982

निर्देश सं० सी० श्रार० 62/33376/81-82/एक्युः वी०---

यतः मुझे श्रीमतो मंजु माधवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सैट सं० 106/4 है, तथा जो 3 मेन रीड, (मार्गीस रीड) 12 बाकाम, मल्लेस्वरम बेंगलूर-3 में स्थित हैं (श्रीर इस से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजट्रीकर्ती श्रीधकारी के कार्यालय गांधानगर बेंगलूर में रिजस्ट्री-करण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 25-1-1982

को पूर्वोक्त संपरित के उधित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उधित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उच्दिश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई िकसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्य में कमी करने या उससे अपने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अधः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती गोदम्मा सं० 66, गोषती नारायन स्वामी चेट्टारोड त्यागराज नगर मद्रास-17

(अन्तरक)

(2) मेसर्स वी० श्रार० एन्टरश्राईसेस सं० 1/1, म्युसियम रोड, बेंगलूर-1 जिसका प्रतिनिधि है। पारटनर श्राएस० चन्द्रशेखर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाष्ट्रियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्तित व्वार अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्यस्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं जर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्त्जी

('वस्तावेज सं० 3721/82 ता० 25-1-82) सम्पत्ति है जिसका मैट सं० 106/4 तथा जो 3 मेन रोड, (मारगोमा रोड) 12 वा क्रास, मल्लेस्वरम बेंगलूर-3 में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोंज, बोंगलुर ।

तारीख: 5-6-1982

प्ररूप माई० टी० एन० एस०-----

मापकर ब्रिबिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ब्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

स्रर्जन रोज, बेंगलूर बेंगलूर, दिनांक 8 जुलाई, 1982

निर्देश सं नोटिस नं भी ब्राप्त 440/81-82--यतः मुझे श्रीमती मंज् माधवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्चात् 'उकन अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के नगो। पलन पाधि हारों हो, यह विश्वास करने का कारण है हि स्यावर सम्पति, निरहा उति। बाजार मूल्य 25,000/- कपए में अधिक है और जिसकी

श्रौर जिसकी सं० 199/2 है, तथा जो हुलेर, मापुना-गोवा, में रहेने वाला प्रापर्टी, जिसका नाम है "अम्बे चेथीया गोस्वामी बोर" में स्थित है (और इस से उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्षय बारहे जे गोवा में राजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 18-1-1982

को पूर्वोक्त सम्पक्ति के उचित बाजार मूल्य से कमके दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रन्तरिन की गई है प्रौर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पन्ति का उचित जाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रक्षिक है और मन्तरक (प्रन्तरकों) गौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मनरण से हुई िकसी प्राप्त का बाबन, उक्त प्रिष्टिन नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में मुविधा के लिए; पौर/णा,
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अत्रतः अत्रतः अधिनियम की घारा 269-ग के, प्रनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुसिसित व्यक्तियों, अधीतः—

- (1) (1) श्री ग्रलेक्स के माजा
 - (2) कुमार्च। भेर झेगांजा
 - (3) कुमारी जून ब्रेगांजा,R/o स्वार्ताम मापूसा, गोवा

(ग्रन्तरक)

- (2) (1) श्रा र्ह(रालाल जयराम सीरसन्
 - (2) श्रां मुहास जयराम मीरसत्
 - (3) श्री ग्रमुतलाल जयराम मीरसन
 - (4) थी रामचन्द्र जयराम मीरसन्
 - (5) श्री सजय जयराम सीरसत्
 - (6) श्री सदेश जयराम सीरगत्

सब R/o ग्रनसमत, मापूसा गोवा

(श्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी कर ६ पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजेन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना हुं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--~

- (क) इस मुबना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नारोख से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोत्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वब्दोकरण: --इनमें प्रयुक्त शब्दों प्रौर पदों का, जो उक्त श्रिष्टि-नियम के श्रष्टमाय 20-क में परिभाषित है, बही प्रथं होगा, जो उस श्रष्टमाय में दिया गया है।

अनुसूची

हरेर, मापूसा, गोवा में रहने का प्रापर्टी न० 199/2 जिसका नाम हैं 'श्रम्बयाचेया गोनवाचा बोर''

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर ।

नारोख: 8-7-1982

प्ररूप बार्ष: टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सडकाङ

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 2 श्रगस्त, 1982

निर्देश सं० सी० श्रार० नं० 62/33415/81-82/श्रक्ति/बी०—-यतः मुझे मंजु माधवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं 1137, है, तथा जो एच ० ए० एल० 2 स्टेज बेंगलूर में स्थित है (श्रौर इस से उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय शिवाजी नगर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन ता० 23-1-1982

को पूर्वो क्त सम्पत्ति के जीयत बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चे देयं से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया एया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की जाजत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग को, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

(1) श्रीमती शीलावती—आर० किट्टूर जनके पी०ए० होल्ड ग्रार०डी० किट्टूर श्री कृष्णा बिल्डिंग हिण्डवाडी बेलगाम श्रब बेंगल्र

(भ्रन्तरक)

(2) श्रो टी० मुनियालणा
 53/1, 7वा-कास,
 एस० ग्रार० नगर,
 वेंगलूर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यवरा;
- (ब) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3221) ता० 23-1-81) भूमि कान० 1137 एच० ए० एल० 2 स्टेब बेंगलूर

> मंजु माधवन मक्षम प्राधिकारो महायक श्रायकर स्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलुर ।

तारीख: 2∽8−82

प्ररूप माई० टी० एन० एस०⊸-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज,बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 26 जुलाई, 1982

निर्देश मं० 441/82-83---यत मुझे, श्रीमती मंजु माधवन जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

द्यौर जिसकी मं० मी० एम० नं० 2884/1/बी० है, तथा जो बेलगाम में स्थित है (खीर इस में उपावड अनुभूची में खीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बेलगाम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन डाक्मेंट सं0 2889) दिनांक 18-1-82

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अत: अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्सरण मे, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-ए को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिमित व्यक्तियों, अधीत् :- ~ 9--266GI/82 (1) श्री चन्द्रशेखर ग्रप्पाय्या भोज खडेबजार घरनं० 2884/1-B बेलगांय

(ग्रन्तरक)

- (2) (1) श्री कांचनबेन मूलचन्द महता
 - (2) श्रीमती अनभूयाबाई रमनीलाल महना
 - (3) श्रीमनी जयश्री जयमुख मेहना
 - (4) श्रीमतो मीनावाई वटबुराज मेहता श्रार/श्रो० गनाचारी गल्ला 4015, बेलगाव (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीक रण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

(दस्तावेज सं० 2829 ता० 18/1/1982) खडेबजार बेलगांय में प्रापर्टी नं० सी० एस० नं० 2884/1बिं०

मंजु साधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीत रोज, बेगलुर ।

नारीख : 26-7-198? माहर :

प्ररूप आई. टी. एम. एस.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, बेंगलुर

बेंगलुर, दिनांक 10 अगस्त, 1982

निर्देश संज सीज श्राप्त नंज $62/33416/81-82/\cdots$ एक्कि/बीज्र---यतः, मुझे, मंजु भाष्ट्रः

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 761 है, तथा जो एच० ए० एल० मि स्टेज, इन्दिरा नगर, बेंगलूर-38 में स्थित हैं (श्रीर इस से उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजी नगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 को 16) के अधीन ता० 2 -1-1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उबत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्पिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उबत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधाग (1) के अधीन. निम्निस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) लें० कर्नल के० बां० जनार्धनन् श्रा के० बां० रामन के पुत नं० 761, एचं० ए० एल०, II स्टेज इन्दिरा नगर, बंगलुर-38

(भ्रन्तरकः)

(2) श्री चन्द्र मोखर नायर श्रां जी० के० नायर के पुत्र 'जानकी भवन, नेरियम, विवेन्द्रम केरल

(अन्तरिती)

क्ये यह स्थान जारो करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के श्रीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किशी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास् निस्ति में किए जा सकीये।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेत सं० 3231 ता० 25-1-82) तं० 761, एच० ए० एल०, II स्टेंज इन्दिरा नगर, बेंगलूर-38

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी यहायक भागकर छायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, बेगेलुर

नारीख : 10-8-82

रुपय से अधिक है'

प्र**क्षप भाई॰ टी॰** एन॰ एस॰—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, बेगलर बेगलूर, दिनाक 10 ग्रगस्त, 1982 निर्देश स० सी० ग्रार० न० 62/33717/81-82/ एक्वी/बी०--यत. मुझे, मजु माधवन ग्रायकर ग्रधिनियम; 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/-

और जिसका स० 323, 324 स्रोर 325, है, तथा जो स्न लबर्ट विकटर राड 'ई' स्ट्रीट, कला सिपालयम बेगल्र में स्थित है (स्नार इस से उनाबद्ध स्नमुसूची में स्नोर पूर्ण रूप से विणिन है), रिजेस्ट्री क्रि अधिकारी के बार्यालय, बसवनगुडों में रिजेस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन ता० 11-2-1982

को पूर्वोक्त सपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान अतिफल में, ऐने दृश्यमान अतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल, निम्नलिखा उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रत्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त अधि-नियम के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी घन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय मायकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त माधिनियम, या घनकर अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविद्या के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के ग्रधीम निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:—

(1) श्रा एम० अब्दुल अजीज न० 23, रानोजिराव रोड बेगलूर

(ग्रन्तरक)

- (2) श्री विष्नु एण्टरप्राइसेस प्रतिनिधि करने वाले
 - (1) श्री सतोश
 - (2) श्री के० सुरेग38, लक्षमण मुदलियार स्ट्रीट,वेगलूर-560001

(अन्तरितो)

को यह सूचना **बारी करके पूर्वो**श्त संपत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनन सम्पत्ति के प्रजेन के संबंध में कोई भी धार्श्वर

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्धध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमे प्रयासत शब्दो और पदो का, जो उक्का अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्नावेज सं० 3414 ता० 11-2-82)
पुराना न० 7, फिर० पुराना न० 4, 4/1, 4/2 श्रीर श्रव कारपोरेशन न० 323, 324 श्रीर 32, श्रालवर्ट विकटर रोड 'ई' स्ट्रीट, कलमिपालयम, बेगलूर

मजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (1नरीक्षण) ग्रर्जन रेज, बेगलूर

तारीख : 10-8-82 मोहर : प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, बेंगलुर

बंगलूर, दिनांक 10 अगस्त, 1982

निर्देश सं० मी० श्रार० न० 62/33444/81--82/---

एक्वी/बी०---यतः मुझे, मजु माधवन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर मंपित्त, जिसका उचित दाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

स्रोग जिसकी सं० 897, हैं, तथा जो एच एन एन पिन की एच एन एन पिन स्टेंज, एक्स्टेंशन, इन्दिरा नगर, सेंगलूर-38 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रोकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय शिवाजी नगर में रिजस्ट्रोकरण स्रोधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधान ता 28-1-1982

को पूर्वोक्त संपित्त के उणित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एंसे दश्यमान प्रतिफल का पदह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्ति में वाम्तियिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्राठ । य 20-क में यथा परिभाषित दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आसिथियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्तिजिखत व्यक्तियों, अर्थात:—

(1) श्रा एच० पार्वतम्मा
श्री होप्तशेट्टी की पत्नी
नं० 205, श्रपस्टेयसं, 2 मेन राड,
रेड कास दतालेया एक्सटेंशन,
जो० जो० हल्ली
के० जी० नगर,
बेंगलूर-19

(अन्तरिती)

(2) श्री मेरि जार्ज श्रो के० के० जार्ज के पुत्र 3, मैंकेल पालयम इन्दिरा नगर, बेंगलूर-560038

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिठबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पस्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वां का, **जो उ**क्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3269 ता० 28-1-82) भूमि का नं० 897, एच० ए० एल० II स्टेज, एक्सटेंशन इन्दिरा नगर, बूगलूर-38

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर ।

तारीख: 10-8-82

प्ररूप बाइं.टी. एन्. एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-भ (1) के ब्भीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहयक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 23 ग्रगस्त 1982

निदेश सं० भी श्रार० नं 62/33420/81-82/एक्की०/बं०-यतः मुक्षे, मंजु माधवन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ज के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी स० पुराना नं० 6, नया नं० 13 है, तथा जो बन-स्वाडी रोड, कुक टाउन, बंगलूर में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 15-1-1982

को पूर्वा क्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो क्स संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितों (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक ख्पू से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त सिधितियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (म) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1 (1) श्री वि॰ जी॰ गोपालन् नायर
 - (2) श्रीमती विजया जि० नायर 66-ए, राष्ट्रपति रोड सिकन्दराबाद ।

(ग्रन्तरक)

- 2 (1) श्री कें ए० नजीहल्ला
 - (2) श्री के० सियद श्रीबेंदुल्ला
 - (3) श्री के० सयिद कलीमुल्ला

24, कन्दस्वामी मुदलियार रोड, रिचर्डस टाउन, बंगलूर-560005 ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या त्रसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3127 ता० 15-1-82) पुराना नं० 6, नया नं० 13, बनस्वाडी रोड, कुक टाउन बंगलूर ।

> मंजु माधवन, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 23-8-1982

प्ररूप आई. टो. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, बगल्र

वगलूर, दिनाक 21 प्रगस्त, 1982

निदेश स० सी *भ्रार न० ७ 2 | 3 3 3 9 7 | 8 1 – 8 2 |* एयवी ० | बे० – यतः सुक्षे, मंजु माधवन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह पियमस करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

यौर जिसकी स० 111/2 से 111/1 तक है, तथा जो कुम्पत गोड गाव, केवेरी टाली, बगलूर से स्थित है (प्रौर इससे उपाधा-श्रनुसूत्ती में श्रीर पूर्व कर से विणित है), रिजरहीकरी श्रविकारी के कार्यालय, बगलूर सतत् तालुक से रिजरहीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के प्रतीत दिनाक 15-1-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रिक्तिल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सर्पात्त का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिको) और अन्तरिको (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के निए नय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिथिक हण से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बौर/या
- (॥) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्रत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मो सुविधा के लिए;

अत. अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री कं ० ऐ० मातयु कविपुरा गाव, केगेरी होबली वगलूर

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जान मातयु पन्नमत्तोडतिज सुम्बलगोड गाव बगलर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की क्षारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की राजिंग जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के नीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्यब्दीकरण:--इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

(दस्तावेज सं० 6065 ता० 15/1/82)
भूमि का सर्वे नं० 111/2, से 111/4 तक, जो खेत है, जो क्बीपुरागाव केंगेरी होजी, बगल्र सकत में स्थित है।

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज, बंगलूर

तारीख : 24—8—82 मोहर : प्ररूप आहुर.टो.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्राजीन रोज, बेंगलूर

बेगलुर, दिनांक 24 ग्रगस्त, 1982

निर्देश म० सी० श्रार० न० 62/33396/81-82/ एक्कि/बे०—यन. मुझे मज् मायवन

आयकर अधिनियम., 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि रक्षानर संपन्ति, जिसका उन्ति बाजार मृल्य 25,000/- रा. में अधिक है

श्रौर जिसकी सं 109, है, तथा जो कुम्बलगोड गांव, कंगेरी होब्ली, बेंगलूर में स्थित है (श्रौर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में बिणत है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय बेंगलूर सबज तालुक में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन ता 15-1-1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मुक्त यह विक्वास करने का कारण है कि यथापुर्वित्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके उज्जामन प्रतिफल ने, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीम एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, विकासित उद्योख से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अन्यरण मं, मैं, उक्त अधिनियम की भूग 260-भू भी एएभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री के०ए० ग्रब्स्हाम कोट्टायन केरता

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जान मातस्म कुम्बलगोड गाय. गंगेरी होल्गी वेगलुर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अर्वाध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध कि मी अन्य व्यक्ति इवारा अक्षेष्ट्रम्ताक्षरी के पास लिखिन में विग् जा सकोगे।

रपटिकरण:--- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

(दस्तावेज 6066 ता० 15-1-82) 7 एक्रस, 11 गुंटास (खेत) भूमि है जो कंबीपुरा गांव केंगरि होब्ली, बेगलूर सवज में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज जेंगलूर ।

नारीख : 2 !─९ -8./ मोहर :

प्ररूप बार्ड .टी . एन् . एस _------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्भाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलुर, दिनांक 24 अगस्त, 1982

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० है, तथा जो कम्बिपुरा गांव, कंगेरी होब्ली, बेंगलूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बिंगत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय बेंगलूर सक्ज, तालुक में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन ता० 15-1-1982

को पूर्वांक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरिस की गई है और मूम्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति- फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर वाने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना भाषिए भा, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियमं, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मृधीन, निम्नुसिद्धित स्युक्तियों मृधीत्:-- (1) श्री के० ऐ० जेकब कछनाचल हवस कंजिरा पल्ली केरला

(ग्रन्सरक)

(2) श्री जान मातयूस
मुज्जलगोड़ गांव
कंगेरी होब्ली
वेंगलुर सतत तालुक

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगें।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचीं

(दस्तावेज सं० 6067 ता० 15/1/82) 6 एकर 33 गुटास, खेत जो कंबीपुरा गांव, केंगेरी होब्ली, बैंगलूर सवज तालुक ।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

नारीख : 24-8-82

प्ररूप मार्च. टी. एन. एस.-----

ग्राथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थं (1) के ग्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अध्यक र आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, वेंगलूर

बंगलुर, दिनांक 24 श्रगस्त 1982

निर्देश मं० सी० श्रार० नं० 62/33398/81-82/0िक्व/ बें०—यतः मुझे, मंज् माधवन,

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उश्न श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के श्रधीन सभाम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु० से श्रधिक है

ग्रीर जिसकी मं० सर्वे नं० 110/1 में 110/5 तक है, तथा जो कुम्बलगोड़ गांव केंगेसी होब्ली, बंगलूर में स्थित है (ग्रीर इसमें उपावड़ श्रन्मूची में श्रीर पूर्ण मप में विणित है). रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय बंगलूर शाउन तालुक में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 15-1-82 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित् बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नद प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; आर/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या ग्रन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए।

अतः अबः, उन्कत अधिनियमं, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीनः निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--10 ---26661 '82

(1)' श्री के० ऎ० क्षामग कल्लवाचल हाउग कंजिरा पल्ली, कोटटायम, केण्ल

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जान भाष्य् पनमतोडितिच हाउम कुम्बलगोड गांव, केशरी रोड, बंगलर

(ग्रन्तरिती)

को यह भूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजंन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पति के भर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हिंत-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मण्डीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस मध्याय में विया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 6064 ता० 15-1-82) भूमि का सर्वे नं० 110/1 से 110/5 तक ग्रीर 111/1

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंग रेंज, बंगलूर

तारीख : 24**-**8-82

प्रकर्प आई टी एन एम ------

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्मना

भारत सरकार

ार्या थ, महागय आध्यार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेप, बगलूर

बगलूर, दिनाक 24 श्रगस्त 1982

निर्देश म० मी० ग्रार० 62/33704/81-82—यत मुझे मजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० 14-6-858, 861, 862, 863, 864, 865, 866 867, 867/1, 868, 869, 871 से 875 है, तथा जो मार्डन होटल के० एस० राव रोष्ठ, मगलूर में स्थित है (ग्रौर इस से उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय मगलूर सिटी में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 25-2-82

को प्रकेतित संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वित सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्न्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अतिरती (अतिरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नो लिखत उद्यास उक्त अन्तरण निम्नो मा बास्तिबक हप में कथित नहीं किया गया है --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए,

अत अब., उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखन व्यक्तियो, अधीत :-- (1) श्री बी० बालकृष्ण राव वारिस्टर ग्राफ ला मार्डन होटल, के० एस० राव रोड मगलुर-575001

(भ्रन्तरक)

(2) श्री के० श्रार० शेट्टी सन/श्राफ निम्मप्पा शेट्टी व्यापारी, बोलार मगलुर, टाऊन

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वांकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा,
- (ए) इस सूचना को राजपन के प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सहेगे।

स्पष्टिकरण — इसमे प्रयुक्त शब्दो और पर्दो का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज स० 1601/81-82 ना० 25/2/82) सपित है जिसकी स० 14-6-858, 861, 862, 863, 864, 865, 866, 867, 867/1, 868, 869, 871 से 875, जब मार्डन होटल नाम से परिचित है और के ल्ल्स० राव रोड मगलूर में स्थित है।

> मजु माधवन सक्ष्म प्राधिकारी महाथक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज बगलुर ।

तारीख 24-8-82 मोहर प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, बेगलूर

वेंगलूर, दिनाक 21 ग्रगस्त, 1982

निर्देश म० 62/444/82 - 83/ एक्य्/डी — यत. मुझे मंजू माधवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 37 श्रौर 38 है. तथा जो तिले विलेज क्यूपेम तालूक गोवा में स्थित है (श्रौर इस रो उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय क्यूपेम में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन ता० 19-2-1982

को पूर्वों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्हें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिसित उद्देश्य में उस्त अन्तरण निम्नलिसित में वास्तिबक हम से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, जन्नत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय श्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अव, उक्त जिधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, मैं, उक्त जिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के जधीन निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् —— (1) श्री श्रन्टानियो क्सेवियर पीडेड डी० बारीस श्रौर उसका पत्नी श्रीमती श्रलेक्सार्नहना फेलिसिया मेन्डेस वेलिम, सालसेट गोवा में रहते हैं।

(ग्रन्तरक)

- (2) (1) श्री श्रीदर रामा प्रभू चौदनेकर करचेरम घर सं० 338 तालुका 'क्यूपेम गोवा
- (2) श्री विष्णु दास सिनाय कुम्दे श्रवचेम श्रलटे, मारगोव, सालसेट गोवा

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृत्रांक्त सम्पत्ति के कर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा,
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्त्रची

(दस्तावेज मं० 2724/फरवरी/82) ता० 19~2~82) सम्पत्ति है जिसका मं० 37/1 श्रौर 38/1, जो तिलै विलेज, गोवा में—स्थित है।

> मजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मेंगलूर

नारीख: 21-8-82

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चृता

भारत सरुकार

कार्यालय, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 21 श्रगस्त, 1982

निर्देण गं० सी० प्रार० 62/443/82-83/एक्यु/डी०— यत: मुझे मंजु माधवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक है

श्रीर जिसकी मर्वे सं० 36/ए है, तथा जो वेंकटिंगरी विलेज, गंगावित तालुक में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण स्प मे विणित है). रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय गंगावित में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 28-1-1982

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफ ल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रवृह्व प्रतिशत्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाब्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सूचिभा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिपाने में सविधा के सिए;

श्रत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री सुरजमल सन/ग्राफ चनिलाल
 - (2) शांना भाई सूरजमल
 - (3) सूरजभाई फतेचन्द गंगावति टौन, गंगावति तालुक

(ग्रन्तरक)

- (1) श्री जत्ती वीरप्रसाद
 - (2) जत्ती वेंकटरमशा सन्स/श्राफ जत्ती हनुमप्पा बासापटवां विलेज गंगावित तालुक में रहते हैं।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीश्व में 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टोकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

(दस्तावज स० 2607 (जनवरी) ता० 28-1-82) मम्पत्ति इस तरह है।

9 एकरम 16 गुन्टास कृषि भूमि जो वेंकटगिरी विलेज, गंगावित तालुक में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर ।

वारीखा: 21-8-82

प्ररूप बाई० टी० एन० एस०----

ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 31 अगस्त 1982

निर्देश मं० टी० ग्रार० मं० 33401/81-82/एक्वि०/बें०—यतः मुक्षे, मंज् माधवन,

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसन इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार सूख्य 25,000/- हमये से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 36 (पुराना नं० 71) है, तथा जो 6 ऋस. सोमेश्वरपुरम. कैस्श्रिज रोड बंगलोर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है). रजिस्ट्रीकर्ना ग्रिधिकारी के कार्यालय णिवाजी नगर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन ता० 15-1-1982

में पूर्वोक्त सम्मित के उचित वाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिकत्त के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिकत्त से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक का से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) झन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रीध-नियम के प्रश्नीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में गुविधा के लिए; भार√या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ष श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपामे में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री एच० मी० जेयराम रेड्डी श्री चिक्का ग्राम्भव्या के पुत्र हलनायकन हल्ली, वर्त्र होब्ली, बेंगलूर

(ग्रन्तरक)

(2) श्री शट्टी मेण्डोण्का श्री रियर्ड जीव एवं मेण्डोका की पत्नी 99, 'एच' कालणी 1 स्टेज इन्दिरा नगर, बेंगल्र-560038

(ग्रन्तरिती)

को प्रसूचना जारी हरके पूर्वस्ति सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

छका सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राज़ियः -

- (ज) इप नुचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की अबिध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की अबिध, जो भी अबिध बाद में समाप्त होती हो, के भी र पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रान्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज मं० 3114 ता० 15-1-82) न० 34 (पुराना नं० 71) 6 कास, सोमेश्वरपुरम, कैम्ब्रिज रोष्ट, लेखाऊट, वेंगलूर-5

> मनु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर ।

तारीख : 31~8~82

प्ररूप बार्द. टी. एन. एस.---

म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)की धारा 269**म**(1) के **मधीन सुमना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

स्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलुर, दिनांक 31 श्रगस्त 1982

निर्देश सं० सी० स्नार० नं० 62/35603/81-82/- एक्कि/बें०—–यनः मुझे, मंजू साधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उन्त प्रिवित्यम' कहा गया है), की धारा 249 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्वाधर सम्पत्ति, जिमका उतिर बातार मूख्य 25,000% कु ने आधिक है और जिसकी सं 21/1 है, तथा जो किनिग्हाम रोड, बेंगलूर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण म्य से विणित है), रिजम्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय मदरास नाथे में रिजम्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 14-1-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य में कम के दृष्यमान प्रतिफन के जिए मन्तरित को नई है और मुझे यह विष्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिकात का पम्द्रह प्रतिशत से अधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) और भ्रान्तरित। (भ्रान्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिकात निम्नलिखित उहेण्य से उक्त अस्तरण कि सिखत में वास्तविक स्प से कांचत नहीं किया गया है।——

- (क) ग्रस्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त ग्रिध-नियम के ग्रिधीन कर देने से ग्रस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

बतः, अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
में, उनत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थातः---

(1) श्री मुदर्शन द्रेनिंग कम्पनी लिमिटेड 14, बोंयटस रोड महास-600014

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सुनिल श्रानन्द एण्ड कम्पनी (प्राईवेट) लिमिटेड 17, पानित्यन, श्रपार्टमेण्टम पानितयन रोड I लेन, मद्रास-600008

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के स्टिए कार्यवाहियां करता हूं।

उबत सम्मत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस यूचना के राजात में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की ध्रवित्र या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर यूचना की तामीज से 30 दिन की प्रविध, जो भी ध्रविध वाद में समाप्त होतो हो, के भोतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजधत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उका स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी प्रस्य व्यक्ति द्वारा श्रकोहस्ताक्षरों के पास निखित में किए जा सकोंगे।

स्वध्दीकरग:--इसमें प्रयुक्त एक्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

भमुस्ची

दम्तावेज मं० 110/82 ता० 14/1/82) नं० 21/1, कन्निगंहाम रोड, वेंगलूर

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी महाथक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर ।

नारीख : 31−8−82

प्ररूप आई, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अध्युक्त (चिराक्षण) श्राजन रेज, बेगलूर

बेंगलूर, दिनांक 31 श्रगस्त, 1982

निर्देश स० सी० ग्राप् ० न० 62/33424/81-82/ ग्रिक्व/- वें०—–यतः मुझे मजु माधवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/-रु से अधिक है

श्रीर जिसकी सुरु 9 ए हैं, तथा जो एवं ए ए एल 3 स्टेज, इन्दिरा नगर बेगलूर -38 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्-सूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारु 21-1-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वाम करने ना कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गगा प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य स उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिये; भीर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

(1) श्री डावटर श्रीमती कमला उद्मिक्टणन
 (2) श्री एम० श्रार० उत्तिक्टणन
 न० 2995, एच० ए० एल० 2 स्टेंज
 12, मेन, इन्दिरानगर बेंगलूर-560038

(अन्तरकः)

(?) श्री जोरा तृंगेकर तथा यस सादगियो ५४/।, येन्सन काम रोष्प वेगलूर-560046

(भ्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सके गे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3206 ता० 21-1-82) विल्डिंग जिसके भृमि का नं० 9ए, एच० ए० एल० अस्टेज इन्दिरा नगर, बेंगलूर

> मंजु माधवन मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन जेंज, बेंगलर ।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्नीलिखित व्यक्तियों, अधीत :---

तारीख 31-8-82 मोहर प्रकाप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यानगः, महामक्षः आयक्तर आयक्तः (निरक्षिण) सर्जन रेज, देगलर

बेगल्र, दिनांक 31 श्रगस्त, 1982

निर्देश स० सी० प्रार० 62/33457/81-82/ग्रिक्व/- वें०—-ग्रत: मुझे, मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विरवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 8/1, रियचमाण्ड रोड है, तथा जो बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुमूची मे श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय णिवाजी नगर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन ता० 31-1-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिएत य पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तर-विक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें अधने में मृविधा के लिए; और/या
- (ल) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भविशा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन निम्निलिखन व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री कंरला वर्मा श्री वासुदेवन, वंसुदिन, के पृष 8/1, रिचमाण्ड रोड बेंगलुर

(महारक)

 (2) श्री बागगोपाल
 (2) विद्या वर्मा
 8/1, रिचमाण्ड रोड वेंगल्र-1

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वांक्त सम्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर स्वना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोह स्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

(दस्तावेज सं० 3169 ता० 31--1--82) 8/1, रिचमाण्ड रोड, वेगल्र

> मंजु माधवन मक्षम प्राधिकारी महायक श्रागकर ग्रायुवन (निरीक्षण) मर्जन रेंज, बेगसूर

तारीख : 31-8-82

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन तुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, बेंगलुर

बेंगलुर, दिनांक 6 सितम्बर 1982

निर्देश सं० सी० श्रार० नं० 62/33551/81-82/श्रक्तिव $0/\overline{a}$ ०----यतः मझे, मंजु माधवन,

मायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रकार उपता अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं 70 है, तथा जो मेयन रोड, वोयट फील्ड गांव, कृष्णराज पुरम, बंगलौर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुमूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बेंगलूर साउथ तालुक में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तार 23-1-1982

को पूर्वों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके एश्यमान प्रतिफल से, एसे दशयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किस निम्नितियों उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त जिथ-नियम के जभीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, शिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविभा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) कै अधीनः निम्नलिश्चित व्यक्तियों, अर्थाणः ——

11-266GI/82

(1) श्री पूज्य देवनायगम् स्टीफेसन पाल (2) श्रीमती विन्मेड एरिन पाल ईटन विल्ली नं० 70, मेन रोड, वीयट फील्ड बेंगल्र

(ग्रन्तरक)

(2) नार्मन डकास्टा नं० 23, बेंसन क्रास रोड, बेंसन टबुन, बेंगलूर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस मूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसची

(दस्तावेज सं० 6263 ता० 23/1/1982) नं० 70, मेयन रोड, बोयट फील्ड रोड, के भ्रार० पुरम, बेंगलूर माउथ, तालुक।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, बेंगलुर

तारीख: 6-9-82

प्रकप आई० टी॰ एन॰ एस०-

श्रायकर श्रष्टितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज बेगलुर

बेगलूर, दिनांक 6 सितम्बर 1982

निर्देश सं० मी० श्रार० नं० 62/33448/81-82/एक्वि बे०---यतः मुझे मंजु माधवन

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- क० से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० पुराना नं० 2 नया नं० 12, है, तथा जो 17-श्रास बिन मंजिला 2 स्टेज, बेंगलूर-38 में स्थित है (श्रौर इस ने उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रधि-कारी के कार्यालय शिवाजी नगर में राजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन ता० 31-1-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकृत के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐन दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भौर अन्तरिक (अन्तरिक्यों) और अन्तरिकी (अन्तरिक्यों) के बाच ऐने अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्तिलिखन उद्देश्य ने उसने अन्तरण लिखित में वास्तिक क्य में कायन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या अससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या प्रत्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खियाने में मुविधा के निए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण गो, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री पी० एस० वेंकट रेडडी सुपुत श्री रामा रेड्डी नं० 101/1, क्रिंज रोड, वेंगसूर-25

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एम० जी० नारायन रेड्डी श्री एम० गोपाल रेड्डी के पृत गल्लापल्ली, चिन्तामणि कोलार

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इप प्चता के राजरत में पकाणत की तारीख से
 45 दित की प्रविध या तत्नम्बन्धो व्यक्तियां पर
 पूचता की प्रापोत प 30 दिन की प्रविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोता
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सर्वेगे।

स्वत्रहोत्ररण:--इसमें प्रयुक्त सन्दों श्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के प्रद्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

(दस्तावेज स० 3249 ता० 15/1/82) पुराना न० 2, नथा न० 12, ई० न० 17 त्राम-रोड, बिन मंजला 2 स्टेज, वेंगलूर-38

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर ।

नारीख . ६–१–8*º* मोहर

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

ग्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्राक्षण) श्रर्जन रज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 6 सितम्बर 1982

निर्देश सं० सी ०म्रार० नं० 62/33436/81-82—यतः मुझे, मंजु माधवन,

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- द० से प्रधिक है,

भौर जिसकी सं० 25 है, तथा जो बिन्न मंजला 1 स्टेज एक्स्टेंशन बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय शिवाजी नगर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन ता० 4-1-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, छक्त प्रधिनियम, के ध्रधीन कर देने के ध्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ध्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी थाय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के सिए;

अत: श्रव, उन्त श्रविनियम की बारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उन्त प्रविनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, श्रयीत्:--- (1) श्री के० एम० मल्ली
 210, 3 ब्लाक, 4 स्टेज
 वेस्ट श्राफ कार्ड लेश्राउट
 बेंगलूर-560039

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती श्रंचला एम० शेट्टी दरिया महल बिल्डिंग 80, नरियन सी० रोड वम्बई-400006

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी ध्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताझरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त ग्रिश्वितयम के ग्रह्याय 20-क में परिमाधित हैं, वही ग्रबं होगा जो उस ग्रह्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्ताबेज सं० 3035 ता० 4-1-82) भूमि का नं० 25, विन्त मंजला 1 स्टेज, एक्स्टेंगन, बेंगलूर-38।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, बेंगलुर

तारीख: 6-9-82

प्ररूप भाई० टी० एन∙ एस०

श्रायकर **ग्रिधिनियम**, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 6 सितम्बर 1982

निर्देश स० ग्रार० नं० 62/33431/81~82/एक्वि/बे०~~ यतः मुझे, मंजु माधवन,

पायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र वाजार मूल्य 25,000/- क्या से प्रीक्षक है

ग्रीर जिसकी स० 16, है, तथा जो कर्वे रोड, टास्कर टाउन, बेगलूर में स्थित है (भ्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), र्राजम्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजी नगर मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तर्रा 11-1-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिकल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास कश्ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य उसके दृश्यमान प्रतिकत से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का प्रमुद्द प्रतिशत से ग्रीधक है भीर प्रस्तरक (ग्रस्तरकों) भीर जन्तरिती (मन्तरितियों) के बीव ऐसे प्रन्तरम के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में बाक्तविक कर में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के विधित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना जाहिए था ख्याने में सूनिधा के लिए;

प्रत: क्षब, उक्त प्रविनियम की घारा 269-ग के प्रमुखरण में, में, उक्त प्रविनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात् :-- श्री के० रक्तीकुच्ला
 श्री के० श्रब्दुल मन्तर माहत्र
 के पुत
 कि कर्वे रोड़,
 टास्कर टाउन
 बेंगलूर

(म्रन्तरक)

(2) श्री के० ए० मुजीर, श्री के० अब्दुल सत्तर साहब के पुत्र 16/1, कर्य रोड, टास्कर टाउन बेंगलुर

(भ्रन्तरिती)

(3) भ्रन्तरक

(बहुव्यक्ति, जिनके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है ।)

को यह प्वता जारो करक प्रवास्त सन्यक्ति के ब्रजंत के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सन्पति के अर्थन के नम्बन्य र काई भी पाक्षेप :---

- (क) इर यूचना ह राजात में प्रकाशन की नारीख़ से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की नामीत से 30 दिन की श्रविध, जो भा अत्रिधि बाद में सनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीस्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इन स्वना के राजरत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भोतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबद्ध किमो धन्य व्यक्ति द्वारा अबंहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाद्धीकरण:--इतनं स्युक्त ग्रन्थों ग्रीर पदों का, जा उक्त अधि-तियम, के ग्रष्टमाय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो जा प्रश्याय में दिश गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज म० 3072 ता० 11-1-82) न० 16, कर्व रोड, टास्करटाउन, बेंगल्र

> मंजु माधन, मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (ंनिरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलुर ।

नारीख: 6-9-82 मोहर: प्ररूप आर्धः दी एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज, बेगलुर

बेंगलूर, दिनांक 6 सितम्बर 1982

निर्देण सं० सी० श्रार० नं० 62/33566/81-82/ एक्वि/ बें०—यतः मुझे मंजु माधवन

नायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० पुराना नं० 91, फिर 104, श्रव 20, है, नथा जो 3 मेन, टाटा सिल्क फार्म, वसवगुंडी बेंगलूर में स्थित हैं (श्रीर इस से उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय बसवगुंडी में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन ता० 27—1—82 को पूर्वों क्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे स्वाने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धार। 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री 1. एच० एस० कुष्ण मूर्ती
 - 2. कुमारी गीता
 - कुमारि शुमा
 - मास्टर गणेशा भागल कोट

(श्रन्तरक)

(2) श्री बी० के० कल्याण एंकर, 90, गुण्डोपन्त स्ट्रीट बेंगलर-2

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविष या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित अव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

यमुस्ची

(दस्तावेज सं० 3227 ता० 27-1-82) पुराना नं० 91, फिर 104, श्रबनं० 20, 3 मेन टाटा सिल्क फार्म, बसवगुंडी, बेंगलूर ।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी गहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलुर ।

तारीख: 6-9-82

प्ररूप आहर्र. टी. एन. एस. ------

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 1 सितम्बर 1982

निदेश नं० ए० पी० 3312—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण

रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो गढ़ा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण च्य से वर्णित है), रिजम्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1982

है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/-

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य म कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पहुर प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नुलिखित उद्वेदय से उचत अन्तरण लिखित में वास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क्क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बायत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कर्मा करने या उससे यचने में सुविधा के सिए; बीड/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोखनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट ग्हों किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमनी जोगिन्दर कौर पत्नी हरभजन मिह् वासी: 37-हकीकत रोड---जालन्धर कैंट, मारफत डाक्टर निधान सिंह

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती जसवन्त कौर पत्नी मंगल सिंह दयाल वासी न्यू जवाहर नगर, जालन्धर।

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके श्राधभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी कि वास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में विदा गया है।

श्रनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न० 6253 दिनांक जनवरी 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> जंब्एयव गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 1-9-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

ग्रायकर प्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के प्रधीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्राजैन रिज, जानन्धर

जालन्धर, दिनांक 1 सितम्बर 1982

निदेश नं० ए० पी० 3313---यतः मुझे, जे०एल० गिर-धर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्या से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप में किथत नहीं किया गया है :--

- (क) बनारम ने हुई कि ए पार को सबत उत्तर प्रधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर प्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिनो हारा पकर नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में मुनिधा के लिए;

सतः अस, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) मेजर सबरन सिंह जोहल सुपुत्न लाभ सिंह गुरमुख सिंह, श्रवतार सिंह पुत्र सवरन सिंह जोहल वासी सिवल लाईन, जानन्धर

(अन्तरक)

(2) श्री मंगत सिंह दशान पुत्र मुन्णा सिंह वासी न्यू जवाहर नगर, जालन्धर।

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को यह सूचता जारी करहे पूर्वीका सम्यति के <mark>धर्जन</mark> के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजरत म प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भ्रवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भः
 भ्रवधि बाद मं समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य क्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पन्तीकरण :--इसमें प्रयुक्त मन्दों और पदों का, जो उक्त मिध-नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उम भट्टाय में दिया गया है।

अनुसुची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं ०: 6326 दिनांक जनवरी 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> जे० एत० गिरधर सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) यर्जने रेंज, जालन्धर ।

ताशीख : 1—9—8? भोहरः प्ररूप आई. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 1 सितम्बर 1982

निदेण नं ए० पी० 3314—यन: मुझे, जे० एल० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्कत अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण् हुँ कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रा. से अधिक हुँ

स्रोर जिसकी मं० जैमा कि स्रनुमूची में लिखा है तथा जो गढ़ा में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जालन्धर में , रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख जनवरी 1982

को पूर्वों कत संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के हरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दरयमान प्रतिफल से., एंमे दरयमान प्रतिफल का प्लाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनयम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; ब्रीर/वा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तित्यों अधीतः :--

(1) मेजर सवरन रिाह जोहल पुत्र लाभ सिंह वासी सिविल लाईन, जालन्धर

(ग्रन्तरक)

(2) श्री गुरिवन्दरपाल सिंह देशाल पृत्न मंगल सिंह वासी न्यू जवाहर नगर जालन्धर

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (बह व्यक्ति, जिमके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अम्सूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 6474 दिनांक जनवरी 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (गिरीक्षण) भूर्जन रेज, जालन्त्रर

तारी**ख**: 1-9-82

प्रकप आइं.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

यर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 1 सितम्बर 1982

्निवेण नं० ए०पी० 3315--यतः मुझे, जे०एल० गिर-

भर

यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें रसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो गढ़ा, जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख फरवरी 1982

को पूर्वों क्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्रत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना नाहिए था. छिपाने में म्यिथा के लिए;

अक्त: अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं., उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री इकबाल सिंह जोहल पुत्र सबरन सिंह बासी, सिबल लाईन, जालन्धर द्वारा सबरन सिंह जोहल।

(भन्तरक)

(2) श्री हरविन्दर पाल सिंह दमाल पुत्र मंगल सिंह वासी, न्यू जवाहर नगर, जालन्धर

(धन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर मं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में ठिच रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपील के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या स्त्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धिकरणः --- इसमें प्रयुक्त काव्यों और पर्यों का, जो जनत् अभिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित् ह¹, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विशेख नं० 7254 दिनांक फरवरी 1982को रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी जायन्धर में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारी**व**: 1-9-1982

प्ररूप बार्ष. टी. एन. एस. -----

मायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्ष्ण)

श्रजेंन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 सितम्बर 1982

निदेश नं० ए० पी० 3316—यत: मुझे, जे० एल० गिरधर पायकर पिछितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात् 'उक्त प्रश्वितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीत सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थापर उम्मिन, जिनका उचित बाजार मूख्य 25,000/— क्थए से यदि है

भीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो खुरला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जनवरी 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने हो। रण इ.कि. रण्यकित मालि के उचित कार्यर मुख्य न्त्रक दृश्यनात रित्रक मा, वि दृश्यमात रित्रकत का परवह प्रतिशत से प्रतिक १ और पन्तरक (पन्तरका) पौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाम गया रित्रकत विन्तिचित उद्देश्य मे उक्त मन्तरण लिखन मंत्रास्त्रक का ने प्रति नहीं के प्राणा है --

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर टेने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या बचत में सुविधा के लिए; भौर,या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्रास्तियों की जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब उक्त जिथिनियम् की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीत, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री रामेश्वर सिंह पुत्र करम सिंह, वासी 4-माडल टाउन, जालन्धर ।

(मन्तरक)

- (2) श्री सुनील गरोवर पुत्र सुन्दर लाल समीर गरोवर पुत्र गुलशन गरोवर वासी-94, शहीद, ऊद्यम सिंह नगर, जालन्धर। (ग्ररन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अबोहस्ताक्षारी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनवद्ध

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लि!कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त पमानि के अर्बन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस प्चता के राजगत में प्रकाणन की नारीख सें 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की नामीज से 30 दिन की धवधि, जो भो प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस मूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इममें प्रपुक्त सम्दों ग्रीर पदों का, जो खक्त श्रिवियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 6053 दिनांक जनवरी 1982, को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 4-9-82

प्रकृष् आहुँ, टी. एन. एस.----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 सितम्बर 1982

निदेश सं० ए० पी० 3317—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थात्र संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो किंगरा में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकक्तां श्रिधकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख जनवरी, 1982

को पूर्वीकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह दिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का वन्त्रह प्रतिश्वास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिक्त उद्दृश्य सं उक्त अन्तरण जिबत में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सृबिधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सिवधा के लिए;

अतः अवः, उक्तः अधिनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती परमजीत कौर पुत्री जोगिन्दर सिंह मार्फत जी० ए० हरबंस सिंह पुत्र करतार सिंह, बासी गुढ़े, सह० जालन्धर ।

(मन्तरक)

(2) श्री करतार सिंह पुत्र मला सिंह पुत्र णाम सिंह गांव विधिपुर, तहः सुलतानपुर लोधी, जिला कपूरथला।

(ग्रन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके घ्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना धारी करके पृथांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यशाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ब से 45 विन को अविध या तत्सम्बन्धी अविक्तयों पर सूचना की तानील से 30 दिन की नविध, जो भी जयि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उत्तर स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पक्कीकरणः - इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस, अध्याय में विया ग्या है।

ननसर्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख मं० 6055 दिनांक जनवरी 1982 को रजिस्ट्रीकर्ती भिधकारी जालन्धर में लिखा है।

> जे० एस० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी; सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज, आलम्धर।

तारीख 4-9-82

प्रकृष् नाइ .टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

भाष्ट्रा 269-म (1) के मृथीम सूच्ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज, जालम्धर

जालन्धर, विनांक 4 सितम्बर 1982

निदेश सं० ए० पी० 3318— यतः मुझे, जे० एल० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उमित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक ही

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो मकसूद-पुर में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जनवरी 1982

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी नाय या किसी भन या नम्य नास्तियों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण कों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) कों अधीन, निम्निलिसिस व्यक्तियों, अधीत्:—— (1) श्री शंकर वास पुत्र उत्तम मार्फत जोगिन्दर पाल पुत्र शंकर, बासी खुलन्दपुर, तहि० जालन्धर।

(म्रन्सरक)

(2) श्रीविनय मित्र महाजन पुत्र मोती राम वासी एन० एफ० 36, किला मोहस्ला, जालन्धर।

(भन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है (बहुव्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मित्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेपु :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यांक्त में से किसी क्यांक्त क्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में वियागया है।

मन्त्रपी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेखनं०: 6081, दिनाक जनवरी 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जालन्घर।

तारीख: 4-9-82

मोहरः

भाषातर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के बभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण)

धर्जन रेज, जालग्धर

जालन्धर, दिनांक 4 सितम्बर 1982

निदेश स० ए० पी० 3319—यत: मुझे, जे० एल० गिरधर आयकर प्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रीविनियम' कहा गया है), की घारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पन्ति, जिसका उवित बाजार मूल्य 25,000/- के से प्रधिक है

धौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मकसूद पुर में स्थित है (और इसमें टपाबद अनुसूची में धौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्षय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रति-फल के लिये अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशन से धांधक है और प्रक्तरक (प्रकारकों) भीर प्रकारिती (प्रकारितयों) के बीच ऐसे प्रकारण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रकारण लिखित में वास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के बधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी घन या भ्रम्य आस्तियों को जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1967 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भ्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: वब, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण में, मैं, उक्त विधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, वर्धात्:— (1) श्री शंकर दास पुत्र भत्तरा मार्फत जोगिन्दरपाल पुत्र शंकर, वासी बुलन्दपुर, तहि० जालन्धर।

(भन्तरक)

(2) श्री प्रेम सागर शर्मा पुत्र दरिया दित्ता राम, वासी 22-टेगोर पार्क, जालन्धर।

(मन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर न० 2 में लिखा है। (वह ध्यक्ति जिसके म्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर ह प्रविश्व मन्यति के प्रजें। के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूबना के राजात ने प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्वच्छी करण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त प्रधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही प्रथं होगा, जा उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

ann di

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 6086 दिनांक जनवरी 1982को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज, जालन्धर।

तारीख . 4-9-82 मोहर . प्ररूप नाइं.टी.एन.एस. ------

भारा 269-भ (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 4 सितम्बर 1982

निवेश न० ए० पी० 3320—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गाय किंगरा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जनवरी 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित मे वास्तविक रूप से काथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के सिए॥ और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हुं भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनक र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था खिनाने में सृष्धा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :—

श्री वलबीर सिंह
पुत्र जोगिन्दर सिंह
मार्फत हरबंस सिंह
पुत्र करतार सिंह,
वासी मिट्ठापुर, तहि॰ जालन्धरं।

(भन्तरक)

(2) श्री जीवन लाल महिता पुत्न राम प्रकाश महिता वासी, धुकर, तहि० गढ़शंकर, जिला होशियारपूर ।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

स्त्रे यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध म काई भी आक्षप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना को तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वकाकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

भन्त्वी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 6095 दिनांक जनवरी 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी जालम्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण); ग्रजैन रेंज, जालन्धर

तारीख: 4-9-82

प्ररूप आह. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 सितम्बर 1982

निदेण नं ० ए० पी० 3321—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव किंगरा में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में भौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सारीख जनवरी 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिनें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) श्रीमती परमजीत कौर पुत्नी दलबीर सिंह मार्फत जी० ए० हरबंस सिंह पुत्र करतार सिंह, वासी गुढ़ेक तहि० जालन्धर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सुरिन्दर कौर
पत्नी नरिन्दर सिंह बवेजा,
341, लाजपत नगर,
जालन्धर ।
पवन बाहरी पुत्नी केवल कृष्ण बाहरी
व सरला प्रवीन बाहरी
पुत्री केवल कृष्ण बाहरी,
वासी-1211, ग्रजीत नगर,
नकोदर रोड, जालन्धर।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2, में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में भिच रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्थल्डीकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जो सम्पत्ति विलेख नं० 6146, दिनांक जनवरी 1982 को रजिस्ट्री कर्ता स्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) घ्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 4-9-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 सिसम्बर 1982

निदेश नं० ए० पी० 3322—यत: मुझे, जे० एस० गिरधर, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो खुरला में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसित उद्योदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त विध-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिये; और/बा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री हरजिन्दर सिंह पुत्न मनोहर सिंह, जी० ए० रणजीतसिंह पुत्न बहादुर सिंह व श्रमरजीत सिंह, गुरमीतसिंह पुत्न रनबीर सिंह वासी खुरला।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री शांता रानी पुत्नी देवी द्वास चोपड़ा वासी जालन्धर

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं ः 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके मधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा,
- (क्र) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन क्रे भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

नमुस्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं०: 6210, दिनांक जनवरी 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

ता**रीख** : 4-9-82

प्ररूप बार्ड . टी . एन . एस . ------

भाषकः अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अभीन सुपना

भारत मरकार

कार्यालय, महायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज जालस्थर

जालन्धर, दिनाक । सितम्बर, 1982

निदेश में एं पी० 3323—यत., मुझे जें ० एलं ० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

क्रीर जिसकी स० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव किगरा में स्थित है (क्रीर इससे उपावड़ अनुसूची में क्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता क्रिधकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण क्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के क्रिधीन तारीख जनवरी 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिद्यों के बीच एसे अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उच्त अंतरण लिखित में वास्तिवक क्या से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त बीधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिनधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निक्षित व्यक्तियाँ, अर्थात --- 13—266 GI/82

- (1) श्री शिवसिंह पुत्र गुरबख्श सिंह जी०ए० जसबीर सिंह, वासी किंगरा, तिह्० जालन्धर (श्रन्तरक)
- (2) श्री भूपिन्दर सिंह जोहल पुत्र केवल सिंह पुत्र नन्द सिंह वासी यग्नाला कला. नहिं नवाणहिंग। (ग्रन्नरिशी)
- (3) जैमा कि उपर नंज 2 में लिखा है। (बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में किन रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति की अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पाम लिकिस में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया

अमृस्यो

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं ०: 6212, दिनांक जनवरी 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर म लिखा है।

> जे० एन० गिरधर मक्षम ऋधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 4-9-82 मोहर:

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

फार्मालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 सितम्बर 1982

निदेश नं० ए० पी० 3324—यतः मुझे जे० एल० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो गांव किंगरा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जनवरी 1982

को पूर्वों कत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती) (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्री शिव सिंह पुत गुरबख्श सिंह, जी० ए० जसवीर सिंह, बासी किंगरा, तहि० जालन्धर

(ग्रन्तरक)

- (2) श्री रनधीर मिह जोहल पृत्र केयल सिंह वासी वरनाला कला, जिला जालन्धर
 - (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि उपर नं०: 2, में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके ऋधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी
 जानना है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उयत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि बिलेख नं०: 6213, दिनांक जनवरी 1982, को रिजस्ट्रीकर्ना ग्रिधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) यर्जन रेंज, जालन्धर

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अथितः :--

तारीख : 4-9-82 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

सायकर अधिकियम, 1961 (1961 को 43) की धारा 259-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरोक्षण)

श्रजन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 4 सितम्बर, 1982

निदेण म० ए० पी० 3325—यत. मुझे ते० एल० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000. र र से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी स० जैसा कि अनुसूची में लिखा हूं तथा जो गांव किंगरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1982

को पृषा कित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण मं हुई किमी आयको बाबत, उस्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

अतः अब, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिख्ति व्यक्तियों, अर्थीत् :--- (1) श्री जुगराज सिंहपुत्र शिव सिंह वासीकिगरा, तहि० जालन्धर

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ग्रमरवीर सिंह पुत्न केवल सिंह, वासी बरनाला कलां, नहि॰ नवाग्राहिर

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं ०: 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का यह सूचना जारी करके पृत्रांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षंप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी असे 4 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा:
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब तें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिल्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हुँ।

अंगसची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न० 6214, दिनाक जनवरी, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ना ग्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० भिरधर सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्घर

नारीख : 4--9--82 मोहर :

प्रकप् बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 4 सितम्बर 1982

निदश न० ए० पी० 3326—यतः मुझे जे०एल० गिरधर, मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ह के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुट. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो खुरला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण च्य से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्मा ग्रिधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन नारीख जनवरी 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में करने वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण संहुई किसी बाय का बाबत, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कारने या उससे अधने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के, अन्सरणं में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--- (1) श्री रनबीर सिह
पुत्र बहादर सिह
मार्फत दीपक खन्ना,
मुख्तियार/वासी (नजदीक) सस्ता जनरल स्टोर
नकोदर रोड,
जालन्धर।

(श्रन्तरक)

(2) श्री सतीश कुमार कपूर
पुत्र गुरदास राभ वामी
5-वृज नगर (नजदीक) चन्दन नगर,
जालन्धर

(भ्रन्तरिनी)

- (3) जैसा कि ऊपर न० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में किच रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानना है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (स) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं ः 6328, दिनाक जनवरी, 1982 में रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी जालन्धर मे लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

* तारीख : 4−9−82

प्ररूप आई.टी एन.एस,------

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 4 सितम्बर 1982

निदेश नं० ए० पी० 3327—यतः मुझे जे० एल० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रुठ. सं अधिक हैं

और जिसकी म० जैंसा कि श्रन्यूनी में लिखा है तथा जो गाव किंगरा में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रन्यूनी में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकृती श्रिधकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जनवरी 1982

को पूर्वोक्स संपित के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत निम्निलिखत उद्देश से उद्धत अन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती दर्शन कौर विधवा जोगिन्दर सिह मार्फत जी० ए० दलजीत सिह पुत्र शंकर सिह वासी लितरां तह० नकोदर जिला जालन्धर

(भन्तरक)

(2) श्री मंतोख सिह
पुत्र खुणाल सिह गाव काटली
श्रराईया तह० जालन्धर
गुरबख्ण सिह
पुत्र बतन सिह, वासी, जागो, जालन्धर
जसविन्दर कौर पुत्री गुरबख्ण सिह
पुत्र बन्ता सिह,
वासी 54-कसतूरवा नगर,
जालन्धर बैंट

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर न०: 2 में लिखा है (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति मे किच रखता है
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे मे ग्रधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति मे हितबद्ध है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजप में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण ---इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस सुध्याय में द्विया गया हैं।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 6368 दिनाक जनवरी 1982को रिजस्ट्रीकर्ना प्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख · 4-9-82 मोहर :

प्रकप् भाइं.टी.एन.एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 सितम्बर 1982

निदेश सं० ए० पी० 3328---यत: मुझे जै० एल० गिरधर,

नायक र निष्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त निष्नियम,' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राप्तिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो किंगरा में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण क्य में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्री-करण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी 1982

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पासा गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया न्वा वा किया वाना आहिए था छिपाने में द्विभा के किया के किया

असः अज्ञः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

 सम्दुला सिंह कर्ता (एच० यू० एफ०) पुत्र जंगल सिंह पुत्र बन्द सिंह, 58, दादा कालोनी, जालन्धर

(अन्तरक)

- (1) निर्मल कुमार पुत्र हरी चन्द कन्दारी, एस० बी० 1. स्विल लाईन्स जालन्धर
 - (2) शाम लाल गुप्ता पुत्र मंगल रोन. एस० बी० 1 ट्रेनिंग स्कूल जम्मू
 - (3) श्रीमती निवीता मलहने पत्नी श्री के० डी० मलहन, 8/23 पंजाब एगरीकलचर यूनिवर्सिटी, लुधियाना
 - (4) श्रीमती फूल रिशी पत्नी विनोद रिशी 180 शक्ति नगर जालन्धर
 - (5) एन० एन० खन्ना
 पुत्र डी० डी० खन्ना कोपोरेटिव एस० बी०-1
 देनिंग स्कूल जम्म्

- (6) सतिन्द्र कीर पत्नी रचपाल सिंह गुप्ता 26—गोल्ड ऊधम सिंह नगर जालन्धर
- (7) मेजर जसबीर सिह पुत्र प्रताप सिह, 584 माडल टाऊन जालन्धर
- (8) लव कुमार शर्मा पुत्र महराज कुमार कोपोरेटिव एस० बी ० 1 श्रोल्ड रेलवे रोड, जालन्धर ।
- (9) किरण चन्द कोपरेटिय प्रेम चन्द दन्द, 45 मार्डेन कलोनी जालन्धर।
- (10) मुकेश णाही पुत्र सुन्दर लाल गाही, 45 मार्डन, कलोनी जालन्धर
- (11).कुलदीप राज शर्मा पृत्र राम प्रसाद शर्मा 20 न्यू जवाहर तगर, जालन्धर
- (12) मोहन लाल पुत्र राखारी लाल डब्ल्यू० डी० 90 अली मुहल्ला जालन्धर
- (13) स्वर्ण सूद पत्नी कमल सूद कोपोरेटिव दयानन्द माडल हापर सैकण्डरी स्कूल, जालन्धर
- (14) वीना बेरची पत्नी ग्रोम प्रकाण , 25-बी, प्रकाण नगर, जालन्धर ।
- (15) रजिन्द्र सिंह भाई पुत्र जसवन्त सिंह भाई मार्डन कलोनी जालन्धर
- (16) गोपाल दाम चौधरी पुत्र ऊधोदास 370-डी॰ माडल टाऊन जालन्धर
- (17) कृष्णा मलहोवा पत्नी ग्रार० एन० मलहोवा 21 मार्डन कलोनी, जालन्धर
- (18) श्रों ०पी० गजरी पुत्रश्री राम गजरी वासी बस्ती न्यु जातन्धर
- (19) एच० लाल पृत्र कुन्दन लाल कोपरेटिब एस० बी० 1 मिलार गंज जालन्धर
- (20) यश पाल शर्मा, पुत्र ग्रान्मा राम वामी मानक जिला मंगहर
- (21) पुष्पा वर्ता पहिन्द्र पत्नी ग्रो० पी० महिन्द्र 78---गुरु तेगबहादुर नगर जालन्धर

(ग्रन्तरिती)

- 3 जैसा कि ऊपर नं० : 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके श्रिष्टिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रिच रखता है। (बह व्यक्ति, जिसके बारे में ब्राधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्परित के नुर्वम् के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्:---

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकासन की तारींच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, अर्थ भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनाराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा बधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकरें।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अमुस्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं०: 6489 दिनांक जनवरी 1982 को रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

जे० एल० गिरधर सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजेन रोज जालन्धर ।

तारीख 4--9-82 मोहर:

पद्धप ग्राई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के ग्रन्नीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 4 सितम्बर 1982

मं० ए० पी० 3729—यतः मुझे, जे० एक० गिरधर, भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- व० से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो गांव किंगरा में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणित है)रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय जालंधर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिये अंतरित की गई है और मुभ्गे यह विश्वासं करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीज ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्ध्य से उका अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

> (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में

कमी करन या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, भिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

म्रत: अब, उक्त प्रधिनियम की शारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

(1) श्रीमनी चनन प्जर (माता) जोगेन्द्र सिंह. वासी गुढ़े, तहसील नकोदर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मुरेन्द्र कुमार गृप्ता पुत्र राम सरन, कृष्ण लाल ग्ररोड़ा पुत्र नन्दलाल ग्ररोड़ा, वासी एन०एम० 585, मोहल्ला करारखान, जालंधर।

(ग्रन्तरियो)

- (3) जैसा कि उत्पर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में सितबद्ध है)

को यह सूचना गरा करके पूत्रीक्त सम्पति के श्राचीन के लिए कार्यशाहियां करता हूं।

जकत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर प्रांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पध्टीकरणः--इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 6570 दिनांक जनवरी, 1982 को रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी जालंधर ने लिखा है ।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, जालंधर

तारीख*: 4*-9-1982

प्ररूप बाह्र . टी . एन . एसं . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को थारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालधर

जालंधर, दिनाक । सितम्बर 1982

निर्देश सं० ए०पी० 3330-- यत मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इस हे पश्चान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रहा से आधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो गाव मकसूदपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यान्य जालंधर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन सारीख जनवरी, 1982।

को पूर्वोंक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य उसके रूर्यमान प्रतिफल से, एसे रूर्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंमी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण मो, मो उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) हरनाम कौर विधवा मिलखा सिंह खजान सिंह, वासी, गढ़शंकर, जिला होशियार पुर।

(भ्रन्तरकः)

(2) इन्द्र पाल सिंह पुत्र हरभजन सिंह, वासी ई॰पी॰ 256, मौदागेट जालंधर

(भ्रन्तिगती)

(3) जैसा कि ऊपर न० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति मे रुचि रखना है। (वह व्यक्ति जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह राम्पति में हिनबह है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकींगे।

स्यष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया स्या ही।

मन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जस। कि विलेख नं० 6575 दिनांक जनवरी, 1982, को रिजस्ट्रीकर्ना श्रिधिकारी जालंधर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालंधर

नारीख: 4-9-1982

मोहर

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, जालंधर जालंधर दिनाक 6 सितम्बर, 1982 निर्देण गठ ए० पी० नं० 3331—स्त: मुझे, जै० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या जैसा ग्रनुसूची में लिखा है । तथा जो कोटकपुरा में स्थित है (इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण एप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्या-लय फरीदकोट में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) ग्रिधीन तारीख जनवरी, 1982

को प्वा किस सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिक के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिक से, एसे दश्यमान प्रतिक का वन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निमित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने में अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीरा, पिम्निलिखित त्यिकितयों, अर्थात् — (1) हरी सिंह, ग्रमर सिंह, जवाहर, सिंह, लाल सिंह, पुत्र रामचन्द्र, क्लोथ मर्चेन्टन, गुरुद्वारा बाजार, कोटकपुरा,

(ग्रन्तरक)

- (2) कुशलया देवी विधवा कश्मीरी लाल पृत्न जगननाथ. भार्फत कोठी धारीयाल कोटकपुरा । (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि उपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में ये किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमे प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हु³, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हु¹।

अन्स्भी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 4002 दिनांक जनवरी, 1982 को रिजस्ट्री कर्त्ता श्रधिकारी फरीदकोट में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रजैंन रेंज, जालंधर,

तारीख: 6-9-1982

भोहर:

4-266GI/82

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 6 सितम्बर, 1982

निर्देश सं० ए० पी० 3332—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो कोटक पुरा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्सा श्रिधिकारी के कार्यालय, फरीदकोट में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 कार्य 6) के श्रिधीन तारीख जनवरी, 1982

को पूर्वेक्ति संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का जन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीफ एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निस्थित व्यक्तियों, अधीत :-- (1) हीरा लाल, श्रमरसिंह, जवाहर, सिंह, लाल सिंह, पुत्र राम चन्द क्लोथ मर्चेन्टस, गुरुद्वारा बाजार, कोटकपुरा ।

(भ्रन्तरक)

(2) बिकट सिंह पुत्र हरनाम सिंह मार्फत प्रिस स्वीट, शास्त्री मार्कीट, कोटकपुरा ।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रश्विभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (बह् व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैमा कि विलेख नं० 4003, दिनांक जनवरी, 1982 को रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी फरीद-कोट ने लिखा है ।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम म्रिधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त निरीक्षण म्रर्जन रेंज, जालंघर,

तारीख : 6-9-1982

प्ररूप वार्ड .टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 सितम्बर 1982

निर्देश सं० ए० वी० 3333—यतः मुझे जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भौर जिन्नकी मं० जैना कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कोट कपुरा में स्थित है (श्रौर इसने उपावढ अनुसूची में श्रौर पूर्ण कप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फरीद कोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख जनवरी 1982

को पुत्रों कत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— श्री ग्रमर सिंह, जवाहर सिंह, लाल सिंह पुत्र रामचन्द व सोहन सिंह, ऊधम सिंह, गुरचरन सिंह कौर व सुन्दर कौर विधवा जावन सिंह वासी, गुरुद्वारा कोठ कपूरा।

(श्रन्तरक)

2. श्रीमती शबीना रानी पुत्र बचन लाल मार्फत कसतुरी लाल लाक मारचेंन्टिस, गुरुद्वारा बाजार, कोट कपूरा।

(ग्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिमोग में सम्पति है)

4. जो व्यक्ति सम्मत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारें में प्रधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्मति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध मी कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वों कत ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त किंधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 4163 दिनांक जनवरी 1982 , को रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी "फरीदकोट ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज जालन्धर

नारीख: **6-9-8**2

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

श्रर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 6 सितम्बर 1982

निर्देश मा० ए० पी० 3334—यत मुझे जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उसत अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसािक श्रनुसूची में लिखा है तथा जो कोट-कपुरा में स्थित है (श्रीर इसमे उपावद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय फरीदकोट मे रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी 1982

कां पूर्वीक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शस्तिक हम स किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमां करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मूचिया के लिए।

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री श्रमर सिंह, जवाहर सिंह लाल सिंह पुत्र राम चन्द, व सोहन सिंह, ऊधम सिंह, गुरचरन कौर, व सुन्दर कौर विधवा उचिजीवन सिंह, वासी गुरुद्वारा बाजार कोटकपूरा।

(अन्तरक)

 श्रीमती गीला रानी कसतूरी लाल व विजय कृमार पुत्र कसतूरी लाल, लाक मार्चेटन्स,गुरुद्वारा बाजार, कोटकपुरा।

(ग्रन्तरिती)

3 जैंसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके प्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्हीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्स्ची

भम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 4164 दिनांक जनवरी 1982 की रजिस्ट्रीकर्ना ग्रधिकारी फरीदकोट ने लिखा है।

> जे०एन०गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, जालन्धर

नारीख: 6-9-82

प्रकप बाह्^र.टो.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक श्रायकर श्रापुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 6 भितम्बर 1982

निर्देण मं० ए० पी० 3335—यतः **मु**क्षे जे० एल० गिरधर

आयकर र्थाधितयम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसम इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहा से अधिक है

भौर जिसकी मं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (भौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजर्स्ट्राकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीत, तारीख फरवरी 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्व हैं और मृझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्थियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृतिधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थान् :--

 श्री तरलोक चन्द्र पुत्र कृतः रात मार्कत निरंजन सिंह, वासी-77, निरु कालाती, जालस्थर।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती जलबीर कौर पत्नी नरिन्जन सिंह वासी-77, लिक कालौनी, जालन्धर्।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपरनं० 2 में लिखा है। (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में भम्पत्ति है)

4 जो व्यक्ति सम्पत्ति मे रुचि रखना हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुः ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैपा कि विलेख नं० 6823 दिनाक फरवरी, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता ऋधिकारी जालस्वर में लिखा है।

> जे० एन०गिरधर सक्षम प्राधिकार्। सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, जालन्धर

नारी**ख**: 6-9-82

प्ररूप आर्द. टी. एन. एस.-----

अ(यकर पधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सह्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 सितम्बर 1982

निर्देश सं० ए० पी० 3336--नाः पुने जे०एल० गिरधर गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रत. से अधिक ही

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि ग्रनुसूची में लिखा है तथा जो रामपुरा फूल में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वांगत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय रामपुरा फूल में रिजस्द्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख जनवरी 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दृश्ययान साफित के लिए धन्तरित की गई है और पुझे यह विश्वाप करने का कारण है कि वयापूर्वोक्त सम्मित्त का उक्तित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐपे **६**९वमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है घौर ग्रस्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रौर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच रेसे अन्तरण के निरंति का पान गया प्रतिकत, निम्नलिखित बहेराले उसा पन्तरम तिचित्र में सब्दियक रूप से कथित नहीं किया गया है।--

- (क) धन्तरम स हुई फिसो आय की बाबत, उक्त अधि-नियम, के प्रधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए: मौर/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी का गन्धन आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायक्तर ग्रिविनयम, 1922 (1922 का 11) या उस्त ग्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के षयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गता था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः प्रय, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उन्त ग्रधिनियम की घारा 269-व की उपवादा (1) को अप्रीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. श्री रमेग कुनार व विजय कुमार पुत्र मेघ राज वासी, रामपूरा फुल।

(ग्रन्तरक)

- 2. श्री जगदीश कुमार पुत्र गोपी राम, सीता रानी पत्नी द्वारका दास, व राजेश कुमार पुत मार्फत, कृष्ण टाकीज, रामप्रा फुल। (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखाहै। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- जो व्यक्ति सम्यन्ति में रुचि रखना है। (त्रह व्यक्तिः, जिनके बाद में अधोहस्ताकारी जानता है कि वह सम्मति में हितबद्ध है) को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुां।

उक्त सम्मत्ति के प्रजीत के सम्बन्य में कोई भी प्राक्षीप:---

- (ह) इस कुला है राजाब में बहाशन की नारीय से 45 दिन हो प्राधिया हिनेबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामीत ने 30 दिन का प्रवर्षि, जा भी श्रवधि बाद में सभाप्त हो हो हो . के भीतर पुर्वीका व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस युवता के राजरत में प्रधाणत की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति हारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्यब्टोकरगः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त मधि-नियम के भ्राध्याय 20 ह में परिभाषित है, बहो ग्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3806 विनांक जनवरी 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी रामपुरा फुल नेलिखाहै।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

मोहर:

तारीख: 4-9-1982

प्ररूप आहां.टी.एन.एस ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) धर्मनरेज, जातन्वर

जातन्त्रर, दिनाक 6 (सत्तरवर, 1982

निर्देण स० ए० पा० स० ३३३७- -पा मुझे, जे० एउ० गिरधर

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसघे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रा. से अधिक है

श्रांप जिसका सं० जैया कि अनुसूचा में लिखा है तथा जो जलालाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उरावद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणा है), रिजस्ट्री ति स्वितिर के जर्यालय जनान बाद में जिन्द्र करण श्रीस्थितम, 1908 (1908 का 16) के श्राधाल, तारोख जनवर 1982

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथायूबॉक्त संपित्त का उचिन वाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अतिरती (अंतरितियों) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसो आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंगी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए;

अत अब, प्रक्त अधिनियम, त्रो धारा २५९-ग के अन्नरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा २६९-५ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिल व्यक्तियों अर्थात् --

 श्राहरः चन्द, बाब् ाम अपुत्र श्राबिहारा लाल बार्सा जलालाबाद (वेस्ट)।

(अन्तरकः)

 श्री मुकद लात पुत श्री शेर सिंह वासी जलालाबाद। (ग्रन्वरितः)

3 जैसा कि उत्तर नरु 2 म है। (तर व्यक्ति, जिस्ते प्रधिमाग में सम्मत्ति है)

। जी व्यक्ति सम्पन्त में रुचि श्वता हा। (वह व्यक्ति, जिनके <mark>बारे में श्रधोहस्ताक्षरी</mark> जानता है हि वह सम्पत्ति में हितवह है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभागत होती हो, के भीतर पृथों कर व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और ण्दी का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-कं में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्मन्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेखन० 2197 दिनाक जनवरा 1982 का रजिस्ट्रांग्ली अधिकारी जलालावाद में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ऋायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज, जलालाबाद

ग्रं प — 6-9-198° महिं

प्रकप धाई • टी • एत • एस •----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सह्यक आयकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जागन्धर

जालन्धा, दिनांक 6 सितम्बर 1982

निर्देण सं० ए० फी० नं० - 3338— – यतः मुझे जे० एल ० गरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ल के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

जिसकी में जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गाय पड़ोरा कमन तह हो शियारपुर में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद प्रनुसूची में ग्रींग पूर्ण रूप में क्यित है), रिजर्ट्राक्ती ग्रिधकारों के कार्यालय होशियारपुर में रिजर्ट्राकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख जनवरा 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल का मिनलिसत उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण में हुई किमी आय की बाबत उक्त लिध-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अन्सरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269 क की उपधारा (1) की अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमती प्रशासनीता विधवा श्री एजिन्द्र कुमार पुत्र
 श्री भोला नाथ डारेक्टर अलफा स्टाल लिमिटेड टाडा रोड, जानगर।

(अन्तरक)

2 श्रा हजारा सिंह पुत्र श्रा ईणर दास वासी फनेगढ नियाका तहरु होणिपाल्प्रा

(भ्रन्तिरिता)

3. जैसा कि उत्पर मं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिमांग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (बह व्यक्ति, जिनके बारेसे अधीहस्ताक्षरा जानता है कि वह सम्पत्ति में ह्तिबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारोब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सक में।

स्पष्टीकरणः — स्समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

अससची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि तिलेख नं० 4166 दिनांक जनवरा 1982 को रजिस्ट्रांकर्ती प्रधिकारी होणियारपुर में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरक्षण) यर्जन रॅंज, जालन्धर

तारीखाः 6-9-1982 मॉहरः प्ररूप धाई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

भायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भन्नीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायुक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 सिक्षम्बर 1982

निर्देश सं० ए० पी० नं० 3339—यतः मुझी जे० एल० गिरधर

आयकर प्रश्निनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त प्रश्चिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रश्चीन सक्षम प्राधिकारी की, मह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ इपये से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसाकि अनुसूची में लिखा है तथा जो तलवंडी सावो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबब अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय तलवंडी साबो में रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमण्य प्रतिकत्र के लिए प्रस्तिरित की गई है थ्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पण्डह प्रतिशत से अधिक है धौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित मही किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से दुई फिसी आय की बाबत आयकर प्रधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मैं कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर श्रीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीधनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

भ्रतः, भन, उन्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उन्त अधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---15---266GI/82 श्री सोहन लाल पुत्र लेख राम उर्फ लेख वासी मेन मार्कीट माङल टाऊन, लुधियाना।

(भ्रन्तरक)

2. साधु सिंह पुत्र पाला सिंह वासो तलवंडी साबी जिला भटिंडा।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है (बह व्यक्ति जिसके ब्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पब्लोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधि-नियम के श्रष्टवाय 20-क में परिभाषित है, बही भर्ष होगा, जो उस श्रष्टवाय में दिया गया है।

अमृसुची

सम्पत्ति जमींन 15 किले 17 मरले जो तलवंडी साबो में स्थित है। जैसाकि विलेख नं० 3009 दिनांक जनवरी 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी तलवंडी साबो में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर द्रायुक्त (निरीक्षण) द्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 10-9-1982

प्रकृप आई • टी • एन • एस •-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 10 सित्रम्बर 1982

निदेण सं० ए० पी० 3340---यतः मुझे, जे० एल० गिरधण

मामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उनित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं और जिसकों सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो तलवहीं सालों में स्थित है (अप इससे उपावक्ष अनुसूची में विश्वा है तथा जो तलवहीं सालों में स्थित है (अप इससे उपावक्ष अनुसूची में अप

तल्वडों साबों मो स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मों और पूर्ण रूप मो वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तलवंडी साबों मो रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील जनवरी, 1982

को पृत्रों कत संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्विध्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तिवक रूप से किथान नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृजिधा के लिए; जौर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय साय-कर अधिनियम, 1922 (1522 का 11) था उक्त अधिनियम, सा धन-कर अधिनियम, सा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- श्री बाबू एम पुत्र लेखराम एलियास (उर्फ) लेखू वासी (बिठिंडा) तुलबंडी साबो।
- श्री सरदोल सिंह प्राथा साथ सिंह वासी तलवंडी साधी जिला बठिंडा
- 3. जैसा कि उत्पर नं 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्परित हैं)
- जो व्यक्ति सम्पत्ति मं रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारो मो अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यासा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में विरामित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जमीन 15 किले 18 मरले जो गांव तलवंडी साबों में स्थित है। जैसा कि विलेख नं 3008 दिनांक जनवरी 1982 को रिज-स्ट्रीकर्ता अधिकारी तलवण्डी साबों में लिखा गया है।

जे. एल गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

तारीख: 10-9-1982

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 सितम्बर 1982

निर्देश स० ए० पी० नं० 3341—यत. मुझे; जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/ रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो तलवड़ी साबू में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख जनवरी 1982

को पूर्वाकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्दृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) जन्सरण संहुई किसी आय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा को लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियो, अर्थात् :—

- 1. श्री हेमराज पुत्र लेख राज, उर्फ लेखू (वासी तलवंडी साबो) जे० ए० 14/सी न्यू दिल्ली। (अन्तरक)
- श्रीमती सुरजीत कौर पत्नी सरवूल सिह वासी तलबढी साम् जिला बठिडा।
- जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके भ्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में मधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त क्यांक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- बच्च किसी अन्य व्यक्तिस द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जमीन 15 किले 17 मरलेजा गाव तलवडी साबों में स्थित है। जैसा कि विलेख न० 3007 दिनांक जनवरी 1982, को रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी तलवडी साबों में लिखा गया है।

जं० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज, जालन्धर

तारीख . 10-9-82 मोहर . प्ररूप आहें.टी.एन.एस.------

बाथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन स्चना

भारत संरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 सितम्बर 1982

निर्देण सं० ए० पी० नं० 3342--यतः मुझे जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- कि. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव किगंरा में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जनवरी 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिषत बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उिचत बाजार मृत्य, उसके दूरमान प्रतिफल से ऐसे दूरमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, ष्ठिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब. उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) कै अधीन, निम्नलिवित व्यक्तियों, अधृति :--- श्री दलबीर मिह पुत्र जोगिन्द्र सिह द्वारा मुख्तियार ऐ-श्राम श्री हरबन्स सिंह पुत्र करतार सिंह वासी गांव मिटापुर, तहसील जालन्धर।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती परमजीत कौर पत्नी मोहिन्द्र सिंह बासी गांव जंडियाला तहसील फलौर श्रौर सुरिन्द्र सिंह चीमा पुत्र स्वपाल सिंह बासी 10 गियान नगर जालन्धर और श्रीमति मनजीत कौर पत्नी इकबाल सिंह वासी गांव जहरीयां तहसील बटाला।

(श्रन्तरिती)

जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिमोग में सम्पत्ति है)

 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिलक्षद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपीत्त में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषितः है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जमीन 3 किलें जो गांव किगरां में स्थित है जसा कि विलेख नं० 6300 जनवरी 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 10-9-1982

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 सितम्बर 1982

निदश नं० ए० पी० नं० 3343---यतः मुझे जे० एल० गिरधर

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- हा से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, भटिण्डा में रजिस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जनवरीं 1982

को पूर्वांक्त सपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर योने के अन्तरक के बायित्व में कसी करन या उससे अधने में सूविधा के लिए; शर/वा
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को., जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

जतः अब, उसत अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उसत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के स्थीन निम्नलिक्त व्यक्तियों, नुधीन निम्नलिक्त

 श्री दुर्गा दास सचदेवा पुत्र श्रा भोला मल वासो 66 गुडमैन रोड, सिगापुर द्वारा मुख्तियार-ऐ-आम श्री हरताम सिह पुत्र वचन मिह हस्पताल रोड भटिण्डा।

(अन्तरक)

2. दी ईमपालिस कोग्रापरेटिव हाऊन बिल्डिंग सोसायटी लिमिटेड भटिडा।

(ग्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे मे अबोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा जो उस मध्याय में विमा गया है।

वन्स्ची

सम्पत्ति जमीन 5 बी--16 बी जो भटिडा में स्थित है जैसा कि विलेख नं० ^{हर} 6165 दिनांक जनवरी 1982 को रजिस्टीकर्ता ग्रधिकारो भटिडा में लिखा गया है।

> जे० एस० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज जालन्धर

नारीख: 10-9-82

प्ररूप बाई.टी.एन.एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, ादनांक 10 सितम्बर 1982

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि सूचों में लिखा है तथा जो भटिडा में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबड अनुसूचा में ग्रीर पूर्ण रूप में बणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारों के कार्यालय भटिडा में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी 1982

को पूर्वेक्त संपित्त के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित कों गईं है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पित्त का उचित बाजार मृल्य, उसके देश्यमान प्रतिफल से, एसे देश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण सं हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधूने में सुविभा के सिए; बौड/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्त्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) में अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मुर्थात् ः— में। बलदेव राज सम्बद्धेया पुत्र भोला मल वासी 16 सुखमरीत 50124 बगकोक, तलबड़ा ब्रारा मुख्तियार-ए-श्राम श्री हरनाम सिंह पुत्र वचन सिंह हस्पताल रोड भटिका।

(अन्तरक)

2 दी ईम्पोलियस कांभ्रापरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसायटी लिमिटेड भठिडा।

(ग्रन्तरिती)

जैसा कि ऊपर न० 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे मे श्रयंग्रहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितब इहै)

को यह सूचना जारी करके पृथांक्त सम्पत्ति के वर्जन के बिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप '---

- (क) इस सूचना के राजपत्र भ प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगें।

स्पष्टीकरण:—-इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा, जो उस उध्याय में विया गृया

अमुस्ची

सम्पत्ति जमीन 5बी०--16 बी० जो भटिडा में स्थित है जैसा कि विलेख नं० 6166 जनवरी 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी भटिडा में लिखा गया है।

जं० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज जालन्धर

नारीख : 10-9-1982

मोहरः

प्रकप आई • टी • एव • एस • ----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-षु (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 सितम्बर 1982

निर्देश स० ए० पी० न० 3345---यतः मुझे जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो भठिडा में स्थित हैं (श्रौर इससे उपायद ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी के कार्यालय भठिडा में। रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रंथान दिनौंक जनवरी 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्प से कियत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की नावत उक्त औध-नियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में म्विधा के लिए;

कतः अब, उकत विधिनियम की भारा 269-ग को, अनुसरण मों, मीं, अक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्रामता करतार देवा विधवा श्री हरवन्स लाल सचदेव वामी 66 गुडमैंन रोड़ सिंगापुर द्वारा मुख्तियार-ऐ-श्राम श्री हरनाम सिंह पुत्र वचन सिंह वामी हस्पताल रोड़, भिटडा।

(ग्रन्तरक)

 दी ईम्पालिस कोग्रोपरेटिव हाऊस बिल्डिंग सोसायटी लिमिटेड भठिष्डा।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुखी एखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का यह सूचना जारी करके प्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हू।

उक्त सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिकरण: →-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्**ची**

यम्पत्ति जमीन 5बी-16बी० जो भटिंडा में स्थित है जैसा कि विलेख न० 6167 दिनांक जनवरी 1982 को रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी भटिंडा में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, जालन्धर

तारीख: 10-9-1982

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.--------

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 10 सितम्बर, 1982

निर्देश सं० ए०पी० नं० 3346—यत : मुझे, जे० एल० गिरधर,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र . से अधिक है

श्रौर जिनकी मं० जैमा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिडा में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारों के कार्यालय भटिडा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जनवरी 1982

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्मान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्त्रक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नुलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

शामता गरतार देवा विधवा हरबन्य लाल गचदेवा वासो 66, गुडमैन रोड, सिगापुर द्वारा मुख्तयार-ए-ग्राम श्रो हरनाम मिह पुत्र बचन निह हस्पनाल रोड, भटिंडा।

(ग्रन्तरक)

 दी ईमपालाइज कोग्रापरेटिव हाऊस बिलडिंग सोसायटी लिमिटेड भटिङा।

(ग्रन्त रिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

4 जो व्यक्ति सम्पत्ति मे रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे मे श्रधोहम्पाक्षरा) जानता है कि वह सम्पत्ति में हित्तव है)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के समान्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविध या तत्मबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हों., के भीतर पृष्ठों केत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, पधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियस 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्घी

सम्पत्ति जमीन बी० — 16 बी० जो भटिंडा में स्थित है जैसा कि विलेख नं० 6325 दिनाक जनवरी 1982 को रिजस्ट्रीकर्मा श्रिधकारो भटिंडा में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम श्रीधकारी महायक स्नायकर स्नामुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

नारीख: 10-9-82

प्ररूप आई°टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रोंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 सितम्बर 1982

निर्देश सं० ए० पी० नं० 3347—यतः भुझे, जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० जैमा कि सूची में लिखा है तथा जो बटिड: में स्थित है (श्रौर इसमे उपावद्ध प्रतुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्याक्षय भटिंडा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत. उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्धने में सृविधा के सिए; और/या
- (इ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यथितयों, अर्थात् :——
16 —266 GI/82

1. श्री बलदेव राज सक्सेना पुत्र मेला मल वासी 16 सुखमरीत .0124 बगकोक (तलवडी) द्वारा हरनाम सिंह पुत्र बचन सिंह हस्पनाल रोड़ मटिंडा मुख्सियार-ए-श्राम।

(ग्रन्तरक)

 दी ईमपलाईज कोअपरेटिय हाऊम बिल्डिंग सोसायटी लिमिटेड भटिंडा।

(ग्रन्नरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हैं। (वह व्यक्ति' जिनके वारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हि बढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पृत्रोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्सूची

सम्पत्ति जमीन अबी०-16बी० जो भटिंडा में स्थित है। जैमा कि विलेख नं० 6326 दिनांक जनवरी 1982 को रजिस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी भटिंडा में लिखा गया है।

> जे०एल० गिरधर सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन र'ज, जालन्धर

तारीख: 10-9-1982

मोहर

प्रकृष आई० टी• एन• एस•----

आयकर अधिन्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय संशायक म्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, विनांक 10 सितम्बर 1982

निर्देश सं० ए० पी० नं० 3348—यतः मुझे जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ष्मौर जिसकी सं जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो भटिंडा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत हैं,) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय भटिंडा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जनवरी 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिषत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के भीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण में वास्तिविक स्प से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुः किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियभ के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/बा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियमः, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- श्री दुर्गा दास सचदेवा पुत्र मोला मल वासी 66 गुडमैन, सिंगापुर द्वारा श्री हरनाम सिंह पुत्र बचन सिंह हस्पताल रोड़ भटिंडा मुख्तियार-ऐ-श्राम।

(ग्रतरक)

 दी ईमपोलियस कोग्नपरेटिव हाऊस बिल्डिंग स्कोयटी लिमिटेड बिटंडा।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (हव व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सभ्पति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित-बद्ध किसी अन्य अ्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकारी।

लक्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

जन्सूची

सम्पत्ति जमीन 5बी०:-16बी० जो भटिंडा में स्थित है जैसा कि निलेख नं० 6327 दिनांक जनवरी, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी भटिंडा में लिखा गया है।

> जे एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 10-9-1982

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार.

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 10 सितम्बर 1982 निर्वेश सं० ए० पी० नं० 3349—यतः मुझे जे० एल० गिरधर

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा गया है तथा जो कोटकपुरा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख ,जनवरी 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्ये से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य हम्भ एसिका प्रतिफल को बन्दह प्रतिचत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल का निम्नितिसत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने में अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (हा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अय, उक्त अधिनियम् की धारा 269-ग के अनुसरण बौ, मी. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमती माया देवी विधवा नानक चन्द वासी महेक्वरी स्ट्रीट, कोटकपुरा।

(भन्तरक)

2. श्री सुखदेव सिंह, सुखमन्धिर सिंह सपुत्र हुजुरा सिंह वासी कोटकपुरा रोड़, कोटकपुरा।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर न० 2 में लिखा है।

(बह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति हैं)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में घिच रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रद्योहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्यी

सम्पत्ति, जमीन 32 किले जो गांव कोटकपुरा में स्थित है जैसा कि विलेख नं० 4004 दिनांक जनवरी 1982 को रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी फरीदकोट में लिखा गया है।

> जे० एस० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 10-9-1982

प्ररूप आह. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 सितम्बर 1982

निर्देश सं० ए० पी० नं० 3350—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो जो फगवाड़ा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी 1982

को पूर्वों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूबिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखत् व्यक्तियों, अर्थात्:— श्रीमती प्रकाश कौर विधवा श्री सुरिन्द्र सिंह वास मुहल्ला सतनाम पुरा फगवाजा।

(भ्रन्तरक)

- श्री गुरबचन सिंह पुत्र श्री बेंली राम, फगवाड़ा। (भ्रन्तरिती)
- जैसा कि ऊपर नं० 2 में है
 (वह व्यक्ति, जिसके म्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पक्षि में रुचि रखता है। (बह व्यक्ति, जिनके बारे में घ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2356 दिनांक जनवरी, 1982 को रजिस्ट्रीकर्त्ता ध्रधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्घर

तारीख: 13-9-1982.

मोहरः

प्ररूप आहा. टी. एस. एस. -----

बायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 सितम्बर 1982

निर्देश सं० ए० पी० नं० 3351—यतः मुझे, जे० एल०

गिरधर

बायकर सिधिन्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि सूची में लिखा है तथा जो जाननधर में स्थित है (श्रौर इससे उपाश्रद्ध में श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किशत नहीं किया गया ही क्

- (क) अन्सरण संहुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दाबित्व में कमी करने या उससे यचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिये था, खिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— श्री दलीप चन्द थापड पुत्र तरलोक चन्द वासी मुहल्ला थापडा ।

(भन्तरक)

 श्रीमती एस० के० मैन्युफैक्चरिंग सुभाण नगर स्रोम प्रकार, पार्टनर।

(ग्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- , (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकर्गे।

स्पब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जमीन 2 एफ०—8 एम० जो परीत नगर जालन्धर में स्थित है । जैसा कि विलेख नं० 6046 जनवरी 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 13-9-1982

मोहरः

प्रकृप आर्घ. टी. एन्. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुभा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 सितम्बर 1982 निर्देश सं० ए० पी० नं० 3352—यतः मुझे जे० एल० गिरधर

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गोराय में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजड़ीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय फिलौर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के रहेयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निस्नितियों के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निस्नितियों के किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिषाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमती संती विधवा श्री साऊ वासी रूडका कला, फिलौर।

(भ्रन्तरक)

- 2. श्री गुरमेल सिंह पुत्र श्री रणजीत सिंह वसी गोरया (ग्रन्तरिती)
- जैस कि ऊपर नं० 2 में है।
 (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखा है। (वह व्यक्ति जिनके बारे में प्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वांक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तर्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तमील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से कि की व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2881 दिनांक जनवरी 1982 को रजिस्ट्रीजर्ता श्रधिकारी फिलौर में लिखा है।

> जे०एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी; सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जालन्छर

तारीख: 13-9-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 सितम्बर 1982

निर्देश सं० ए० पी० 3353—यतः मुझे जे० एल० गिरधर झायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्थास करने का कारण हैं कि स्थायर संपर्तित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो वरियाना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिम्हिनयम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

 श्री मांगु राम पुत्र भुला राम, वासी गांव विरयान तिह० जालन्घर।

(भ्रन्तरक)

2. मैसर्स राधा ट्रेडरज, कपुरथला।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में गिन रखता हो।

 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पति के श्राजैन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुवारा;
- (क) इस सूचना कं राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिखा गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 6430 दिनांक जनवरी 1982 को रजिस्ट्री कर्ता श्रधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम श्रधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जालन्धर

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं. उक्त विधिनयम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 14-9-1982

प्ररूप आहर . टी. एन. एस. - -- -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 सितम्बर 1982

निर्देश सं० ए० पी० 3354—यतः मुझे जे० एल० गिरधर, भायकर भिर्मानम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्थात् 'उन्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर संपर्ति जिसका उण्जित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुस्ची में लिखा हैतथा जो जालन्छर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), र रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, सारीख जनवरी 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त बिध-मियम को अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिये; और/या
- (अ) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिषाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) हे अधीन निम्निलिखत व्यक्तियों अर्थात् :--- 1. श्री करतार सिंह पुत्र ग्रमर सिंह जी० ए० बलदेव राज राज पुत्र जीवन मल, वासी जालन्धर।

(भ्रन्तरक)

- 2. मैसर्स लैंड इन्डया, जालन्धर मार्फत कृष्ण देव । (भ्रन्तरिती)
- जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके घ्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्फान के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध् या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारो।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

वन्स्यी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 6137, दिनांक जनवरी 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम मधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), म्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 14-9-82

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निर्क्षिण)

म्रर्जन रेज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 सितम्बर 1982

निर्देश सं० ए० पी० 3355—यतः मुझे जे० एन० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो खुरला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीरपूर्ण रूप पे वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जालंधर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिकार 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधिन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 17—266GI/82 श्री रनवीर सिंह पुत्र बहाधुर सिंह मार्फत जी० ए० दीपक खन्ना पुत्र काहन चन्द, वासी नजटीक श्रायरन स्टोर नकोदर रोड, जालन्धर।

(श्रन्तरक)

2. श्री हरीण चन्द पुत्र प्यारा लाल व प्यारा लाल बारंग वासी, 98 विजय नजर जालन्धर।

(ग्रन्तरिती)

जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है

 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रुप्रता हो।
 (बह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रश्लोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्र है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो. के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितस्स्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्कर्ण।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 6198 दिनांक जनवरी 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे०एल० गिरधर सक्षम श्रिधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, जालन्धर

तारी**ख** . 14-9-82] मोहर: प्ररूप आर्इ.टी.एन , एस , ------

आंबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 सितम्बर 1982

निर्देश सं० ए०पी 3356—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

धोर जिसकी सं० जैसा कि ध्रनुसूची में लिखा है तथा जो सुलतालपुर लोधी में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध ध्रनुसूची में ध्रीर पूर्ण रूप मेर्वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय सुलतान पुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख जनवरी 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का प्लाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरित्या) के बीच एके अन्तरण के लिए तम पाना गया प्रति-फल निम्नित्ति से तहा जिया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य कें कमी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हु भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अंतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— श्री राजिन्द्र पाल पुत्र मंगा राम आपते मुक्तियारे श्राम वली सुदर्शन कुमारी द्विपजोत सुदेश कुमारी पुत्री मंगा राम, मुलतानपुर लोधी।

(ग्रन्तरक)

2. श्री सुनील कुमार पुत्र मनोहर लाल भौर श्रीमती सरोज रानी पत्नी श्री शिव कुमार वासी गरेन मार्कीट, सुल्तानपुर लोधी।

(भ्रन्तरिती)

2. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिक्षिभोग में सम्पत्ति है)

जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूची रखता है।
 (बह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुक्यरा,
- (ख) इ. प. सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहरूकाक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पृदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2122 दिनाँक जनवरी 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी सुलतानपुर में सिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम अधिकारी हहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज जालन्बर

तारीख: 14-9-1982

प्रकप भाई । टी । एन । एस - ----

थ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269÷ष(1) के भंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज जालन्धर, जालन्धर, दिनांक 14 सितम्बर 1982 निर्देश सं० ए० पी० नं० 3357—यत: मुझे जे० एल० गिरधर

श्रायकर श्रिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त श्रिष्ठितियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अबीत सभम शिक्षिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बन्धि जिसका उचित्र बाजार मूख्य 25,000/- छपमें से मधिक हैं

भीर जिसकी सं० निम्नलिखित अनुंसूची के अनुसार है तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में र्राजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) तारीख मार्च 1982

पूर्वोक्त सम्यत्ति के उचित बाजार म्हय से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए आतिरत की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छाचत बाजार मृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल स, ऐन (श्यमान प्रतिफन का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के वायिक्य में कमी करने या उससे बचन में मुविद्या के लिए; बोर्ण्या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य श्रास्तियों

 हो जिन्हें भारतीय प्राय-हर अधिनियम 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया या किया जाना चाहिए था, छिपान
 में सुविधा के लिए;

नतः नव, उक्त विभिनियम, की धारा 269-ग के बनुसरण में, में ,उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के वधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 4-- श्री जगबीर सिंह गुरदीप सिंह , जगजीत सिंह सपुत्र गुरक्रपाल सिंह बासी—जालन्धर।

(भ्रन्तरक)

2. श्री हरदयाल सिंह सपुत्र चन्न सिंह वासी भरवाल जिला जालन्धर ।

(म्रन्तरिती)

3. जैसा कि संख्या नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूची रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख में 45 दित की अवधि या तस्तमकाओं व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इप सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास शिखित में किये जा सकेंगे।

स्यव्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दो ग्रीर पदो का, जो उक्त ग्राधि न नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होना, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 7856 दिनांक मार्च 1982 की रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज; जालन्धर

तारीख: 14-9-1982

परूप ब्राई० टी• एन० एस०----

श्रायकर प्रक्रितिगम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269-घ (1) के प्रधीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, तिनांक 15 सितम्बर 1982

निर्देश सं० ए० पी० 3358—यत. मुझे, जै०एल० गिरधर

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन नाजम आधिकान को, यह विष्याम करन का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000-क से ग्रोधिक है

श्रीर जिसकी गं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो कोटकपुरा में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जनवरी 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके एयमान प्रतिका से, ऐस कुम्मान प्रतिका का पन्छ प्रतिकात से प्रक्रिक है और प्रत्यक (प्रकारक) और प्रकारक (प्रकारका) और प्रकारक (प्रकारका) और प्रकारक (प्रकारका) और प्रकारिती (श्रुक्तिरितियों) के बीच ऐसे प्रनारण के लिए नग पाणा गवा प्रतिकात, निम्नलिखन उद्देश्य से उना प्रन्तरण लिखन में वास्तिक का से कथिन नहीं किया गया है ---

- (क) प्रस्तरण स ६६ किसा अस्य का बान । उनते प्रधिनियम के प्रक्राण कर की के प्रक्रमण के दायित्व में कृमी करने या उससे बचन में मुविधा के लिए, श्रीर/या
- (ख) ऐसा किसो आप या किसी धन या अस्य आस्तियों
 को जन्हें नारनीय प्रायकर बिधनियन, 13'(1924 का 11) म उक्त अधिनियम र धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए वा, कियाने में मुक्बा के लिए।

क्षतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री मंगत राए पुत्र खेता राम, गाव माला वाला तिहि० जीरा, ग्रव कोट कपूरा।

(भ्रन्तरक)

 श्री प्रेम कुमार पुत्र जगदीण राज पुरी, वासी——पुराना बाजार, कोटकपूरा।

(श्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में च्वी रुखता हो। (यह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रक्षोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप:--

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख में 15 दिन की अंत्रधि या तस्मान्तन्त्री व्यक्तिमों पर सूचना की तामील में 30 दिन की भविष्ठ, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वारा;
- (ख) इस सूजना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारोख म 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्राघोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सर्वेगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

बन्सूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि बिलेख नं० 4132, विनांक जनवरी 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी फरीदकोट ने लिखा है।

> जै० एल० गिरधर, सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 15-9-1982

प्ररूप वार्ड . टी . एन . एस . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्नर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 सितम्बर 1982

निर्देश सं० ए० पी० 3359—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-घको अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000 / रतः से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० जैसा की भ्रतुसूची में लिखा है तथा जो कोट कपूरा में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय फरीद कोट में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जनवरी 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मृल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्नेयह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के सिए; बार/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रमोचनार्थ जन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था मा किया वाना वाहिए था, छिपाने में सुविभा के सिए;

बतः गय, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मे, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिसित् व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री मंगत राए पूत्र खेता राम वासी- माला वाला तहसील जीरा। भ्रब कोटकपूरा।

(ग्रन्तरक)

2. श्री हरबंस सिंह पुत्र नःथा सिंह वासी पंजगरेज कलाँ तहिसील फरीदकोट ।

(ग्रन्तरिती)

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

जो व्यक्ति सम्पत्ति में ऋत्री रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रह्मोहस्ताक्षरी

जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवड़ है)

को यह सूचना जारी कर को पूर्वीक्त संपत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता **ह**ै।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशना की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत् व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बबुध किसी अन्य व्यक्ति बुवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिश्वित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम 1961 (1961 का 43) के अध्यास 20 - कमें परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 4133, दिनांक जनवरी 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 15-9-1982

प्ररूप आई. डी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर भ्रायकत (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 15 सितम्बर 1982

निर्देश सं० ए०पी० नं० 3360--यतः मुझे, जे०एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सुम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो फगवाड़ा में स्थित है श्रीर (इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी 1982

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित् बाजार मृत्य से कम के द्रियमान् प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास, करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रियमान् प्रतिफल से, ऐसे द्रियमान् प्रतिफल का पंष्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित् उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त आधीनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; औड/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

 श्री करनैल सिंह पुत्र श्री भगत सिंह वासी - रतनपुरा, फगवाड़ा।

(भ्रन्तरक)

- 2. श्री भजन सिंह ,गुरनाम सिंह, रावल सिंह सपुत्र श्री चैत सिंह मासी चाहलपुर तहि॰ गढ़शंकर। (श्रन्तरिती)
- जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
 (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4. वह व्यक्ति जो सम्पत्ति में रूची रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध मो कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्हिकरणः—इसमें प्रयुक्त शुक्यों आरि पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2364 दिनांक जनवरी , 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी फगवाडा में लिखा है।

> जे० एल ० ृंगिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरमक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीखा: 15-9-1982

मोहर 🕄

प्ररूप आर्द: टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

म्पर्जन रेंज , जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 सिसम्बर 1982

निर्देश सं० ए० पी० 3361—यतः मुझे जे० एल० गिरम्रर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो फगवाड़ा में स्थित है (श्रीर इसमें उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिवत बाजार मूल्य से कम के इश्मान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उिचत बाजार मूल्य, उसके दश्मान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकास से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथिस नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

- 1. श्री करनैल सिह पुत्र श्री भगतसिह रतन सिह, फगवाड़ा। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री भजन सिंह, गुरनाम सिंह, शवल सिंह सपुत्र श्री चैन सिंह वासी गांव चाहलपुर, तिहर गड़शंकर। (अन्तरिती)
- जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
 (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूची रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध्या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्व किस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस की 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकोंगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

यतसंची

सम्पत्ति तथा ध्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2443 दिनांक जनवरी 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज' जालन्धर

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिस्ति व्यक्तियों, अर्थातः——

तारीख: 15-9-1982

प्ररूप पाई• टी• एन• एस•-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 सितम्बर 1982

निर्देश सं० ए० पी० 3362—यतः मुझे जे० एल० गिरधर प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इपनें इसके रश्वान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन संज्ञान प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25.000/- द० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भिटिडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रोर पूणं रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय भटिडा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख जनवरी 1982

को पूर्वोक्न सम्पत्ति के उचिन बाजार पृष्य से कम के दृष्यमान प्रति-फन के लिए अन्तरिन की गई हैं और मुझे यह तिष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छिचत बाजार मूख्य, उसके दृष्यमान अतिफन में, ऐसे दृष्यपान अतिफल का प्रवृह प्रतिगत अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकृत, निम्नलिखिन उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्निकृत हम ने कथिन नहीं किया गया है !---

- (क) अन्तरम से हुई किसो आय की बाबत उक्त अधिनियन के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अभ्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया वा या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निनिविद व्यक्तियों, नर्थात् :--- श्रीमती कुश्लया देवी पत्नी नरन्जन लाल वासी भटिंडा।

(भ्रन्तरक)

2. श्री श्रवतार सिंह पुत्र गुनाम सिंह वासी गांव मेहना नौ बासी भटिंडा।

(भ्रन्तरिती)

जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (बह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचता जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के सर्वन केलिए कार्यवाहिया करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप ---

- (क) इ.ए. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखा ते 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रद्धोहस्ताक्षरी के पास शिक्षित में किए जा सकोंगे।

हराधी करण: --इसमें प्रयुक्त शाव्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्राच्याय 20-क में परिणाणित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ह ।

अनुसूची

सम्पत्ति जमीन 200 वर्ग गज जो भटिडा में स्थित है जैसा कि विलेख 5925 दिनांक जनवरी 1982 को रिजस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी भटिडा में लिखा गया है 7 ।

जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 15-9-1982

प्रक्य बाइं.टी.एन.एस.-----

आयंकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 सितम्बर 1982

निर्देश सं ० ए० पी० 3363—यतः मुझे जे० एल० गिरधर बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की धारा 269-च के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो भिटिंडा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुभूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय भटिंडा में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख जनवरी 1982

को पूर्वेक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य सं कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल के एसे इस्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त विभिनियम के अभीन कर देने के बन्तरक के वाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के रिसए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--18-266 GI/82

- 1. श्री नरन्जन लाल पुत्र जानकी दास वासी भटिंडा (झन्तरेक)
- 2. श्री करतार सिंह पुत्र श्री गुरनाम सिंह बासी मेहना नौ भटिंडा।

(भ्रन्तरिती)

- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके ब्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में स्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्तृ सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विस्ता में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जमीन 200 वर्गः गज जो भटिंडा में स्थित है जैसा कि विलेख नं० 5926 दिनांक जनवरी 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, आलन्धर

तारीख: 15-9-1982

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 सितम्बर 1982

निवेश सं० ए० पी० नं० 3364—यतः मुझे, जे० एल गिरधर,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संस्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० जैसा कि सूची में लिखा है तथा जो भटिंडा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय भटिंडा में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाचा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वासित्य में कमी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के निए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् ध्र— (1) श्री प्रवीण कुमार पुत्र नरन्जन लाल नासी--भटिंडा ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री भूपिन्दर सिंह, ग्रयतार सिंह पुत्र गुरनाम सिंह वासी मेहना नौ भदिडा ।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति मे रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप.--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभावित हैं, वहीं कर्ष होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जमीन 200 वर्ग गज जो भटिंडा में स्थित है जैसा कि विलेख सं० 5927 दिनांक जनवरी, 1982 की रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी भटिंडा में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर **ग्रा**युक्त, (निरीक्षण) स्रर्जन रेज, जालन्धर

दिनाक : 15-9-82

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 सितम्बर 1982 निदेश सं० ए० पी० नं० 3365—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिंडा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय, भटिंडा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जनवरी, 1982

को पृथिक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः बाब, उबत अधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण में, में उकत अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन निम्नसिचित व्यक्तियों, अर्थात् ः—— (1) श्री विश्वामित्तर पुत्र नरन्जनलाल वासी भटिं**डा** ।

(म्रन्तरक)

(2) श्री श्रवतार सिंह पुत्र गुरनाम सिंह गांव मेहना नौ० भटिंडा

(भन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिक्षभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करना हूं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटकोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया है।

घनुसूची

सम्पत्ति जमीन 200 वर्ग गज जो भटिंडा में स्थित है जैसा कि विलेख सं० 5928, दिनांक जनवरी, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी भटिंडा में लिखा गया है।

> ज़े० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

विनोक: 15-9-82

प्रकृप् बाई.टी.एन.एस.--

श्रायकर अधिनियम 1981 (1961 का 43)की बारा 269-व (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालनधर

जालन्धर, दिनाक 15 सितम्बर 1982

निदेश सं० ए० पी० एन०/3366—यतः मुझे, जे० एस० गरधर.

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार पूर्व 25,000/- रुपये से प्रधिक है जैसा कि नीचे भनुसूची में लिखा है तथा जो भटिष्ठा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद मनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय भटिष्ठा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफत हा पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर अन्तरकः (अन्तरकों) और अन्तरिती (अग्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या छससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी घन या धन्य भास्तियों सो जिन्हें भारतीय भाय-कर भिष्ठितियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भिष्ठितियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जत: मब, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन निम्नितिस्त व्यक्तियों, अवित्:--- श्रीमती बरिजन्दर कौर पत्नी जसबन्त सिंह वासी—भटिंडा

(धन्तरक)

(2) श्रीमती पुष्पा वती पत्नी देस राज राकेण कुमार पुत्र देसराज वासी चण्डीगढ़ । श्रीमती जगीर कौर पत्नी सुखदेव सिह वासी—भटिंडा ।

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि अपर सं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सप्म्पित्त है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधीस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

धरत सम्पत्ति के अर्जन के तम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की वारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रश्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किसे जा सकेंगे।

स्यब्दी कर गः ---- इसमें प्रमुक्त शब्दों श्री र पदों का, जो उकत शिव-नियम के अझ्याय 20-क में परिभाषित है, वही अब होगा, जो उस झक्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जमीन 2 बी०-10 बी० जो मटिंडा में स्थित है जैसा कि विलेख सं० 6338 दिनांक जनवरी, 1982 को रजिस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी भटिंडा में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 15-9-82

प्ररूप बार्च दी. एन. एस. -----

शायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 सितम्बर 1982

निदेश सं० ए० पी० नं० 3367--यतः मुझे, जे० एस० गरधर,

मानकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उत्कत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो भटिंडा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, भटिंडा में रजि-स्ट्रीकरण श्रिष्ठिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाक जनवरी, 1982

को पूर्वो कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्ट्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या जेक्द अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:— (1) श्री श्रमरजीत पुत्र ईन्दरजीत वासी—भटिक्षा ।

(भ्रन्तरक)

(·2) दी भटिंडा कोपोरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसायटी, भटिंडा

(भन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (बह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी कत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकारें।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्पी

सम्पत्ति जमीन बी $-1-13\frac{1}{2}$ जो भटिंडा में स्थित है। जैसा कि विलेख सं० 6433 दिनांक जनवरी, 1982 के रिजस्ट्री-कर्ता भ्रिधकारी भटिंडा में लिखा गया है।

जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्घर

दिनांक : 15-9-82

प्रकृप नाइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 सितम्बर 1982

निदेश सं० ए० पी० एन०/3368—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर.

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसको मं० जैसा कि, प्रमुसूची में लिखा है। तथा जो भटिंडा में स्थित हैं) (स्रोर इसके उपाबद्ध स्रमुसूची में स्रोर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रोकर्ता स्रधिकार। के कार्यालय भटिंडा में रजि-स्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधोन, दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिक का निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत गड़ीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क्र) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए:

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्रो बिकमजीत पुत्र ईन्दरजीत वासी भटिंडा ।

(भ्रन्तरक)

(2) दी भटिंडा कोपोरेटिय हाऊस बिल्डिंग सोसायटी, भटिंडा ।

(ब्रन्सरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में में रुचि रखता है (यह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है है कि वह सम्पत्ति में हिसकद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर ध्वानितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इत सूचना के राजपूज में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पृदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

न्तृत्वी

सम्पत्ति जमोन 1 बीधा 13ई बिस्वा जो भटिंडा में स्थित है (जैसा कि विलेख सं० 6434 दिनांक जनवरी, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी भटिंडा में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिमांक : 15-9-82

प्ररूप आई. टी , एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय्, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोजः, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 सितम्बर, 1982 निदेश सं० ए० पी० एन०/3369—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

वायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैमा कि नीचे श्रनुसूची में लिखा है तथा जो भटिंडा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध में श्रनुसूची में है ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय भटिंडा में रजिस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्रम, निम्नलिकित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिकित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एंसी किसी जाय या किसी धन या अन्य बास्तियों का, जिन्हां भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

आत: आव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीत, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत हैं---

(1) श्रा हरजीत सिंह पुत्र निहाल सिंह वासी---भटिंडा।

(प्रन्तरक)

(2) श्रा नथां सिंह पुत्र जोगिन्दर सिंह वासी—मकान नं० 8092 सिरकी बाजर भटिंडा।

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह स्**च**ना जारी करके पूर्वोक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप् .---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जबिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबाराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबक्ष किसी मन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, दहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

अनसूची

सम्पत्ति जमीन 10की०-12 बी० जो भटिंडा में स्थित है जैसा कि विलेख नं० 6448 दिनांक 1982 को रजिस्ट्रो हर्ग ग्रिधिकारी भटिंडा में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारः सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रोज, जलन्धर

विनांक : 15-9-82

मोहर.

प्रारूप आर्ड.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रोज, जालस्थर

जालन्धर, दिनांक 15 सितम्बर 1982 निदेभ सं० ए० पी० एन०/3370—यतः मृझे, जे० एन० गिरधर,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25000/- रा. से अधिक ही

श्रीर जिसकी मं० जैसा कि अनुसूचा में लिखा है तथा जो भटिडा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप चे वर्णित है), रजिस्ट्रांकर्ता श्रिधकारों के कार्यालय, भटिडा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, विनोक जनवरी, 1982 ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिशत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल् निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आया या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजदार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

शतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों., मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ः~- (1) श्रं सुरिन्द्र जीत सिंह पुत्र निहाल सिंह वासी मंदिंडा ।

(भ्रन्तरक)

- (2) श्रा राम रखा सिंह पुत्र जोगिन्द्र सिंह् वासी----म० नं० 8092 सिरकी वाजार भटिडा । (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जी व्यक्ति सम्पक्ति में रुचि रखता है (यह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्स सम्परिस के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में क्षेष्ट भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्या ही।

नगसची

सम्पत्ति जमीन 10 बी०-12 बी० जो मटिंडा में स्थित है जैसा कि विलेख नं० 644 दिनांक जनवरो, 1982 को रजि-स्टोक्सी ग्रंधिकारो भटिंडा में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, जालन्धर

दिनोक : 15-9-82

प्ररूप साई ० टी ० एन ० एस ०---

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269+म (1) के मधीन सूचमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण

ग्रजन रेज, जलन्धर

जालन्ध्रर, दिनान 15 सितम्बर 1982 निदेश सं० ए० पो० एन० 3371—यन, मुझे, जे०एल० गिरधर,

ग्रायकर अधिनियम, 1931 (1961 क्य 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सम्बम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मृस्य 25,000/-द के से प्रधिक है

श्रीर जिसकी मं० जैमा ति श्रनुमूची में लिखा है तथा जो भठिडा में स्थित है (श्रीर रगसे उपावद्ध में श्रनुमूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय भठिडा मे रिज-स्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के चित बाजार मूल्य से कम के बृहयमान प्रितफन के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृहयमान पतिफल से, ऐसे दृहयमान पतिफल का पन्नह प्रांतमत से मिष्ठक है भीर मन्तरक (मन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखन छहेच्यों से उक्त मन्तरण लिखित में वाक्टविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—-

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की वावत उक्त अधि-नियम के भशीन कर देने के घन्तरक के दायिस्य में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आग या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के सिए।

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण मो, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित क्यक्तियाँ अधीत :---

(1) श्रा निहाल सिंह पुत्र रतन सिंह घटोरनी श्रमरजीत सिंह वासो भठिडा ।

(अन्तरक)

- (2) श्रा नथा सिंह पुत्र जोगिन्द्र सिंह वासी में ने 8092 सिंग्की बोजार बटिंडा । (ग्रन्तिनी)
- (3) जैसा कि उरार नं २ 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिस के अधिभाग में सम्पात्त है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे मे श्रधोहरूनाक्षरो जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनवड़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के ग्रजन के सम्बन्ध में कोई भाकीप :--

- (क) इस सूजना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म ध्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंबे ।

स्पदीकरण। च्या प्रयुक्त गब्दों बीर पर्यो का, जो उक्त अधि-निवस के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जमोन 10 बो--12 बी०, जो भठिंडा में स्थित हैं जैसा कि विकेख नं० 6470 दिनांक जनवरी, 1982 को रिकस्ट्री-कर्ना प्रधिकारी भठिंडा में लिखा गया है ।

> जे० एल० गिरधर मक्षम प्राधिकारी महायक शायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) शर्जन रोंज, भायक्षर

विनांक : 15--9--83

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा 269-च (1) के भ्रष्टीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भागुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 सितम्बर 1982 निदेश सं० ए० पी० नं०/3372—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार मूल्य 25,000/नव्यये से श्रधिक है

श्रीर जिसकी मं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो बठिंडा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध का श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय बठिंडा में रजि-स्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का तिचत बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परद्रह प्रतिशत से प्रिषक है और अन्तरके (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्श्य से उन्तर अन्तरण लिखिन में बाम्निक रूप से कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) अग्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत छक्त ग्राध-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्य म कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए ; और√या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या अन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उ₹त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अनः अन, जनत अधिनियम की बारा 269-व के धनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नुलिखित व्युक्तियों, अर्थात् :--- श्री सुरिन्दर जीत सिंह पुत्र निरौल सिंह वासी—विंठडा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री राम रक्खा सिंह पुत्र जोगिन्दर सिंह वासी-म० नं० 8092 सिरकी बाजार बर्धिष्टा।

(प्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में लिखा है (बह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में मिच रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उनत सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूत्रता के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की प्रत्रधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी स्थय व्यक्ति द्वारा, ग्रधाहरताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

वनसूची

सम्पत्ति जमीन 10की०-12 बी०, जो बठिडा में स्थित है जैसा कि विलेख नं० 6471 दिनाक जनवरी, 1982 को रिजस्ट्री-कर्ता बठिडा में लिखा गमा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम श्रधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, जालन्धर

दिनाक . 15-9-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

मायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-च (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालंधर जालंधर, दिनांक 15 ग्रगस्त 1982

निदेश सं० ए० पी०/3373—यतः मुझे,जे० एत० गिर धरः

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिमांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पंन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरित (बंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी अरने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्परण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-इ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :-- (1) श्री करतार सिंह पुत्र श्रमर सिंह मार्फत बलदेव राज पुत्र जीवन मल, वासी —बस्ती गुंजाँ, जालन्धर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती राज रानी पत्नी राम प्रकाण वासी—ई०एन०-10, फगवाड़ा गेट, जालन्धर । श्री राजिन्द्र पुत्र वेद प्रकाण वासी—वस्ती गुजां, जालन्धर । संधिश्रा रानीरती पत्नी उपेन्द्र नाथ, वासी ग्रजंन नगर, जालन्धर । श्रीमती सरोज कुमारी पत्नी राम नाथ वासी—बस्ती गुजां, जालन्धर । श्रीमती वीना कुमारी पत्नी सुभाष चन्द्र वासी—वस्ती गुजां, जालन्धर । श्रीमती प्रेम रानी पत्नी विजय कुमार । श्रीमती प्रेम रानी पत्नी विजय कुमार । श्रीमती विमला रानी पत्नी शामलाल वासी वस्ती गुजां जालन्धर ।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के वर्णन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहण्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गुंचा है।

वन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख सं० 6507, दिनांक जनवरी, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम अधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

दिनांक : 15-9-82

प्ररूप आहे. टी. एन्. एस. ------

भायभर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज. जालन्धर जालन्धर, दिनांक 16 सितम्बर 1982 निदेश सं० ए० पी० 3374---यतः मुझै, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी स० जैमा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो गांव गिल पती में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वींणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जनवरी, 1982 ।

को प्रांचित सम्पर्ति के उचित बाजार से कम के अध्यमान प्रतिफल के लिए अप्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोच्त सम्परित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निचिखित उद्देश्य सं उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक अप से किथत नहीं किया गया है.

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भून वा जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-स की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री सुखदेव सिंह, गुरदेव सिंह, मोहिन्द्र सिंह पुत्र जोरा सिंह, मोहिन्द्र कौर पत्नी जोरा सिंह, हरमन्द्र सिंह पुत्र दलीप सिंह, निहाल कौर विधवा दलीप सिंह, गाव गिल पत्नी, भटिण्डा ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सत्यापाल, चमन लाल व रिवन्द्र कुमार पुत्र रामसरन दास वासी-कालु, तीहरु फाजिलका ।

(अन्तारता)

- (3) जैसा कि ऊपर स॰ 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके ग्राधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो र्व्यक्ति सम्पत्ति मे रुचि रखता हो । (वह व्यक्ति, जिनके बारे मे श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को ग्रह सूचना चारी करको पूर्वा कत् सम्परित को वर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाथ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्ठीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख सं० 6490, दिनांक जनवरी, 1982 को राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा ने लिखा है ।

> जें० एल० गिरधर सक्षम ऋधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक 16-9-82

भोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

वार्मालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 16 सितम्बर, 1982 निदेश स०ए०पी० 3375—यत मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रापए से अधिक है

श्रीर जिसकी स० जैमा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप म वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनाक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एस दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अतिरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नितियत उद्दश्य म उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं :--

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिये बीर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जा चाहिए था, खिपाने म सुविधा के सिए;

कत अवा, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात —— (1) श्री मोम दत्त सुपृत्र रोनकी राम, मुख्तार श्राम सत्या दवी पत्नी सोमदत्त, श्रनका गारगी, श्रमीता गारगी पुत्नीश्रा सोम दत्त व श्राशारानी पुत्नी साध्राम पुत्र लाल चन्द वासी भटिण्डा ।

(ग्रन्तरक)

(2) कण्डा सिह व गण्डा सिह पृत्व गुरचरन सिह गाव मत्ता, जीवा फरीदकोट ।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर स॰ 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्राधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में किंच रखता हो (बह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानाता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त सम्पत्ति के उर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख स० 6013 दिनाक जनवरी 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भाटिण्डाने लिखा है ।

> जे० एल० गिरधर सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, जालन्धर

दिनाक 16-9-82 मोहर . प्ररूप आई. टी. एन. एस्.-----

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जात्तन्धर, दिनांक 16 सितम्बर, 1982 निदेश सं० ए० पी० 3376~-पतः मुझे, जे० एत० ग्रेस्थर

भागकर भिक्षितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त यधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भवीन सक्षम शिक्षकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृहय 25,000/- क्यंये से भिधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, भटिण्डा में रजि-

स्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचिन बाजार मृह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाद करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके धृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल है ग्रंर प्रस्तरक (अन्तरकों) ग्रीय अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिन चृश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कृष्टिन नहीं किया गया है।——

- (क) अस्तरण से हुई किनो आय ही बाबत उक्त ग्रंटि-नियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने या उसने बचने में सुविधा के किए; भौर/या
- (का) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अध्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भग्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था दिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिक्त व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) श्रीमती शान्ती पत्नी ग्रमृत लाल पुत्र सोहन लाल, किंगन लाल, केवल कुष्ण, बनारसी दास व पवन कुमार पुत्र बृजलाल, हरमेल सिंह पुत्र मंगल सिंह वासी--भटिण्डा ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जगजीत सिंह बराड पुत्र इन्द्र सिंह वासी---बाधा पुराना ।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (बह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूवना के राजात में रकाणन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या नत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में प्रमापन होती हा, क भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की नारीण से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अत्रोहस्ताक्षरी के पस शिखित में किए जा नकेंगे।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख सं० 6389 दिनांक जनवरी, 1982 को रजिस्ट्रीकर्पा प्रधिकारी भटिण्डा ने लिखा है ।

> जे० एल० गिरधर सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 16-9-82

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

म्रायकर घिविनियम, 1961 (1961 का 43) भी धारा 269-ष(1) के भ्रमीन सुमना

मारत संग्कार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 सितम्बर 1982 निदेश सं० ए० पी० 3377—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

भायकर प्रिवित्यम, 1961 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् ¹ उकत प्रिवित्यम' कहा गया है), की घारा 269-खा के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्वावर संगति जियका उचित्र वाजार मूल्य 25,000/- इ० में प्रिक्षक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि ग्रनुसूची में लिखा है। तथा जो भटिण्डा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना ग्रधिकारी के कार्यालय, भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर सुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत जिन्दिलिया उद्देश्य से उचर अन्तरण लिखित में वास्तविक का ने कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण ये दूई किमा आय को बावत उक्त प्रधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्य में क्यी करने या जससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी भन या भ्रन्य आस्तियों की, भिन्हें भारतीय आयक्तर श्रिष्टिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त सिंदियम, या भन-कर प्रधिनियम, या भन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अव, उन्त प्रधिनियम, की धारा 209-ग के अनुसरण में, में, सकत श्रधिनियम की जारा 269-घ की उपधारा (1) के के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थीत् :--- (1) श्री बलायती राम पुत्न रेलु राम, रछपाल पुत्न बाबु राम, मूरजभान पुत्न रोशन लाल वासी—भटिण्डा ।

(अन्तरक)

(2) श्री नछत्तर सिंह सिध् पृत्र ग्रमर सिंह सिध् फटरा भीका ।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके प्रिधमोग में सम्पत्ति है)
- (2) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के ग्राजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:→-

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जोभी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्यक्टीकरण:---इसर्मप्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो खक्त ग्रिधिनियम के ग्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रयं होता, जो उस ग्रष्ट्याय में विया गया है।

मन्त्यी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख सं० 6388 दिनांक जनवरी, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी भटिण्डा ने लिखा है ।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 16-9-82

प्ररूप काइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 सितम्बर, 1982

निदेण सं० ए० पी० 3378—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है, की धार 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

थीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम,, 1908(1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी 1982
को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित् बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंग्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य के उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने में अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (म) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;
- अत , अब , उक्त अधिनियम , की भारा 269 ग के अनुसरण । . में , उक्त अधिनियम की भारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन , निम्नलिम्बिठ व्यक्तियों , अर्थात् :---

(1) श्री जगीर गिह पुत्र जीऊन सिंह वासी नजदीक डेहरा तापगिल पत्ती रोड, भटिण्डा मुख्तार श्राम, नाजर सिंह व सीतता गिह पुत्र करतार सिंह वासी—गांव गिल पत्ती ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बंता सिंह पुत्र सुन्दर सिंह व ग्रगरजीत कौर पत्नी दर्णन सिंह वासी भटिण्डा ।

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर मं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति मे रुचि रखता हो (बह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यकृ में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सुमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसवव्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सुकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वां का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यवित जैमा कि विलेख मं० 6021 दिनांक जनवरी, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, भटिण्डा ने लिखा है ।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 16-9-1982

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 16 सितम्बर 1982 निदेश सं० ए० पी० 3379—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हु" कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हुँ

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय भटिण्डा में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के खंचन बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पश्यद् प्रतिशत से अधिक है और धन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के बिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) बन्तरण में हुई किसी आय को बाबत, **एव**न प्रक्षि-तियम, के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, भीर/या
- (ख) ऐसी किसो आय या किसी घन या अन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयहर प्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उन्त अखिनियम, या घनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा है लिए;

अतः प्रवं, उक्त प्रधितिशम की धारा 269-ग के भन्-सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के भ्रष्टीन, निम्निलिखत व्यक्तियों भ्रयीत्:— 20—266 GI/82 (1) श्री जागीर सिंह पुत्र जीऊन सिंह बासी—नजदीक डेहरा ताप गिल पत्ती रोड, भटिण्डा मुख्तारश्चाम बाजर सिंह व सोतलसिंह पुत्र करतार सिंह गांव गिल पत्ती !

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सुखदर्शन सिंह पुत्र बंता सिंह वलायती राम पुत्र रल्ला राम व मतपाल पुत्र हन्सराज वासी---भटिण्डा ।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है (बह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में किन रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की भविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी भविष्य बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति कारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकालन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
 हितबद किसी अन्य स्थक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
 के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्षीकरण:--- इसमें प्रयुक्त मन्दों भीर पर्वों का, जो उना प्रधिनियम क मध्याय 20-क में रिक्षांवित हैं, वहीं धर्य होगा जो उस ग्रन्थाय में विया गया है।

नम्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख सं० 6023, दिनांक जनवरी, 1982 को रजिस्ट्री कर्ता ग्रधिकारी भटिण्डा ने लिखा है ।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्घर

दिनांक : 16-9-82

प्रक्रम आहाँ.टी.एन.एस.------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

<mark>म्रर्ज</mark>न रेंज, जालन्धर

जालम्धर, दिनांक 16 सितम्बर 1982

निदेश सं० ए० पी० 3380—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उषित बाजार मूल्य, 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० जैसा कि श्रनुसूचा में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रोकर्ता श्रिधकारी के वार्यालय, भटिण्डा में रजि-स्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी आय या किमी धन या अन्य आफ्तियाँ करे, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के सिए;

(1) र्श्वा देवराज पुत्र किशारा लाल वासी - भटिण्डा ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री नछतर सिंह व श्रमरजीत सिंह पुत्र जगा गिंह वासी भटिण्डा ।

(ग्रन्सरिती)

(3) जैसा कि ऊपर मं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो, (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रीप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा.
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर सक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिकरणः--इसमें प्रयुक्त का क्यों और पदों का, वां उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

सम्यत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 6341, दिनांक जनवरी, 1982 को रजिस्ट्राफर्ता श्रधिकारी भटिण्डा ने लिखा है ।

> जे० एस० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रजैन रेंज, जालन्धर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातु:—

दिनांक : 16--9--82

प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्वालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 16 सितम्बर, 1982 निदेश सं० ए० पी० 3381—यत. मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण-रूप में विणत है), रिजस्ट्रीक्ती श्रीधकारी के कार्यालय भटिण्डा में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन, दिनाक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य बास्तियों को, जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूत्रिधा के लिए;

जतः अस, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुतरण मो, मीं उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--- (1) श्री मदनलाल पुत्र किशोरी लाल वार्सा—भटिण्डा ।

(भन्तरक)

(2) श्री मुखदेव सिंह व नछत्तर सिंह पुत्र जग्गा सिंह वासी—–भटिण्डा ।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति मे किच रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे मे अक्षोहस्ताक्षरी जानसा है कि वह सम्पत्ति मे हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारौध से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिसा गया है।

वन्स्वी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख सं० 6342 दिनांक जनवरी, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी भटिण्डा ने लिखा है।

> जे० एस० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 16-9-82

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मुधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आमुक्त (निरीक्षण)

जालन्धर, दिनाक 16 सितम्बर 1982

निवेश स० ए० पी० 3382—यत मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार मूख्य 25,000/-क्पए से अधिक है

श्रौर जिसकी स० जैसा कि अनुसूच। में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णक्प में वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता श्रधिकारों के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाक जनवरों, 1982

को पूर्वक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अतरकों) और अतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित मे वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने में सृविवा के लिए, और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श्र की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बतराम पुत्र हरी राम वासी मैहना मोहला भटिण्डा ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री लक्ष्मणदास पुत्र ढीलाराम पुत्र हन्तराम द्वारा हन्त राम लक्ष्मणदास सी०/ए०, रामा मण्डी, कुलबन्त राय पुत्र कुन्दल लाल (बकोल) सिविल कार्ट, भटिण्डा/ प्रकाण चन्द ग्रग्नवाल पुत्र तिलक्षराम, (बकाल) सिवल कोर्ट, भटिण्डा, विजय कुमार सिगला (बकोल) भटिण्डा।

(श्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर स॰ 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजण्य में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीसा से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्थळीकरणं --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख स० 5977 दिनांक जनवरो-1982 को रजिस्ट्रोकर्ता ग्राधिकार। भटिण्डा ने लिखा है ।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (तिरीक्षण) भर्जन रेज, जालन्धर

दिनाक : 16-9-82

मोहर .

प्रकप बाई • टी • एन • एस •--

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 16 सितम्बर 1982

निदेश सं० ए० पी० 3383—यतः मुझे, जे०. एल० गिरधरः

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- क० से प्रधिक है

और जिसको सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विण त है), रजिस्ट्रोकर्ती अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक जनवरी.

को पूर्वा कित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वा कित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कभी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अत: बढ़, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित्:-- (1) श्रा बंतराम पुत्र हरो राम वामा मैहना मोहल्ला भटिण्डा ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री प्रकाश चन्द पुत्र तिलक राम वामी रामा मण्डी बिमला देवी पत्ना जगदीश राज वासी----रामा मण्डो , दापक मेठ पुत्र स्रोम प्रकाश वासी----भटिण्डा (4) कुलवन्त राय पुत्र कुन्दन लाल । वासी----भटिण्डा ।

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि उत्पर सं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभाग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो । (वह व्यक्ति, जिनके बारे मे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति क अर्थान के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की ग्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति म हितब अ किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के श्रष्टवाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ हो गा, जो उस श्रष्टवाय में दिया गया है।

जन्सूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख सं० 6027 दिनांक जनवरी, 1982 को रिजस्ट्रीकर्सी ग्रधिकारी भटिण्डा ने लिखा है ।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रजंन रेज, जालन्धर

दिनांक : 16 सिसम्बर, 1982

प्रकप बाइ. टी. ध्र. एस. -----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाय्क आयंकर आयूक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 सितम्बर 1982

निवेश सं० ए० पी० 3384—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर, नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धार 269-स के जधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपर्तित् जिसका उचित याजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, भटिण्डा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया क्या है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/वा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का १1) या उक्त आधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए:

अतः अस, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269- घकी उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्खित व्यक्तियों अर्थात् :--

(1) श्री बंत राम पुत्र हरी राम वासी—मैहवा मोहल्ला भटिण्डा ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री हंस राज पुत्र माह्रलाराम वासी—भटिण्डा । श्री वरिन्द्र मोहन पुत्र ढीला राम वासी—-रामा मण्डी। ललित कुमार पुत्र कुलवन्त राए वासी—-भटिण्डा ।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके स्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति मे रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे मे ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स संपति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मष्टिकिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

सम्पत्ति तथो व्यक्ति जैसा कि विलेख सं० 6009, दिनांक जनवरी, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी भटिण्डा ने लिखा है ।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्राजन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 16-9-82

प्रह्मप प्राई • टी ० एन० एम०---

आरथकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 16 मितम्बर 1982

निदेश सं० ए० पी० 3385—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

भायकर प्रिवित्यम, 1961 (196 का 43) (जिमे इनमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के प्रधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पति, जिसका उचित बानार मून्य 25,000/- क्पण् में प्रधिक है, श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो रास्ता मोहल्ला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण कप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पति के उतित वाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त नम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसक दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और अन्तरिती (पन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिकत निम्नलिखित उन्नेश्य से उक्त ग्रनारण गिल्या प्रया प्रवास का में कथिन नहीं किया गया है...

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसो पाय को बावन उक्त ग्रिश्चित्यम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिख में कमी करने या उससे बनने में सुविधा के लिय; और/या
- (ख) ऐसी किमें आप पा किमी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धन-कर अधिनियम, .957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अम्लरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने प मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

(1) श्री धर्मपाल पुत्र तीरथ राम वामी—ई०सी०-206, रास्ता मोहल्ला, जालन्धर ।

(ग्रन्तरक)

- (2) श्री जगदीश राज पुत्र सुखदियाल वासी——ई०सी०—168 पंजपीर, जालन्धर । (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति मे रूचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानाता है कि वह सम्पत्ति में सिनबद्ध है)

को यह सूचना जारी करक पूर्वाक्त सम्पत्ति के <mark>प्रार्जन के</mark> लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के ग्रजन के सम्बन्ध म कोई भी आक्रेंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत म प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 मूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध,
 जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
 पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की वारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितव किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधोद्दस्ताक्षरी के पास विखित में किये जा सर्वेगे।

स्वब्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त एडवों और पदो का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

मन्त्रची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख सं० 6248 दिनांक जनवरी, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, जालन्धर ने लिखा है।

> जै० एल० गिरधर सक्षम श्रधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

विनांक 16-9-82 मोहर : प्ररूप मार्ड. दो. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोच्चिन-16, दिनांक 30 ग्रगस्त 1982

निदेण मं० एल० सी० 592/82-83--यतः मुझे, पी० जे० तोममकृद्धि,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. में अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० अनुसूची के श्रनुसार है, जो एरणाकुलम में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय एरणाकुलम में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन,

दिनांक 5-2-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण संहुर्विकसी जाय की बाबत उक्त अभि-नियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री कें बें पितन

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती एम० के० रत्नम्मा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिंत- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी ध्ढेपास लिखित में किए जा सकेंगे।

अनस्वी

19½ Ceats of land with a shed as per Schedule attached to Doc. No. 400/82, Dt. 5-2-1982.

पी० जे० तोमसकुट्टि सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, एरणाकुलम

दिनांक : 30-8-1982

प्ररूप् आहे. टी. एन्. एस.-----

आगकर अधिनिसम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 4 सितम्बर 1982

निर्देश सं० ए० 15 सी०रेंज IV/कल/1982-83---यतः मुझे, सी० रोखामा,

आयकर प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उनन प्रधित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विण्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक ही भ्रौर जिसकी सं० है तथा जो पूर्व बैरागी पारा जिला जलपाईगुडी में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णेकप से वर्णित है,) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जलपाईगुडी में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 22-1-1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूफे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का प्रंव्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्दर्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (भ) एरेरी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 19?2 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में एविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपध्नरा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- 21-26GT/2

(1) श्री भगवान चन्द्र दास

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मुनील कुमार दास ग्रिधिकारी

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी आक्षेप:--

- (क) इस् स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

जमीन—4 कट्टा जमीन समेत पता—पूर्व बैरागीपारा, थाना—राजगंज जिला—जलपाईगुडी, दस्तावेज संख्या—1982 । का 476 ।

> सी० रोखामा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-IV/कल०, 54, रफीग्रहमद किदवई रोड, कलकत्ता-16

दिनांक : 4-9-1982

मोहर

प्ररूप आई टो. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 10 सिसम्बर 1982

निर्देश सं० ए० मी० /रेंज-IV/कल/19, 1122/एक्वी० श्रार-III/82-83—यतः मुझे, सि० रोखामा,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से अधिक है श्रीर

जिसकी सं० 20 है तथा जो मेफेयार रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाक 29-1-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रति फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्र प्रतिणत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसें धन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कविन नहीं किया गया है :---

- (क) अन्यरण स हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- ्ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या तक श्रिधिनियम या धन-कर पाधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तिरियो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे निवधा के जिए;

अन: प्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, इस अधिनियम को धारा 26%-घ की उपधारा (1) के (1) श्रीमती वानी लादिरि

(ग्रन्तरक)

(2) हिन्दुस्तान कमरिशयल कं०

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचन। की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर छक्त स्थायर सम्पर्शि में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

म्बर्धाकरण:--इसमें प्रयुक्त गढ़दों और पदों का, जो उक्त ग्रिधितयम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रय होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

20, मेफेयार रोड, कलकत्ता । 1बी०--2के०--4एच०--13 वर्ग फुट जमीन पर मकान ।

> मी० रोखामा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज III 54, रफीश्रहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

दिनांक : 10-9-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-ष् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाक 10 मार्च 1982

निर्देश सं० 1123/एक्यू० भ्रार०-111/82-83--यत. मुझे, सि० रोखामा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य $25,000^{7}$ - रू. से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० 33 ए०, प्लाट-6, 14 वा पलोर है तथा जो चौरनगी रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, दिनाक 27-1-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जुन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिनें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण $\hat{\mu}$, $\hat{\pi}$, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :---

(1) पोलार एण्ड को०

(ग्रन्तरक)

(2) श्री क्रज गोपाल घोष श्रौर दूसरो

(मर्त्तारती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्थन संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पस्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त श्रृब्दो और पदो का, जो उक्त, अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गका ही।

अनुसूची

प्लाट-6, 14 वां फ्लोर, 33ए, चौरंगी रोड, कलकत्ता ।

सी० रोखामा सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज III 54, रफी श्रष्टमद किंदवाई रोड, कसकता-16

दिनाक 10-3-1982 मोहर . प्रकृष बाइ. टी. एन . एस . -----

प्रायकर प्रकितियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व(1) के प्रशीस सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 सितम्बर 1982

निर्देश सं० 1125/एक्बी० श्रार०- /82-83—यतः मुझे, सी० रोखामा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मर्स्पात, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 6/2/2, है तथा ओ सुरेन्द्रनाथ घोष सरनी, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 16-1-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित मे वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शौर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृष्यिभा के लिए:

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः--- (1) श्री समरेन्द्र नाथ मुनसि ग्रौर दूसरा

(भ्रन्तरक)

(2) श्री भव तारिनी वेरा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरण—-इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

6/2/2, सुरेन्द्र नाथ सरनी, कलकत्ता । 2 केo—जमीन पर मकान ।

सी० रोखामा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, III
54, रफी भ्रहमद किदवई रोड,
कलकत्ता-16

दिनांक : 10-9-1982

प्रकृष वार्रे.डी.एक.एक.....

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

प्रार्व चर्च्य

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 सिसम्बर, 1982

निर्देण स० 1124/एक्बी० प्रार०-J $\Pi/82$ -83---यत. मुझे, सि० रोखामा,

बायकर शृषिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम्' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अभीन सक्षम् प्राप्तिकारों को यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी स० 50 है तथा जो चिन्डितला लेन, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, विनांक 9-1-1982

को प्वोंकत संपत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपत्ति का उभित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्प्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती अन्तरितियों के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियुम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सून्विधा के लिए; जीर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा के लिए;

नतः मन, उन्त अधिनियम की भारा 269-ग के, मनुसरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--

(1) श्री रेकनास लिमिटेड,

(ग्रन्तरक)

(2) के० सी० मित्र कन्स्ट्रक्शन (प्रा०) लि० (स्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या त्रसबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियों व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण. ----इसमें प्रयूक्त शब्बों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसन्ती:

50, चण्डितला लेन, कलकत्ता । 2बी०-- के०-- जमीन पर मकान ।

सि॰ रोखामा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-III

54, रफी ग्रहमद किदबई रोड,
कलकत्ता-16

दिनाक . 10-9-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - -

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 10 सितम्बर, 1982

निर्देश सं० 1126/एक्वी० भ्रार०-III/82-83--यतः मुझे, सि० रोखामा,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/- रुट से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 6/1 है तथा जो पाम एवैन्यू, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 21-1-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में कास्तिक रूप से किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) एसी किसी आयु या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269 ग के अन्सरण मो, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों,, अर्थात् :--- (1) श्री विनय कुमार सइ ।

(ग्रन्तरक)

(2) राज कमल पेपर मिल्स लि०

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही सुरू करता हूँ।

उक्त सम्मति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

6/1, पाम एवेंन्यू, कलकत्ता । 5 के०, 8 सीएच० जमीन पर मकान ।

> सि० रोखामा भक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III 54, रफी श्रहमद किंदबई रोड, कलकक्ता∽16

दिनांक : 10-9-1982

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध् (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 सितम्बर 1982

निर्देश सं० टी० स्रार०-62/82-83/एस० एल०-654 स्राई०ए०सी०/एक्वी० स्रार०-स्राई/कलकत्ता—यतः मुझे, सि० रो**खा**मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए. से अधिक हैं।

श्रौर जिसकी सं० प्लाट-डी०/6 है तथा जो 5 कामाक स्ट्रीट, कलकसा म स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकसा में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 7-1-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उिषत बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उिषत बाजार मूल्य, उसके ख्र्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पृष्ट प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिकों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाम्नविक एप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर टोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/बा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिविधा के लिए;

जल: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अधीत :--- (1) श्री राधाशाम जालान श्रीर दुसरो

(ग्रन्तरक)

(2) भिशाल सिनहानिया

(भ्रन्तरिती)

(3) भि० सिनदानिया

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तार्शैंस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिंस- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिस्ति में किए जा सकरो।

स्वष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

प्लाट सं० —-डी०/6, 5, कामाक स्ट्रीट, कलकला । दलिल मं० [-94

> सि० रो**खा**मा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I 54, रफीश्रहमद किदवई रोड, कलकत्ता-16

दिनांक: 10-9-1982

प्ररूप आई. टी. एम. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाक 10 सितम्बर, 1982

निर्देश सं० टी० म्रार०-60/82-83/एस० एल०-652 म्राई एसी०/एक्दी० म्रार०-आई०/कलकत्ता-यतः झुझे, सि० रोखामा, म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

श्रीर जिसकी मं० प्लाट बीo/3 है तथा जो 5 कामाक स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुमूची मे श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 7-1-1982

को पूर्वोंकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्री राधाशाम जालान श्रौर दुसरो

(श्रन्तरक)

- (2) श्री नन्दलाल वागारिया श्रीर दुसरो (अन्तरिती)
- (3) श्री एन० एल० वागारिया श्रीर दुसरो (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट सं० बी/3, 5, कामाक स्ट्रीट, कलकत्ता ।

> सि॰ रोखामा, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 54, रफीग्रहमद किदवई रोड, कलकत्ता--- 16

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

दिनांक : 10-9-19**8**2

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस.-----

अ।यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(1) के अधीर स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, निरीक्षय सहायक श्रायकर श्रायुक्त ग्रर्जन रेज, कलकत्ता

कलकलत्ता, दिनांक 10 सितम्बर, 1992 निर्देण मं० टी० श्रार०-61/82-83/एम०एल०-653 ग्राई०ए०मी०/एक्त्री० श्रार० श्राई०/कलकत्ता--यतः मुझे, सि० रोखामा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/-रु. सं अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मं० प्लाट मं० मी०/1 है तथा जो 5, कामाक स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 7-1-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किन निम्नितिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण विखित में वास्तिवक करण में किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण में हुई जिसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (स) ऐसी किसी आया या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, स्थिनने में स्विया के लिए;

यतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः →— 22—26601/82

- (।) श्री राधाणाम जालान प्रौर दसरा (प्रस्तरक)
- (2) श्री प्रदीप कुमार केडिया श्रौर दुसरो (अन्तरिती)
- (3) श्री पी० के० केडिया स्रौर दुसरो (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र मा प्रकाणन को तराख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पिक्तियों में में किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोखा में 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्वोगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

प्लाट सं० सी०/1 5, कामाक स्ट्रीट, कलकत्ता दलिल सं० — 92

मि० रोखामा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक र प्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण)
प्रजीन रेज-1
54. रफीग्रहमद किदवई रोड,
कलकत्ता—16

दिनांक : 10-9-1982

प्रक्य बाहै. दी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 सितम्बर 1982

निदेश सं० 30/जन०/82-यतः मुझे, एस० लाहिरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है श्रौर जिसकी सर्वे सं० 269/2 है, जो चेल्लपिल्लै कुट्टै में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रोमलूर (डाक्युमेंट सं० 70/82) मे रजिस्ट्रीकरण म्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक जनवरी, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वदेश से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व औं कमी करने या उससे बुचने में सुविधा के सियो; और/गा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए भौर/या

जतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के जन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री बाबू

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मलाम

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांकित सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चनों के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--प्रसमे प्रयुक्त बब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि सं० : सर्वे सं० -269/2 बेल्लपिल्लै कुट्टै ।

एस० नाहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्रास

विनोक : 8-9-82

मोहर ;

प्ररूप आई० टी• एन॰ एस•----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-I मद्रास

मद्राम, दिनाक 8 सितम्बर 1982

निदेश सं० 31/जन०/82—यत: मुझे, एस० लहिरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० सखे सं० 270 है, जो चेल्लिपिल्लें कुट्टै मे स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रीमलूर (डाक्यूमेट स० 71/82) मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनाक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का परबह प्रतिगत से अधिक है और मन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त मन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है :---

- (क) वन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त मिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बार/या
- (क) एसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, पैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारण (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत्:--- (1) श्रीमती रवी

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ग्रमिना श्रम्मा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सुम्पृत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेपः --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीक रणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया मुसा हैं।

यन्स्ची

भूमि-सखे सं० 270 चेल्लपिल्लै कुट्टै ।

एस० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I मद्रास

दिनांक : 8 सितम्बर, 1982

प्ररूप आई० टी० एन० एस०⊸-

भ्रायकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक स्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षीण)

अर्जन रेज-I, मद्रास

मद्रास, दिनाक 8 सितम्बर 1982

निदेश स० 32/जन०/82--ग्रत मृझे एस० लहिरी, धायकर मधिनियम, 1961 (1981का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उथत अधिनियम' कड़ा गया है), की धारा 269-ख के भंत्रीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विक्वास परने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचितः बाजार मृत्य 25,000/- ए० में अधिक है श्रीर जिसकी स० सखे स० 270 है ग्रीर जो चेल्लपिल्लैकुट्टै से स्थित है (श्रौर इससे उपायद्ध श्रनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्द्रींकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्रोमलूर (डाक्यूमेट स० 72/82) भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908का 16) के श्रधीन दिनाक जनवरी, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्तेयह विश्वास कररे का कारण है कि यथापूर्वीका सम्पत्ति का अचित बाजार मन्य, असके दुश्यपात पतिफार से, ऐसे दृश्यमार प्रतिफाल का पन्टर प्रतिशत अधिक है भौर अस्तरक (अन्तरकों) भन्तरिक्षा (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के निए तय पारा गया प्रतिकत निम्निनिवान उद्देश्य मे उनन अन्तरण लिखित में कास्त्रज्ञित रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ल) एंमी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अस्तारती ब्रासा प्रकट नहीं कि प्र था या किया जाना चाहिए बा, छिपाने में सुविधा के निए,

यात । यात, जेवन अधिकार को जारा 269-ग **के अनुसदण** र्ष, में, उक्त अधिकारम का ग्रास ४६०-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) श्रीनिवासन

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती श्रमिना श्रम्मा

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के पनण कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राज्यत्व में प्रकाशन की नारीख स 45 दिन भी श्रवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील मे 30 दिन की भ्रविश्व, जो भा अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिद्वारा;
 - (ख) इस भूचना के राजस्या में प्रकाशन की नारीध ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अभ्रोहस्ताकरी क पास विश्वित में किए जा सहेंगे।

सरक्दोकरग:--इसमें प्रयुक्त मध्यो पीर ग्दा का, बो उका **मधिनियम,** क मध्याय 20-क में परिवालित ने, वहो अर्थे होगाजो उन सब्बाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि---सखे स० 270 चेल्लपिल्लेकुट्टै

एस'० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्राय्क्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेज-I,मद्रास

दिनाक 8-9-82 भोहर .

प्ररूप बार्ब . टी. एन्. एस .-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेज-I, मद्रास

मद्रास, दिनाक 7 सितम्बर 1982

निदंश सं० 11/जनवरी/82—यत. मुझे, एस० लहिरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संज्ञपत्नियही—टीज्यस्य संज्ञ 29/2, 29/3, 29/5 ग्रीर 31/3 एं ग्रन्नथाना पट्टी में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, सेलम (डाक्सेंट संज्ञ 84/82) में रजिस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वांकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिति (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्त्रण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बुचने में सूबिधा के लिए और/या
- (क) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जबा, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनूमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) श्री एल० तिरुवेनगठम चेट्टियार श्रीर श्रदर्स (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती रतिनम श्रम्माल श्रौर श्रदर्स (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा कत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि, टी॰ एस॰ सं॰ 29/2, 29/3 श्रीर 29/5 ए॰ पल्लपट्टी और टी॰ एस॰ सं॰ 31/3ए॰ -श्रन्नथानपट्टी । (डाक् मेंट सं॰ 84/82)

एस० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनाक 7-9-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनाक 13 सितम्बर, 1982

निदेण सं० 24/जन०/82—यतः मुझे, एस० लहिरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के मधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने के कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका छचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ध्रौर जिसकी सर्वे मं० 162/4 है, जो एक् मापालैयम, सेलम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्णक्य से वर्णित है), र्राजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, सेलम (डाक्यूमेट सं० 285/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उनत अखि-नियम के प्रधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या श्रम्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिष्ठिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर श्रिष्ठिनयम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ श्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अथीन, निम्नितिश्वत त्यिकतियों, अर्थात् —

- 1. (1) श्रीपापानि श्रम्माल (2) गुरुसामी (3) परमसिवम
 - (4) रामसामी (5) लेकसमी (6) क्रिसनममा
 - (7) जेयलेकसमी (8) सेकर ग्रौर तमील सेलवम (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती पलनीसामी

(भ्रन्तरिती)

को यह सृष्यना जारी करके पृत्रों कर सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारिक्ष सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सुकेंगे।

स्पट्टीकरणः ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि—सर्वें सं० 162/4 एरुमापालैयम सेलम (डाक्यू-मेंट सं० 285/82)

> एस० लहिरी. सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक : 13-9-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-I. मद्राम

मद्रास, दिनांक 13 सितम्बर 1982

निदेश सं० 25/जन०/82—यतः मुझे, एस० लहिरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सर्वे सं० 165/2 है, जो एक्मापालैयम सेलम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मेलम (डाक्यूमेंट सं० 283/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जनवरी, 1982

का पूर्वोक्त संपत्ति के उष्मित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथान नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

- 1. (1) श्री पापाति श्रम्माल (2) गुरुसामी
 - (3) परमियम (4) रामसामी
 - (5) लेकसमी (6) किस्सनम्मा
 - (7) जैयलेकसमी (8) सेकर
 - (9) तमिल सेलवम ।

(भ्रन्तरक)

13791

2. श्री राभायी श्रम्माल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध् में कोई भी आक्षेप :~-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्योक रणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों आरे पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

अन्स्ची

भूमि : सर्वे सं० 165/2 एष्टमापालैयम सेलम (डाक्यूमेंट सं० 283/82)

एस० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक : 13-9-82

प्ररूप आई.टी एन.एस.-----

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 सितम्बर 1982

निदेश मं० 26/जन०/82—यतः मुझे, एस० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी मर्वे सं० 162/4 है, जो एक्मापालैयम सेलम में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण स्प में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सेलम (डाक्यूमेंट सं० 284/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जनवरी, 1982

को पुर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिमित उद्देश्य से उक्त अंतरण निस्तित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:—~

- (क) अंतरण से हुई िकसी आय की बाबत., उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में म्बिधा के लिए; और/या
- (स्त) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्थियों को, जिन्हों भारतीय आय्कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए,

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) (1) श्री पापानि ग्रम्माल (2) गुस्सागी
 - (3) परमागवम (4) रामसामी
 - (5) लेकसमी (6) किरुमनम्मा
 - (7) जेयलेकसमी (8) संकर
 - (9) तमिल मेलवम

(श्रन्तरक)

(2) श्री के० वैयापुरी ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति ह्यारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, हैं., वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची:

भूमि सर्वे सं० 162/4, एकमापालैयम (डाक्यूमेट सं० 284/82)

एस० लहिरी मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-I, मद्रास

दिनांक : 13-9-82

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R. CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 8th September 1982

No. A-19021/11/78-AD-V.—The services of Shri P. A. Reddy, IPS (1968-A.P.) Supdt. of Police, Central Burea of Investigation. Special Police I stablishment, Visakhapatnam Branch are placed at the disposal of the Government of Andhra Pradesh with effect from 25th August, 1982 forenoon, on repatriation.

No. A-19021/6/82-AD-V.—Consequent on his attaining the age of superannuation, Shri P. D. Ajmera, Superintendent of Police-II, CBI Special Unit, New Delhi relinquished charge of the office of Superintendent of Police CBI/SPE/with effect from the afternoon of 31st August, 1982.

No. A-20023/8/82-AD.V.—The Director, Centrel Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri S. Kalyanasundram as Public Prosecutor/CBI with effect from 1st September, 1982 (FN) in a temporary capacity until further orders.

R. S. NAGPAI,
Administrative Officer (E)
Central Bureau of Investigation

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE New Delhi-110066, the 6th September 1982

No F.2/22/76-Estt(CRPF).—The under-mentioned subcdurs of CRPF (presently employed in the ITBP) are given

proforma promotion to the rank of Dy. S.P. in the CRPF with effect from the dates noted against them:--

- 1. Shri Hanuman Singh-31-10-75 (AN).
- 2. Shri C. Chakoo-3-11-75 (AN).

The 7th September 1982

No. O II-1609/81-Estt—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. (Mrs.) G. Chellakannu as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 25th August, 1982 for a period of three months only or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

A. K. SURI, Asstt. Dir. (Fstt)

OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-11, the 13th September 1982

No. 10/19/82-Ad.I.—The President is pleased to appoint on deputation, Shi Des Raj Khanna, Investigator in the office of the Director of Census Operations, Humachal Pradesh, Simla, as Research Officer in the same office, on a purely temporary and ad-hoc basis, for a period not exceeding one year, with effect from the afternoon of the 18th June. 1982, or till the post is filled in, on a regular basis, whichever is earlier.

2. The headquarters of Shri Khanna will be at Simla

The 14th September 1982

No. 11/34/79-Ad. I.—In continuation of this office notification of even number, dated 14-4-1981, the President is pleased to extend the period of ad-hoc appointments of the under-mentioned Office Superintendents as Assistant Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations as mentioned against each on the existing terms and conditions, upto the period as indicated against their names:—

SI.				Office of the Director of Census Operations	Period upto which the ad-hoc appointment extended		
					From	То	
1	2	 	 	3	4		
1. 2. 3. 4. 5.	Shri M. R. Dahri Shri A. S. Asghar Shri P. D. Pradhan Shri R. C. Chandnani Shri S. B. Veera Bhadra Rao	 · ·		Madhya Pradesh Jammu & Kashmir Maharashtra Rajasthan Arunachal Pradesh	1-9-1981 1-9-1981 1-9-1981 1-9-1981	7-6-1982 7-6-1982 7-6-1982 7-6-1982 30-9-1982	

2. The headquarters of S/Shri Dahri, Asghar, Pradhan, Chandnani and Rao will be at Bhopal, Srinagar, Bombay, Jaipur and Shillong respectively.

No. 10/19/81-Ad.I.—In continuation of this office notification of even number, dated the 19th August, 1981, the President is pleased to appoint Dr. H. Majumdar as Joint Director in this office, on a purely temporary and ad-hoc basis, for a further period of 6 months, with effect from the 20th July, 1982, or till the post is filled in, on a regular basis, whichever period is shorter.

2. The headquarters of Dr. Majumdar will be at New Delhi.

No. 10/19/82-Ad.I.—The President is pleased to appoint, on deputation, Shri P. N. Modgil, Investigator in the office of the Director of Census Operations, Haryana and presently working as Senior Supervisor in the office of the Director of Census Operations, U.T. Chandigarh, to the post of Research Officer, in the office of the Director of Census Operations, Haryana Chandigarh, on a purely temporary and ad-hoc basis, for a period not exceeding one year, with effect from the forenoon of the 23rd August, 1982, or till the post is filled in, on a regular basis whichever is earlier.

2. The headquarters of Shri Modgil will be at Chandigarh. 23-266G1/82

No. 11/5/82-Ad.I.—The President is pleased to appoint on deputation, Shri N. C. Sarkar, Assistant Director of Census Operations (Technical) in the Office of the Director of Census Operations, West Bengal, Calcutta, to the nost of Assistant Director (Data Processing) in the same office, on a purely temporary and ad-hoc basis for a period not exceeding one year, with effect from the fore-noon of the 15th June, 1982 or till the post is filled in, on a regular basis, whichever is earlier.

2. The headquarters of Shri N. C. Sarkar will be at Calcutta

P. PADMANABHA Registrar General, India

MINISTRY OF FINANCE (DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS) SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad-461 005, the 25th August 1982

No. 7(59)/5969.—Shri Raj Kumar, Foreman (Production) is appointed purely on ad-hoc basis as Assistant Chief Che-

mist in the pay scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 initially for a period of six months with effect from 16-8-1982 (FN) or till the post is filled on regular basis whichever is the earlier.

S. R. PATHAK. General Manager

INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 10th September 1982
No. 1105/A.—In continuation of Notification No. 1575/A

No. 1105/A.—In continuation of Notification No. 1575/A dt. 18-9-80, the adhoc appointment of Shri H. K. Sharma. as Accounts Officer is further extended for a period upto 31-10-82, on the same terms and conditions or till the post is filled on a regular basis whichever is earlier.

P. S. SHTVRAM, General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delbi-110 002, the 7th September 1982

No. 22/CA.I/82-78.—On his attaining the age of superannuation Shri P. K. Kar, Audit Officer (Commercial) serving in office of the Member, Audit Board & Ex-Officio Director of Commercial Audit, Calcutta has retired from service with effect from 31-5-1982.

M. A. SOMESWARA RAO, General Manager Jt. Dir. (Coml.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-J, ANDHRA PRADESH

Hyderabad-500476, the 28th August 1982

No. Admn. 1/8-132/82-83/185.—The Accountant General-I, Andhra Pradesh has been pleased to promote the following Section Officers in the office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad to officiate as Accounts Officers in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from the dates noted against their names until further orders.

	Name			Date of assumption of charge
	S/Shri			
1.	M. Veera Swamy-I	,		23-8-82 A.N.
2,	M. Sudershanam .			23-8-82 A.N.
3.	B. Shri Krishna Mur	thy		25-8-82 F.N.
4.	K, A. Kushal Rao			26-8-82 F.N.
5.	K, Sobhanadrachary	ulu		23-8-82 A.N.
6,	V. A. Ekambaram			23-8-82 A.N.
7.	K. F. Viswanathan			24-8-82 F.N.
8.	M. Adinarayana	4		23-8-82 A.N.

The promotions ordered are without prejudice to the claims of their seniors if any, and also subject to the result of the writ petitions pending in the A.B. High Court/Supreme Court.

B. MASON, Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT DEFENCE SERVICES

New Delhi-110001, the 10th September 1982

No. 2943/A, Admn/130/82.—The Director of Audit, Defence Services, is pleased to appoint the undermentioned Substantive Section Officers (Audit) to officiate as Audit Officers, from the dates noted against each, until further orders:—

Sl. Name No.								Office in which appointed	Date of appoint ment
S/Shri 1. M. M. Nair								Joint Director of Audit,	30-7-1982
1. 141. 141. 14da	•	٠		•	•	•	•	Defence Services, Western Command, Meerut Cantt.	\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\
2. J N. Nayyar	•	-	-	•	•	•	•	Joint Director of Audit, Defence Services, Central Command, Meerut Cantt.	30-8-1982
3. S. S. Ghooli	-		•		•	•	•	Audit Officer, Defence Services, Jullundur.	26-8-1982
4. D. Swaran	•			•	•	•	•	Joint Director of Audit, Defence Services, Eastern Command, Patna.	30-8-1982

No.2948/A.Admn./130/82.—On attaining the age of superannuation. Shri N. R. Rmachandran, Assistant Director of Audit, Defence Services, retired from service, with effect from 31st August, 1982 (AN).

No. 2949/A.Admn/130/82.—On attaining the age of superannuation. Shri D. C. Sahdev, Substantive Audit Officer, of the Audit Department, Defence Services, retired from service with effect from 31st August, 1982 (AN).

R. S. GUPTA, Joint Director of Audit, Defence Services

DEFFNCF ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE CONTROLLER OF DEFENCE ACCOUNTS (OFFICERS)

Poona-1, the 6th September 1982 FORM 1

Notice of Termination of services issued under Rule 5(1) of the Centual Civil Services (Temporary Service) Rules, 1965

In pursuance of Sub Rule (1) of Rule 5 of the Central Civil Services (Temporary Services) Rules 1965 1 hereby give notice to Shri Tanaji Haribhau Survavanshi, Ty. Auditor, A/C No. 8323775, serving in the Office of the Controller of Defence Accounts (Officers), Poona that his services shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date on which this notice is published or as the case may be tendered to him.

P. K. SABHLOK Controller of Def. Accounts (Officers)

DIRECTORATE GENERAL ORDNANCE FACTORIES

ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 6th September 1982

No. 737/EV/GN/QR/A/W.—In exercise of the powers conferred under section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971), the President of India is pleased to appoint the Officer mentioned in Col. 2 of the Table below, being an officer of the Ordnance Factory mentioned in Col. 4 against each as the Estate Officer for the purpose of the said Act, who shall exercise the powers conferred and perform the duties imposed on Estate Officers by or under the said Act within the local limits of his jurisdiction specified in column 5 of the said table in respect of the public Premises belonging to the Factories mentioned in Col. 4 against each officer.

This supplements Gazette Notification of even No. dated 27-11-81 and 29-4-81.

SI. No.	Name & Designation of the	Offic	er			Date of Appointment	Name of Factory	Categories of Public Premises & local limits of juris- diction	
(1)	(2)	•				(3)	(4)	(5)	
	i N. Sundara Pandian, . y. Manager/Admin,			٠		11-1-82	Ordnance Fy., Trichi.	Premises under the administrative control of Ministry of Defence situated within the local limits of their respective jurisdiction.	
2. (a)						from 22-2-82	Ord. Fy.,	Do.	
(b)	Manager (Admin) Sri K. Sethuram, . Asstt. Manager	ė		•	•	to 6-3-82 23-6-82	Chanda Do.	Do.	
	S. D. Dwiyedi,	•		-		8-3-82	Ord. Equipment Fy. Kanpur	Do.	
4. (a)	Sri S. Elango, Asstt. Manager	٠		•	•	30-3-82 to 3-5-82	Cordite Fy. Aruvankadu	Do.	
(h)	Sti S. B. Thambuswamy, Asstt. Manager				•	4-5-82	Cordite Fy., Aruvankadu	Premises under the adminis- trative control of Ministry of Defence situated within the local limits of their res- pective jurisdiction.	
i. (a)	Sri R. Agarwal,	•	•		-	26-5-82	Gun & Shell Fy., Cossipore	Do.	
(h)	Sri H. C. Hrangate, Works Manager/Admin.	•			•	23-8-82	Do.	Do.	
	G. Mullik, . Manager (Admin.)					15-6-82	Clothing Fy., Shahjahanpur.	Do.	

ALWYN PRABHU,
Jl. Director/AW.1
For Director General, Ordnance Factorics.

MINISTRY OF STEEL AND MINES (DEPARTMENT OF MINES) INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 6th September 1982

No. A.19012(93)/77-Estt.A.—On his deputation to the Bharat Gold Mines Ltd., as Geostatistician, Shri K. Rajaraman, Assistant Mining Geologist, Indian Bureau of Mines, has relinquished the charge of the post of Assistant Mining Geologist, in Indian Bureau of Mines on the afternoon of 2nd April, 1982.

B. C. MISHRA. Head of Office Indian Bureau of Mines

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING

New Delhi, the 4th September 1982

No. A-31013/1/81-Exh.(A)/DS(Films)/DAVP. — The President is pleased to appoint Shri V. N. Chari, officiating angector of Exhibitions in the Directorate of Advertising and

Visual Publicity in a substantive capacity with effect from 13th June 1979.

This supersedes Notification No. A.31013/1/81-Exh.(Λ) dt. 2-7-1981.

URMILA GUPTA Dy. Secy.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES New Delhi, the 8th September 1982

No. A.31013/9/80-(AJIHPH) Admn.I.—The President is pleased to appoint Kumari V. Subhadra to the post of Assistant Professor of Public Health Nursing at the All India Institute of Hygiene and Public Health, Calcutta, in a substantive capacity with effect from the 13th August. 1978.

T. C. IAIN Dy. Dir. Admn. (O&M)

New Delhi, the 7th September 1982

No. A.12025/13/80-(NTI)/Admn,I/T.B.—The Director General of Health Services is pleased to accept the resigna-

tion of Shri M. Venkata Reddy from the post of Junior Bacteriologist at the National Tuberculosis Institute, Bangalore with effect from the afternoon of 19th August, 1982.

S. L. KUTHIALA Dy. Dir. Admn. (P.H.)

INDIAN P&T DEPARTMENT

OFFICE OF THE GENERAL MANAGER TELEPHONES

Bangalore 560 009, the 17th May 1982

Sub.: Notice of Termination of Service under Rule 5(1) of CCS(TS) Rules 1965.

No. PF.4743/13.—In pursuance of Sub Rule (1) of Rule 5 of the CCS(TS) Rules 1965, I, Sri K. R. Subramanian. Asst. General Manager (Admn.). Office of the General Manager Telephones, Bangalore hereby give notice to Smt. Geetha Setlur, Office Assistant that her services shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date on which this notice is served on her.

K. R. SUBRAMANIAM Asstt. Gnl. Manager

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY NARORA ATOMIC POWER PROJECT

PO: NAPP Township, the 11th September 1982

No. NAPP/Adm/18(1)/82/S/11018.—Chief Project Engineer Natora Atomic Power Project appoints Shri Prem Prakash, a permanent Superintendent and officiating Assistant Personnel Officer to officiate as Administrative Officer-II on ad hoc basis in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200/- in the Natora Atomic Power Project with effect from the forenoon of 31-8-1982 until further orders.

No. NAPP/Adm/26(1)/82-S/11019.—Chief Project Engineer, Narora Atomic Project, hereby appoints Shri Om Prakash, a permanent Upper Division Clerk and officiating Selection Grade Clerk to officiate as Assistant Personnel Officer on ad hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-880-EB-40-960/- in the Narora Atomic Power Project with effect from the forenoon of 31-8-1982 until further orders vice Shri Prem Prakash, Assistant Personnel Officer appointed to officiate as Administrative Officer-II on ad hoc basis.

M. S. RAO, Chief Administrative Officer

DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 6th September 1982

No. DPS/2/12/80-Est/19567.—The Director Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy

appoints Shri Vadukoot Sreedharan, a permanent Jr. Store-keeper and officiating Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer (ad-hoc) in the same Directorate in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from June 30, 1982 (FN) to July 31, 1982 (AN) vice Shri V. Sripatha Rao, Assistant Stores Officer granted leave.

B. G. KULKARNI, Assistant Personnel Officer

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500 016, the 9th September 1982

No. AMD-1/4/82-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Bijoy Kumar Samantaray as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from forenoon of August 25, 1982 until further orders.

The 10th September 1982

No. AMD-16/2/82-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri G. Venkataramana, a permanent Scnior Stenographer, Reactor Research Centre, Kalpakkam as Assistant Personnel Officer in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of July 26, 1982, until further orders.

T. D. GHADGE,

Sr. Administrative & Accounts Officer

DEPARTMENT OF SPACE ISRO SATELLITE CENTRE

Bangalore-560 058, the 18th August 1982

No. 020/3(061)/82.—Director, ISRO Satellite Centre is pleased to appoint Miss B. M. Shylaja to the post of Scientist/Engineer SB w.e.f. 28-7-1982 FN in the ISRO Satellite Centre, Bangalore of the Department of Space on a purely temporary and provisional basis and until further orders.

S. SUBRAMANYAM, Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delbi, the 25th August 1982

No. A-38018/1/82-EA.—Shri Kundan I.al, Senior Aerodrome Officer, Office of the Aerodrome Officer Aurangabad retired from Government services on the 31-7-82 on attaining the age of superannuation.

No. A.38013/1/82-EA.—Shri M. Gopal, Aerodrome Officer, Office of the Regional Director Madras retired from Government services on the 31-7-82 on attaining the age of superannuation.

S. GUPTA,

Deputy Director of Administration

New Delhi, the 7th September, 1982

No. A. 32014/2/82-FC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Communication Assistants in the Civil Aviation Department to the grade of Assistant Communication Officer on ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650—1200/- with effect from the date indicated against each and to post them to the stations indicated against each:—

S. Name No.			Present Stn. of posting	Stn. to which posted	Date of taking over charge
S/Shri		 			
1. Namdeo H. Acharmal		•	Jammu	Aurangabad	21-6-82 (FN)
2. A. N. Biswas			Calcutta	Calcutta	30-4-82 (FN)
3. P. K. Majumdar .			Calcutta	Calcutta	4-8-82 (FN)
4. C. R. Guha			Lilabari	Panagarh	11-5-82 (FN)
5. S. Barman			Port Blair	Hyderabad	14-8-82 (FN)
5. P. M. George			Trivandrum	Trivandrum	30-4-82 (FN)

PREM CHAND Assistant Director (Adm)

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 13th September 1982

No. 1/118/82-EST.—Shri V. V. Benegal, Administrative Officer, Madras Branch retired from service, with effect from the afternoon of the 31st July, 1982, on attaining the age of superannuation.

No. 1/514/82-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri A. K. Madhok, Technical Assistant, New Delhi Branch as Assistant Engineer, in an officiating capacity for the period from 31-5-82 to 9-7-82 (both days inclusive) in the same Branch as a local arrangement on ad-hoc basis.

No. 1/525/82-EST.—The Director General, Overseas Communications Service hereby appoints Shri P. G. Haldar, Superintendent, Calcutta Branch as Assistant Administrative Officer, in an officiating capacity, in Poona Branch with effect from the forenoon of the 12th August, 1982 and until further orders.

H. L. MALHOTRA, Dy. Director (Admn), for Director General

DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 10th September 1982

No. 16/82.—Shri S. N. Khanna, lately posted as Superintendent Central Excise Group 'B' of the Delhi Collectorate on transfer as Junior Departmental Representative (Group 'B') in the Customs, Excise and Gold Control, Appellate Tribunal for Delhi Bench within the Directorate of Inspection and Audit. Customs and Central Excise vide Ministry of Finance, Department of Revenue order F. No. A-22012/55/81-Ad.II dated 28-10-81 assumed charge of the post w.e.f. 16-8-82 (forenoon).

K. J. RAMAN Director of Inspection

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFIC OF THE REGISTRAR OF COMPANIES,

Bombay-2, the 3rd September 1982

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Manoj Movies Private Limited.

No. 632/14975/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Manoj Movies Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

O. P. JAIN, Addl. Registrar of Companies, Maharashtra, Bombay

In the matter of the Companies Act. 1956 and of M/s. Vijaya Printers and Publishers Ltd.

Bangalore-560009, the 7th September 1982

No. 1266/560/82-83.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Vijaya Printers and Publishers Ltd, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s Promod Sugar Industries Private Ltd.

Bangalore-560009, the 7th September 1982

No. 1556/560/82-83.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Pramod Sugar Industries Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s, Kempsons Private Ltd.

No. 1206/560/82-83.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act. 1956, that the name of Kempsons Private Ltd. has this been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1986 and of M/s Patel Engg. Chem Company Private Ltd.

No. 2077/560/82-83.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s Patel Engg Chem Company Private Ltd, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Salnary Private Ltd.

No. 2324/560/82-83—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Salnary Private Ltd., has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Savitri Vanliya Private Ltd.

No. 3301/560/82-83.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Salnary Private 1.td., has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

Sd.- ILLEGIBLE Registrar of Companies, Karnataka, Bangalore.

INCOME-TAX DEPARTMENT

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOMETAX,

Trivandrum, the 5th July 1982

INCOME-TAX

ORDER

No. 1/82-83.—In exercise of the powers conferred under sub-section (1) of section 124 of the Income-tax Act, 1961 43 of 1961), the Commissioner of Income-tax Trivandrum, hereby creates a new office at Ernakulam known as "Income-tax Office, Survey Circle-II, Ernakulam". The Officer posted to this office will be known as "Income-tax Officer. Survey Circle-II, Ernakulam". The address of the office will be as under:—

'Income-tax Office. Survey Circle-II. Warriam Road, Ernakulam, Cochin-682 016'.

2. This order shall come into force with effect from the forenoon of the 2nd August, 1982.

No. 1(A)/82-83.—In exercise of the powers conferred under sub-section (1) of section 124 of the Income tax Act, 1961 (Act 43 of 1961) and in supersession of all the motifications u/s. 124 issued in this behalf from time to time, the Commissioner of Incometax, Trivandrum, hereby directs that with effect from the forenoon of the 2nd August, 1982, the Incometax Officer specified in column 3 of the Schedule appended hereto shall perform the functions of an Incometax Officer within the areas and in respect of the persons or classes of persons noted in column 4 thereof:—

SCHEDULE

Sl. N No.	Name of Circle		Designation of the Incometax Officer.	Areas of jurisdiction.
1	2		3	4
l. Aurv	vey Circle-II, Ernakulam	Ernakulam	Incometax Officer, Survey Circle-II, Ernakulam.	(i) All cases hitherto assessed to I.T. in Survey Circle, Ernakulam with- in the territorial jurisdiction of the I.T. Circles at Kottayam and Alleppey.
				 (ii) All new cases discovered in the in the course of survey operation in the territorial jurisdiction of the Incometax Circles, Kottayan and Alleppey.
				(iii) All persons whose cases may hereinafter to transferred to the I.T.O. u/s. 127(1) of the I.T. Act, 1961.

No. 1(A)/82-83.—In exercise of the Powers conferred under sub-section (1) of section 8A of the Wealth-tax Act, 1957 (Act 27 of 1957) and in supersession of all other notification issued in this behalf from time to time, the Commissioner of of Wealth-tax, Trivandrum, hereby directs that with effect from the forenoon of the 2nd August, 1982, the Wealth-tax Officer, specified in column 3 of the Schedule appended hereto shall perform, the functions of the Wealth-tax Officer within the area and in respect of the persons or classes of persons noted in column 4 thereof:—

SCHEDULE

	/	
SI. Name of Circle No.	Designation of the Wealth-tax Officer	Area of jurisdiction
1 2	3	4
1. Survey Circle II, Ernakulam	Wealth-tax Officer, Survey Circle, II Ernakulam.	(i) All cases hitherto assessed to wealth-tax in survey circle, Ernakulam within the territorial jurisdiction of the Wealth-tax Circle Kottayam and Alleppey.
		(ii) All cases of wealth-tax assessees who have been enlisted for W.T. in Survey Circle II, Ernakulam falling within the territorial jurisdiction of wealth-tax Circles Kottayam and Alleppey.
		(iii) All persons whose cases may hereafter be transferred] to the Wealth-tax Officer u/s 8B of the W.T. Act, 1957.

No. 1(A)/82-83.—In exercise of the powers conferred under sub-section (1) of section 7A of the Gift tax Act, 1958 (Act 18 of 1958) and in supersession of all the notifications issued in this behalf from time to time, the Commissioner of Gift-tax, Trivandrum, hereby directs that with effect from the forenoon of the 2nd August, 1982, the Gift-tax Officer specified

in column 3 of the Schedule appended hereto shall perform the functions of the Gift-tax Officer within the area and in respect of the persons or classes of persons noted in column 4 thereof:—

SCHEDULE

SI. Name of Circle No.		Designation of the Gift-tax Officer	Area of jurisdiction
(1)	(2)	(3)	(4)
1. Survey	Circle II, Ernakulam .	Gift-tax Officer, Survey Circle II, Ernakulam,	(i) All cases hitherto assessed to Gift-tax in Survey Circle Erna- kulam within the territorial jursidiction of the Gift-tax Circles. Kottayam and Alleppey. (ii) All new assesses who are not assessed to I.T. or W.T. so far in the territorial jurisdic- tion of the Gift-tax Circles, at Kottayam and 'Alleppey. (iii) All persons whose cases may hereafter be transferred to the Gift-tax Officer u/s 7B of the Gift-tax Act, 1958.

K. C. THOMAS, Commissioner of Incometax Trivandrum

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Sampat Kumar Chandraprakash S/o Shri Niwasdasji Agrawal, R/o 5, Kasera Bazar, Indore. (Transferor)

(2) Shri Ramkishan S/o Purshottamdas Agrawal, R/o Kasera Bazar, Indore. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 23rd August 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/2905.—Whereas I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Mucl. H. No. 25/1 (Portion of Ground Floor) situated at Yeshwant Niwas Road, Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 29-1-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the ransfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of he said Act, to the following persons, namely:---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Portion of Ground Floor of House No. 25/1. situated at Yeshwant Niwas Road, Indorc.

> D. P. PANTA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 23-8-1982 Scal:

FORM I.T.N.S .--

- (1) Shri Sampatkumar and Chandraprakash S/o Shrì Niwasdasji Agrawal, R/o 5, Kasera Bazar, Indore. (Transferor)
- (2) Smt. Sita Bai W/o Shri Purshottamdasji Agrawal, R/o 58, Kasera Bazar, Indore. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 23rd August 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/2906.-Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

Rs. 25,000/- and bearing
No. Mucl. H. No. 25/1 (Portion of Ground Floor) situated at Yeshwant Niwas Road, Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration (March 1908) in the Office of the Registration (March 1908). 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 29-1-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to

between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the ransfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of Ground Ploor of House No. 25/1, situated at Yeshwant Niwas Road, Indore,

> D. P. PANTA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

Date: 23-8-1982

Seal:

24-266GI/82

FORM LT.N.S.—

(1) Sampatkumar and Chandraprakash S/o Shri Niwasdasji Agrawal, R/o 5, Kasera Bazar, Indore. (Transferor)

(2) Smt. Indra Bai W/o Shri Shriniwasdasji, R/o 5, Kasera Bazar, Indore.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 23rd August 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/2907.-Whereas I. D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Mucl. H. No. 25/1 (portion of Ground Floor) situated

at Yeshwant Niwas Road, Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 29-1-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the ransfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of Ground Floor of House No. 25/1 situated at Yeshwant Niwas Road, Indore.

> D. P. PANTA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range
> 4th Floor, Gangotri Bullding
> T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 23-8-1982

Scal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 30th August 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/2908.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Half part of Plot No. 46 situated at Jaora Compound,

Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 29-1-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the ransfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act., 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) 1. Shri Shantilal Raichabdas Jain,

2. Smt. Kamala W/o Shantilal Jain,
3. Prakashchand S/o Shri Shantilal Jain,

Arvind S/o Shantilal Jain, R/o 1/1/South Tuloganj, Indore.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Kamala Devi W/o Prahalad Rai,

Anilkumar S/o Prahlad Rai Mahesh,
 Sunil Kumar Prahalad Rai Mahesh, R/o 70, Janki Nagar, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULR

Half part of Plot No. 46 at Jaora Compound, Indore.

D. P. PANTA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 30-8-1982

Scal:

FORM I.T.N.S .-

(1) Dr. Govind Sadashiv Wagle, 19/1, Race Course Road, Indore-3.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Gaira Gears Pvt. Ltd., Elve Chambers, Port, Bom-(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

whichever period expires later;

Bhopal, the 30th August 1982

(b) by any other person interested in the said immov-

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/2909.—Whereas I,

able property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Part of House No. 19, St. No. 1, situated at Race Course

> EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

Road, Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of :-

Indore on 27-1-1982

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Part of House No. 19, St. No. 1, Race Course Road,

D. P. PANTA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Data: 30-8-1982

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM I.T.N.S.---

(1) Dr. Govind Sadashiv Wagle, 19/1, Race Course Road, New No. 13/1, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ramesh Bhishma Gajra, 32, Race Course Road, (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE BHOPAI, M.P.

Bhopal, the 30th August 1982

Ref. No. 1AC/Acqn/Bpl/2910.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) thereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Part of Property located at situated at 19/1, Race Course

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Indore on 1-1-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from he date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by transferee for the Judian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of property located at 19/1, Race Course Road, Indore.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 30-8-1982

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :-

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 30th August 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/2911.—Whereas I, D. P. PANTA,

D. P. PANTA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (thereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 112, Double storied situated at Gopalbagh

transfer with the object of :---

Colony, Indore. (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Indore on 14-1-1982, for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Bhagwandas S/o Lokmalji, Ashok Kumar S/o Lokmalji, R/o 55, Sitalamata Bazar, Indore.

(2) Smt. Rajkamal Bai W/o Phoolchandji Jain, Shri Phoolchand S/o Shri Chandmalji Jain, R/o 21, Chota Sarafa, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which were revised overtex later. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from he date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storied House No. 112, at Gopal Bagh, Colony Indore.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopa

Date: 30-8-1982

FORM I.T.N.S .--

(1) Shri Mukund Waman Sule, U.S.A. Chandrakar Colony, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sunit Mishra, YF/29, Vigyan Nagar Kotha, (Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 30th August 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bp1/2912.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 71 situated at Shrinagar Extension, Indore, (and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 12-1-1982, for an apparent consideration which is less that market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

- whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in and of

respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House Plot No. 71, at Shrinagar Extension, Indore.

THE SCHEDULE

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 259C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely ;--

Date: 30-8-1982

FORM LT.N.S.--

(1) Dr. Ganesh Ram Kaluram Puranik, 687, M. G. Road, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vijay Kishore Tapadia, Mrs. Neelam Tapadia, R/o 40-A MIG Colony, Indore. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 30th August 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/2913.--Whereas I, D. P. PANTA,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Survey No. 1317/3 situated at Indore Village Khajrana.
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 19-1-1982

for an appropriate consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less market alue of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,
- whichever period expires later;
 (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Survey No. 1317/3 at Indore (Village Khajrana).

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :-

Date: 30-8-1982

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD **AMRITSAR**

Amritsar, the 4th September 1982

Ref. No. ASR/82-83/248.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. one plot situated in Basant Avenue ASR (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on Jan. 82

for an apparent consideration which is less market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

25-266GI/82

(1) Sh. Baldev Singh s/o Faqir Singh r/o 9 Maqbul Road Amritsar.

(Transferor)

- (2) S. Gajinder Singh s/o Ram Singh r/o B-8 Green Amrltsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any
- (Person in occupation of the property) (4) Any other

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from he date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shell have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 225 sq. yds situated in Basant Avenue Amritsar as mentioned in the sale deed No. 18359/dated 13-1-82 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar

Date: 4-9-82 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 4th September 1982

Ref. No. ASR/82-83/249 -- Whereas, I ANAND SINGH TRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot in Basant Avenue ASR situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar on Jan 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between, the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Sh. Baldev Singh s/o Faqir Singh r/o 9 Maqbul Road, Amritsar.

(Transferoi)

- (2) Sh. Gajinder Singh s/o Ram Singh r/o B-8 Green Avenue Amritsar. (Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any (Person in occupation of the property)
- (4) Any other

(Person whom the undersigned knows to to interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Chrette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 225 sq. yds. situated in Basant Avenue Amritsar as mentioned in the sale deed No. 18357 dated 13-1-82 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar

Date: 4-9-82 Seal *

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 6th September 1982

Ref. No. ASR/82-83/250.—Whereas, I ANAND SINGH IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot of land at Radha Swami Road situated at Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar on Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the padties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Kum. Madhu Chawla d/o Sh Hira Lal r/o Bombay through Sh. A. R. Boga s/o E. A. Boga r/o Hide market Amritsar. Attorney.

(Transferor)

- (2) Sh. Karnail Singh & Smt. Surinderjit Kaur w/o Karnail Singh r/o H. No. 4851-A Sarvar pura Amritsar (Gali No. 7).
- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 215 sq. yds situated at Radha Swami Road Amritsar as mentioned in the sale deed No. 18970 dated 25-1-82 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 6-9-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 6th September 1982

Ref. No. ASR/82-83/251.—Whereas, I ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. one plot of land on Radha Swami Road, situated at Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Amritsar on Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Kum. Radhu Chawla d/o Sh. Hira Lal r/o Bombay through R.A. Boga s/o E.A. Boga r/o Hide Market Amritsar, Attorney.

(Transferor)

- (2) Sh. Karnail Singh & Smt. Surinder Jit Kaur r/o H. No. 4851-A, Gali No. 7 Sarvar Pura, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 178.33 sq. mtrs (215 sq. yds) situated at Radha Swami Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 19136 dated 28-1-82 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 6-9-82

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 30th August 1982

Ref. No. ASR/82-83/232.—Whereas, I ANAND SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. One plot in New Garden Colony situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

SR Amritsar on Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Ved Parkash 5/0 Sh. Puran Chand r/o Katra Aluwalia Amritsar.

(Transferor)

- (2) Shmt. Veena Khanna w/o Narinder Kumar Khanna r/o 10-Garden Colony Amritsar.

 (Transferce)
- (3) As at si. No. 2 overleaf and tenant(s) if any (Person in occupation of the property)
- (4) Any other

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 250.6 sq. yds (1/2 of 501.2 sq. yds) situated in New garden colony Amritsar as mentioned in the sale deed No. 18676 dated 20-1-82 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 30-8-82

FORM LT.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE.

3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 30th August, 1982

Ref. No. ASR/82-83/233.—Whereas, I ANAND SIN(41) JRS

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. One plot in New Garden Colony situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on Jan. 82

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Ved Parkash s/o Puran Chand r/o Katra Ahluwalia Amritsar.

(Transferoi)

(2) Shii Shashi Chopra w/o Arun Chopra, Smt. Kamla Rani w/o Sat Pal Chopra r/o 31, Daya Nand Nagar, Amritsar.

Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 253 sq. yds. situated at new garden colony Amritsar as mentioned in the sale deed No. 18590/dated 19-1-82 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 30-8-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE,

3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 30th August 1982

Ref. No. ASR/82-83/234.—Whereas, I ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. One plot in New Garden Colony situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Amritsar on Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Ved Parkash s/o Puran Chand r/o Katra Aluwalia Amritsar self & Mukhtar aam.
 - (Transferor)
- (2) Sh. Rajinder Singh s/o Gurmit Singh r/o 107 Jawrance Road, Amritsar,

(Transferee)

- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any
 - (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 501.25 sq. yds situated in New garden colony Amritsar as mentioned in the sale deed No. 18362/dated 13-1-82 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissione of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 30-8-82

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsat, the 30th August 1982

Ref. No. ASR/82-83/235.—Whereas, I ANAND SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. One plot in New Garden Colony situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on Jan 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ved Parkash s/o Puran Chand r/o Katra Aluwalia Amritsar self & mukhtar aam.

 (Transferor)
- (2) Sh. Kewal Krishan s/o Sh. Rakha Ram Tandon r/o katra Aluwalia Kucha Kalyan Dass Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. overleaf and tenant(s) if any (Person in occupation of the property)
- (4) Any other
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 500 sq. yds situated in New Garden colony Amritsar as mentioned in the sale deed No. 18115/dated 8-1-82 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 30-8-82 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 30th August 1982

Rcf. No. ASR/82-83/236.—Whereas, I ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One plot in New Garden colony situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at SR Amritsar on Jan 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
26—266 G. I./82

- (1) Shri Ved Parkash s/o Puran Chand r/o Katra Aluwalia Amritsar self & mukhtar asm. (Transferor)
- (2) Kum. Suman Joshi d/o Shi Kanta Vasisht, r/o Daya Nand Nagar, Lawrance Road, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
 (Person in occupation of the property)

be interested in the property)

(4) Any other (Person whom the undersigned knows to

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 400 sq. yds. situated in new garden colony Amritsar as mentioned in the sale deed No. 18361/dated 13-1-82 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 30-8-82

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 30th August 1982

Ref. No. ASR/82-83/237.—Whereas, I ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the imnovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot in New Garden Colony situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at SR Amritsar on Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ved Parkash s/o Puran Chand r/o Katra Aluwalia Amritsar self & mukhtar aam.

 (Transferor)
- (2) Sh. Arun Kumar s/o Satpal r/o 31, Daya Nand Nagar Amritsar. (Transferce)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 253 sq. yds situated in new garden colony Amritsar as mentioned in the sale deed No. 18213/dated 11-1-82 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 30-8-82

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 30th August 1982

Ref. No. ASR/82-83/238.—Whereas, I ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

One plot in New Garden Colony situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds, the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ved Parkash s/o Puran Chand 1/o Katra Aluwalia Amritsar self & mukhtar aam. (Transferor)
- (2) Smt. Sant Kaur w/o Sohan Singh r/o Gali No. 4 Mohan Nagar, Amritsar. (Transferce)
- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —'The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 458 sq. yds. situated in new garden colony Amritsar as mentioned in the sale deed No. 18400/dated 14-1-82 cr the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsur

Date: 30-8-82

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 30th August 1982

Ref. No. ASR/82-83/239.—Whereas, I ANAND SINGH IRS

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market vaule exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. plot of land in New Garden colony situated at Amritsar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at

SR Amritsar on Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Ved Parkash s/o Puran Chand r/o Katra Ahluwalia, Amritsar.

(Transferor)

- (2) Sh. Sohan Singh s/o Bishan Singh r/o Bopa Rai Distt. Amritsar. (Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any (Person in occupation of the property)
- (4) Any other

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land situated in New Garden colony Amritsar (measuring 458 sq. yds.) as mentioned in the sale deed No. 18402/dated 14-1-82 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 26D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 30-8-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 30th August 1982

Ref. No. ASR/82-83.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

plot of land in New Garden Colony situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at SR Amritsar on January 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-lax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ved Parkash s/o Puran Chand r/o Katra Aluwalia self and mukhtar aam, Amritsar. (Transferor)
- (2) Smt. Veena Khanna w/o Narinder Khanna r/o Amritsar, 10, Garden colony. (Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any (Person in occupation of the property)
- (4) Any other

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable poperty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as ore defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 250.1 sq. yds. situated in new garden colony Amritsar as mentioned in the sale deed No. 18436 dated 15-1-82 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 30-8-82

Scal:

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

Amritsar, the 30th August 1982

Acf. No. ASR/82-83/241.—Whereas, J, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One plot of land on Redha Swami Road, situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at SR Amritsar on January 82 for an apparent consideration wi

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Kum. Sonika d/o Hira Lal r/o Bombay through Shri R. A. Boga s/o Sh. A. E. Boga r/o Hide Market Amritsar mukhtar.

(Transferor)

- (2) Sr. Jagdish Singh s/o Joginder Singh r/o East Mohan Nagar, Amritsar.
 - (Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any (Person in occupation of the property)
- *(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and texpressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 321 sq. yds situated at Radha Swami Road, Amritsar as mentioned in the sale deed Nos. 18580 & 18969 of Jan, 82, of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,

Date: 30-8-82

FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 30th August 1982

Rcf. No. ASR/82-83/242.—Whereas, I ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. One plot at East Mohan Nagar situated at ASR (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Kidar Nath S/O Sh. Kahan Chand r/O Kangra Dharamshala Road now Katra Dulo Kucha Sewa Syal Amritsar. (Transferor)
- (2) M/s. Prabhat Ayurvedic Pharmacy Katra Sher Singh through Sh. Raj Kumar. (Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
 (Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4 share in plot No. 273-C measuring 175 sq. yds situated in Amritsar scheme, Amritsar Improvement Trust East Mohan Nagar, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 17788/dated 1-1-82 of the registering authority ASR.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 30-8-82

FORM I.T.N.S ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amutsar, the 30th August 1982

Ref No ASR/82-83/243—Whereas, I ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter

referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No One plot on Radha Swami Road situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on Jan 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, in the following persons, namely:—

- (1) Kuman Renuka d/o Hira Lal Narang 1/o Bombay through Shri Rustam Ardeshar Boga r/o Hide market, Amritsar, attorney
- (2) Shri Paramjit Singh s/o Joginder Singh r/o East

(Transferee)

(Transferor)

- (3) As at sr No 2 overleaf and tenant(s) if any (Person in occupation of the property)
- (4) Any other

Mohan Nagar, Amritsar

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 21875 sq mtrs situated at Radha Swami Road, Amiitsar as mentioned in the sale deed Nos 18578 & 18968 dated 19 1 82 of the registering authority Amritsar

ANAND SINGH, IRS
Acquisition Range, Amritsar
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 30-8-82

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 30th August 1982

Ref. No. ASR/82-83/244.—Whereas, I. ANAND SINGH IR9.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One plot on Radha Swami Road situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar on Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons manely:—27—266 Gi, 1/82

 Kum, Monika d/o H'ra Lal r/o Bombay through Shri Rustam Ardeshar Boga r/o Hide Market Amritsar attorney.

(Transferor)

- (2) Sh. Jashir Singh s o Joginder Singh r/o East Mohan Nagar, Amritsar.
- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any (Person in occupation of the property)
- (4) Any other (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPI ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 218.75 sq. yds. situated at Radha Swami Road, Amritsar as mentioned in the sale deed Nos. 18579 & 18967 dated Ian. 82 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsur

Date: 30-8-82

Scal:

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI. TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 30th August 1982

Ref. No. ASR/82-83/245.—Whereas, I ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot at Radha Swami Road. ASR situated at (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on Jan. 82

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceulment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jia Lal Tirath Ram s/o Sh. Tirath Ram r/o Bombay through Sh. Des Raj s/o Shri Ram Nath Talwar r/o Guli Pipe Wali Amritsar mukhtar aam. (Transferor)
- (2) Sh. Inder Bhan s/o Sh. Sunder Lal r/o Katra Sufaid Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any (Person in occupation of the property)
- (4) Any other

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land No. 5 min measuring 2834 sq. yds situated on Radha Swami Road (Raghu Nath Pura) Amritsar in T.P. Scheme No. 33, as mentioned in the sale deed No. 17900 dated 5-1-82 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 30-8-82

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 30th August 1982

Ref. No. ASR/82-83/246.--Whereas, I, ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'). have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One Plot on Radha Swami Road situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Amritsar on Jan. 82

transfer with the object of :-

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: -

- (1) Shu Jia Lal Tirath Ram s/o Sh. Tirath Ram r/o Bombay through Sh. Des Raj s/o Shri Ram Nath Talwar r/o Gali Pipe Wali Amritsar mukhtar aam. (Transferor)
- Arwind Seth s/o Bal Krishan r/o 1025 Dhaib Khatikan Amritsar. (Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any (Person in occupation of the property)
- (4) Any other

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

One plot of land No. 5 min measuring 2834 sq. yds. situated in T.P. Scheme No. 33 Radha Swami Road (Raghu Nath pura Amritsar) as mentioned in the sale deed. No. 17891/ dated 5-1-82 of the registering authority Amritsar.

> ANAND SINGH, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar

Date: 30-8-82

Scal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 30th August 1982

Ref. No. ASR/82-83/247.—Whereas, I ANAND SINGHIRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop in Cheel Mandi, ASR situated at SR Amritsa; (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at SR Amritsar on Jan, 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Ravinder Kaur wd/o Kapur Singh, Gurbachan Kaur wd/o Daljit Singh r/o 491, Ranjit Avenue Amritsar through Buta Singh, General attorney. ('Fransferor)
- (2) Giani Tarlochan Singh r/o House No. 2949/I, Cheel Mandi, Amritsar.
 (Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any (Person in occupation of the property)
- (4) Any other
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One shop situated in Cheel Mandi Amritsar as mentioned in the sale deed No. 18085 dated 8-1-82 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsur

Date: 30-8-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOMETAN, ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF CHEMBERS, SADAR, NAGPUR.

Nagpur, the 9th June 1982

F. No. IAC ACQ/181/82-83,~-Whereas, I, M. V. R. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and beating

5 No. 114 PH No. 44 Somal Wada Nagpui

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 27-1-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the proporty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than taken per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-action (1) of Section 269°C of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) (1) Snit, Kashibai G Teliandhe
(2) Shii Chandiakant G, Teliandhe
(3) Smit Vanmala M, Kamadi

3) Smt. Vanmala M. Kamadi All ro Samalwada Nagput.

(Transferor)

(2) Panchataia Coop Housing Society Samaiwada Nagpur Societary Shii A. N. Tarekar

(Translerce)

Objection if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EMPTIMATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

S. No. 114 PH No. 44 Samalwada Nagpur Area 8.03 Acres.

M. V. R. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Nagpur

Dated 9-6-82 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF CHEMBERS, SADAR, NAGPUR.

Nagpur, the 21st July 1982

F. No. I.\C. ACQ, 182, 82-83.—Wherea, I, M. V. R. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Kh. No. 101/1 Mouza Sitabuldi Coover Villa Kamptee Road, Nagpui

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 28-1-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infecen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Shri Rustom D. Doongaji
 - (2) Hoshang D. Doongaji(3) Mrs. Tchmi M. Bhomi Shaw
 - (4) Mrs Khorshed Jal, Movdawala
 - (5) Ku. Sherie D. Doongaji.
 - (6) Mis, Khorsheed J. Movdawala
 - (7) Mis, Hormusji Doongaji
 (8) Mr. Rustam Hormusji
 (9) Miss Nargis Hormusji

(1) Miss P. H. Doongaji

(Transferee)

(2) M/s. Gnish Coop. Housing Society Ltd. Chairman Shri Jasbir Singh Anand, CA Road, Nagpur.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Kh. No. 101/1 Mauza Sitabuldi Coover Villa Kumptee Rd. 51456 Sq. Ft. Nagpur.

M. V. R. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissionet of Income-tax
Acquisition Range. Nagpur

Date: 21-7-82

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

> ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF CHEMBERS, SADAR, NAGPUR.

> > Nagpur, the 28th July 1982

F. No. IAC. ACQ/183/82-83.—Whereas I, M. V. R. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe tha the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 107/2 admeasuring 7688 Sq. ft. Ramdaspeth Nagpur and Building thereon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Nagpur on 28-1-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Rustom Darashaw Doongaji & Dr (Mrs.) Damayanti R Doongaji Fort Bombay-23.

(Transferor)

(2) Shri Ramkishan Ramgopal Kabra & Smt. Neela Ramkishan Kabra, Ramdaspeth Nagpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Nazul Plot No. 107/2 Lendia Park Layout Ramdaspeth Nagpur admeasuring 7688 Sq. ft. and building thereon.

M. V. R. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Nagpur

Date: 28-7-82

FORM I.T N.S .-- - -

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, POONA

Poona, the 6th September 1982

Ref. No. IAC/CA-5/SR Nasik/Jan. 82/750/82-83—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S No 422-B-4F P. No 255 M. H. No. 3721-B situated at Agra Road Opp. Dwarka Hotel, Nasik

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Sub Regr. Nasik on January 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subtection (1) of Section 269D of he said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Tejkam Sanmukh Sing and others two R to Union Park, Pali Hill Bandra, Bombay. (Transferot)
- (2) Jashusing Amerksing Anand, Shiftam Natayandas Mantri R o Nasik Road

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing S. No 422-B-4 F.P. No. 255, M. H. No. 3721-B situated at Agia road Opp Dwarka Hotel, Nasik

(Property as described in the sale deed registered under document No. 319 in the office of the Sub-Registrar, Nasik in the month of January 1982).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux
Acquisition Range, Poona

Date: 6-9-82 Senl:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna, the 30th August 1982

Ref. No. III-579/Acq/82-83.—Whereas, I, H. NARAIN Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Touzi No. 418, 377 Khata No. 67, 61, 6 Plot No. 298, 299, 300, 302, 296 Ward No. 37, Circle No. 262 Holding No. 116 situated at Mouza Yarpur P. S. Gardanibagh Distt. Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 8-1-82

for an apparent consideration which is less than the four market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infecen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) fucilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 19 7);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
28—266GI/82

- (1) 1. Smt. Ajanta Choudhary W/o Sri Brindaban Choudhary R/o Yarpur, P.S. Gardanibagh, Dist.-Patna.
 - 2, (a) Sri Kanhai Lal Choudhary
 - (b) Sri Nibhai Lal Choudhary
 - (c) Srl Debi Prasad Choudhary
 - (d) Sri Krishna Gopal Choudhary
 - (e) Sri Bimal Kumar Choudhary, All sons of Sri Harisadhan Choudhary of Village-Aaijan.

(Transferor)

(2) Smt. Indu Devi D/O Sri Ram Pravesh Singh R/O Village-Gonia Chapra, P.S.-Bairlan, P.O.-Raniganj, Dist-Balia (U.P.).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6 Kathas 10 dhurs with old building situated at mouza Yarpur P.S. Gardanibagh Dist. Patna morefully described in deed No. 183 dated 8-1-82 registered with D.S.R Patna

H. NARAIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 30-8-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna, the 30th August 1982

Ref. No. III-575/Acq/82-83,—What as, I, H. NARAIN. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Touzi No. 418, ,377, Khata No. 67, 61, 6 Plot No. 298, 299, 300, 302, 296 Ward No. 37 Circle No. 262 Holding No. 113 situated at Mouza Yarpur P.S. Gardanibagh Dist. Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 1-1-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. Sri Bimal Kumar Choudhary S/O Sri Harisadhan Choudhary R/o Yarpur, P. S.—Gardonibagh, Dist.—Patna.
 - (a) Sri Nibhai Lal Choudhary
 (b) Sri Kanhai Lal Choudhary
 - (c) Sri Krishna Gopal Choudhary
 - (d) Stl Debi Prasad Choudhary All sons of Sri Harisadhan Choudhary and Smt. Ajanta Choudhary W/o Sri Brindaban Choudhary of Village-Aaijan.

(Transferor)

(2) Shri Raj Narain Singh S/o Sti Chandi Prasad Singh R/o Village Goma Chapta, P.S. Bairian, P.O. Runiganj Dist-Balia (U.P.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested ni the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6 Kathas with old building situated at mouzu Yarpur P.S. Gardanubagh Dist. Patna morefully described in deed No. 35 dated 1-1-82 registered with D.S.R. Patna.

H. NARAIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 30-8-82

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna, the 30th August 1982

Ref. No. III-576/Ac/82-83.—Whereas, I, H. NARAIN Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Touzi No. 418, 377 Khata No. 67, 61, 6 Plot No. 298, 299. 300, 302, 296 Ward No. 37 Circle No. 262 Holding No. 112A situated at Mouza Yarpur P.S. Gardanibugh Dist. Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 5-1-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) 1. Sri Krishna Gopal Choudhary S/O Sri Harisadhan Choudhary R/O Yarpur, P.S.-Gardanibagh, Dist. Patna.
 - 2 (a) Sri Kanhai Lal Choudhary
 - (b) Sri Nibhai Lal Choudhary
 - (c) Sri Debi Prasad Choudhary (d) Sri Bimal Kumar Choudhary
 - All sons of Sri Harisadhan Choudhary and Smt. Ajanta Choudhary W/o Sri Brindaban Choudhary of Village Aaijan.

(Transferor)

(2) Shii Bikram Singh S/O Sri Chandi Piasad Singh R/O Village Gonia Chapra, P.O. Raniganj, P.S.—Bairian Dist. Balia (U.P.).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6 Kathas with old building situated at mouza Yarpur P.S. Gardanibagh Dist. Patna morefully described in deed No. 85 dated 5-1-82 registered with D.S.R. Patna.

> H. NARAIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 30-8-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna, the 30th August 1982

Ref. No. III-578/Acq/82-83.—Whereas, I, H. NARAIN Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Touzi No. 418, 377, Khata No. 67, 61, 6 Plot No. 298, 299, 302, 296, 300 Holding No. 117 Ward No. 37 Circle No. 262 situated at Mouza Yarpur P.S. Gardanibagh Dist. Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 7-1-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforaseld property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) fucilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. Sti Nibhai Lal Choudhary S/o Sri Harisadhan Choudhary R/o Yarpur, P.S. Gardanibagh, Distt. Patna.
 - (a) Sri Kanhai Lal Choudhary
 (b) Sti Debi Prasad Choudhary
 (c) Sri Krishna Gopal Choudhary
 - (d) Sri Bimal Kumar Choudhary
 All sons of Sri Harisadhan Choudhary and
 Smt. Ajanta Choudhary W/o Sri Brindaban
 Choudhary of Village-Aaljan.

(Transferor)

(2) (1) Shri Rajiv Singh (2) Kiran Kumar, Minors and and the guardianship of Sri Surajdeo Singh R/O Village Gonia Chapra P.S. Bairian, P.O.-Raniganj, Dist. Balia (U.P.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I and measuring 6 Kathas with old building situated at mouza Yarpur P.S. Gardanibagh Dist. Patna morefully described in deed No. 150 dated 7-1-82 registered with D.S.R. Patna.

H. NARAIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Runge, Bihar, Fatna

Date: 30-8-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BIHAR
BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna, the 30th August 1982

Ref. No. III-577/Acq/82-83,—Whereas, I, H. NARAIN Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Touzi No. 418, 377 Khata No. 67, 61, 6 Plot No. 298, 299, 300, 302, 296 Ward No. 37 Circle No. 262 Holding No. 114 situated at Mouza Yarpur P.S. Gardanibagh Dist. Patna

(and more fully described in the Schedule annexted hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 6-1-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair murket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Sri Debi Prasad Choudhary S/O Sri Harisadhan Choudhary R/O Yarpur, P.S.-Gaidanibagh, Dist. Patna.
 - 2. (a) Sri Kanhai Lal Choudhary
 - (b) Sri Nibhai Lal Choudhary (c) Sri Krishna Gopal Choudhary
 - (d) Sri Bimal Kumar Choudhary,
 All sons of Sri Harisadhan Choudhary and
 Smt. Ajanta Choudhary W/O Sri Brindaban
 Choudhary of Village-Aaijan.

(Transferor

(2) Smt. Kunti Devi W/O Sri Surajdeo Singh R/O Village-Gonia Chapta, P.O. Raniganj, P.S. Bairian Dist. Balia (U.P.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I and measuring 6 Kathas with old building situated at mouza Yarpur P.S. Gardanibagh Dist. Patna morefully described in deed No. 142 dated 6-1-82 registered with D.S.R. Patna.

H. NARAIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 30-8-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

1 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW.

Lucknow, the 15th July 1982

(3.1.R. No. R-172/Acq.—Whereas, I. A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. A commercial building situated at Sahdana Old Match Factory, Barcilly

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bareilly on 16-1-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1) 1. Jagdish Saran
 2. Satish Chandra

(Transferoi)

(2) 1. Sudhir Kumar2. Smt, Rameswari Devi3. Man Mohan

(Transferce)

(3) Above transferors.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A single storeyed commercial building measuring 837 4/9 sq. yds., situate at Mohalla-Sahdana Old Match Factory. Bareilly, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 7285, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Bareilly, on 16-1-1982.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 15-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE.

57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW.

Lucknow, the 18th August 1982

GIR. No. R-174.—Whereas, I. A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land situated at Newal Kishore Road, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow on 31-10-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Harish Bali

(Transferor)

(2) Shri Ramesh Pradhnani

(Transferce)

(3) Shri N. S. Mathur

(Person in occupation of the property)

(4) 1. Shri Harish Bali

2. Smt. Sharda Dutt 3. Smt. Shobha Dutt

(Person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2552 sq. ft. situated at Newal Kishore Rond, I ucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 7228/81, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar. Lucknow, on 31-10-81 (as per 37G form).

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 18-8-1982

FORM I.T.N.S .--

(1) Smt. Hem Lata Singh.

(Transferor)

(2) Smt. Savitri Chauhan

(Transferee)

(3) Smt. Saivtri Chauhan.

(Person in occupation of the property).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57.

RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 16th April 1982

GIR. No S-229/Acq.—Whereas, I, VINOD KUMAR. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. 148, situated at Civil I mes, Bareilly,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bareilly on 15-1-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land measuring 156-2/3 sq. yds. situate at 148, Civil Lines, Bareilly, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No 7267 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Bareilly, on 15-1 1982

VINOD KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, I ucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 16-4-1982

FORM I.T.N.S.

(1) (1) Dr. Brahma Nand Agnihotri,

(2) Smt Ram Kumari Agnihotri,

(3) Shri Geeshpati Agnihotri.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE. RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 29th May 1982

G.I.R. No. J-58/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

No. B-54, E Road situated at Mahanagar Fxtension, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 30-1-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than sifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) (1) Shri Jaswant Singh. (2) Smt. Asha Singh.

(Transferce)

(3) Above transferee. (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All plot of land No. B-54 measuring Nine Biswas Seven Biswansis and Nine Kachwansis i.e. 12550 sq. ft. or 1184 50 sq. mtrs. at E Road, Mahanagar Extension, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No 431, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 30-1-1982.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-29-266 GI/82

Date: 29-5-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, 57,
RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 16th August 1982

G.I.R. No. S-236.—Whereas, I, A. PRASAD. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 6-B/35 situated at Civil Lines, Bareilly (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bareilly on 15-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Govind Swaroop Johri. S/o Shri Ram Swaroop Johri.

(Transferor)

(2) Satya Veer Singh S/o Shri Roop Chandra Singh

(Transferce)

(3) Above seller.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Arazi land measuring 210 sq. yds. situated at 6-B/35, Civil 1 ines, Rampurbagh, Bareilly, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 8291/81, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Bareilly, on 15-12-1981

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 16-8-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 5th August 1982

G.I.R. No. N-48/Acq.—Whereas, I. A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-apd bearing

Plot No. 56-A situated at Krishna Nagar, Kanpur Road, Lucknow.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 18-1-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Smt. Aruna Kehar.

(Transferor)

(2) Smt. Neera Gupta.

(Transferee)

(3) Above vendor.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 56-A (11700 sq. ft.) situated at Krishna Nagar, Kaupur Road, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 914, which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 18-1-1982 (as per 37G form).

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 5-8-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, 57 RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 7th August 1982

G.I.R. No. S-237.—Whereas, I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Arazi situated at Mauza-Bargad Kasba, Haveli-Sadar, Gorakhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gorakhpur on 2-1-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

- (1) (1) Bekaru s/o Shri Balkishan.
 - Shri Ramanand. (2)(3) Shri Govind.
 - (4) Shri Vishwanath Sa/o Shri Raghuuandan.
 - (5) Shri Baijnath.
 - (5) Shri Baijnain, (6) Shri Dudhnath Ss/o Shri Manraj. (Transferor)

- (2) (1) Shri Shankarji,
 - (2) Shri Madanji,
 - (3) Shri Mohanji,
 - (4) Shri Sohanji,

Ss/o Shri Ambika Prosad.

(3) Self.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring one acre 89 decimals, khasra Nos. 108, 109 and 110 situated at Mauza-Bargad, Tappa Kasba, Purgana-Haveli, Distt. Gorakhpur and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 66/82, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Gorakhpur, on 2-1-1982.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow

Date: 7-8-1982

FORM ITNS----

(1) Smt. Usha Agarwal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(2) Shii K. N. Singh.

(Transferce)

GOVERNMEN'T OF INDIA

(3) Above seller. (Person in occupation of the property).

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Lucknow, the 5th August 1982

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

G.I.R. No. k-111.-Whereas, I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing House No. MG/29 situated at Aligani Street and City Expansion Scheme, Lucknow,

> Explanation:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Lucknow on 22-1-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reducation of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/ot
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1952 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. MG/29, area-1800 sq. ft. (lease-hold), situated at Aligan) Street and City Expansion Scheme, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 1069/82, which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 22-1-1982.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date 5-8-1982:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 25th August 1982

G.I.R. No. V-57/Acq.—Whereas, J. A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land situated at Ghanora, Tehsil Bilaspiu, Dist. Rampur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rampur on 22-1-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (2) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- th) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Nitin Shanker S/o Shri Ravi Shanker. Through Babli S/o Shri J. C. Ram Saran Das.

(Transferor)

(2) Shri Vikram Prasad S/o Shri Mahavir Prasad.

(Transferee)

(3) Above Vendce.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Arazi land situated at Ghanora, Tehsil-Bilaspur, Disti. Rampur and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 1050/82 which have duty been registered at the office of the Sub-Registrar Rampur, on 22-1-1982 (as per 37G form).

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 25-8-1982

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 25th August 1982

G.l.R. No. V-56/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Arazi land situated at Ghanora, Bilaspur, Distt. Rampur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Rampur on 22-1-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Nitin Shanker S/o Shri Ravi Shanker, Through Niketa D/o Shri J. C. Ram Saran Das. (Transferor)
- (2) Shri Vineet Prasad S/o Shri Mahaveer Prasad.
 (Transferees)
- (3) Above vendee.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Arazi land measuring 16 Bighas 15 Biswa and 5 Biswansi situated at Ghanora, Tehsil-Bilaspur Distt. Rampur, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 1040/82, which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Rampur, on 22-1-1982.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 25-8-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 13th August 1982

G.I.R. No. G-54/Acq.—Whereas I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereknafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 41 situated at Mohalla Ghasiari Mandi, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 21-1-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Suresh Prakash Singh, Through bis Attorney, Smt. Ira Ruparel.
 - 2. Smt. Ira Ruparel,
 - Rani Hem Raj Kaur, Through her Attorney, Shri Vinai Prakash Singh,
 - 4. Shri Ajai Prakash.
 - Shri Abhay Prakash Singh, Through Attorney, Shri Vinai Prakash Singh,
 - Shri Udai Prakash, through Attorney, Shri Vinai Prakash Singh,
 - 7. Shri Vlnay Prakash Singh,
 - 8. Smt. Mamta Gupta, Through attorney, Shri Vinai Prakesh Singh,

- 9. Smt. Gayatri Singh Through attorney Shri Vinai Prakash Singh,
- Shri Digvijai Singh, Through attorney, Shri Vinai Prakush Singh,
- Shri Jai Singh, Through attorney, Shri Vinai Prakash Singh.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Ghulum Nizamuddin.
 - 2. Shri Ghulam Naseeruddin.
 - 3. Shri Nooruddin.
 - 4. Shri Anwar Wahab (Minor), Through Guardian, Ghulam Naseeruddia.
 - 5. Shri Ehtishamuddin.
 - 6. Shri Mohammad Imran (Minor). Through his Father, Ghulam Mohiuddin.
 - 7. Shri Iqbal Ashraf (Minor), Through his Gwardian, Smt. Shahidabano.

(Transferee)

- (3) Above vendees and Tenants,
 - (1) S/Shri Chhedi Prasad
 - (2) Kishori Lal
 - (3) Shabir Khan
 - (4) Mahabir
 - (5) Chiddu Dhobi
 - (6) Bhondu
 - (7) Chunni Lal
 - (8) Kalyan Mal Agarwal
 - (9) Sukkha
 - (10) Tingu
 - (11) Piarcy
 - (12) Harijan Seva Samaj Kalyan Karyalaya.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lease hold plot No. 41, measuring 35,000 sq. ft. with dilapidated structure standing thereon, situated in Mohalla Ghasiari Mandi, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 428/82, which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 21-1-1982.

A. PRASAD
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 13-8-1982

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 16th March 1982

No. 415/81-82.-Whereas, I SMT. MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. CTS No. 2837/B situated at Tenginkeragalli, Belgaum (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Belgaum, under Doc. No. 1941 on 27-1-82,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---30-266GI/82

(1) 1. Sri Sayed Nasir Pasha Sayed Khadir Pashasaheb Inamder, R/o Marihal, Dist. Belgaum.

2. Sri Sayed Zafar Pasha Babasaheb Inamdar, R/o

Bombay.

 Smt. Benikubra alias Shahanawaz Begum W/o Sri Abdul Idrus alias Desal Jahagirdar, P.A. Sri Abdul Idrus alias Desal Jahagirdar, holder Sri Abdulla Idrus Murshadpeer Jahagirdar, R/o Camp. Belgaum.

(Transferor)

 (2) 1. Sri Ynuskhan Abdul Rehamankhan,
 2. Smt. Khatunabi W/o Kasimsab Gavas, C/o
 Hindustan Printing Press, 3208, Bhendi Bazar, Belgaum.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1941 dated 27-1-1982) Land and building bearing CTS No. 2837/B situated at Tenginkeragalli, Belgaum.

> SMT. MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 16-3-1982

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGAI ORE-560001

Bangalore, 5th June 1982

CR. No. 62/33376/81-82/ACQ/B.-Whereas, I

MRS MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000 'bearing

Site No. 106/4 situated at III Main Road, (Margosa Road) 12th cross, Malleswaram, Bangalore-3.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Gandhinagar, Under Document No 3721/81-82 on 25-1-82 Bangalore

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Godamma, No. 66, Gopathy Narayanaswamy Chetty road, Thyagarajanagar, Madras-17.

 (Transferor)
- (2) M/s V R. Enterprises No. 1/1, Museum road, Bangalore-1, Represented by it's Partner, Shri S. Chandrasekhar

(Iransferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

HYPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3721/81-82 dated 25-1-82)
All that property bearing Site No. 106/4, Situated at III
Main road, (Margosa road) 12th Cross, Malleswaram,
Bangalore-3.

MRS. MANJU MADHAVAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 5-6-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE BANGALORE 560001

Bangalore 560001, the 8th July 1982

C R No 62/440 81-82/ACQ/B—Whereas I MRS MANJU MADHAVAN Inspecting Assistant Commission of Income-tax,

Inspecting Assistant Commission of Income-tax, Acquisition Range Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000/ and bearing

No 199 2 situated at Dulei, Mapusa Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereta), has been transferred under the Registration Act 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bardez Goa Under document No 88 on 18 1-1982, for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Alex Braganza
 - 2 Miss May Braganza 3 Miss June Braganza
 - All residents of Khorlim Mapusa Goa
 (Transfero)
- (2) 1 Shir Hiralal Jayram Susat
 - 2 Shii Suhas Jayiam Sirsat
 - 3 Shri Amrutlal Jayram Sirsat
 - 4 Shri Ramchandia Jayram Sirsat 5 Shri Sanjay Jayram Sirsat
 - 5 Shii Sandesh Jayram Sirsat

All residents of Ansabhat Mapusa, Goa

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

1 VPLVVVIION — the terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(Registered Document No 88 dated 18 1-1982)
Property known as 'AMBYACHEA GOI WACHI BOR
bearing M. No. 199/2 situated at Duler Mapus 3-Goa

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Bangalore

Date 8 7-1982 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE

Bangalore, the 2nd August 1982

C.R. No. 62/33415/81-82/Acq.B.—Whereas I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/and bearing

No. 1137, situated at H.A.L. II Stage, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Document No. 3221 on 23-1-1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the preperty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

 Smt. Sheelavathi R. Kittur by her P.A. Holder, R. D. Kittur Sri Krishna Building Hindwadi Belgaum, nawat, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri T. Muniyallappa, 53/1, 7th Cross, S. R. Nagar, Bangalore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3221 dated 23-1-1981) Building site No. 1137 of H.A.L. II Stage, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-8-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 26th July 1982

No. 441/82-83.—Whereas, I MRS. MANJU MADHAVAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. C.S. No. 2884/1/B situated at Khade Bazar, Belgaum, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Belgaum under document No. 2829 on 18-1-1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

- (1) Shri Chandrasekhar Appayya Bhoj, Khade Bazar, House No. 2834/1. Belgaum. (Transferor)
- Kanchanben Mulchand Mehata.
 Smt. Anasuyabai Ramanilal Mehata.
 Smt. Jayashree Jayasukh Mehata.
 - Smt. Jayasinee Jayasukii Mehata.
 Smt. Meenabai Batkuraj Mehata.
 R/o Ganachari Galli, 4015 Belgaum.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any ofher person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2829 dated 18-1-1982)
Property bearing No. C.S. No. 2884/1/B situated at Khade
Bazar, Belgaum.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 26-7-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Lt. Col. K. V. Janardhanan, S/o Sri K. V. Raman, No. 761, HAL II Stage, Indiranagar, Bangalore-38. (Transferor)

(2) Shri Chndrasekhar Nayar, S/o G. K. Nayar, Janaki Bhavan' Nerriom, Trivandrum, Kerala.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 10th August 1982

C.R. No. 62/33416/81-82/ACQ/B.—Whereas, I MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 761 situated at HAL II Stage, Indiranagar, Bangalore-38,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registration officer at Shivajinagar Doc. No. 3231 on 25-1-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed up between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this noice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3231 dated 25-1-1982) No. 761, HAL, II Stage, Indiranagar, Bangalore-38.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 10-8-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 10th August 1982 No. C.R. 62/33717/81-82/ACQ-B.—Whereas I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable, property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/1 and bearing

No. 323, 324 and 325 situated at Albert Victor Road, 'E' Street, Kalasipalyam, Bangalore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration A

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavanagudi Doc. No. 3414 on 11-2-1982,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri M. Abdul Azeez, No. 23, Ranoji Rao Road, Bangalore.
- (2) Shri Sree Vishnu Enterprises, Represented by its partners
 - 1. Sri Sathish.
 - Sri K. Suresh
 No. 38, Lakshman Mudaliar Street, Bangalore-560 001.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3414 dated 11-2-1982) Premises bearing Old No. 7, then Old No. 4, 4/1, 4/2, and now bearing Corpn., No. 323, 324 and 325, Albert Victor Road, 'E', Street, Kalasipalyam, 27th Division, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 10-8-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001,

Bangalore-560001, the 16th August 1982

C.R. No. 62/33444/81-82|ACQ|B.—Whereas, I MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 897, situated at HAL II Stage, Extn., Indiranagar, Bangalore-38,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar, Doc. No. 3269 on 28-1-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. H. Parvathamma, W/o Sri Honnasetty, No. 205, Upagairs, II Main Road, III Cross, Dattatraya Extn., GG Hally, KG Nagar, Bangalore-560019.

(Transferor)

(2) Smt. Mary George, D/o M. K. George, 3, Michael Palayam, Indiranagar, Bangalore-560038.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3269, dated 28-1-1982)

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 16-8-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 23rd August 1982

C.R. No. 62/62/33420/81-82/Acq/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Old No. 6, New No. 13, situated at Banaswadi Road, Cooke Town, Bangalore,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar Doc. No. 3127 on 15-1-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of th Indian ncome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
31—266 GI/82

 Shii V, G. Gopalan Nayar, Smt. Vijaya G. Nayar, No. 66-A, Rashtra pathi Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Shri K. A. Nazirullah, Sri K. Syed Obeidullah, Sri K. Syed Kaleemulla, No. 24, Kanda Swamy Mudaliai Road, Richard Town, Bangalore-560 005.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHFDULE

(Registered Document No. 3127 dated 15-1-1982) Old No. 6, New No. 13, Banaswadi Road, Cooke Town, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 23-8-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-

MISSIONER OF INCOMF-TAX, ACQUISITION RANGE BANGALORE 560 001

Bangalore-560 001, the 24th August 1982

CR No 62/33398/81 82|Acq|B —Whereas I, MANJU MADHAVAN

Inspecting Assistant Commissioner of Income ax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No S No 110/1 to 110/5 situated at Kumbalgod village Kengeri Hobii Bangalore South Taluk,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bangaloic South Taluk under document No 6064/81-82 on 15 1-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby imitate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shm & I Thomas, Kallavachal Hous Kanjirapally, Kottayam Kerala

(Transferor)

(2) Shri John Mathew, Panamathodathil House Kumbalgod village, Kengeri Road, Bangalore

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(Registered Document No 6064/81-82, dated 15-1-1982)

Dry & Wet lands, bearing \$1 No 110/1 to 110/5 & 111/1

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Dute 24-8 1982 Seal

(1) Shri K. I. Jacob, Kallacahall house Korgira Palli, Kerala State.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri John Mathews, Kumbalgod village Kengeri Hobli. Bangalore South Taluk.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001 Bangalore-560001, the 24th August 1982

C.R. No. 62/33395/81-82/ACQ/B,-Whereas, I, MANIU MADHAVAN.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Kambipura Village Kengeri Hobli, Bangalore South Taluk

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Bangalore South Taluk Doc, No. 6067/81-82 on 15-1-1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 6067 dated 15-1-1982) 6 acres 33 guntas of agricultural land situated at Kambipura village Kengeri Hobli, Bangalore South Taluk.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date: 24-8-1982

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 24th August 1982

C.R. No. 62/33397/81-82/ACQ/B.—Whereas, I MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the 'ncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 111/2 to 111/4 situated at Kumbalgod Village, Kengeri Hobli Bangalore South Taluk

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bangalore South Taluk Doc No. 6065 on 15-1-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri K. I. Mathew Kambipura Village, Kengeri Hobli, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri John Mathew Panamthodathil Kumbalgod Village Bangalore.

(T) ansferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No 6065 Dated 15-1-82] Dry and wet lands in S. Nos. 111/2 to 111/4 situated at Kambipura village, Kengeri Hobli Bangalore South.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 24-8-1982

NOFICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE 560 001

Bangalore 560001, the 24th August 1982

CR No 62/33396/81 82 ACQ/B—Whereas I MANJU MADHAVAN Inspecting Assistant Commissioner of Income Fax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No 109 situated at Kumbalgod Village Kengeri Hobli, Bangalore South Taluk

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bangalore South Taluk Doeno 6066 on 15 1 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filleen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri K. I. Abiaham Kottayam Kejala State

(Fransferor)

(2) Sri John Mathew Kumbalgod Village Kengeri Hobli Bangalore

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No 6066 Dated 15-1-82] 7 acres 11 guntus of lands situated at Kambipura Village Kengeri Hobli, Bangalore South

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Bangalore

Date 24 8-1982 Seal.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 24th August 1982

C.R. No. 62/33704/81-82/Acq/B.—Whereas, I MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 14-6-858, 861, 682, 863, 864, 865, 866, 867, 867/1, 868, 869, 871 to 875 known as Modern Hotel situated at K. S. Rao Road, Mangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mangalore city under document No. 1601/81-82 on 25-2-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person namely:—

 Sri B. Balakrishna Rao, Barrister of Law, Modern Hotel, K. S. Rao Road, Mangalore-575001.

(Transferor)

(2) Sti K. R. Shetty, S/o Thimmappa Setty, Businessman, Bolar, Mangalore Town.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No 1601/81-82 Dated 25-2-1982] All that property bearing Nos. 14-6-858, 861, 862, 863, 864, 865, 866, 867, 867/1, 868, 869, 871 to 875 known as "Modern Hotel", K. S. Rao Road, Mangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 24-8-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGI, BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 21st August 1982

C.R. No. 62/444/82-83/ACQ/D.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 37 & 38, situated at Tiles Village, Quepem Taluk Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Quepem under document No. 2724/82 on 19-2-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

(1) Shri Antonio Xavier piedade de Barries & his wife Smt. Alexandrina Michael Felicia Mendes, residents of Velim, Salcette, Goa.

(Transferor)

(2) 1. Sri Sridhar Rama Prabhu Chodnekar, Curch sem, House No. 338, Tafuka Quepem, Goa.
2. Sri Vishnudas Sinai Kumde Aquem Alte, Margao, Salcatte Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2724/Feb (82) Dated 19-2-82] All that property bearing number 37-1 & 38/1, situated at Tilei Village, Goa.

MANIU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 21-8-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 21st August 1982

C.R. No. 62/443/82-83/ACQ/D.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Sy. No. 36/A, situated at Venkatagiri Village Gangavathi Taluk

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gangavathi under document No. 2607/Jan 82 on 28-1-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) 1. Shri Surajmal s/o Chunital
 - Shantha Bai Surajmal
 Surajbai Fathe Chand
 - Gangavathi Town in Gangavathi Taluk.
 (Transferor)
- (2) 1 Jatti Vecraprasad
 - 2 Jatti Venkataramana Sons of Jatti Hanumappa residents of Busapatna village in Gangavathi Taluk. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given, in the Chapter,

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2607 (Jan) 82 Dated 28-1-82] 9 Areas 16 guntas of Agricultural land situated in Venkatagiri Village, Gangavathi Taluk.

MANJU MADHAVAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 21-8-82

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001 the 31st August 1982

C.R. No. 62/33401/81-82/ACQ B.—Whereas, I, MANIU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 36 (Old No. 71) situated at 6th Gross, Someswarapuram, Cambridge Road, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Shivajinagar Doc. No. 3114 on 15-1-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to behave that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following tersons, namely;—
32—266GI/82

(1) Shil H. C. Jayarama Reddy , o. C. bikka. Abbarah Halanayakana. Halli Varthur. Hobli, Bangalore.

(Transferor)

(2) Smt. Dotty Mendonka w/o Sri Richard G.A. Mendonca 99, 'H' Colony, I Stage Indira Nagar, Bangalore-560038.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3114 Dated 15-1-82] No. 34 (Old No. 71) 6th cross, Someshwarapuram, Cambridge Road, Layout, Bangalore-51

MANJU MADHAVAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Açquisition Range, Bangalore

Date: 31-8-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 31st August 1982

C.R. No. 62/35603/81-82/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property.

having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 21/1 situated at Cunningham Road, Bangalore

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madias North Doc. No. 110/82 on 14-1-82

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereby by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sudharshan Trading Company Limited 14, Whites Road, Madras-600014.

(Transferor)

(2) Sunil Anand and Company (Pvt.) 1td. 17, Pantheon Apartment Pantheon Road, I Lane Madras-600008.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 110/82 Dated 14-1-82] Building consisting of residential cim private office and garage at 21/1, Cunningham Road, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 31-8-82

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 31st August 1982

C.R. No. 62/33424/81-82/ACQ/B.-Whereas, J. MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 9A situated at H.A.L. III Stage, Inditanagar, Bangalore-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Doc. No. 3206 on 21-1-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) 1. Dr. Mrs. Kamala Unnikrishnan M. R. Unni Krishnan
 No. 2995, H.A.L. II Stage,
 12th Main, Indira Nagar, Bangalore-560038. (Transferor)
- (2) Shri Zohra Tungekar and ten others 58/1, Benson Cross Road. Bangalore-560046.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the some meaning as given up that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3206 Dated 21-1-82] Land together with structure bearing Plot No. 9A, H.A.L. III stage Indira Nagar, Bangalore-38.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date: 31-8-82

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 31st August 1982

C.R. No. 62/33457/81-82/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 8/1, situated at Richmond Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar Document No. 3169 on 31-1-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not beer or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kerala Varma, s/o Vasudevan Vamsudin, 8/1, Richmond Road, Bangalore.

(Transferor)

(2) (1) Balagopal,
 (2) Vidya Varma
 No. 8/1, Richmond Road,
 Bangalore-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3169 Dated 31-1-1982] No. 8/1, Richmond Road, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date 31-8-82 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORI'

Bangalore-560001, the 6th September 1982

C.R. No. 62/33551 81-82/ACQ/B.- Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 70 situated at Main Road, Whitefield Village, Krishna-

rajapuram Bangalore South Tq., (and mere fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore South Tq., Document No. 6263 on 23-1-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid propery, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said. Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the nforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to hte following persons, namely :-

(1) 1. Rev. Devanayagam Stephenson Paul, Mrs. Winfred Irene Paul, "Eaton Ville", No. 70, Main Road, Whitefield, Bangalore Dt.

(Transferor)

(2) M1. Norman D'Casta, No. 23, Benson Cross Road, Benson Town, Bangalote-46.

(Transletce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 6263 Dated 23-1-1982] No. 70, Main Road, Whitefield Village, K. R. Puram Hubh, Bangalore South Ta.

> MANIU MADHAVAN Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 6-9-1982

Seal *

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri B. S. Venkata Reddy, s/o Rama Reddy, No. 101/1, Bridge Road, Bangalore-25.

(Transferor)

(2) Shii M. G. Narayan Reddy, s/o M. Gopal Reddy Mallapalli, Chintamani, Kolar.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 6th September 1982

C.R. No. 62/33448/81-82/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Old No. 2, New No. 12, situated at 17th cross Road Binnamangala II stage, Bangalore-38

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Shivajinagar Document No. 3249/81-82 on Jan. 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1911 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

|Registered Document No. 3249 Dated 15-1-82| Corporation Old No. 2, New No. 12, E. No. 17th Cross Road, Binnamangala II stage, Bangalore-38.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date · 6 9-1982

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 6th September 1982

C.R. No. 62/33436/81-82/ACQ/B.--Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Site No. 25 situated at Binnamangala I stage Extension,

Bangalore-38

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

Shivajinagar Doc. No. 3035 on 4-1-1982

1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax A2t, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri K. M. Mally Door No. 210, III Block, IV stage, West of Chord Layout, Bangalore-560039.

(Transferor)

(2) Achala M. Shetty Dharia Mahal Building, 80. Napean Sea Road, Bombay-400006.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No 3035 Dated 4-1-82] Vacant site No. 25, Benna Mangala I stage Extension, Bangalore-38.

> MANIU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 6-9-1982

The second secon

I ORM I.ΓN.S.→ = --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGATORF Bangalore-560001, the 6th September 1982

C.R. No. 62/33431/81-82 ACQ/B.—Whereas. I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Incomelax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 16, situated at Curve Road, Tasker Town, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar Doc. No. 3072 on 11-1-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(1) Shi K A Rafiqulla s o K. Abdul Sathai Saheb, No. 16, Curve Road, Taskei Town, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shii K. A. Mujeei s/o K. Abdul Sathai Saheb No. 16/1, Caive Road, Tasker Town, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3072 Dated 11-1-1982] No. 16, Curve Road, Tasker Town, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this noitee under sub-section (1) of Section 249D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-9-1982

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) 1. H. S. Krsihnamurthy

2. Kumari Geetha

3 Mastu Ganesha4 Kumari SumaBagalkot.

(Transferor)

(2) Shri B. K. Kalyanshankar, 90, Gundopanth Sheet, Bangalore-2.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 6th September 1982

C.R. No. 62/33566/81-82/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Old No. 91, latu 104, now 20, situated at III Main, Tata Sak farm. Basavangudi, Bangalore-4

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Basavanagudi Doc. No. 3227 on 27-1-1982 for an apparent consideration which is le

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
33—266GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3227 Dated 27-1-1982] Old No. 91, latu No. 104, & New No. 20. III main Tata Silk Farm. Basavangudi. Bangalore-4.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 6-9-1982

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 1st September 1982

Ref. No. A.P. No. 3312.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

as per Schedule situated at Garba

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jalandhar on January, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Joginder Kaur W/o Shri Harbhajan Singh R/o 37, Haqikat Road, Jalandhar Cantt, through Dr. Nidhan Singh

(Transferor)

(2) Smt. Jaswant Kaur W/o Shri Mangal Singh Dial R/o New Jawahar Nagar, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As. Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (e) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property House No. 34 situated at V. Garha as mentioned in the registration sale deed No. 6253 of January, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 1-9-1982

Scal ;

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 1st September 1982

Ref. No. A.P. No. 3313.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per Schodule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Jalandhar on January, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Major Swaran Singh Johal S/o Shri Labh Singh and Gurmel Singh, Avtar Singh R/o Civil Lines, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Mangal Singh Dial
 S/o Shri Munsha Singh
 R/o New Jawahar Nagar, Jalandhar.

(Transferee)

i(3) As s. No. 2 above.

(4) Any other person interested in the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property House No. 21 situated at Hardayal Nagar, Jalandhar as mentioned in the registration sales deed No. 6326 of January, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 1-9-1982

FORM LT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 1st Soptember 1982

Ref. No. A.P. No. 3314.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

as per schedule situated at Garha

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on January, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to beween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957,

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Major Swaran Singh Johal S/o Shri Labh Singh R/o Civil Lines, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Gurvinder Singh Dial S/o Shri Mangal Singh, New Jawahar Nagar, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As s1. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows

to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property 1/2 House No. 22 situated at Hardyal Nagat Garha, Jalandhar as mentioned in the registration sale deed No. 6474 of January, 1982 of the Registering Authority Jalandhar,

> J. L. GIRDHAR Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Jalandhar

Date: 1-9-1982

(1) Shri Iqbal Singh Johal S/o Shri Swaran Singh R/o Civil Lines Jalandhar. through attorney Sumraw Johal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 1st September 1982

Ref. No. A. P. No. 3315.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Garha, Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on Feb., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri Harvinder Pal Singh Dial
 S/o Shri Mangal Singh
 R/o New Jawahar Nagar, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As. Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FARIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property 1/2 House No. 22 situated at Hardyal Nagar, Garha, Jalandhar as mentioned in the registeration sale deed No. 7254 of February, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 1-9-1982

FORM I.T.N.S -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE IN(OME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar the 4th September 1982

Ref No AP No 3316—Whereas, I, J L GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No

as per schedule situated at V Khurla

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on January, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Rameshwar Singh S/o Shri Karam Singh, R/o Model Town, Jalandhar

(Transferor)

(2) Shri Sunil Grover S/o Shri Sunder Lal and Samir Grover S/o Shri Gulshan Grover R/o 94-Shaheed Udham Singh Nagar, Jalandhar

(Transferce)

(3) As Sr No 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property land area 38 Mis 15 S H situated in V Khurla as mentioned in the registration sale deed No 6053 dated January, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date 449-1982 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 4th September 1982

Ref No. A P No 3317—Whereas, I, J L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No

As per Schedule situated at Kıngra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jalandhar on January 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269F of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt Parmit Kaur d/o Joginder Singh Through G.A.
 Shri Harbans Singh s/o Kartar Singh R/o Village Gurrah Teh Jalandhar

(Transferor)

(2) Shri Kartar Singh s/o Malla Singh s/o Sham Singh Village Bidipur Teh Sultanpur Lodhi Distt Kapurthala

(3) As S No 2 above

(Transferce)

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land area 2 kls situated in V Kingra as mentioned in the registration sale deed No 6055 of January, 1982 of the Registering Authority Jalandhai

J L GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Inlandhar

Date 4 9-1982 Seal

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 4th September 1982

Ref. No. A.P. No. 3318.—Whereas, J, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Vs per Schedule situated at Maksoodpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on January 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property I have reason to believe that the fair market value of the property as oforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Shanker Dass S/o Attra Through Shri Joginder Pal S/o Sh Shanker R/o V. Bulandpur Teh Jalandhar

(Transferor)

(2) Shii Viney Mitter Mahajan S/o Moti Ram R/o N.F. 36, Qilla Mohalla, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property) (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows

to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land area 2 Kls. 14 Mls. situated in village Maksoodpur as mentioned in the registration sale deed No. 6081 of January, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date 4-9-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ΛCQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 4th September 1982

Ref. No. A.P. No. 3319,—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

As per Schedule situated at Maksoodpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ialandhar on January 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

34-266G1/82

- (1) Shri Shanker Dass S/o Attra Through Shri Joginder Pal S/o Shanker K/o V. Bulandpur Ich, Jalandhar.
 - (Transferor)
- (2) Shii Piem Sagar Shaima S/o Darya Ditta Ram R/o 22, Tagore Park, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land area 2 Kkls. & 15 Mls. situated in Village Maksondpur Teh. Jalandhar as mentioned in the registration sale deed No. 6086 of January, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar,

J. L. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date 4-9-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAI.ANDHAR

Jalandhar, the 4th September 1982

Ref. No. A.P. No. 3320,-Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at V. Kingra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on January 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Shri Dalbir Singh S/o Joginder Singh through Shu Harbans Singh 5/o Kartar Singh R/o V. Mithapur Teh. Jalandhar. (Transferor)
- (2) Shri Jiwan Lal Mehta S/o Ram Parkash Mehta R/o V. Ghukar Teh. Garhshanker, Distt. Hoshiarpur.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sail immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land area 2 Kls, situated in village Kingra as mentioned in the registration sale deed No 6095 of dated January, 1982 of the Registering Authority, Jalandhai.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar

Date: 4-9-1982

Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 4th September 1982

Ref. No. A.P. No. 3321.—Whereas, I, J. L. GJRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and hearing No.

As per Schedule situated at Kingra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on January 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

 Smt. Paramjit Kaur D/o Shri Dalbir Singh Through General Attorney Shri Harbans Singh S/o Kartar Singh V. Gurrah Teh. Jalandhar.

(Transferor)

 Smt. Surinder Kaur W/o Dr. Narinder Singh Baweja, 341 Lajpat Nagar, Jalandhar.

341 Lajpat Nagar, Jalandhar.

2. Pawan Bahri S/o Kewal Krishan Bahri and Sarla Parveen Bahri D/o Kewal Krishan Bahri R/o 1211 Ajit Nagar, Nakodar Road, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S, No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land area 2 Kls. situated in V. Kingra as mentioned in the registration sale deed No. 6146 of January, 1982 of the Registernig Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date 4-9-1982

FORM 1.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 4th September 1982

Ref. No. A.P. No. 3322.—Whereas, I J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable poperty, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at V. Khurla

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhai on Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor ot pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely :-

(1) Shri Harjinder Singh S/o Manohar Singh General Attorney Ranjit Singh S/o Bahadur Singh and Amarjit Singh Gurmet Singh s/o Runbir Singh r/o Khurla.

(Transferor)

(2) Kum. Shanta Ranı D/o Late Sh. Devi Dass Chopra r o Jalandhar.

(Transferee)

(3) A₈ S. No. 2 above (Person in occupation of the property) (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to

be interested in the property)

Objections, if any,, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land area 1 Kl. 6 Mls. situated in village Khurla as mentioned in the registration sale deed No. 6210 of January, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar

Date: 4-9-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

Jalandhar, the 4th September 1982

Ref. No. AP. No. 3323.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at V. Kingra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on Jan 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Shiv Singh S/o Gurbax Singh General Attorney Sh. Jasbir Singh r/o V. Kingia Teh, Jalandhar. (Transferor)
- (2) Shri Bhupinder Singh Johal s/o Kewal Singh S/o Nand Singh R/o Barnala Kalan, Tehs'l Nawansheher.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land area 4 kls. situated in V. Kingia as mentioned in the registeration sale deed No. 6212 of January, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GJRDHAR Competent Authority issioner of Income-tax.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range, Jalandhar

Date: 4-9-82 Scal :

FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONFR
OF INCOMF TAX, ACQUISITION RANGE,

JALANDHAR

Jalandhar, the 4th September 1982

Ref. No. A.P. No. 3324.—Whereas, I J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at V. Kingra (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Jalandhar on Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Shiv Singh S/o Sh. Gurbax Singh General Attorney Sh. Jashir Singh r/o V. Kingra Teh. Jalandhar.
- (2) Shri Randhir Singh Johal S/o Kewal Singh r/o V. Barnala Kalan, Tch. Jalandhar.
- (3) As S. No. 2 above
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land area 4 kls. situated in village Kingra as mentioned in the registeration sale deed No. 6213 of January, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. 1. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ialandhar

Date 4-9-82 Seal :

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX. ACQUISITION RANGE,

Jalandhar, the 4th September 1982

Ref. No AP. No. 3325.—Whereas, I J. L GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at V. Kingra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Jalandhar on Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Jograj Singh S/o Shiv Singh r/o V. Kingta Teh, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shii Amar Vir Singh S o Kewal Singh 1/0 V. Barnala Kalan, Teh. Nawansheher.

(3) As S. No. 2 above (Transferce)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Property land area 4 Kls. situated in V. Kingra Teh. Jalandhar as mentioned in the registeration sale deed No. 6214 of January, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 4-9-82

(1) Shri Ranbir Singh S/o Bahadur Singh through Sh. Deepak Khansa Mukhtiar r/o near Sasta General Store, Nakodai Road, Jalandhai.

(2) Shri Satish Kumar Kapoor s/o Gurdas Ram r/o 5, Brij Nagar near Chandan Nagar, Jalandhar.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As S. No. 2 above (Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Jalandhar, the 4th September 1982

Ref. No. A.P. No. 3326.—Whereas, I J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at V. Khurla

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jalandhar on Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideratoin therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXFLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land area 1 Kls. 5 Mls, situated in V. Khurla as mentioned in the registration sale deed No. 6328 of January, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisit on Range, Jalandhar

Date: 4-9-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 4th September 1982

Ref. No. A.P. No. 3327.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

as per schedule situated at V. Kingra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on Jan. 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shrimati Darshan Kaur Wd/o Joginder Singh. through General Attorney Sh. Daljit Singh S/o Shankar Singh r/o V. Litran teh. Nakodar Distt. Jalandhar.

- (2) Shri Santokh Singh S/o Khushal Singh R/o V. Kotli Araian, Teh Jalandhar. 2. Shri Gurbax Singh S/o Wattan Singh r/o V. Chommo Teh. Jalandhar and Smt. Jaswinder Kaur d/o Gurbax Singh s/o Banta Singh, 54-Kasturba Nagar, Jalandhar Cantt. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land area 2 Kls. situated in Village Kingra as mentioned in the registration sale deed No. 6368 of dated January, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar

Date: 4-9-82 Seal:

35-266GI/82

FORM 1.T.N.S.-

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 4th September 1982

Ref. No. A.P. No. 3328,—Whereas, I, J. L. GIRDHAR. being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

as per schedule situated at Kingra

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sardule Singh Karta HUF S/o Sh. Jungal Singh S/o Nand Singh, 58, Dada Colony, Jalandhar.

(Transferor)

(2) 1. S/Shri Nirmal Kumar

S/o Hari Chand Kandhari, S.B.I., Civil Lines. Jalandhar.

2. Sham I al Gupta S/o Mongal Sain, S.B.I. Train-

ing School, Jammu.

3. Smt. Niveta Malhan W/o Sh. K. D. Malhan, 8/23, Panjab Agricultural University, Ludhiana.

4. Smt. Phul Rishi W/o Vinod Rishi, 180 Shakti

Nagar, Jalandhar.

N. N. Khana S/o D. D. Khana C/o SB.I, Training School, Jammu, Satinder Kaur W/o Rachpal Singh Gupta, 26-Shaheed Udham Singh Naga-, Jalandhar.

7. Major Jasbir Singh S/o Partap Singh, 584, Model Town, Jalandhar,

8 Love Kumar Sharma S/o Mahraj Kumai C/o S.B.I., Old Rly. Road, Julandhar. 9. Kiran Dhand C/o Prem Chand Dhand, 45-Modern Colony, Jalandhar. 10. Mukesh Shahi S/o Sunder Lal Shahi, 45-Modern

Colony, Jalandhar.

11. Kuldip Raj Sharma S/o Ram Parshad Sharma,
20. New Jawahar Nagar, Jalandhar.

12. Mohan Lal S/o Sardari Lal, W.D. 90, Ali

Mohalla, Jalandhar.

 Swaran Sud W/o Kamal Sud C/o Daya Nand Model Higher Secondary School, Jalandhar.

Vecna Bairache W/o Om Parkash, 25-B, Parkash Nagar, Jalandhar.

Rajinder Singh Ghai S/o Jaswant Singh Ghai , Model Town, Jalandbar.
 Gopal Dass Choudhry S/o Udho Dass 370-L, Model Town, Jalandhar.
 Krishna Malhotra W/o R. L. Malhotra, 21-

Krishna Malhotra W/o R. L. Modern Colony, Jalandhar.
 O. P. Gajri S/o Siri Ram Gajri R/o Basti Nau, Jalandhar.
 H. Lal S/o Kundan Lal

C/o SBI, Miller Ganj, Ludhiana. 20. Yash Pal Sharma S/o Atma Ram

R/O Manak, Distt. Sangrur. 21. Pushpa Vati Mohindru W/O O. P. Mahindro, 78-

Pushpa Vati Moningiu w. O C. L. Guru Teg Bahadur Nagar, Jalandhar. (Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land area 16 Kls. situated in V. Kingra as mentioned in the registration sale deed No. 6489 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 4-9-1982

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

lalandhar, the 4th September 1982

Ref. No. A.P. No. 3329.-Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Kingra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shrimati Chanan Kaur mother of Joginder Singh R/o V. Gurrah Teh. Nakodar.

(Transferor)

(2) Shri Surinder Kumar Gupta S/o Ram Saran Krishan Lal Arora S/o Nand Lal Arora, N. M. 585 Mohalla Qarar Khan, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land area 2 Kls. situated in V. Kingra as mentioned in the registration sale deed No. 6570 dated January, 1982 of the Registration Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 4-9-1982

(Transferor)

FORM NO. I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jaindhar, the 4th September 1982

Ref. No. A.P. No. 3330.-Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Maksoodpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax At, 1957 (27 of 1957);

blow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this noitce under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Shrimati Harnam Kaur Wd/o Milkha Singh S/o Khazan Singh R/o Garhahanker Distt. Hoshiarpur.
- (2) Shri Inderpal Singh S/o Harbhajan Singh R/o E. P. 256, Saidan Gate, Jalandhar. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land area 3 Kls. situated in V. Maksoodpur mentioned in the registration sale deed No. 6575 January, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 4-9-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th September 1982

Ref. No. A. P. No. 3331.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per Schedule situated at Kotkapura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Faridkot on Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

- (1) Shri Hira Singh, Amar Singh, Jawahar Singh and Lal Singh Ss/o Sh. Ram Chand, Cloth Merchants, Gurdawara Bazar, Kotkapura.

 (Transferor)
- (2) Shrimati Kaushalya Devi Wd/o Kashmiri Lal S/o Jagan Nath C/o Kothi Dhaliwal, Kotkapura.
- (3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property House No. M.C.B. VI-233 situated at Maheshwari Street, Shastri Market, Kotkapura as mentioned in the registration sale deed No. 4002 dated January, 1982 of the Registering Authority, Faridkot.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 6-9-1982

Seat :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th September 1982

Ref. No. A. P. No. 3332.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Kotkapura

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridkot on Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, mamely:—

- (1) Shri Hira Singh, Amar Singh, Jawahar Singh and Lal Singh Ss/o Ram Chand, Cloth Merchants, Gurdwara Bazar, Kotkapura.

 (Transferor)
- (2) Shri Bikar Singh S/o Harnam Singh, C/o Prince Sweet, Shastri Market, Kotkapura. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property House No. MC-BVI-233 situated at Maheshwari Street, Shastri Market, Kotkapura as mentioned in the registration sale deed No. 4003 of January, 1982 of the Registering Authority, Farldkot.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 6-9-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th September 1982

Ref. No. A. P. No. 3333.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. As per Schedule situated at Kotkapura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Faridkot on Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid propery, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with he object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Amar Singh, Jawahar Singh, Lal Singh Ss/o Ram Chand and Sohan Singh, Udham Singh Gurcharan Kaur and Smt. Sunder Kaur Wd/o Jiwan Singh, R/o Gurdwara Bazar, Kotkapura.

(Transferor)

13895

(2) Shrimati Shabina Rani D/o Bachan Lal C/o Sh. Kasturi Lal, Book Merchants, Gurdwara Bazar, Kotkapura.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned known to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersinged:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Shop No. M. C. BVI-233 situated in Maheehwarl Street, Shastri Market, Kotkapura as mentioned in the registration sale deed No. 4163 of January, 1982 of the Registering Authority, Faridkot.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 6-9-1982

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMF TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th September 1982

Ref. No. A. P. No. 3334.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the competent authority.

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Kotkapura

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridkot on Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid propety, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the respect of any income arising from the transfer; 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1951);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Amar Singh, Jawahar Singh, Lal Singh, Se/o Ram Chand and Sohan Singh, Udham Singh & Gurcharan Kaur and Smt. Sunder Kaur Wd/o Jiwan Singh R/o Gurdwara Bazar, Kotkapura.
- (2) Shrimati Sheela Rani W/o Kasturi Lal and Vijay Kumar S/o Kasturi Lal, Lock Merchants, Gurdawara Bazar, Kotkapura.
- (3) As S. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Shop MC BVI-233 situated in Maheshwarl Street, Shastri Market, Kotkapura as mentioned in the registration sale deed No. 4164 of January 1982 of the Registering Authority, Faridkot.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 6-9-1982

NOTICI UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th September 1982

Ref. No. A. P. No. 3335.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per Schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Jalandhar on Feb. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
36—266 GI/82

- (1) Shri Tarlok Chand S/o Kirpa Ram, Through Sh. Nitanjan Singh R/o 77, Link Colony, Jalandhar. (Transferee)
- (2) Shiimati Jasbir Kaur W/o Niranjan Singh R/o 77, Link Colony, Jalandhar. (Transfeior)

(') As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

FYPIANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property House No. 77 situated at Link Colony, Januardhar mentioned in the registration sale deed No 6823 of Feb. 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 6-9-1982

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 4th September 1982

Ref. No. A.P. No./3336.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-and bearing No. As per Schedule situated at Ram Pura Phul (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rampura Phul on Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for each transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Romesh Kumar & Vijay Kumar Ss/o Sh. Megh Raj R/o Rampura Phul.

(Transferor)

(2) Sh. Jagdish Kumar S/o Gopi Ram, Smt. Sita Ram W/o Sh. Dwarka Dass and Rajesh Kumai S/o Ratten Lal C/o Krishna Talkies, Rampura Phul.

(Transferee)

(3) As S No 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property 70/100 share of factory building (60x120 S ft.) situated in V. Rampur Phul as mentioned in the registration sale deed No. 3806 of January, 82 of the Registering Authority, Rampura Phul.

J. L. GIRDHAR, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Jalandhar.

Dated : 4-9-1982 Scol :

FORM NO. I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th September 1982

Ref. No. A.P. No./3337.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Jalalabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at falulabad on Jan, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (2) Sh. Hari Chand, Babu Ram Se/o Sh. Bihari Lal R/o Jalalabad (W), (Transferor)
- (2) Sh. Mukand Lal S/o Sh. Sher Singh R/o Jalalabad.

(Transferee)

- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPT NATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 2197 of January, 1982 of the Registering Authority, Jalalabad.

J. L. GIRDHAR.
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhat.

Dated: 6-9-1982

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th September 1982

Ref. No. A.P. No./3338.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per Schedule, situated at V. Pandori Rukman, Teh. Hoshiarpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur on Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Parkash Wati Wd/o Sh. Rajinder Kumar S/o Sh. Bhola Nath Director Alfa Steel Ltd., Tanda Road, Jalandhar. (Transferor)
- (2) Sh. Hazara Singh S/o
 Sh. Ishar Dass R/o Fatehgarh Niara, Teh. Hoshiarpur.

(Transferor)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 4166 of January, 1982 of the Registering Authority, Hoshiarpur.

J. L. GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Dated: 6-9-1982

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhai, the 10th September 1982

Ref. No. A.P. No./3339 —Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/bearing No. As per Schedule situated at Talwandi Saboo

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Talwandi Sabot on Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh Sohan Lal S/o Lekh Ram elias Lekhu R/o Main Market, Model Town, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Sh. Sadhu Singh S/o Pala Singh R/o Talwandi Saboo Distt. Bhatinda.

(Transferor)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land measuring 15 KIs 17 Mls. situated at Talwandi Saboo as mentioned in the registration sale deed No. 3007 of January. 82 of the Registering Authority, Talwandi Saboo.

J. L. GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Dated: 10-9-1982

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 10th September 1982

Ref. No. A.P. No./3340.-Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,0000/- and bearing

No. As per Schedule, situated at Talwandi Saboo

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Talwandi Sabco on Jan 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

- Sh. Babu Ram S/o Lekh Ram alias Tekhu Distt. Bhatinda R/o Talwandi Saboo. (Transferor)
- (2) Sh Saidul Singh S/o Sadhu Singh R/o Talwandi Saboo, Distt. Bhatinda.

(Transferor)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property, (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land measuring 15 Kls, 18 Mls, situated in village Talwandi Saboo as mentioned in the registration sale deed No. 3008 of January, 82 of the Registering Authority, Talwandi Saboo.

> J. L. GIRDHAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Dated: 10-9-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-'TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 10th September 1982

Ref. No. A.P. No./3341 —Whereas, I, I. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule, situated at Talwandi Saboo

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Talwandi Saboo on Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the raduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Hem Raj S/o Lekh Ram 'Utf' Lekhu (R/o Talwandi Saboo), J.A. 14/C, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Surjit Kaur W/o Sardul Singh R/o Talwandi Saboo, Distt Bhatinda.

(Transferor)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land measuring 15 Kls. 17 Mls. situated in Village Talwandi Saboo as mentioned in the registeration sale deed No. 3007 of January, 82 of the Registering Authority, Talwandi Saboo.

J. L. GIRDHAR,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Dated: 10-9-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME IAX ACI 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar the 10th September 1982

Ref No AP No /3342—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

As per Schedule, situated at V Kingra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in office of the Registering Officer at

Jalandhai on Jan 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

- (1) Sh Daibir Singh S/o Joginder Singh thiough Mukhtiai-Ai-Am Sh. Harbans Singh S/o Kartar Singh R/o V. Mithapui Tch_ Jalandhar
- (2) Sh Parmjit Kaur W/o Mohinder Singh R/o V Jandiela Teh. Phillaur. and Surinder Singh Cheema S/o Sh. Rachpal Singh, R/o 10, Gian Nagar, Jalandhar, and Smt. M Kaur W/o Iqbal Singh R/o V Jharian, Teh. and Smt. Manut Batala. (Transferce)

(3) As S No 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land area 3 Kls situated in V Kingra as mentioned in the registeration sale deed No 6300 of January, 82 of the Registering Authority, Jalandhar

> J L GIRDHAR. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Dated: 10-9-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 10th September 1982

Ref. No. A.P. No./3343.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule, situated at Bhotinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhatinda on Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
37—266GI/82

- (1) Sh. Durga Dass Suchdeva S/o Sh.

 Mcola Mal R/o 66, Goodman Road, Singa Pore
 through Mukhtiar-Ai-Am Sh. Harnam Singh Bachan
 Singh, Hospital Road, Bhatinda.
 - (Transferor)
- (2) Sh. The Employees Co-op. House Building Society Ltd. Bhatinda.

(Transferor)

(3) As S. No. 2 above,

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 5 B—16 B, situated in Bhatinda as mentioned in the registering sale deed No. 6165 of January, 82 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Dated: 10-9-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 10th September 1982

Ref. No. A.P. No./3344.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000| and bearing No.

As per Schedule, situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Baldev Raj Suchdeva S/o Sh. Moola Mal R/o 16, Sukhmrit, 50124, Bangkok, Thailand, Through Mukhtiar-Ai-Am Sh. Harnam Singh S/o Bachan Singh, Hospital Road, Bhatinda.

(Transferor)

(2) The Employees Co-op. House Building Society Ltd. Bhatinda.

(Transferec)

(3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property,
(Person whom the undersigned knows to
be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land measuring 5B-16B, situated in V. Bhotinda as mentioned in the registration sale deed No. 6166 of January, 82 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Dated: 10-9-1982

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 10th Soptember 1982

Ref. No. A.P. No./3345.—Whoreas, I, J. L GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. As per Schedule, situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sint. Kartar Devi Wd/o Sh. Harbans Lal Suchdeva R/o 66, Goodman Road, Singapore through Mukhtiar-Ai-am Sh. Harna Singh S/o Bachan Singh R/o Hospital Road, Bhatinda.

(Transferor**)**

(2) The Employees Co-op, House Bhatinda.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land measuring 5B. 16B, situated in Bhatinda as mentioned in the registeration sale deed No. 6167 of January, 82 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Dated: 10-9-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 10th September 1982

kef. No. A.P. No./3346.—Whereas, f, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule, situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on January 1982

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 ((27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate precedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Kartar Devi Wd/o Harbans Lal, Suchdeva R/o 66, Goodman Road, Singapore through Mukhtiar-ai-Am Sh. Harnam Singh S/o Bachan Singh, Hospital Road, Bhatinda.

(Transferor)

(2) The Employees Co-Op. House Building Society Ltd. Bhatinda.

(Transferee)

(3) As s. no. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land measuring 5 B. 16 B. situated in Bhatinda as mentioned in the registeration sale deed No. 6325 of January, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 10-9-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 10th September 1982

Ref. No. A.P. No. /3347.—Whereas I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on January 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Baldev Raj Suchdeva S/o Moola Mal R/o 16, Sukhumrit, 50124, Bangkok (Thailand) through Harnam Singh S/o Bachan Singh Hospital Road, Bhatinda, Mukhtiar-Ai-Am.
- (2) The Employees Co-Op. House Building Society Ltd. Bhatinda.
- (3) As s. no. 2 above.

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land measuring 5 B. 16 B. situated in Bhatinda as mentioned in the registration sale deed No. 6326 of January, 82 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 10-9-1982

FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

Jalandhar, the 10th September 1982

Ref. No. A.P. No. /3348.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule, situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on January 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shii Durga Dass Suchdeva S/o Sh. Moola Mal R/o 66, Goodman Road, Singapore through Sh. Harnam Singh S/o Bachan Singh, Hospital Road, Bhatinda, Mukhtiar-Ai-Am.

(Transferor)

(2) The Employees Co-op. House Building Society, Ltd. Bhatinda.

(Transferee)

(3) As s. no. 2 above

(Person in occupation of

the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if eny, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land measuring 5 B. 16 B. situated in Bhatinda as mentioned in the registration sale deed No 6327 of January, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-9-1982

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Ialandhar, the 10th September 1982

Ref. No. A P. No /3349 — Whereas, I, J. L. GJRDHAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatfer referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Kot Kapura

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at Faridkot on January 1982

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apprent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

- Shiimati Maya Devi Wd/o Nanak Chand R/o Maheshwari Street, Kot Kapuia. (Transferor)
- (2) Shri Sukhdev Singh, Sukh Mandir Singh Ss/o Hazura Singh R/o Kot Kapura Road, Kot Kapura. (Transferee)
- (3) As S No. 2 above

(Person in occupation of

the property)

(4) Any other person interested in the property,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land Measuring 32 Kls. situated in V. Kot Kapura as mentioned in the registration sale deed No. 4004 of January, 1982 of the Registering Authority, Faridkot.

J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar.

Date . 10-9-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th September 1982

Rcf. No. A.P. No. 5350.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per Schedule, situated at Phagwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in January, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shrimati Parkash Kaur Wd/o Sh. Surinder Singh R/o Moh, Satnam Pura, Phagwara.

(Transferor)

- (2) Shri Gurbachan Singh S/o Sh. Beli Ram, Phagwara. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2536 of January, 1982 of the Registering Authority. Phagwara.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 13-9-1982,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE.

Jalandhar, the 13th September 1982

Ref. No. A.P. No. 3351.— Whereas I, J. J. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule, situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandbar in January, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

38—266GI 82

 Shri Dalip Chand Thapar S/o Tanlok Chand R/o Mohalla Thapran, Jalandhai.

(Transferor)

(2) M/s. S. K. Manufacturing Co. Subash Nagar, Jalandhai through Sh. Om Prakash Pariner.

(Transferer)

(3) As St. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land area 2 Kls. 8 Mls. situated in Preet Nagar, Jalandhar as mentioned in the registration sale deed No. 6046 of January, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar,

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ialandhar.

Date: 13-9-1982.

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE,

Jalandhai, the 13th September 1982

Ref. No. A. P. No./3352.— Whereas, I, J. I. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule, situated at Goraya

(and more fully described in the Schedule annexed here(o), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Phillaur in January, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shi mati Santi Wd o Sh. San Ryo Rurka Kalan, Phillaur.

(Transferor

(2) Shri Gurmil Singh S/o Sh. Panjit Singh R/o Goraya.

(3) As. St. No. 2 above.

(Transferce)

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons wisher a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the espective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No 2881 of January, 1982 of the Registering Authority, Phillaur,

J. I. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 13-9-1982,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

FALANDHAR

Julandhar, the 14th September 1982

Ref. No. A.P. No./3353.--Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No as per Schedule situated at Variana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on January, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act 1 hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shir Mangu Ram S o Bhula Ram, R/o V. Variana, Teh Jalandhar.

(Transferor)

(2) Radha Traders, Kapurthala.

(Transferce)

(3) As Sr. No 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

LNPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 10 Kls, situated in V. Variana as mentioned in the registration sale deed No. 6130 of January 1982, of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisitoin Range, Jalandhar.

Date 14-9-1982. Scal

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

Jalandhar, the 14th September 1982

Ref. No. A.P.No. /3354.—Whereas, I.J. L. Girdhar. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. as per schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on January, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Kartar Singh S/o Amar Singh Ganeral Attorney Baldav Raj S/o Jiwan Mal R/o Jalandhar. (Transferor)
- (2) Lead India, Jalandhar through Sh. Krishan Dev. (Transferee)
- (3) As s. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property House situated New Manjit Nagar, Rohan Mohalla, Basti Sheikh, Julandhar as mentioned in the registeration sale deed No. 6137 of January, 1982, of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisitoin Range, Jalandhar,

Date : 14-9-1982,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE,

Jalandhar, the 14th September 1982

Ref. No APNo./3355—Whereas, IJ L. Girdhar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule, situated at khuila

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on January, 1982

for an apparent consideration—which is less than the fair market value of the aforesaid—property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent—consideration therefor—by—more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Ranbii Singh S o Bahadur Singh through General Attorney Sh Deepak Khana S/o Kahn Chand R/o near Sasta Iton Store, Nakodar Road, Jalandhar
- (2) Shri Hatish Chander S/o Piara Lal and Piara Lal Nalang R/o 98 Vijay Nagat, Jalandhat.
- (3) As s No. 2 above. (Transferer)

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property land area 18 Mls situated in V. Khurla as mentioned in the registration sale deed No. 6198 of January, 1982, of the Registering Authority, Jalandhar

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisitoin Range, Jalandhar.

Date 11 9 1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

Jalandhar, the 14th September 1982

Ref. No. A.P No./3356 - Whereas I, J. 1. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. As Per Schedule situated at Sultanpur Lodhi. (and more fully described in the Schedule annexed here(o), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Sultanpur on January, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-

section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

ing persons, namely :-

(1) Shi Rajindet at S. o Mangha Ram App Ta Mukhtiara-Am Walo Sudershan Kuman Dripjot Sudesh Kuman D/o Mangha Ram Sultanpur Lodhi. (Transferor)

(2) Shii Sunil Kumar S o Manohai Lal and Smt. Saroj Rani W o Sh. Shiv Kumai R.o Grain Market, Sultanpur Lodhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2122 of January, 1982 of the Registering Authority, Sultanpur.

J. I. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisitoin Range, Jalandhar.

Date : 14-9-1982,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE

Jalandhar, the 14th September 1982

Ref. No. A.P. No. 3357—Whereas I. I I GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

as per Schedule, situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lalendhai in March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Jagbir Singh, Gurdip Singh, Jagjit Singh S/o Gurkirpal Singh R/o Jalandhur.

(Transferor)

(2) Shii Haidial Singh S o Chanan Singh R /o Bharwal Distr. Ialandhai

(Transferer

(3) As St. No. 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovuble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPI ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property House situated in Warian Nagar, Jalandhar as mentioned in the registration sale deed No 7856 of March, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar

J. I. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ialandhar

Date: 14-9-1982.

Sco].

FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th September 1982

Ref No. A.P. No. 3358.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Kot Kapura (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Faridkot on Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Mangat Rai S/o Kheta Ram of V. Malla Wala Teh. Zira now at Kot Kapura.

(Transferot)

(2) Shri Prem Kumar S/o Jagdish Raj Puri r/o Purana Bazar Kot Kapura.

(3) As St. No. 2 above. (Transferce)

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land measuring 2 Kts. and consisting of one room situated in Kot Kapura as mentioned in the registration sale deed No. 4132 of January, 82 of the Registering Authority, Faridkot.

J. L. GIRDHAR, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-9-82.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th September 1982

Ref. No. A.P. No. 3359.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Kot Kapura

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridkot on Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—39—266 GI/82

(1) Shri Mangat Rai So Kheta Ram, of V. Malla Wala Teh. Zira now at Kot Kapura.

(Transferor)

(2) Shri Harbaus Singh Son Natha Singh r/o V. Panj Grain Kalan, Tehsil Faridkot.

(Transferee)

(3) As Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land measuring 2 Kls. consisting of one room situated in Kot Kapura as mentioned in the registration sale deed No. 4133 of January, 82 of the Registering Authority, Faridkot.

J. L. GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-9-82.

(1) Shri Karnail Singh So Sh. Bhagat Singh R'o Rattan Pura Phagwara. (Transferor)

(2) Shri Bhajan Singh, Gurnam Singh, Rawel Singh SS, o Sh. Chain Singh R o Chahal Pur Teh. Garlishanter.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAY ACT, 1961 (43 OF 1961)

--- --- <u>-</u>-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAI ANDHAR

Jalandhar, the 15th September 1982

Ref. No. A.P. No. 3360—Whereas, I, J I. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at Phagwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phaewata on Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2364, of January, 1982 of the Registering Authority Phagwara.

J. L. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-9-82.

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhai, the 15th September 1982

Ref. No. A.P. No. 3361.—Whereas I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

beating No. As per Schedule situated at Phagwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Phagwara on Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Karnail Singh S/o
 Sh. Bhagat Singh
 R/o Rattan Pura, Phagwara.

(Transferot)

(2) Shri Bhajan Singh, Gurnam Singh, Rawel Singh Ss/o Sh. Chain Singh R/o Vill. Chahalpur Teh. Garhshanker

(Transferee)

(3) As per Si. No. 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 2443 of January, 1982 of the Registering Authority, Phagwara

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-9-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th September 1982

Ref. No. A.P. No./3362.—Whereas, 1, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatfer referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any mone or other assets which have not been or which ught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Kzushalya Devi W/o Sh. Naranjan Lal R/o Bhatinda.

(Transferor)

(2) Sh. Avtar Singh S/o Gurnam Singh of V. Mehna now at Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows

to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property plot 200 Sq. Yds. situated at Bhatinda as mentioned in the registeration sale deed No. 5925 of January, 82 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-9-1982.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th September 1982

Ref. No. A P. No./3363.—Whereas, J. J. L GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Naranjan Lal S/o Janki Dass R/a Bhatinda

(Transferor)

(2) Shri Kartar Singh S/o Gurnam Singh of Mehma now at Bhatinda.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persona, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property plot 200 Sq. Yds. situated at Bhatinda as mentioned in the registeration sale deed No. 5926 of January, 82 of the Registering Authority, Bhatinda

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-9-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th September 1982

No. Ref. No. A.P./3364.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and than the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Parveen Kumar S/o Narainjan Lal R/o Bhatinda.

(2) Shri Bhupinder Singh & Avtar Singh S/o Gurnam of V. Mehna now at Bhatinda.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property plot 200 Sq. Yds. situated at Bhatinda as mentioned in the registeration sale deed No. 5927 of January, 82 of the Registering Authority, Bhatinda

I. I.. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-9-1982.

(1) Shri Vishwa Mitter S/o Naranjan Lal R/o Bhatinda.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Avtar Singh S/o Gurnam Singh of V. Mehna now at Bhatinda.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Jalandhar, the 15th September 1982

Ref. No. A.P. No. 3365.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Bhatiada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda on January, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as ageed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1857);

Property Plot 200 Sqs. Yds. situated at Bhatinda as mentioned in the registeration sale deed No. 5928 of January, 82 of the Registering Authority, Bhatinda.

THE SCHEDULE

J. L. GIRDHAR
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-9-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th September 1982

Ref. No. A.P. No./3366.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhatinda on January, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Barjinder Kaur W/o Jaswant Singh R/o Bhatinda

(2) Shrimati Puspha Wati W/o Des Raj, & Rakesh Kumar S/o Des Raj R/o Chandigarh and Smt. Hagir Kaur W/o Sukhdev Singh R/o Bhatinda.

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Transferee)

(4) Any other person interested in the property,
(Person whom the undersigned knews

to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land measuring 2 B. 10 B. situated at Bhatinda as mentioned in the registeration sale deed No. 6338 of January, 82 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-9-1982,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th September 1982

Ref. No. A.P. No./3367.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-bearing No. as per schedule

situated at Bhatinda

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda on Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act; 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
40—266 GI/82

(1) Shri Amarjit S/o Inder Jit R o Bhatinda.

(Transferor)

(2) The Bhatinda Co-operative House Building Society, Bhatinda.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice of the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land area 1 B. 131/2 B. situated at Bhatinda as mentioned in the registeration sale deed No. 6433 of January. 82 of the Registering Authority (Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-9-1982.

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ASSISTANT COMMIS-OFFICE OF THE INSPECTING SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th September 1982

Ref. No. A.P. No./3368.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on January, 1982 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

1(1) Shri Bikram Jit S/o Inderjit R /o Bhatinda.

(Transferor)

(2) The Bhatinda Co-operative House Building Society, Bhatinda,

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows

to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Froncrtv land measuring 1 B. 13 G. situated Bhatinda as mentioned in the registration sale deed No. 6434 of January, 82 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-9-1982.

FORM NO. ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th September 1982

Ref. No. A.P. No./3369.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per Schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on January, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (t) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-sectiin (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Harjit Singh S/o Nihal Singh R/o Bhatinda.

(Transferor)

- (2) Shri Natha Singh S/o Joginder Singh R/o H. No. 8092, Sirki Bazar, Bhatinda. (Transferce)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land measuring 10 B. 12 B. situated at Bhatinda as mentioned in the registration sale deed No. 6448 of January, 82 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-9-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th September 1982

Ref. No. A.P. No./3370.—Whereas, I, J. I. GIRDHAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule

situated at Bhatindo

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on January, 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the trunsferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Surinderjit Singh S/o Nihal Singh R/o Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Ram Rakha Singh S/o Joginder Singh R/o H. No 8092, Sirki Bazar, Bhatinda. (Transferee)

(3) As per S₁. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property landmeasuring 10 B. 12 B. situated at Bhatinda as mentioned in the registeration sale deed No. 6449 of January, 82 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-9-1982.

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th September 1982

Ref. No. A.P. No./3371,--Whereas, I, J. L. GIRDHAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

bearing No. as per schedule

situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on January, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Nihal Singh S/o Ratten Singh Attorney Amarjit Singh R/o Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Natha Singh S/o Joginder Singh R/o H. No. 8092, Sirki Bazar, Bhatinde.

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land measuring 10 B, 12 B, situated at V, Bhatinda as mentioned in the registeration sale deed No. 6470 of January, 82 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J L GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-9-1982.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th September 1982

Ref. No. A.P. No./3372.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

as per schedule

situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bhatinda on January, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Surinderjit Singh S/o Nihal Singh R/o Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Ram Rakha Singh S/o Joginder Singh R/o H. No. 8092 Sirki Bazar, Bhatinda,

(Transferee)

*(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

*(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land measuring 10 B. 12 B. situated at Bhatinda as mentioned in the registeration sale deed No. 6471 of January, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-9-1982.

Scal:

*(Strike off where not applicable)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th September 1982

Ref. No. A.P. No./3373.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on January, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) Shri Kartar Singh S/o Amar Singh through Baldev Raj S/o Jiwan Mal R/o Basti Guzan, Jalandhar. (Transferor)
- (2) Shrimati Raj Rani W/o Ram Parkash,
 R/o EN-10, Phagwara Gate, Jalandhar. 2) Rajinder
 S/o Ved Parkash R/o Basti Guzan, Jalandhar. 3)
 Smt. Sandhya Rani Rathi W/o Upinder Nath R/o
 Arjan Nagar, Jalandhar. 4) Saroj Kumari W/o
 Ram Nath R/o Basti Guzan, Jalandhar. 5) Veena
 Kumari W/o Subash Chander R/o Basti Guzan,
 Jalandhar. 6) Prem Rani W/o Vijay Kumar and
 T) Bimla Rani W/o Sham Lal R/o Basti Guzan. 7) Bimla Rani W/o Sham Lal R/o Basti Guzan, Jalandha!.

(Transferee)

- "(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- "(4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land measuring 3 Kls. 10 Mls. situated in Basti Sheikh, Jalandhar as mentioned in the registeration deed No. 6507 of January, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-9-1982.

Scal:

"(Strike off where not applicable)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR Jalandhar, the 16th September 1982

Ref. No. A.P. No. 3374.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Rs. 25,000/- and bearing
No. as per schedule
situated at V. Gill Patti, Bhatinda
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Bhatinda on January, 1982
for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Sukhdev Singh, Gurdev Singh, Mohinder Singh 55/0 Jora Singh, Mohinder Kaur W/0 Jora Singh, Harmandar Singh 5/0 Sh Dalip Singh Nihal Kaur Wd/0 Dalip Singh, Vill. Gill Patti, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shii Satya Pal. Chaman Lal and Rayinder Kumar Ss/o Ramsaian Dass R/o Kaloo Teh. Fazilka.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THF SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No 6490 of January, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J I. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 15-9-1982.

"(Strike off where not applicable)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 16th September 1982

Ref. No. A.P. No./3375.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per Schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda on Ján., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
41—266 GI/82

(1) Shri Som Dutt S/o Ronaq Ram Mukhtiaram of Smt. Satya Devi W/o Som Dutt,
Alka Gargi & Ameeta Gargi Ds/o Som Dutt and Asha Rani D/o Sh. Sadhu Ram.
Sadhu Ram S/o Lal Chand R/o Bhatinda.

(Tansferor)

(2) Shri Kanda Singh and Ganda Singh Ss/o Sh. Gurcharan Singh Vill. Matta, Dist. Faridkot.

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 6013 of January, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda,

J. L. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jalondhar

Date: 16-9-1982,

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR Jalahdhar, the 16th September 1982

Ref. No. A.P. No./3376.—Whereas, I J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per Schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on Jan., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Shanti W/o Amrit Lal S/o Sh. Sohan Lal, Kishan Lal, Kewal Krishan, Banarsi Dass, & Pawan Kumar Ss/o Brij Lal Harmel Singh S/o Mangal Singh R/o Bhatinda.

(Tansferor)

(2) Shri Jagjit Singh Brar S/o Inder Singh R/o Lagha Purana.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 6389 of 1.'82 of Registering Authority, Bhatinda,

J. L. GIRDHAR.

Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar

Date: 16-9-1982.

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhat, the 16th September 1982

Ref. No. A.P. No./3377.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. As per Senedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on Jan., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such grantfer a egreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Walaiti Ram S/o Relu Ram, Rachhpal S/o Babu Ram, Suraj Bhan S/o Roshan Lal, R/o Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Nachhattar Singh Sidhu S/o Sh. Amar Singh Sidhu R/o Fatra Bhaika.

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 6388 of January, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 16-9-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 16th September 1982

Ref. No. A.P. No./3378.—Whereas, I J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Bhatinda on Ian., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any, moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Jangir Singh S/o Jeon Singh R/o Near Dohra Tap. Gill Patti Road, Bhatinda Mukhtiar-am Nazar Singh & Sital Singh SS/o Sh. Kartar Singh, Vill, Gill Patti.

(Tansferor)

(2) Shri Banta Singh S/o Sunder Singh and Amarjit Kaur W/o Darshan Singh R/o Bhatinda.

(Transferce)

- *(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- *(4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 6021 of January, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 16-9-1982.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 16th September 1982

Rcf. No. A.P. No./3379.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on Jan., 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Jangir Singh S/o Jeon Singh R/o Near Dehra Tap. Gill Patti Road, Bhatinda. Mukhtiaram Nazar Singh & Sital Singh SS/o Kartar Singh, Vill. Gill Patti.

(Tansferor)

(2) Sukhdarshan Singh S/o Banta Singh, Walaiti Ram S/o Ralla Ram and Sh. Sat Pal S/o Hans Raj R/o Bhatinda.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 6023 of January 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 16-9-1982.

FORM ITNS----

(1) Shri Dev Raj S/o Kishori Lal R/o Bhatinda.

(2) Shri Nachattar Singh and Amarjit Singh Ss/o Sh. Jagga Singh R o Bhatinda.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

ME-1777 AC1, 1901 (45 OF 1901)

(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 16th September 1982

Ref. No. A.P. No./3380.—Whereas, 1 J. L. GIRDHAR, being the Computent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexd hereto), has been transferred under the Registeration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on Jan., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforceaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforceaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period exputes later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 6341 of January, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. Marnely:—

Date: 16-9-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 16th September 1982

Ref. No. A.P. No./5381.—Whereas I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Madan Lal S/o Kishori Lal R/o Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Sukhdev Singh and Nachhattar Singh SS/o Sh. Jagga Singh R/o Bhatinda.

(Transferee)

- (3) As perr Sr. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION. -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 6342 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 16-9-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 16th September 1982

Ref. No. A.P. No./3382.—Whereas, 1 J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per Schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on Jan., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bant Rara S/o Hari Ram R/o Mehna Mohalla Bhatinda.

(Tansferor)

(2) Shri Lachhman Dass S o Dilla Ram S/o Hant Ram C/o Hant Ram Lachhman Dass C/A, Raman Mandi, Kulwant Rai S/o Kundan Lal, Advocate, Civil Court, Bhatinda, Parkash Chand Aggarwal S/o Tilak Ram Advocate, Civil Court, Bhatinda, Vijay Kumar Singla Advocate, Bhatinda.

(Transferce)

"(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

"(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 5977 of January, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 16-9-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFI ICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 16th September 1982

Ref. No. A.P. No. 1383.—Whereas, I.J. 1. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per Schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Bhatinda on Jan., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (7 / of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---42--266 G1/82

(1) Shri Bant Ram S/o Hari Ram, R o Mehna Mohalla, Bhatinda.

(Timesferor)

(Tiansferor)

- (2) Shri Parkash Chand S o Tilak Ram, R/o Raman Mandi
 - (2) Snn Bimla Devi W/o Jagdish Rai R/o Raman Mandi
 (3) Deepak Seth S/o Om Paikash
 - R/o Bhatinda.
 - (4) Kulwant Rai S o Kundan Lal r/o Bhatinda,

(Transferee)

(3) As per Si No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 6027 of January. 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. J. GIRDHAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 16-9-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACOUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 16th September 1982;

Ref. No. A.P. No./3384.—Whereas, I, J. I. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on Jan., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Bant Ram S/o Sh. Hari Ram, R/o Mehnu Mohalla, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Hans Raj S/o Mahla Ram r/o Bhatinda.

(2) Varinder Mohan S/o Dilla Ram, R/o Raman Mandi

(3) Lalit Kumar S/o Kulwant Rao R/o Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 6009 of January, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Inlandhar,

Date: 16-9-1982.

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAI ANDHAR

Jalandhar, the 16th September 1982

Ref. No. AP. No /3385—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269(B) of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair, market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

As per Schedule, situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhatinda on Jan, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Dharam Pal S/o Tirath Ram, r/o EC-206, Rasta Mohalla, Jalandhai.

(Transferor)

(2) Shri Jagidish Raj S/o Sukhdial R/o EC-168 Punj Pn, Jalandhar.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property 1/3 share of H. No. EL-206 situated in Rasta Mohalla, Jalandhar as mentioned in the registration sale deed No. 6248 of January 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 16-9-1987.

Seai

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri K. K. Pavithran, S. N. V. House, Kaloor, Ernakulam.

(Transferors)

(2) Smt. M. K. Ratnamma, Teacher. Pachalam, Cochin-12.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE "ANJIPARAMBIL BLDGS", ANAND BAZAR COCHIN-662016

Cochin-662016, the 7th September 1982

Ref. L. C. 592/82-83.—Whereba I, P. J. THONASKUTTY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing
No. as per schedule situated at Ernakulam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 5-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the paid instument of transfer with the object ofObjections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

191 conts of land with a shed as per schedule attached Doc. No. 400/82 dated 5-2-1982.

P. J. THONASKUTTY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Cochin

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date : 7-9-1982 Scal :

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Sri Bhagban Chandra Das, Purba Bairagipara,
 P. O. Ektiasal, Dist-Jalpaiguri.

(Transferor)

(2) Sri Sunil Kumar Das Adhıkary,
 Debgram, Purba Bairagipəra,
 P. S. Rajganj, Dist. Jalpaiguri.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 4th September 1982

Ret. No. AC-15/Acq-R-1V/Cal 82-83.—Whereas, I, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. as per schedule situated at Purba Bairagipara, Dist. Jalpaiguri

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jalpaigun on 22-1-[982]

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infleen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: 4 Cottahs with building Address: Purba Bairagipara, P. S. Rajganj, Dist-Jalpaicuri, Kh. No. 82, Plot No. 196 and 97. Deed No.: 476 of 1982.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-III, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 4-9-1982

FORM I.T.N.S.---

(1) Smt. Bani Lahiri.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Hindusthan Commercial Company.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 10th September 1982

Ref. No. 1122/Acq.R- Π I/82-83.—Whereas, I, C. ROKHAMA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 20 situated at Mayfair Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule

annexed bereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 22-1-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring one bigha two cottahs four chittacks and thirteen sq. ft. with two storied building being premises No. 20, Mayfair Road, Calcutta.

C. ROKHAMA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to following persons, namely:—

Dated: 10-9-1982

Sear

FORM I.T.N.S.----

(1) M/s. Polar & Co.

(Transferoi)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) S./Shri Brajo Gopal Ghosh, Kalyan Kr. Ghosh.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA

Calcutta, the 10th September 1982

Ref No. 1123/Acq.R-III/82-83.—Whereas, I, C. ROKHAMA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sand Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-bearing

No. 33A (Flat-6, 14th floor) situated at Chowringhee Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta on 27-1-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration we such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:---

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A flat No. 6 on 14th floor lying at and being premises No. 33A, Chowringhee Road, Calcutta.

C. ROKHAMA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-III, Calcutta

Dated: 10-9-1982

(1) Samarendra Nath Munshi & ors,

(Transferor)

(2) Shri Bhabatarani Bera.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 10th September 1982

Ref. No. 1125/Acq.R-III/82-83/Col.—Whereas, I, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

6/2/2, situated at Surendra Nath Ghosh Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 16-1-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objection if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 2K with building being premises No. 6 2 2, Surendra Nath Ghosh Sarani, Calcutta.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta

Dated: 10-9-1982

(1) Reknas Limited.

(Transferoi)

NOT.: 'UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) K. C. Mitra Construction (P) Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III

CALCUTTA

Calcutta, the 10th September 1982

Ref No. 1124/Acq.R-III'82-83.—Whereas I, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 50 situated at Chanditala Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 9-1-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gozette or a period of 30 days from the critice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) Idealitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of lend with building measuring an area of 2 bigha 9 cottahs lving at and being premises No. 50. Chanditala I ane, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
43—266GI/82

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta

Dated: 10-9-1982

(1) Shri Vinav Kumar Soi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THF INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M. S. Rajkamal Paper Mills Ltd.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 10th September 1982

Ref. No. 1126/Acq.R-III/82-83.--Whereas, J. ROKHAMA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair marker value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

No. 6/1, situated at Palm Avenue, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 22-1-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insrument of transfer with the object of-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazete.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/of
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which gught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

All that piece or parcel of land measuring 5K 8Ch more or less with building being premises No. 6/1, Palm Avenue,

THE SCHEDULE

C ROKHAMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Calcutta

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated · 10-9-1982 Seal

Calcutta.

FORM I'INS-----

Sri Radheshyam Jalan and, Smt. Maina Devi Jalan.

(Transferor)

(2) Sri Vishal Singhania

(Transferee)

(3) Sri V. Singhama.

(Persons in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CALCUTTA

Calcutta, the 10th September 1982

Ref. No. TR-62/82-83/Sl. 654 IAC/Acqn. R-1/Cal.—Whereas, I_{\bullet}

C. ROKHAMA

being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. D/6, situated at 5 Camac Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 7-1-1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising form the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-UN Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2.14% of the right title interest in Premises No. 5, Camac Street, Calcutta represented by Flat No. D/6, registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-94 dated 7-1-82.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Calcutta

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Dated: 10-9-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 10th September 1982

Ref No. TR-60/82-83/SJ. 652 IAC/Acqn.R-I/Cal.—Whereas, I. C. ROKHAMA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat No. B/3 situated at 5, Camac Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. A., Calcutta on 7-1-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Radheshyam Jalan, Smt. Mina Devi Jalan.

(Transferor)

(2) Sri Nandalal Bagaria & ors.

(Transferee)

(3) Sri N. L. Bagaria & ors.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLINATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2.26% right title of interest in Premises No. 5, Camac Street, Calcutta, represented by Flat No. B/3, Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta, vide Deed No. I-90 on 7-1-82.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
54, Raft Ahmed Kidwai Road, Calcutta

Dated ; 10-9-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. CALCUTTA

Calcutta, the 10th September 1982

.Ref. No. TR-61/82-83/St 653/IAC/Acqn.R-J/Cal.-Whereas, I. C. ROKHAMA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. C/1 situated at 5 Camac Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. A., Calcutta on 7-1-82

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Sri Radhoshyam Jalan, Smt. Mina Devi Jalan.

(Transferor)

(2) Sri Pradio Kumar Kedia & ors.

(Transferee)

(3) Sri P. K. Kedia & ors.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of he aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2.27% of the right title and interest in Premises No. 5, Camac Street, Calcutta, represented by Flat No. C/1, registered before the Registrar of Assurances, Calcutta on 7-1-1982 vide Deed No. 92.

> C. ROKHAMA Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I 54, Rati Ahmed Kidwai Road, Calcutta Calcutta-700016.

Date: 10-9-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
KANNAMMAI BUILDING IND FLOOR

621, MOUNT ROAD, MADRAS-600006

Madras-600006, the 8th September 1982

Ref No. 30/Jan/82.—Whereas, [, S LAHIRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 269/2 situated at Chellapillaikuttai village, Omalur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Omalur (Document No. 70/82 on January 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Minor R, S. Babu, By Guardian & Mother R. S. Karpagam, Plot No. 16 Lakshmi Nilayam, New Fairlands Alagapuram Village, Salem 636004.

(Transferor)

(2) Sri M. S. A. Salam, 481 Suramangalam Main Road, Salem-636005.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in S. No. 269/2 of Chellapillaikuttai village, Salem. (Document No. 70/82)

S. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
MADRAS-6

Date: 8-9-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I KANNAMMAI BUILDING IIND FLOOR 621, MOUNT ROAD, MADRAS-600006

Madras-600006, the 8th September 1982

Ref No. 31/Jan/82—Whereas, I, S. LAHIRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 270 situated at Chellapillaikuttai village, Omalur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Omalur (Document No. 71/82 on January 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (h) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Minor R. S. Ravi, By Guardian & mother Mrs. R. S Karpagam, Plot No. 16 Lakshmi Nilayam, New Fairlands, Magapuram village, Salem-636004.

(Transferoi)

(2) Minor A. S. Ameena Ammal, By Mother and Guardian Zubaida salam, 481 Suramangalam Main Road, Salem-636005.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, publication of this notice in the Official Gazette.
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in survey No. 270 Chellapillaikuttai village, Omalur. (Document No 71/82).

S. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
MADRAS-6

Date: 8-9-1982

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMEN'S OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I KANNAMMAI BUILDING IIND FLOOR 621 MOUNT ROAD, MADRAS-600006

Madras-600006, the 8th September 1982

Ref No. 32 Jan/82.—Whereas, I, S. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to in the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and

bearing No.

S. No. 270 situated at Chellapillaikuttai village, Omalur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Omalur (Document No. 72/82) on January 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri P. Srinivasan,
 Lakshmi Nilayam, New Fairlands,
 Alagapuram village Salem-636004.

(Transferor)

(2) Minor A. S. Avina Aruna, By Guardian & Mother Mrs Subaida Salam, 481, Suramangalam Main Road, Salem-636005.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in S. No. 270, Chellapillaikuttai village Omalur. (Document No. 72/82).

S. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1
MADRAS-6

Date: 8-9-1982

Seal ·

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I KANNAMMAI BUILDING IIND FLOOR 621, MOUNT ROAD, MADRAS-600006

Madras-600006, the 7th September 1982

Ref No. 11/Jan/82.—Whereas, I, S. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961 (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Block No. 10, TS Nos. 29/2, 29/3, 29/5 and 31/3A situated at Pallapatti village & Annathanapatti village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Joint Sub-Registrar I, Salem (document No. 84/82 on January 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore aid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—44—266GI/82

Shri L. Thiruvengadam Chettiar,
 S. T. Rajendran,
 T. J. Lingam,
 T. Lingam,
 Nakkeerar St Subramania Nagar,

Salem-636005.

(Transferor)

(2) Smt. Rathinam Ammal, W/o V. Ganesan Teacher, Kattukottayi, Ariyagoundampatti, Rasipuram Taluk Salem Dist Smt. Backiammal, W/o Dr. S. Natesan Devur village, Edapadi taluk, Salem Dist.
Smt. Solvam Ammal W/o M. Murugesan Agriculturist, Ariyagoundampatti, Rasipuram Taluk Salem Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Pallapatti village—Ward E-Block No. 10, TS No. 29/2, 29/3, 29/5A.

Land at Annathanapatti village TS No. 31/3A.

(Document No. 84/82).

S. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I
MADRAS-6

Date: 7-9-1982

FORM 1.T.N.S.---

(1) Smt. Papathiammal, Sri Guruswamy Gounder, Sri Paramasivam, Sri Ramasamy, Smt. Lakshmi, Minors Krishnamma and Jayalakshmi Sri P. Sekar and Minor Tamil Selvam Kattuvalavu Frumapalayam, Salem.

> (Transferor) Katuppanna

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-(2) Minor Palamsamy by Guardian K Nadar, Kattuvalavu, Elumapalayam Salem

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
KANNAMMAI BUILDING IIND FLOOR
621, MOUNT ROAD, MADRAS-600006

MADRAS-600006, the 13th September 1982

Ref No. F. No. 24/Jan/82.—Whereas, I, S. LAHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 162/4 situated at Erumapalayam, Salem (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Salem (Document No. 285/82) on January 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the sain immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in R.S. No., 162/4 Erumapalayam, S. em. (Document No. 285/82).

S. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commussioner of Income-tax
Acquisition Range-I
MADRAS-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-9-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I KANNAMMAI BUILDING IIND FLOOR 621, MOUNT ROAD, MADRAS-600006

MADR \3-600006 the 13th September 1982

Ref. No. 1 No. 25/Jun. 82 —Whereas, I, S. LAHIRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'soid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/and bearing No

S, No. 165, 2 situated at Erumapalayam, Salem

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Salem (Document No. 283/82) on January 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:—

(1) Smt. Papathiammal. Sri Guruswamy, Paramasiyam, Ramaswamy, Smt. Lakshmi, Mniors Krishnamma, Jayalakshmi, Sri P. Sekar and Minor Tam'l Selvam Kattuvalayu, Erumapalayam, Salem

(Linsferor)

(2) Smt. Ramayı Ammal, W/o Arumugha Nada, Kattuvalavu, Eiumapalayam, Salem.

(Transferce)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in S. No. 165 2 Frumapalayam, Salem. (Document No. 283/82),

S. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I
MADRAS-6

Date: 13-9-1982

Seal

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Papathiammal, Guruswamy, Paramasiyam, Ramaswamy, Lakshmi. Minors Kitshnamma & Jayalakshmi, P. Sekhai and Mnior Tamil Selvam Kattuvalavu, Friimapalayam, Salem.

(Transferor)

 Sri K, Vaiyapuri, S/o Sti Karupanna Nodar Kattuyalayu, Erumapalayam, Salem,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I KANNAMMAI BUILDING JIND FLOOR 621. MOUNT ROAD, MADRAS-600006

MADRAS-600006, the 13th September 1982

Ref No. F. No. 26/Jan/82.—Whereas, I. S. LAHIRI

being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

S. No 162/4 situated at Frumapolavam Salem (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Salem (Document No. 284-82) on January 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect to any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in S. No. 162/4 Frumapalayam. (Document No. 284/82)

alth-tax

S LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I
MADRAS-6

Date: 13-9-1982

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM ITNS---

(1) Shri Sampath Kumar Chandraprakash S/o Niwasdasji Agrawal, R/o 5, Kasera Bazar, Indore.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Madhusudan Soo Shri Purshottamdas Agrawal, R/o Kasera Bazar, House No. 58, Indore. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 23rd August 1982

Ref. No. LAC/Acqn/Bpl/2904.—Whereas I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

lo as the 'said Act') have leason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000% and bearing
No Muel, H. No. 25% (portion of ground floor) situated at Yeshwant Niwas Road, Indore, (and more fully described in the Schedule annexed heicto), has been transferred under the Registering Officer at Indore on 29-1-1982. Indore on 29-1-1982.

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as ngreed to between the parties has not been truly stated in the said insrument of transfer with the object of-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which are pariod applies 1 the whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income(or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Portion of Ground floor of House No. 25/1, at Yeshwant Niwas Road, Indore.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax 4th Flooi Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 23-8-1982